THE Globe

GLOBEN LE GLOBE DER GLOBUS
EL GLOBO O GLOBO विश्व द ग्लोब گلوب

WORLD'S CHILDREN'S PRIZE MAGAZINE #64/65 2017/2018

VOTE! RÖSTA!
¡VOTA! WÄHLT!
வாக்களிப்பீர் رای دهید
ဆန္ဒမဲထည့်ခြင်း! मत
တၢ်ထၢနၣ်တၢ်ဖး! ووټ!
ลงคะแนน! मतदान
صوِّت! ووٹ!
HÃY BẦU!

WORLD'S CHILDREN'S PRIZE FOR THE RIGHTS OF THE CHILD

PREMIO DE LOS NIÑOS DEL MUNDO POR LOS DERECHOS DEL NIÑO

DER PREIS DER KINDER DER WELT FÜR DIE RECHTE DES KINDES!

बाल अधिकारका लागी विश्व बाल पुरस्कार

PRIX DES ENFANTS DU MONDE POUR LES DROITS DE L'ENFANT

PRÊMIO DAS CRIANÇAS DO MUNDO PELOS DIREITOS DA CRIANÇA

बाल अधिकारों हेतु विश्व बाल पुरस्कार

بچوں کے حقوق کے انعام کا عالمی پروگرام

World's Child
for the Rights of the

नमस्ते!

ग्लोब पत्रिका आपके एवं अन्य सभी युवा लोगों के लिए है जो वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। यहाँ आप विश्व भर के मित्रों से मिलेंगे, अपने अधिकारों के बारे में जानेंगे और इस पर कुछ सुझाव लेंगे कि इस संसार को अधिक बेहतर बनाने के लिए आप क्या कर सकते है!

दि ग्लोब के ऊपर वाले कवर पर जो लड़की है वह नेपाल से नीता है, जो वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स प्राइज़ समारोह में बोल रही है। नीता एक बाल अधिकार राजदूत है और साथ ही डब्लू.सी.पी. के बाल न्यायमूर्ति दल की सदस्य भी।

SVENSKA POSTKOD LOTTERIET
The lottery for a better world

Thanks! Tack! Merci ! ¡Gracias! Danke! Obrigado! CẢM ƠN ကျေးဇူး
!:مهرباني धन्यवाद நன்றி سپاس !شُكراً ขอบคุณ တ်ၢဘျုး !:شکریہ

स्वीडन की एचएम रानी सिल्विया • स्वीडिश पोस्टकोड लाटरी • फोरम सिड • सिडा • जूलिया एवं हंस रुजिंग ट्रस्ट • रानी सिल्विया की देखभाल के बारे में बच्चों की फाउंडेशन • सर्व परिवार फाउंडेशन • क्राउन प्रिंसिपल मार्गरेट्स का स्मारक कोष • गिविंग विंग्स • स्पारबैंक फाउंडेशन रिकान • कीप स्वीडन क्लीन • स्वीडिश ओलंपिक समिति

सभी बाल अधिकार प्रायोजक एवं दानकर्ता • ऑल्टर • माइक्रोसॉफ्ट • गूगल • फोरसाइट ग्रुप • ट्विच हेल्थ कैपिटल • यूसी एलाबोलाग • हेल्गो एक्सन जॉनसन फाउंडेशन • पुनामुस्ता • ग्रिपशोल कासेल एडमिनिस्ट्रेशन • स्वेन्स्का कल्तुर्पार्लर • आईसीए टॉघेलन • स्कोमाकार्गार्डन • रोड़ा मैगासिनेट • एरिक एरिकसन इंटरनेशनल कोरल सेंटर • लिला अकादमीन • रोटरी जिला 2370

ren's Prize
Child

दि ग्लोब के इस संस्करण के लोग निम्नलिखित देशों में रहते हैं:

विश्व के बच्चों का पुरस्कार क्या है? 4

बाल न्यायमूर्ति दल से मिलो! 6

बाल न्यायमूर्ति दल का एक दृण संकल्पी बाल अधिकार राजदूत 9

बाल अधिकार क्या हैं? 10

दुनिया के बच्चे कैसे हैं? 12

लोकतंत्र का मार्ग 14

संसार भर में वैश्विक मतदान 17

हमारे साथ बर्मा, कैमरून और अन्य देशों की यात्रा पर आओ। बाल अधिकार राजदूतों एवं अन्य बच्चों से मिलो जो अपने अधिकारों के लिए मतदान देते हैं!

इस साल के बाल अधिकार हीरो

गेब्रियल एंटोनियो मेजेआ मॉन्टोया 46

रेचिल लॉयड 66

वैलेरिउ निकोला 86

विश्व बाल प्रत्रकार सम्मेलन 106

हम वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक हैं 107

हम बाल अधिकारों का जश्न मना रहे हैं 108

कूड़ा रहित पीढ़ी 109

कूड़ा रहित दिवस 116

मुख्य संपादक एवं उत्तरदायी प्रकाशक: मैग्नस बर्गमार
संस्करण 64–65 में योगदान कर्ता: कार्मिला फ्लॉयड, एंड्रियास लॉन, एरिक हल्कजेअर, जोहान बजर्के, जेस्पर क्लेडसन, जोसेफ रॉड्रिगेज, किम नेयलर, जोआना पेलिरोचा, टोटोने हॉर्वाट, अली हैदर, मार्लीन विनबर्ग, सोफिया मार्सेटिक, लीनस न्यस्ट्रॉम, जान–एके विनक्विस्ट, कीप स्वीडन टायडी
अनुवादक: सेमीटिक्स (अंग्रेजी, स्पैनिश), सिन्ज़िया गुएनेयाट (फ्रेंच), ग्लेन्डा कोल्ब्रान्ट (पुर्तगाली), प्रीती शंकर (हिंदी) **डिजाइन:** **फिडेलिटी कवर चित्र:** सोफिया मार्सेटिक **वापस आवरण:** लिनुस नॉस्ट्रोम **प्रिंटर:** पुनामुस्ता ओए

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फाउंडेशन
Box 150, SE-647 24 Mariefred, Sweden
Tel. +46-159-12900
info@worldschildrensprize.org
www.worldschildrensprize.org
facebook.com/worldschildrensprize
Insta @worldschildrensprize
youtube.com/worldschildrensprize
twitter @wcpfoundation

ISSN 1102-8343

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़

क्या तुम इस संसार को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए एक बदलाव लाने वाला बनना चाहते हो? दि ग्लोब में बाल अधिकार नायकों और कई बच्चों की भांति। फिर वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़' (डब्लूसीपी) कार्यक्रम तुम्हारी सहायता कर सकता हैं। दुनिया भर के बहादुर बाल अधिकारों के नायकों और बच्चों को जान कर, तुम इन सब के बारे में अधिक जानोगेः

- करुणा
- सभी व्यक्तियों के बराबर मूल्य
- बाल अधिकार
- मानवाधिकार
- लोकतंत्र कैसे काम करता है
- अन्याय, गरीबी, जातिवाद एवं उत्पीड़न के विरुद्ध कैसे लड़ें
- संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक लक्ष्यों, जिन पर विश्व के देश पर्यावरण की रक्षा के लिए सहमत हो गए हैं और 2030 तक विश्व को बेहतर स्थान बनाना चाहते हैं।

विश्व के बच्चों का पुरस्कार कार्यक्रम नवंबर 2017 से लेकर 16 मई 2018 तक चलता है। तुम अपने वोट के परिणामों को 16 अप्रैल तक दर्ज कर सकते हैं।

तुम्हारे जीवन में अधिकार और लोकतंत्र

यह जानने के साथ शुरू करो कि क्या बाल अधिकारो के संयुक्त राष्ट्र सम्मलेन का सम्मान वास्तव में किया जा रहा है, उदाहरण के लिए स्कूल में। इसके बारे में बात करोः तुम्हारे शहर और तुम्हारे देश के बच्चों के लिए स्थिति को कैसे सुधारा जा सकता है? क्या तुम अपनी आवाज उन मुद्दों के बारे में सुना सकते हैं जो तुमको और तुम्हारे दोस्तों को प्रभावित करते हैं?
लोकतंत्र के इतिहास का अध्ययन करो और, यदि चाहो, तो अपने स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब शुरू करो!
पृष्ठ 10–11, 14–16

एक परिवर्तन लाने वाले बनो!

एक परिवर्तन लाने वाला बनने का अवसर न छोड़ो और सभी लोगों के समान मूल्य एवं अधिकारों के लिए खड़े हो जाओ! तुम अपनी आवाज को सुना सकते हो और अपने देश में एवं विश्व भर में, अब और भविष्य में जहां रहते हो, वहां के जीवन को प्रभावित कर सकते हो। लाखों अन्य बच्चों के साथ, तुम एक अधिक दयालु दुनिया के निर्माण में शामिल हो सकते हो जिसमें सबसे बराबर का व्यवहार किया जाता है, जहां बाल अधिकारों का सम्मान किया जाता है और जहां लोग और ग्रह दोनो पनपते हैं।

क्या तुम्हें पता था?
डब्लू.सी.पी. कार्यक्रम सभी लोगों के समान मूल्य, बाल अधिकार, लोकतंत्र और टिकाऊ विकास के बारे में विश्व की सबसे बड़ी वार्षिक शिक्षा पहल है।

इसे एक उत्सव की तरह मनाओ

मेरिफेड, स्वीडन के ग्रिपिशल कैसल में बड़े डब्लूसीपी समारोह में, जो बाल न्यायमूर्ति दल के नेतृत्व में है, सभी बाल अधिकार नायकों को सम्मानित किया जाता है और बच्चों के लिए अपने काम का समर्थन करने के लिए पुरस्कार राशि प्राप्त की जाती है। महारानी सिल्विया न्यायमूर्ति दल के सदस्यों को पुरस्कारों को भेंट करने में मदद करती हैं। कई स्कूल बाद में अपने स्वयं के समापन समारोह का आयोजन करते हैं, जहां वे डब्लूसीपी समारोह में एक फिल्म दिखाते हैं और बाल अधिकारों का जश्न मनाते हैं।
पृष्ठ 108

16 मई* को, दुनिया भर के वैश्विक मित्र स्कूलों में बच्चे कूड़ा रहित दिवस मनाएंगे। दिखाएँ कि तुम अपने शहर में विद्यालय और सड़कों पर कूड़े उठाकर कूड़ा रहित पीढ़ी का भाग हो। और तुम्हारे और दुनिया के अन्य सभी बच्चों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के अधिकार के बारे में दूसरों से बात करने का अवसर प्राप्त करो।
पृष्ठ 109–116

कूड़ा रहित पीढ़ी

***'कूड़ा रहित दिवस 16 मई को है, लेकिन तुम्हारा स्कूल 20 सप्ताह के दौरान किसी भी दिन इसे मनाने के लिए चुन सकता है।**

क्या है?

अब तक पूरी दुनिया में 40.6 मिलियन बच्चों ने डब्लू.सी.पी. कार्यक्रम के माध्यम से बाल के अधिकारों और लोकतंत्र के बारे में सीखा है। 116 देशों के 70,000 से अधिक स्कूलों ने ग्लोबल मित्र स्कूलों के रूप में पंजीकृत किया है और विश्व के बच्चों के पुरस्कार का समर्थन किया है।

सारे विश्व में बाल अधिकार

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन सभी बच्चों पर लागू होता है, हर जगह। बाल न्यायमूर्ति दल, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों और उन बच्चों जिनको सुरक्षित रखने और सशक्त करने के लिए वे लड़ते हैं, से मिलकर और जानकारी प्राप्त करो। पता लगाओ कि आजकल विश्व के बच्चों का जीवन वास्तव में कैसा है।

पृष्ठ 6–9, 12–13, 17–45

बाल अधिकारों के नायकों से मिलो

हर साल, तीन अद्भुत बाल अधिकार हीरो को विश्व के बच्चों के पुरस्कार के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया जाता है। उन्हें जानो और जिन बच्चों के लिए वे लडते हैं, उनकी जिंदगी की कहानियों के माध्यम से उन्हें जानो।

पृष्ठ 46–105

वो बड़ी घोषणा!

जब लाखों बच्चों के वोटों को जोड़ दिया जाता है, तो यह घोषणा की जाती है कि नामित बाल अधिकार नायकों में से किसने सबसे अधिक वोट प्राप्त किये है और तब बाल अधिकारों के लिए विश्व के बच्चों के पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के अतिरिक्त, दो विश्व के बच्चों के माननीय पुरस्कार भी दिये जायेंगे। परिणामों की घोषणा करने के लिए अपने पूरे स्कूल को इकट्ठा करो! या स्थानीय मीडिया को विश्व के बच्चों के प्रेस सम्मेलन में आमंत्रित करो, जो कई अलग–अलग देशों में एक ही समय में आयोजित किया जाता है। बाल अधिकारों के नायकों को पेश करो और बताओ कि तुम बच्चे के अधिकारों के सम्मान के संदर्भ में क्या सुधार देखना चाहते हो।

पृष्ठ 106

विश्व मतदान (ग्लोबल वोट)

एक बार तुम बाल अधिकारों एवं नामांकित बाल अधिकार नायकों के बारे में जान लेते हो, तब तुम विश्व मतदान में शामिल हो सकते हो। अपने ग्लोबल वोट की तारीख को बहुत समय पहले निर्धारित करो और चुनाव पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से लेकर मतपत्र बक्से तैयार करने तक, एक लोकतंत्रिक चुनाव के लिए आवश्यक सब कुछ तैयार करें। अपने ग्लोबल वोट दिवस का अनुभव करने के लिए मीडिया, माता–पिता एवं राजनेताओं को आमंत्रित करो। *worldschildrensprize.org* पर मतपत्र बॉक्स के माध्यम से अपने स्कूल के वोट के परिणाम को दर्ज करो।

पृष्ठ 17–45

विश्व के बच्चों के पुरस्कार के लिए आयु सीमा

डब्लूसीपी कार्यक्रम उस वर्ष के किसी भी व्यक्ति के लिए खुला है जब तक कि वे दस साल के होते है और जब तक वे 18 साल के होते हैं (बाल अधिकार के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का कहना है कि जब तक तुम 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक तुम बच्चे रहते हो)। कम आयु सीमा कई कारणों से होती है। ग्लोबल वोट में भाग लेने के लिए तुमको नामांकित व्यक्तियों के काम के बारे में सब कुछ सीखना होगा। जिन बच्चों के लिए वे लड़ते हैं, वे कई बार भयानक अनुभवों से गुजर चुके होते हैं, और उनकी कहा. नियाँ छोटे बच्चों के लिए डरावनी हो सकती हैं। यहां तक कि बड़े बच्चों को यह कठिन लग सकता है। यही कारण है कि जब तुम डब्लूसीपी कार्यक्रम के साथ काम कर रहे हो, तब वयस्कों के साथ बात करना महत्वपूर्ण होता है।

Follow us on social media!

www.worldschildrensprize.org

@worldschildrensprize
@worldschildrensprize
worldschildrensprize
@wcpfoundation

2017 बाल न्यायमूर्ति दल महारानी सिल्विया और स्वीडन के बच्चों के लिए मंत्री, आसा रेगनेर के साथ।

बाल न्यायमूर्ति दल से मिलो!

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्य अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से बच्चे के अधिकारों पर निपुण हैं। प्रत्येक न्यायमूर्ति दल बच्चा मुख्य रूप से दुनिया के सभी बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो अपने अनुभवों को साझा करते हैं। वे अपने ही देश और महाद्वीप के बच्चों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। जहाँ तक संभव हो पाता है, बाल न्यायमूर्ति दल में सभी महाद्वीपों के बच्चे तथा सभी प्रमुख धर्म सम्मिलित रहते हैं।

- बाल न्यायमूर्ति दल सदस्यों ने अपने जीवन कथाएँ और उन बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन का वर्णन किया है जिन्हें उन्होंने खुद अनुभव किया है या वे इसके विरुद्ध अभियान चलाते हैं। इस तरह, वे बाल अधिकारों के बारे में विश्व भर के लाखों बच्चों को सिखाते हैं। वे 18 साल होने वाले वर्ष के अंत तक न्यायमूर्ति दल के सदस्य बने रह सकते हैं।
- हर साल, बाल न्यायमूर्ति दल, उन सभी लोगों में से बाल अधिकारों के लिए *वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज* हतु तीन अंतिम प्रत्याशियों का चयन करता है, जिन्हें नामित किया गया है।
- बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्य अपने देशों एवं सारे विश्व में वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए राजदूत हैं।
- बाल न्यायमूर्ति दल, स्वीडन में वार्षिक वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ समारोह की अगुवाई करता है। उस सप्ताह के दौरान बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्य वहाँ के स्कूलों में जाते हैं और अपनी जिन्दगियों एवं बच्चे के अधिकारों के बारे में बात करते हैं।

www.worldschildrensprize.org पर तुमको न्यायमूर्ति दल के बच्चों के बारे में और अधिक कहानियां मिलेंगी और पूर्व न्यायमूर्ति दल के सदस्य भी मिलेंगे।

हमने अपनी पहचान को संरक्षित करने के लिए, न्यायमूर्ति दल के बच्चों के उपनामों को नहीं लिखा है। पांच नए सदस्य डब्लूसीपी 2018 के लिए बाल न्यायमूर्ति दल में चुने जाएंगे।

बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्य हर काम में एक–दूसरे की मदद करते हैं, यहां तक कि हेयर स्टाइल भी।

झोनन

डेयो–मर्सी

नेटा

शमून

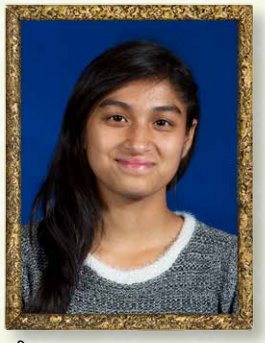
नीता

❤ झोनन नारा, 17

ब्राजील

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है और उनके अधिकारों के लिए लड़ती है जो स्थानीय समूह के हैं और उन बच्चों के लिए जो दुर्व्यवहार से पीड़ित हैं और पर्यावरण की क्षति से प्रभावित हैं।

झोनन नारा ब्राजील में अमेजॉनास में रहती है और स्थानीय 'गुआरानी' समूह के लोगों की सबसे युवा नेताओं में से एक है। वे जंगल में बहुत अंदर रहते थे, लेकिन उसके बाद भी उन लोगों को अपने गांवों से निकाल दिया गया था। वर्षावन को काट दिया गया है और उस भूमि को मवेशियों के खेतों एवें उद्योगों में बदल दिया गया है जो पर्यावरण को जहरीले रसायनों एवं प्रदूषित जल से प्रदूषित करते हैं। अब गुआरानी लोग सड़क के किनारे शिविरों में रहते हैं, जहां वे न तो मछली पकड़ सकते हैं और न ही शिकार कर सकते हैं। गरीबी ने निराशा एवं उदासी से पीड़ित वयस्कों को जन्म दिया है, जो शराब पीने, ड्रग्स लेने और लड़ने में बदल रहा है। झॉन नारा स्वयं से उसके हिंसक सौतेले पिता द्वारा दुर्व्यवहार किया गया।

गुआरानी लोगों को उन लोगों द्वारा धमकियों और हिंसा का सामना करना पड़ता है जो जंगल को कम करके उस भूमि के शोषण द्वारा पैसा कमाने चाहते हैं। जब झोनन नारा 10 साल की थी, तब नकाबपोश पुरुषों का एक समूह उसके गांव में आया था और उसके दादा को गोली से मार डाला, जो उसके लोगों के नेताओं में से एक थे।

''जब हम विरोध करते हैं, तब हमें धमकी दी जाती हैं, हमारे साथ दुर्व्यवहार किया जाता है और हमें मार डाला जाता है। वे हमसे छुटकारा पाना चाहते हैं, लेकिन हम कभी हार नहीं मानेंगे,'' झोनन नारा कहती है, जो दुखी होती है जब वह और अन्य स्वदेशी बच्चों को स्कूल में अन्य विद्यार्थियों की अपेक्षा बदतर व्यवहार किया जाता है। ''यह सचमुच दर्द देता है।''

❤ डेयो–मर्सी, 16

डी आर कांगो

सशस्त्र संघर्ष स्थितियों में बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है एवं उन बच्चों का जिनको सैनिक बनने के लिए मजबूर किया गया।

डेयो–मर्सी को एक सैनिक बनने के लिए मजबूर किया गया था।

''हम अपने रास्ते स्कूल से घर को जा रहे थे जब हमे सशस्त्र पुरुषों ने घेर लिया और चिल्लाकर कहा: 'बैठ जाओ! भागने की कोशिश मत करना वरना हम तुमको मार डालेंगे!' लड़कियों को एक दिशा में ले जाया गया। हम लड़कों को जंगल में चलाया गया। हम अपहर्ताओं से बिनती की कि वे हमें जाने दें, लेकिन उन्होंने हमारी स्कूल की किताबें फाड़ दीं और उन्हें जला दिया। मैं अपने परिवार के बारे में और मौत के बारे में सोचता रहा। नेताओं में से एक ने कहा: 'तुम सैनिक बनने जा रहे हो, अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए, अपने परिवारों और हमारे देश के लिए! जो कोई इंकार करेगा वह हमारा दुश्मन होगा!' हमें खाने के लिए कुछ नहीं मिला। हमने एक छोटा सा पक्षी मिलकर खाया और पत्ते और जंगली फल खाये। हर दिन हमें एक पेय दिया गया था, जो उनके अनुसार हम दुश्मन की गोलियों से बचाता था। बाद में, जब हमें अन्य बच्चों को पकड़ने के लिए भेजा गया, तो मैं हमेशा चुपके से उन्हें भागने में मदद करता था। मैं 37 बच्चों को बचाने में कामयाब रहा। एक रात जब हम लड़ रहे थे, तब मैंने भागने की कोशिश की। इसके बजाय मुझे सरकार के सैनिकों ने पकड़ लिया। जब वे मुझे मारने वाले थे, तो मैं चिल्लाया कि मैं सिर्फ एक स्कूली बच्चा हूँ जिसका अपहरण कर लिया गया था।''

डीयू मर्सी अब आज़ाद है। वह स्कूल जाता है और उसे एक संगठन द्वारा समर्थन मिलता है जो उन बच्चों की मदद करता है जिनको सैनिक बनने के लिए मजबूर किया गया था।

''उन्होंने मेरी मदद की है और मुझे लगता है कि मैं अपनी जिंदगी की जिम्मेदारी फिर से लेने में सशक्त हो गया हूँ।''

❤ नेटा, 17

इजराइल

संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन बच्चों का जो शांति की वार्ता चाहते हैं।

नेता इजराइल में बड़ी हुई और उसे वो समय याद है जब उसके घर के पास युद्ध छिड़ गई थी।

''मुझे विशेष रूप से युद्ध याद है जब मैं छोटी थी। मेरे माता–पिता इतने चिंतित थे कि मेरे और मेरी बहन के साथ कुछ हो जायेगा, इसलिए उन्होंने हमें अपनी चाची के साथ रहने के लिए भेज दिया। हम लंबे समय तक अपने माता–पिता को देख नहीं सके। यह डरावना था। हम बहुत चिंतित और डरे हुए थे और हमें नहीं पता था कि क्या हो रहा है या हम घर पर क्यों नहीं रह सकते! मुझे यह याद है: 'मैं मरना नहीं चाहती, मैं अपने घर छोड़ना नहीं चाहती!'''

नेता का मानना है कि बातचीत – एक दूसरे से बात करना – शांति हासिल करने का सर्वोत्तम तरीका है

❤ शमून, 15

पाकिस्तान

बाल श्रमिकों, दास बच्चों और बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो 'मौजूद नहीं हैं', क्योंकि उनके जन्म कभी पंजीकृत नहीं थे।

शमून का जन्म एक परिवार में हुआ था जो ईंट भट्ठा मालिक के लिए कर्ज दास था जबसे उसके पिता एक लड़के थे। लगभग 600 अमरीकी डालर के पुराने कर्ज का भुगतान करने के लिए हर किसी को सुबह से रात तक काम करने के लिए मजबूर किया गया था। शामून के पिता ने ईंट भट्ठा कार्यकर्ताओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और बच्चों के लिए एक संध्या का स्कूल खोला। ईंट भट्ठे के मालिक को यह अच्छा नहीं लगा, और शामून के पिता को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अगली सुबह, मालिक ने शमुन और उसकी मां को बुलवाया।

''माँ ने मुझसे कहा था कि ईंट भट्ठा स्वामी पिताजी को मार डालेगा, अगर हम उसे बता देंगे कि वह कहाँ थे। मालिक ने मुझे एक छड़ी से पीटा। तब मुझे एहसास हुआ कि हम दास थे।''

दो साल और बीत गए तब भट्ठा मालिक शमून के पिता को चोट नहीं पहुंचाने के लिए माना, इसलिए अब वह घर वापस आ सकता था। शमून के परिवार अब ऋण दास नहीं हैं, लेकिन वे अभी भी एक ईंट भट्ठे में काम करते हैं। शामून स्कूल जाता है और जब वह काम करने में मदद कर सकता है तब वह करता है।

''शाम को मेरे पास ईंट भट्ठा से बच्चों और युवा लोगों के लिए शाम का स्कूल है। शिक्षा ने उन्हें बहादुर और उनके परिवारों की मदद करने में सक्षम बना दिया। शिक्षा ही स्वतंत्र हाने का रास्ता है!''

❤ नीता, 14

नेपाल

बाल यौन व्यवहार में शोषण किये गए बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है।

जब नीता 11 वर्ष की थी, तब उसके एक मित्र ने उसे स्कूल छोड़ कर उसके साथ देश की राजधानी, काठमांडू जाना के लिए राजी करने लिया। वे कुछ मनोरंजन एवं अन्वेषण करने की योजना बना रहे थे। इसके बजाय, नीता को काठमांडू के एक बार में कुछ लोगों के साथ छोड़ दिया गया, जिन्हें वे नहीं जानती थी। उसे नशा कराया गया और उसके साथ भयानक दुर्व्यवहार किया गया। जब उसने रोया और घर जाने की अनुमति मांगी, तो उसे बार के मालिक ने पीटा और एक कमरे में बंद कर दिया।

अंत में, एक युवक जो बार में काम करता था, ने नीता एवं तीन अन्य लड़कियों को वचन दिया कि वह उनके

PHOTO: SOFIA MARCETIC

मिलद

अनन्थी

टैरी

नूर

भाग निकलने में मदद करेगा। वास्तव में, उन्होंने उसे बेचने की योजना बनाई थी, लेकिन जब वे मुख्य बस अड्डे पर पहुंचे, तो सुरक्षाकर्मियों को संदेह हो गया। उन्होंने पुलिस को बुलाया और नीता कोएक घर ले जाया गया जिसमें वो लड़कियों रहती थीं जो बाल यौन व्यापार से पीड़ित थीं। वहां उसे पुलिस को उस आदमी को रिपोर्ट दर्ज करने में मदद मिली। वह अब जेल में है।

''मैं आभारी हूं कि मुझे जीवन में दूसरा मौका मिला। नीता कहती है कि अब मैं बाल अधिकार क्लब की सदस्य हूं और बाल अधिकारों के लिए अभियान चला रही हूं,'' नीता कहती है।

❤ मिलद, 15

सीरिया

विस्थापित बच्चों एवं युद्ध क्षेत्रों में बड़े हाने वाले बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है।

मिलद को सीरिया में युद्ध से भागने को मजबूर होना पड़ा जब वह नौ साल का था। उसके विस्थापन का मार्ग सीरिया में उसके घर वाले शहर अलेप्पो से, कोबेन तक जाता था और फिर और आगे तुर्की तक गया।

''वहां रहना मुश्किल था।

हजारों नए शरणार्थीयों रोज आया करते थे, और बहुत सारे बच्चे सड़क पर भीख मांगा करते थे। मैंने एक कारखाने में काम किया, क्योंकि वहां कोई स्कूल नहीं था।''

दो साल बाद, मिलाव की मां ने कहा कि उसे यूरोप जाना पड़ेगा जिससे वह स्कूल जा सके। बहुत से शरणार्थियों भूमध्य–सागर की यात्रा कर रहे थे, लेकिन हजारों लोग मर गए जब उनकी अधिक भीड़ वाली नौकाएं पलट गईं। तो परिवार ने खर्चा बचाया और उससे एक तस्कर को भुगतान किया। यात्रा के दौरान वे कई दिनों तक लापता रहे। परिवार बहुत चिंतित था। जब तस्कर अंततः संपर्क में आया, तो उसने मिलद के जाने के लिए और अधिक पैसे मांगे।

आज, मिलड अपने परिवार के साथ स्वीडन में रहता है, जो उसके साथ बाद में शामिल हो सका। वह स्वीडन में खुश हैं, लेकिन उसे अलेप्पो में अपने सबसे अच्छे दोस्त की याद आती है।

''मेरा शहर बम से नष्ट हो गया है, यह दुखद है। मैं आभारी हूं कि मैं आ सका हूं, क्योंकि हम सीरिया में मर चुके होते,'' मिलाद कहता है। ''अब मैं दूसरों के बारे में चिंतित हूँ। हम सिर्फ अपने बारे में ही नहीं सोच सकते।''

❤ अनन्थी, 14

भारत

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जो बच्चे शिशु विवाह के लिए मजबूर हो जाते हैं और उन लड़कियों का जिनकी जन्म के समय हत्या होने का खतरा रहता है।

जब अनन्थी छोटी थी, उसकी मां ने कहाः ''हम तुमको मारने की योजना बना रहे थे, लेकिन हम तुमको जीने के लिए छोड़ दिया।'' उनके गांव में, कई लड़कियां जन्म के समय मारी जा चुकी हैं जब से किसी को भी याद है, गरीबी की वजह से एवं इस विचारधारा के कारण कि बेटियां बेटों की तुलना में कम मूल्य की होती हैं। लेकिन अब इस इलाके के सैकड़ों गांवों ने बच्चीयों को मारने की परंपरा को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। लड़कियों को स्कूल जाने में मदद दी गई है और उनके माता–पिता को शिक्षा एवं समर्थन दिया गया है।

''अब वे जानते हैं कि लड़कियां एक उपहार हैं, सजा नहीं,'' अनन्थी कहती है। ''लोग समझते क्यों नहीं हैं कि एक लड़की भी उतनी ही बहुमूल्य है – कि वह अपने परिवार की देखभाल भी कर सकती है, यद्यपि बेहतर नहीं, एक लड़के की तुलना में? मैं हर किसी को दिखाने के लिए योजना बना रहा हूं कि सभी लड़कियों को जीने का अधिकार है।''

अनान्थी के गांव में बाल–विवाह आम है, लेकिन वह कम से कम 25 साल की उम्र तक शादी नहीं करने की योजना बना रही है। पहले वह शिक्षा प्राप्त करना चाहती है और एक अच्छा काम करना चाहती है।

''वे मेरी शादी जल्दी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन मैं इससे लड़ूंगी। मेरा पति दयालु होगा और घर का काम करेगा। और मेरी शिक्षा मेरी दहेज होगी (धन एवं वस्तुएं जो लड़की के परिवार को उस आदमी के परिवार को देनी चाहिए)।''

❤ टैरी, 14

अमेरीका

बेघर बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है।

जब टैरी नौ साल का था, तो वह यू.एस. में 2.5 मिलियन बेघर बच्चों में से एक बन गया, जो आश्रयों में, कारों में, टूटे–फूटे होटलों में या सड़क पर रहते हैं। टैरी का परिवार एक आश्रय में रहता था, जहां बेघर लोगों को सोने के लिए एक जगह दी जाती है, उसकी मां और पांच भाइयों के साथ। यह लॉस एंजिल्स के बेघर इलाके में था, जहां हजारों लोग सड़क पर रहते हैं।

''मेरे परिवार के पास एक कमरा था और शौचालय एवं शावर दूसरों के साथ साझा किया करते थे। बेघर होने के बारे में सबसे खराब बात यह थी कि अक्सर घर बदलते रहना पड़ता था और स्कूल भी बदलना पड़ता था। मैंने भविष्य के बारे में बहुत चिंता की और मैं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए कैसे मदद करूंगा। कभी–कभी प्रेरित रहना मुश्किल था लेकिन मेरी माँ ने हमेशा हमें अपने आप में विश्वास करने में मदद की है, और सौभाग्य से मुझे स्कूल पसंद है। गणित मुझे खुश कर देता है!''

अंत में अब टैरी के परिवार का अपने घर है। कभी–कभी ऐसे बच्चों की उनके स्कूल के काम करने में मदद करता है जो अब भी बेघर हैं। जब वह बड़े होगा तो वह एक लेखक बनना चाहता है। ''मुझे अपनी कहानियां लिखना पसंद है। अगर मैं एक लेखक बनने में सफल होती हूं तो पहले मैं अपने परिवार की मदद करूँगा, फिर दूसरे बेघर लोगों की।''

❤ नूर, 16

फ़िलस्टीन

उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है, जो संघर्ष वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जो कब्जे वाले क्षेत्रों में रहते हैं तथा जो बातचीत द्वारा शांति बनाये रखने का समर्थन करते हैं।

''मेरी पहली याददाश्त रात्रि के मध्य में बंदूक की गोलीयों की आवाज की है, जब मैं चार वर्ष की थी। हम भाग कर तहखाने में नीचे उतर गए। बाद में जब हमने वापस आने की कोशिश की, तब मेरे दादा के कमरे में आग लगी थी और वहां हर जगह गोलीयों के छेद थे और छर्रियां पड़ी थीं। कुछ समय पहले, जब हम विद्यालय में एक परीक्षा में बैठे थे, तो एक आंसू गैस वाला ग्रेनेड अचानक मेरी कक्षा में फेंका गया। मुझे अपनी आंखों में बहुत जलन महसूस हुई और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। मेरे दोस्त और मैं घर भाग गये, लेकिन इजराइली सैनिकों ने हमें रोक दिया और हमें वापस जाने के लिए मजबूर किया। मैं बहुत निराश और डर हुई थी, मुझे कमजोर और पूरी तरह से शक्तिहीन महसूस हुआ। हमने उन्हें बताया कि हम केवल निर्दोष बच्चे थे। अंत में जब मैं घर पहुची, तो मैं रोने लगी। मेरी दादी ने मुझे दिलासा देने के लिए कुरान से पढ़ा, और मुझे पीने के लिए जैतून का तेल दिया। उनकी सलाह थी कि मैं अपनी शिक्षा जारी रखूं, और मुझे स्कूल जाना प्रिय है।'' नूर सैनिकों को पसंद नहीं करती, लेकिन वह चाहती है कि उसके लोग इजराइली लोगों के साथ पड़ोसीयों और दोस्तों की तरह रहें।

''हमें उनके विश्वास का सम्मान करना चाहिए और उनको हमारा। हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए!''

प्रधानाचार्य ने दृण–संकल्पी बाल अधिकार राजदूत किम को राजी किया

किम, 12, जिम्बाब्वे में पहली डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत थी। उसके प्रधानाचार्य ने कई बार उसे रोकने की कोशिश की, पर अंत में वह एक डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब शुरू करने में सक्षम हुई और अब उसने बाल अधिकारों के बारे में हजारों बच्चों को शिक्षित कर दिया है। आज वह वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ बाल न्यायमूर्ति दल में भी है, जहां वह उन सशक्त बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जो बच्चों के अधिकारों के लिए खड़े होते हैं, और विशेषतः लड़कियों के समान अधिकारों के लिए।

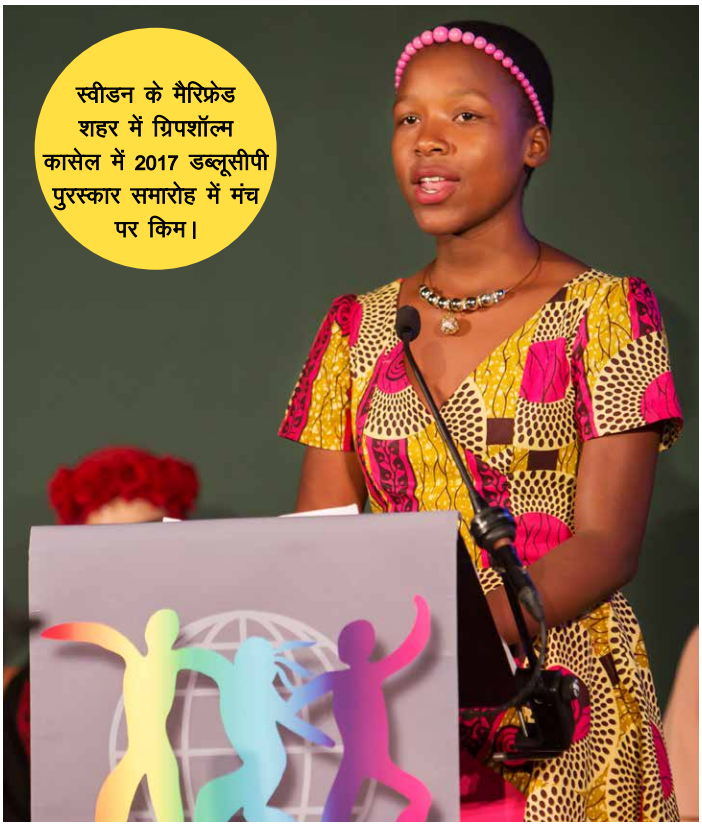

स्वीडन के मैरिफ्रेड शहर में ग्रिपशॉल्म कासेल में 2017 डब्लूसीपी पुरस्कार समारोह में मंच पर किम।

PHOTO: SOFIA MARKETIC/WCPF & SHAMWARI YEMWANASIKANA

''बढ़े होते हुए मैंने दुःखी होकर देखा कि बच्चे कैसे चुप्पी में पीड़ा सहन करते थे, क्योंकि कुछ बच्चों को शिक्षा तक पहुंच नहीं दी गई थी, कुछ को बेरहमी से पीटा गया था जबकि युवा लड़कियां यौन उत्पीड़न और बाल विवाह से पीड़ित रहीं।''

''मुझे नहीं पता था कि बच्चों के रूप में हमारे भी अधिकार हैं। मैंने तब अपने अन्य दोस्तों के साथ बाल अधिकारों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इससे मुझे एहसास हुआ कि हमारे स्कूल में अधिक बच्चों को प्रशिक्षित करने की हमें कितनी आवश्यकता है।''

प्रधानाचार्य ने कहा नहीं

''फिर मैंने अपने स्कूल के प्रधानाचार्य से मुलाकात करके एक बाल अधिकार क्लब शुरू करने की अनुमति मांगी। कई बार इनकार किए जाने के बाद, मैंने अपने स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब को शुरू करने के लिए दृणता से प्रयास करती रही जब तक उनको राजी नहीं कर लिया। इस प्रकार मैं अपने स्कूल एवं समुदाय में डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बन गई।''

''प्रधानाचार्य को आश्वस्त करने के बाद, मुझे लगा कि हमें अभी भी सामुदायिक क्लब की बैठकों का आयोजन करना पड़ेगा जो कि आसपास के स्कूलों से सभी लड़कियों को एक साथ लाएंगी, जिन्हें अभी तक उनके स्कूल में इस प्रकार के क्लब की अनुमति नहीं दी गई थी। यह विभिन्न स्कूलों की लड़कियों के साथ उन लड़कियों को भी लाया जो स्कूल से बाहर थीं और अपने अधिकारों के बारे में जानना चाहती थीं। हमने अपने समुदायों में अन्य बच्चों को बाल अधिकारों के बारे में पढ़ाने के लिए अब बाल अधिकार क्लब के कई सदस्यों को सशक्त कर दिया है।''

मेरी राजदूत भूमिका

''डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में मेरे समुदाय के सभी लड़कों और लड़कियों के लिए मेरी भूमिका बच्चों को शिक्षित और सशक्त बनाने की है।''

''मैं उन लोगों की आवाज के लिए वकालत में भी भूमिका निभाती हूं जो बिना कुछ कहे चुप–चाप पीड़ा सहन कर रही हैं, या तो ज्ञान की कमी या सीमित सशक्तिकरण के कारण। मेरी भूमिका हर क्षेत्र एवं स्थान में बाल अधिकारों के उल्लंघनों के बारे में खुल कर बोलने की है जहां बच्चों का विकास और विकास होता है।''

''लड़कियों के अधिकारों पर मेरा केन्द्र–बिन्दु मुख्य रूप से बाल विवाह के कुल अंत के लिए वकालत करने के उद्देश्य से है, साथ ही स्कूलों में स्वच्छता के लिए लड़कियों के अधिकारों के लिए सम्मान भी है।''

परिवर्तन लायेगा

''एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत होने का अवसर मेरे लिये सम्मानजनक है। यह मेरे लिये सारी दुनिया है। और मैं जानतह हूं कि हमारी इस दुनिया में बदलाव आएगा। अब मैं एक सशक्त युवा लड़की हूं जो दूसरों को सशक्त कर सकती है। और यह मुझे महत्वपूर्ण महसूस कराता है और इस पीढ़ी का भाग जो बच्चों के लिए बेहतर बदलाव लाएगा। कार्यक्रम में सक्रिय होने के कारण मुझे यह देखने का अवसर मिला है की में उस दिशा में काम करने के लिए प्रयास करूं जिससे वो परिवर्तन आये जो मैं देखना चाहती हूं।''

किम बाल अधिकारों के बारे में अन्य बच्चों को सिखाती है।

किम गर्व से अपना बाल अधिकार राजदूत डिप्लोमा दिखाती है। दुनिया भर के सभी बच्चों को डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है, उन्हें इसी तरह का डिप्लोमा दिया जाता है।

worldschildrensprize.org/kimzimbabwe पर किम पर फिल्म देखें।

बाल अधिकारों का जश्न मनाएं

Fira barnets rättigheter

Célèbre les droits de l'enfant

Celebre os Direitos da Criança

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन तुम पर और 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों पर लागू होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका को छोड़कर विश्व के सभी देशों ने सम्मेलन को स्वीकृति दी है (अनुपालन करने का वचन दिया है)। इसका अर्थ है कि उन्हें पहले बच्चों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखना चाहिए और बच्चों को क्या कहना है उसे सुनना चाहिए।

सम्मेलन के मूल सिद्धांत:

सब बच्चे समान हैं और उनके समान अधिकार हैं।
हर बच्चे को अपनी मूल आवश्यकताओं को पूरा करने का अधिकार है।
हर बच्चे को दुरुपयोग और शोषण से सुरक्षा का अधिकार है।
हर बच्चे को अपनी राय व्यक्त करने और सम्मान किये जाने का अधिकार है।

सम्मेलन क्या होता है?

सम्मेलन एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, वह देशों के बीच एक अनुबंध है। संयुक्त राष्ट्र का बाल अधिकारों पर सम्मेलन, उसके मानव अधिकारों पर छः सम्मेलनों में से एक है।

शिकायत करने का अधिकार!

जिन बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है वे सीधे बाल अधिकारो पर संयुक्त राष्ट्र समिति को अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं, यदि उन्हें अपने मूल देश में कोई सहायता नहीं मिलती है। यह संयुक्त राष्ट्र सम्मलेन के बाल अधिकारों की अपेक्षा एक नए प्रोटोकॉल OP3 के कारण संभव हो सका है। जिन देशों में प्रोटोकॉल को मंजूरी दे दी गई है, उनके बच्चों को अपने अधिकारों के बारे में सुना जाने की बेहतर संभावना है। स्वीडन ने अभी तक प्रोटोकॉल को मंजूरी नहीं दी है। तुम और तुम्हारे मित्र अपने राजनेताओं से संपर्क कर सकते हो और मांग करो कि वे ऐसा करें।

*अमरीका ने सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन अपने साथ बाल अधिकारों की एक लंबी श्रृंखला लाती है जो कि दुनिया के सभी बच्चों पर लागू होती है। हमने उनमें से कुछ को यहां पर संक्षेप में प्रस्तुत किया है।

अनुच्छेद 1
ये अधिकार दुनिया के 18 साल से कम उम्र के सभी बच्चों पर लागू होते हैं।

अनुच्छेद 2
सभी बच्चों के समान अधिकार हैं और उन्हें भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।
तुम्हारी उपस्थिति, तुम्हारी त्वचा का रंग, लिंग, तुम्हारी भाषा, तुम्हारा धर्म या तुम्हारे विचारों के कारण किसी को भी तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

अनुच्छेद 3
जो लोग बच्चों को प्रभावित करने वाले निर्णय लेते हैं, उन्हें बच्चों के हितों को पहले ध्यान में रखना चाहिए।

अनुच्छेद 6
तुम्हारे पास जीवित रहने और विकसित होने का अधिकार है।

अनुच्छेद 7
तुमको एक नाम एवं राष्ट्रीयता मिलने का अधिकार है।

अनुच्छेद 9
तुम्हारे पास अपने माता–पिता के साथ रहने का अधिकार है, जब तक कि तुम्हारे साथ बुरा न हो।
यदि संभव हो तो तुमको अपने माता–पिता द्वारा देखभाल किये जाने का अधिकार है।

अनुच्छेद 12–15
सभी बच्चों को यह कहने का अधिकार है जो वे सोचते हैं। तुम्हारी राय ली जानी चाहिए और तुमसे संबन्धित सभी मामलों में वो सम्मानित की जानी चाहिए – घर में, स्कूल में तथा अधिकारियों एवं अदालतों द्वारा।

अनुच्छेद 18
तुम्हारे माता–पिता तुम्हारी परवरिश एवं विकास के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। उन्हें हमेशा अपनी रुचियों को पहले रखना चाहिए।

अनुच्छेद 19
तुमको हिंसा, उपेक्षा, दुराचार तथा सभी प्रकार के दुर्व्यवहार से सुरक्षा मिलने का अधिकार है। तुम्हारा अपने माता–पिता या अन्य अभिभावकों द्वारा शोषण नहीं किया जाना चाहिए।

अनुच्छेद 20–21
यदि तुम अपने परिवार को खो चुके हो तो तुम देखभाल प्राप्त करने के हकदार हैं।

अनुच्छेद 22
यदि तुमको अपना देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, तो तुम्हारे पास अपने नए देश में वो सभी अधिकार हैं जो अन्य बच्चों के हैं। यदि तुम अकेले हो, तो तुमको विशेष सुरक्षा एवं सहायता मिलने का अधिकार है। यदि संभव हो तो तुमको अपने परिवार के साथ पुनः जोड़ देना चाहिए।

अनुच्छेद 23
सभी बच्चों को एक अच्छा जीवन बिताने का अधिकार है। यदि तुम विक्लांग हो तो तुमको अतिरिक्त समर्थन एवं सहायता मिलने का अधिकार है।

अनुच्छेद 24
जब तुम बीमार होते हो, तो तुमको आवश्यक सहायता एवं देखभाल मिलने का अधिकार है।

अनुच्छेद 28–29
तुमको स्कूल जाने और महत्वपूर्ण चीजें सीखने का अधिकार है, जैसे मानवाधिकारों के सम्मान एवं संस्कृतियों के प्रति सम्मान।

अनुच्छेद 30
प्रत्येक बच्चे के विचारों और मान्यताओं का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि तुम अल्पसंख्यक हो, तो तुमको अपनी भाषा, तुम्हारी स्वयं की संस्कृति और तुम्हारा अपना धर्म का अधिकार है।

अनुच्छेद 31
तुम्हारे पास खेलने, आराम करने और खाली समय मिलने का अधिकार है, और स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है।

अनुच्छेद 32
तुमको खतरनाक काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए, जो तुम्हारी स्कूली शिक्षा को बाधित करता हो और आपके स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता हो।

अनुच्छेद 34
किसी को भी तुमसे दुर्व्यवहार करने या तुमको वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। यदि तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार किया जाता है तो आप सुरक्षा एवं सहायता मिलने के हकदार हैं।

अनुच्छेद 35
किसी को भी तुम्हारा अपहरण करने या तुमको बेचने की अनुमति नहीं है।

अनुच्छेद 37
किसी को भी तुमको क्रूर एवं हानिकारक विधि से दण्ड नहीं देना चाहिए।

अनुच्छेद 38
तुमको कभी भी सैनिक बनने या सशस्त्र संघर्ष में भाग लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अनुच्छेद 42
सभी वयस्कों और बच्चों को इस सम्मेलन के बारे में पता होना चाहिए। तुमको अपने अधिकारों के बारे में जानने का अधिकार है।

बच्चे के अधिकारों के बारे में, शिकायत करने के बच्चों के अधिकार के बारे में, और worldschildrensprize.org पर वैश्विक लक्ष्यों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें।

बेहतर दुनिया के लिए वैश्विक लक्ष्य

दुनिया के देशों ने अगले 15 वर्षों में बच्चों और वयस्कों के लिए तीन अतिरिक्त चीजें हासिल करने पर सहमति जताई है: *अत्यधिक गरीबी समाप्त करें दुनिया में अन्याय और असमानता से लड़ें जलवायु परिवर्तन का मुकाबला।* सभी देशों में, सभी लोगों के लिए इन्हें निरंतर विकास के लिए यूएन ग्लोबल लक्ष्यों कहा जाता है। सभी लक्ष्यों के समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, और अगर हमें उन्हें प्राप्त करने का मौका मिलना है, तो सभी को उनके बारे में पता होना चाहिए। आप सभी को वैश्विक लक्ष्यों के बारे में जानते हैं, और परिवर्तन के लिए लड़ाई में शामिल हों!

बच्चे के अधिकारों का जश्न मनाएं

20 नवंबर दुनिया के बच्चों के लिए जश्न मनाने का दिन है। उस दिन 1989 में, संयुक्त राष्ट्र ने बाल अधिकार के सम्मेलन को अपनाया।

दुनिया के बच्चे कैसे हैं?

सभी देश जिन्होंने बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मलेन की पुष्टि की है, उन्होंने बाल अधिकारों का सम्मान करने का वचन दिया है। फिर भी, सभी देशों में इन अधिकारों का उल्लंघन करना साधारण बात है।

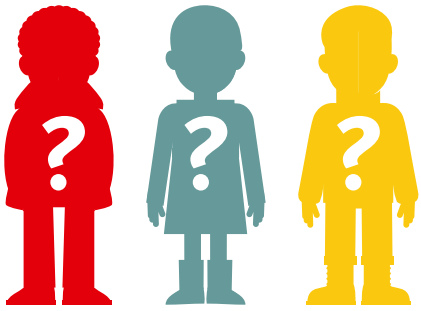

नाम एवं राष्ट्रीयता

तुम्हारे जन्मदिन से ही तुमको एक नाम मिलने का अधिकार है और अपने देश के नागरिक के रूप में पंजीकृत होने का।

हर साल 140 मिलियन बच्चे पैदा होते हैं। उनमें से 48 मिलियन से अधिक बच्चों को कभी पंजीकृत नहीं किया गया है। कोई दस्तावेज सबूत नहीं है कि वे मौजूद हैं!

सजीव एवं विकसित हो

हर देश जिसने बाल अधिकारों का सम्मान करने का वचन दिया है, उसे वहाँ के बच्चों के जीवित रहने और विकसित होने के लिए संपूर्ण सर्मथन देना चाहिए।

दुनिया में पांच साल से कम उम्र के 4 में से 1 बच्चे कुपोषित हैं, और यह उनके बाकी जीवन में विकास को प्रभावित करता है। 23 में 1 बच्चा (सबसे गरीब देशों में 13 में से 1) पांच साल की उम्र तक पहुंचने से पहले मर जाता है, अधिक्तर उन कारणोंवश जिनको रोका जा सकता था जैसे फेफड़ों की सूजन, डायरिया एवं मलेरिया।

कार्यात्मक भिन्नताएं

यदि तुममें कोई कार्यात्मक भिन्नता है, तब भी तुम्हारे वही अधिकार हैं जो साधारण लोगों के। तुमको समर्थन प्राप्त करने का अधिकार है जिससे तुम समाज में एक सक्रिय भूमिका निभा सको। कार्यात्मक भिन्नताओं वाले बच्चे दुनिया में सबसे अधिक संवेदनशील हैं। कई देशों में उन्हें स्कूल जाने की अनुमति नहीं होती। अनेकों के साथ कमजोर प्राणियों जैसा व्यवहार किया जाता है और उन्हें छिपा कर रखा जाता है।

दुनिया में कार्यात्मक भिन्नता वाले लगभग 200 मिलियन बच्चे हैं।

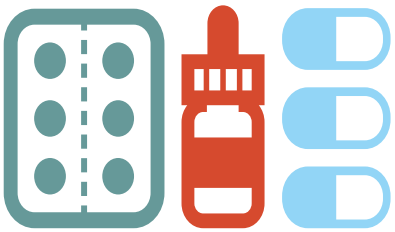

स्वास्थ्य

तुमको एक अच्छा स्वास्थ्य होने का अधिकार है, और सहायता मिलने का यदि तुम बीमार होते हो। भोजन, साफ पानी एवं अच्छे स्वच्छ वातावरण का अभाव कई बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

प्रति दिन, पांच साल से कम आयु के 16,000 बच्चे मरते हैं। गरीब बच्चे विशेषतः यदि वे लड़कियां हैं, शायद ही कभी डॉक्टर के पास जाते हैं। प्रति वर्ष, 2 मिलियन बच्चे सामान्य बचपन की बीमारियों से मर जाते हैं जिन्हें टीकाकरण से रोका जा सकता है, क्योंकि 6 में 1 बच्चे को टीका नहीं लगता। मलेरिया से प्रति दिन पांच साल से कम आयु वाले 1,500 बच्चे मरते हैं (लगभग 500,000 प्रति वर्ष)। मलेरिया से पीड़ित 10 बच्चों में से केवल 5 की ही चिकित्सा होती है, और सबसे गरीब मलेरिया वाले देशों में 10 बच्चों में से केवल 5 ही मच्छरदानी में सो पाते हैं।

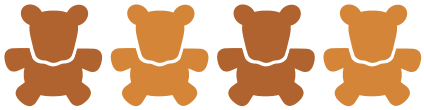

बाल श्रम

तुमको आर्थिक शोषण एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कार्य अथवा जो कार्य तुमको स्कूल जाने से बाधित करते हैं, से सुरक्षित रहने का अधिकार है। सभी कार्य 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए वर्जित है।

दुनिया भर में लगभग 168 मिलियन बच्चे वर्तमान में काम करते हैं, और उनमें से ज्यादातर के लिए जो काम वे करते हैं वह उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य, विकास और शिक्षा के लिए हानिकारक है। कुछ 5.5 मिलियन बच्चे बाल मजदूरी के सबसे खराब स्वरूपों में मजबूर हो जाते हैं, जैसे ऋण दास, सैनिक या बाल यौन व्यापार से पीड़ित। प्रति वर्ष 1.2 मिलियन बच्चों की अपने देश अथवा अन्य देशों में तस्करों द्वारा ले जाया जाता है।

शिक्षा

तुमको स्कूल जाने का अधिकार है। सभी के लिए प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय निःशुल्क होना चाहिए।

दुनिया में 10 में 9 से अधिक बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन अब भी 59 मिलियन बच्चे हैं जो कोई शिक्षा नहीं प्राप्त करते हैं। उनमें आधे से ज्यादा लड़कियां हैं।

अल्पसंख्यक समूह एवं स्वदेशी लोग

जो बच्चे अल्पसंख्यक समूहों या स्वदेशी लोगों के हैं उनको अपने देश में अपनी भाषा, संस्कृति एवं मत का अधिकार है। स्वदेशी लोगों के उदाहरण – अपने देश में रहने वाले पहले लोगों को – में शामिल हैं – ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी और उत्तरी यूरोप के सामी लोग।

स्वदेशी एवं अल्पसंख्यक बच्चों को बहुधा अन्यायों का सामना करना पड़ता है। कुछ को अपनी भाषा बोलने की अनुमति नहीं होती। उनमें से बहुत से भेदभाव किया जाता है, जिसका अर्थ है कि उनके पास अन्य बच्चों के समान अवसर नहीं हैं, उदाहरण के लिए, जब शिक्षा और चिकित्सा देखभाल की बात आती है।

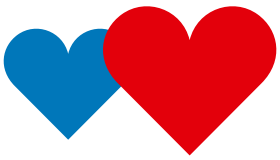

एक अच्छी जिंदगी

तुमको एक घर, भोजन, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख एवं सुरक्षा मिलने का अधिकार है।

1.3 बिलियन से ज्यादा लोग, या 7 में से 1, अत्यधिक गरीबी में रहते हैं। इनमें से लगभग आधे बच्चे हैं। लगभग 100 मिलियन बच्चे सड़कों पर रहते हैं। कई लोगों के लिए, सड़कों उनका एकमात्र घर है। अन्य लोग सड़कों पर काम करते हैं और वहां अपना दिन बिताते हैं, लेकिन रात को अपने–अपने परिवारों में लौट जाते हैं।

दंड

बच्चों को केवल एक अंतिम उपाय के रूप में और सबसे कम संभव समय के लिए कैद किया जा सकता है। किसी भी बच्चे को यातना या अन्य क्रूर उपचार के अधीन नहीं किया जा सकता है। जिन बच्चों ने अपराध किया है उन्हें देखभाल और सहायता दी जानी चाहिए। बच्चों को आजीवन कारावास की सजा नहीं दी जा सकती है न ही मृत्यु दण्ड दिया जा सकता है।

दुनिया में कम से कम 1 मिलियन बच्चे कैदी हैं। कैदी बच्चों से अक्सर बुरी तरह से व्यवहार किया जाता है।

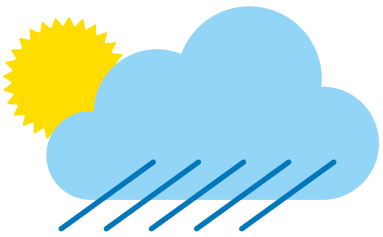

पर्यावरण

जलवायु परिवर्तन अधिक सूखा, अधिक बाढ़, गर्म तरंगें एवं अन्य समस्याग्रस्त मौसम की स्थिति पैदा कर रहा है। बच्चे मरते हैं और घायल होते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से भोजन तथा स्वच्छ जल और अधिक कम हो सकता है, तथा डायरिया एवं मलेरिया के प्रसार को बढ़ा सकता है जो कि बच्चों को प्रायः प्रभावित करते हैं।

आधे बिलियन से अधिक बच्चे उन क्षेत्रों में रहते हैं जो अक्सर बाढ़ से प्रभावित होते हैं, और 160 मिलियन ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जहां गंभीर सूखा पड़ने का खतरा रहता है।

युद्ध एवं शरणार्थी

युद्ध के समय तुमको सुरक्षा एवं देखरेख मिलने का अधिकार है और तब भी यदि तुम कोई शरणार्थी हो। संघर्ष से प्रभावित बच्चों एवं शरणार्थी बच्चों को अन्य बच्चों जैसे अधिकार हैं।

विश्व में लगभग 30 मिलियन बच्चों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। उनमें से 10 मिलियन को शरणार्थीयों रूप में वर्गीकृत किया गया है। पिछले 10 वर्षों में युद्ध में कम से कम 2 मिलियन बच्चे मारे गए हैं। 6 मिलियन को गंभीर शारीरिक चोटों का सामना करना पड़ा है, जबकि 10 मिलियन बच्चों को मनोवैज्ञानिक नुकसान उठाना पड़ा है। एक मिलियन ने अपने माता–पिता को खो दिया है या उनसे अलग हो गए हैं। लगभग 2,50,000 बच्चे युद्धों में सैनिक, कैरियर्स या माइन क्लीनर्स के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। प्रति वर्ष 2,000 से अधिक बच्चे खानों से मारे जाते हैं या घायल होतें हैं।

हिंसा

तुमको सभी प्रकार की हिंसा, उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं अपमान से सुरक्षा मिलने का अधिकार है।

3 बच्चों में से 1 को धमकाया जाता है। 2 और 14 साल के बीच की आयु के 5 बच्चों में से 4 को अपने घर पर किसी न किसी प्रकार के शारीरिक दंड या हिंसा को भोगना पड़ता है। कई देश अपने स्कूलों में शारीरिक दंड की अनुमति देते हैं। 53 देशों ने बच्चों पर सभी प्रकार के शारीरिक दंड पर प्रतिबंध लगा दिया है।

तुम्हारी आवाज सुनाई देनी चाहिए!

आपको यह कहने का अधिकार है कि आप किसी भी मुद्दे के बारे में क्या सोचते हैं जो आपको प्रभावित करता है। वयस्कों को निर्णय लेने से पहले बच्चे की राय सुननी चाहिए, जो सदैव बच्चे के सर्वोत्तम हित में होनी चाहिए। क्या आज तुम्हारे देश में और दुनिया में इसी तरह की स्थिति हैं? तुम और बाकी दुनिया के बच्चों को सबसे अच्छा पता है!

लोकतंत्र का मार्ग

प्रति वर्ष विश्व के बच्चों का पुरस्कार कार्यक्रम एक लोकतांत्रिक वैश्विक वोट के साथ समाप्त होता है, जो आपके द्वारा आयोजित किया जाता है! आओ समय की एक यात्रा पर चलें, जिसके द्वारा हमारे संसार में लोकतंत्र के उदय को देखा जा सकता है।

लोकतंत्र क्या है?

क्या आप और आपके मित्र कुछ मुद्दों पर समान राय रखते हैं, लेकिन अन्य मुद्दों पर अलग–अलग विचार रखते हैं? शायद आप एक–दूसरे को सुनकर इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं जब तक आप उस समाधान तक नहीं पहुंच पाते, जो हर कोई स्वीकार कर ले। इस मामले में, आप सहमती में हैं और एक समझौते पर पहुंच गए हैं। कभी–कभी आपको असहमति के बावजूद सहमत होना पड़ता है। फिर बहुमत – सबसे बड़ा समूह – निर्णय लेता है। इसे लोकतंत्र या *प्रजातंत्र* कहते हैं।

एक लोकतंत्र में, सभी लोगों के समान मूल्य एवं समान अधिकार होने चाहिए। हर कोई अपनी राय व्यक्त कर सके एवं निर्णयों को प्रभावित कर सके। लोकतंत्र के विपरीत तानाशाही होती है। ऐसा तब होता है जब केवल एक या कुछ लोग ही सारे निणर्य लेते हैं और किसी को भी विरोध करने की अनुमति नहीं होती।
एक लोकतंत्र में, हर व्यक्ति की आवाज़ सुनी जानी चाहिए। लोगों को आपसी सहमति द्व ारा समझौता करना पड़ता है और मतदान द्वारा मुद्दों पर निर्णय लेना होता है। प्रत्यक्ष लोकतंत्र तब होता है जब आप किसी विशेष मुद्दे पर वोट देते हैं, उदाहरण के लिए, बच्चों को यह निर्णय लेना चाहिए कि उन्हें वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स पुरुस्कार किसे मिलना चाहिए। एक अन्य उदाहरण जब कोई देश एक निश्चित मुद्दे पर एक जनमत संग्रह रखता है।

अधिकांश लोकतांत्रिक देश *प्रतिनिधि लोकतंत्र* द्वारा नियंत्रित होते हैं ऐसा तब होता है जब नागरिक अपना प्रतिनिधि बनने के लिए लोगों को चुनते हैं – राजनेता – जो लोगों की इच्छानुसार देश का शासन चलाएं।

युगों–युगों से

संयुक्त निर्णय

प्राचीन काल से, लोग एक समूह, जनजाति या गांव में निर्णय लेने के लिए एकत्र होते रहे हैं, शायद शिकार या कृषि के बारे में। कुछ समूहों में संयुक्त निर्णय लेने के दौरान रस्में होती हैं। कभी–कभी एक वस्तु, जैसे पंख, एक से दूसरे को दिया जाता है, और जो भी उस पंख को पकड़े होता है, उसे बोलने दिया जाता है।

508 ईसा पूर्व

लोकतंत्र शब्द का जन्म

508 ईसा पूर्व में लोकतंत्र शब्द का जन्म होता है, ग्रीक शब्द 'डेमो' (लोगों) और 'कृत्रिन' (शक्ति या शासन) से। ग्रीस के नागरिकों को एक सीढ़ी पर चढ़ कर महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय देनी होती है। यदि वे एक समझौते पर नहीं पहुंच पाते हैं, तो लोग हाथ उठाकर उस मुद्दे पर वोट देते हैं। केवल पुरुषों को इस समय वोट देने का अधिकार है। महिलाओं, गुलामों और विदेशियों को नागरिक नहीं माना जाता है और उनको निर्णय लेने में कुछ कहने की अनुमति नहीं है।

1700 के दशक में

अनियन्त्रित शासक

1700 के दशक में, अधिकांश देशों पर अनियन्त्रित नेताओं ने स्वेच्छा से शासन किया। यूरोप में, देशों पर राजाओं और सम्राटों का शासन होता है, जो लोगों की इच्छा को अनदेखा कर सकते हैं। लेकिन कुछ विचारक प्राचीन विचारों में रुचि रखते हैं कि सभी लोग अपने अधिकारों के साथ मुक्त और समान पैदा होते हैं। वे पूछते हैं कि समाज के कुछ समूहों में दूसरों की तुलना में अधिक शक्ति और धन क्यों होना चाहिए। कुछ लोग शासकों के उत्पीड़न की आलोचना करते हैं और मानते हैं कि यदि लोगों को अधिक ज्ञान हो तो वे समाज में अन्याय के विरुद्ध विरोध करेंगे।

धनवान की आवाज

फ्रांसीसी क्रांति भी 1789 में शुरू होती है। इसके पीछे के विचार यूरोप भर में फैले जाते हैं और समाज के विकास को प्रभावित करते हैं। पर अब भी, केवल पुरुषों को ही नागरिक माना जाता है। क्या अधिक है, अक्सर केवल उन पुरुषों को जो वोट देने और राजनेता बनने की अनुमति है, वे धनवान लोग हैं, जिनके पास ज़मीन और भवन हैं।

1789

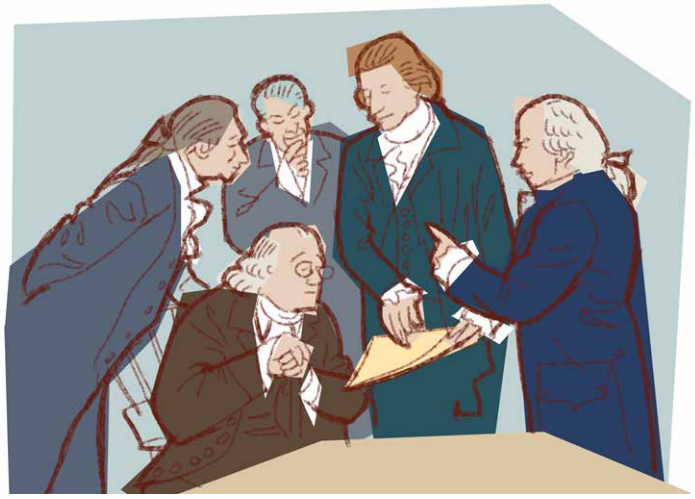

कोई महिला या दास नहीं

1789 में संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला संविधान लिखा जाता है। इसमें कहा गया है कि लोगों को समाज संबन्धी निर्णयों पर अधिकार होना चाहिए, और लोगों को कहने और सोचने का अधिकार होना चाहिए जो वे चाहते हों। हालांकि, संविधान महिलाओं एवं दासों पर लागू नहीं होता।

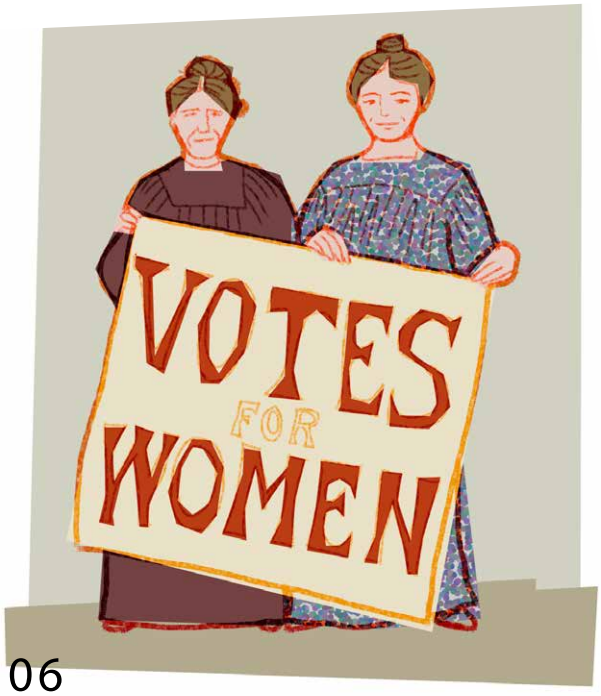

1906

1921

1945

महिलाएं मतदान देने का अधिकार मांगती हैं

1800 के अंत में, अधिक से अधिक महिलाएं राजनीतिक चुनावों में वोट देने का अधिकार मांगती हैं। 1906 में, फिनलैंड यूरोप का पहला देश है, जो महिलाओं को वोट देने देता है। 1921 में स्वीडन एवं यू.के. भी वैसा ही करते हैं। 1945 तक या बाद में भी, यूरोप, अफ्रीका एवं एशिया के अधिकांश देशों की महिलाओं को वोट देने की अनुमति नहीं है।

पहले गुप्त मतपत्र

1856 में दुनिया के पहले गुप्त मतदान का आयोजन तस्मानिया, ऑस्ट्रेलिया में किया गया था, जिसमें मतपत्र पत्रों का उपयोग किया गया था, जिन पर प्रत्याशियों के नाम मुद्रित किए गए थे।

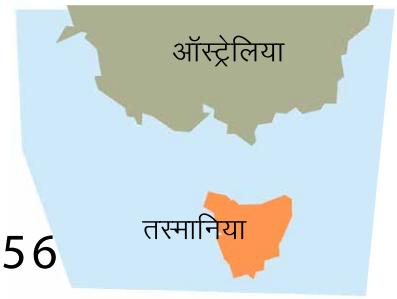

1856

1947

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

1947 में भारत ने खुद को ब्रिटिश साम्राज्य से मुक्त किया और दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र बन गया। स्वतंत्रता की लड़ाई महात्मा गांधी के नेतृत्व में होती है, जो बिना हिंसा किये, उत्पीड़न का विरोध करने में विश्वास रखते हैं।

1957

अफ्रीका में पहला लोकतंत्र

1957 में पश्चिम अफरीका में घाना अपने औपनिवेशिक शासक, ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्र हो जाता है। क्वामे न्क्रूमा उस देश का पहला नेता बन जाता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका का उपनिवेशण सैकड़ों वर्ष पूर्व हुआ था। यूरोप की महान शक्तियों ने सैनिकों एवं खोजकर्ताओं को भेजा, जिससे वे वहां की भूमि पर कब्जा कर सकें, प्राकृतिक संसाधनों को चुरा सकें, और लोगों को गुलामों में बदल दें।

TEXT: CARMILLA FLOYD & MAGNUS BERGMAR ILLUSTRATIONS: JAN-ÅKE WINQVIST

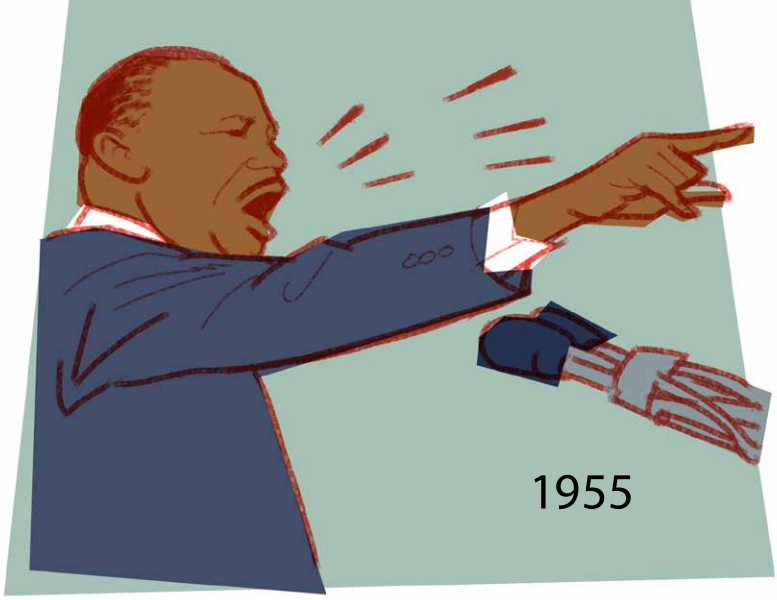

संयुक्त राज्य अमेरिका में समान अधिकार

1955 में रोसा पार्क्स नामक एक महिला, जो काली है, एक सफेद आदमी के लिए बस पर अपनी सीट छोड़ने से मना कर देती है। रोजा पर जुर्माना लगाया जाता है, क्योंकि दक्षिण अमेरिका में काले लोगों के सफेद लोगों के समान अधिकार नहीं होते हैं। उन्हें सफेद बच्चों के समान स्कूलों में जाने की अनुमति नहीं है, और कभी–कभी उन्हें वोट देने की अनुमति नहीं होती। सिविल अधिकार चौंपियन मार्टिन लूथर किंग बस कंपनी का बहिष्कार शुरू करता है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका भर में एक विरोध आंदोलन की शुरूआत है, जातिवाद के विरुद्ध और स्वतंत्रता एवं समान अधिकारों के लिए है।

अरब का वसंत

2010 में ट्यूनीशिया में एक गरीब नौजवान ने स्वयं को आग लगा लेता है जब उसका सब्जी का ठेला पुलिस द्वारा जब्त कर लिया जाता है। जब उसकी मृत्यु की खबर फैलती है, तो हजारों दुखी लोग तानाशाह के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं जो देश पर राज्य करता है। पड़ोसी देशों के लोग भी प्रेरित हो जाते हैं, और मिस्र एवं लीबिया के तानाशाही शासनों को पलट दिया जाता है।

1994

दक्षिण अफ्रीका में सभी के लिए मतदान अधिकार

1994 में नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित अध्यक्ष बन जाते हैं। वह देश की नस्लवादी रंगभेद प्रणाली के खिलाफ अपनी लड़ाई के लिए 27 साल के लिए जेल में है, जिसने त्वचा के रंग के अनुसार लोगों को अलग किया। मंडेला का चुनाव पहली बार है कि सभी दक्षिण अफ्रीका नागरिक समान स्तर पर चुनाव में भाग ले सकते हैं।

2015

तानाशाह शासन अब भी हैं

भले ही पहले से कहीं ज्यादा देशों ने लोकतंत्र की शुरुआत की है, फिर भी लोग अन्याय और दमन सहन करते हैं। इसलिए, विश्व के नेताओं ने 2015 में संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में एक बेहतर और अधिक विश्व के लिए 17 नये वैश्विक लक्ष्यों के लिए लड़ने पर सहमति व्यक्त की।

2016/2017

बच्चों के लोकतांत्रिक वैश्विक वोट

2017/2018 में विश्व के बच्चों का पुरस्कार कार्यक्रम सत्रहवीं बार होगा। अब तक, लगभग 40.6 लाख बच्चों ने अपने अधिकारों और लोकतंत्र के बारे में सीखा है – हर नई पीढ़ी के लिए आवश्यक ज्ञान। यह आपको और आपके मित्रों को अपने देश को बेहतर जगह बनाने में मदद करता है, जहां लोकतंत्र मजबूत होता है और बच्चों के अधिकार और मानवाधिकार का सम्मान होता है। जब आप बच्चे के अधिकारों के बारे में सबकुछ जान जाते हैं, और पुरस्कार के उम्मीदवारों के बारे में भी, तब आप लोकतांत्रिक ग्लोबल वोट के लिए तैयार हैं। आपका वोट आपका निर्णय है। कोई भी आपको यह नहीं बताएगा कि किसको वोट दें। जो उम्मीदवार बहुमत प्राप्त करता है, वह 2018 का 'बच्चे के अधिकारों के लिए विश्व बाल पुरस्कार' प्राप्त करेगा!

विश्व मतदान का समय

विश्व मतदान (ग्लोबल वोट) के माध्यम से, आप अपनी आवाज सुना सकते हैं और यह निर्णय लेने में सहायता कर सकते हो कि बाल अधिकारों के लिए विश्व के बच्चों का पुरस्कार (वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फॉर दी राइट्स ऑफ दी चाइल्ड) किसको दिया जाए।

तुमको तब तक वोट देने का अधिकार है जब तक तुम 18 साल के होते हो और बने रहते हो।

जैसे ही तुम इस वर्ष का डब्लू.सी.पी. कार्यक्रम शुरू करते हो, तुम ग्लोबल वोट दिवस के लिए एक दिनांक निर्धारित करो, जिससे तुम्हारे पास बहुत सारा समय हो, कई सप्ताह या महीने, जिससे तुम प्रत्याशियों के बारे में जान सको और जहां रहते हो वहां तथा सारे विश्व में बाल अधिकारों के बारे में जान सको।

किसी और को तुम्हारे निर्णय को प्रभावित नहीं करना चाहिए – न तुम्हारे मित्र, न शिक्षक और न ही माता–पिता। किसी को पता नहीं चलना चाहिए कि तुमने किसको वोट दिया, जब तक तुम उन्हें स्वयं न बताओ। जिस व्यक्ति को वोट देने का अधिकार है, उसका नाम मतदान रजिस्टर में सम्मिलित होना चाहिए। हर नाम को इस सूची से पार किया जाना चाहिए जब वे अपना मतपत्र प्राप्त करते हैं या जब वे मतपत्र बॉक्स में अपना वोट डालते हैं।

अपने दिन पर लोगों को आमंत्रित करो!

ग्लोबल वोट दिवस में अपने परिवार और दोस्तों, स्थानीय मीडिया और राजनेताओं को आमंत्रित करें!

कल्पनाशील मतपत्र बनाओ

प्रमुख लोगों को नियुक्त करना

- अध्यक्षता अधिकारी मतदान रजिस्टर में नामों को चिन्हित करते हैं और मतपत्र जारी करते हैं।
- चुनाव पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करना है कि सब कुछ ठीक से हो रहा है।
- वोट काउंटर मतदानो को गिनते हैं।

महत्वपूर्ण मतदान बूथ

अपना स्वयं का मतदान कक्ष बनाएं अथवा स्थानीय वयस्क चुनावों में से एक को उधार लें।

मतदान कक्ष में एक बार में एक ही व्यक्ति जाए जिससे कोई उसे वोट देते समय देख न सके।

बेईमानी रोको

जो लोग भी वोट डालें, उन्हें चिह्नित करके दोबारा मतदान करने से लोगों को रोकें, उदाहरण के लिए, अपने अंगूठे पर स्याही, एक पेंट की गई कील, हाथ या चेहरे पर एक पंक्ति।

ऐसी स्याही का उपयोग करें जो आसानी से नहीं धुले!

वोटों की गणना करें, जश्न करें, और फिर अपने परिणामों को डब्लू.सी.पी. के पास दर्ज करें, सभी तीन उम्मीदवारों के लिए।

तुम विभिन्न देशों में उनके ग्लोबल वोट दिवसों पर जाकर, पृष्ठ 18–45 पर प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

दि ग्लोब के साथ से

चौदह वर्षीय नौ क्लाई था पौ और उसके दोस्तों ने बर्मा के वर्षावन से ढके पहाड़ों के माध्यम से लंबी पैदल यात्रा के दौरान कई कठिन दिन बिताए हैं। बच्चे करेन लोग हैं, जो बर्मा के कई अल्पसंख्यक आबादी में से एक है।

"हम अपने गांव के स्कूलों के लिए, अपनी स्वयं की भाषा, करेन में, दि ग्लोब पत्रिका की प्रतियां लाये हैं," नौ क्लाई बताती है। "कई स्कूलों और गांवों के बच्चे तो वैश्विक वोट के लिए एक साथ आएंगे।"

दि ग्लोब हाइक (पैदल यात्रा) सचमुच में एक जोखिम है! "हालांकि, जंगल में रहने से भी कठिन समय की यादें ताजी हो जाती हैं ...

विश्व का सबसे लंबा युद्ध

बर्मा या जिसे म्यान्मार भी जाना जाता है, एक देश था जिसमें 1962 से सैन्य तानाशाही थी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और डब्ल्यूसीपी संरक्षक आंग सान सू को घर की गिरफ्तारी में रखा गया था। हालांकि, 2015 में उनकी 'लोकतंत्र के लिए राष्ट्रीय लीग' पार्टी चुनाव में भाग लेने में सक्षम रही, और उसमें जीत गई। बर्मा में कई अल्पसंख्यक आबादीयों ने सैन्य तानाशाही के विरुद्ध हथियार उठा लिए। इनमें से कैरिन लोग भी थे। बर्मा को एक पूर्णतया कार्यरत लोकतंत्र बनने से पहले अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है, लेकिन अब देश की सरकार और कैरन लोगों सहित आठ अल्पसंख्यक आबादीयों के बीच एक संघर्ष विराम है। जब 2012 में, कैरन लोगों और बर्मी राज्य के बीच युद्ध विराम पर सहमति हो गई थी, तो उनके बीच का युद्ध दुनिया का सबसे लंबा चलने वाला युद्ध था। आज, हालांकि, करेन गांवों के बच्चों को अब युद्ध के निरंतर भय में रहने की जरूरत नहीं है।

जब मैं छः साल की थी, एक युद्ध चल रहा था और उस इलाके में लड़ाई हो रही थी जहां मैं रहती थी। एक दिन, मेरे गांव पर हमला किया गया था और मुझे अपने माता–पिता के साथ वर्षावन में भ. ागने के लिए मजबूर होना था। मैंने रोया, और मैंने सोचा कि मैं मरने जा रही हूँ। हम चार दिनों तक छिपे रहे, जमीन के समीप लेटे रहे, पेड़ों और झाड़ियों के नीचे। मेरी मां अपने साथ थोड़ा चावल और नमक लाई थी, जो हमने खाया, लेकिन मुझे हर समय भूख लगती थी।

जब हमने अंततः गांव में लौटने की हिम्मत की, तो हमने पाया कि कई लोग घायल हो गए थे या मारे गए थे। मेरे स्कूल को जला कर ढेर कर दिया गया था। युद्ध ने हमारे कई बाल अधिकारों का उल्लंघन किया है। बच्चों को मार डाला गया है या उन्होंने अपने माता–पिता को खो दिया है, स्कूलों को नष्ट कर दिया गया है और जो लड़कियां मुझसे भी छोटी थीं, उनके साथ वयस्क सैनिकों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया है।

एक महत्वपूर्ण कार्य

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ एव दि ग्लोब के माध्यम से, मैंने बाल अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीख लिया है। उदाहरण के लिए, यह कि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है। मुझे इससे पहले यह नहीं पता था। मैं दि ग्लोब में बाल अधिकारों के नायकों के बारे में पढ़कर बहुत कुछ सीख रही हूं। बड़ी होकर हूंगी तब मैं उनके जैसा बनना चाहता हूं। दि ग्लोब उत्कृष्ट है, और यह एक महत्वपूर्ण कार्य जैसा महसूस लगा जब हम यहाँ गांव में पत्रिकाएं लाएं, जिससे कि अधिक बच्चों को अपने अधिकारों के बारे में जानने का अवसर मिल सके। इसकी बहुत आवश्यकता है, क्योंकि बच्चों को यहां कई समस्याएं हैं। कई वयस्क बच्चों की राय नहीं सुनते हैं। और

दि ग्लोब प्रतीक्षा कर रहे बच्चों के पास थाईलैंड की सीमा वाली नदी को पार करके पहुंचती है।

बर्मा के वर्षावन में

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

गरीब परिवारों के कई बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं – उन्हें इसके बजाय अपने परिवार के धान (चावल) के खेतों में काम करना पड़ता है। वे वयस्कों के रूप में कठिन जीवन बनाएंगे, क्योंकि वे स्कूल नहीं गए हैं। हम सब लड़कियों के लिए स्थिति सबसे खराब है।

लड़कियों के अधिकार

मेरे परिवार में, लड़कियों और लड़कों से समान व्यवहार किया जाता है। लेकिन अक्सर यह मामला होता है कि परिवार अपनी बेटियों की अपेक्षा, बेटों से ज्यादा प्यार करते हैं। बेटों को अधिक मूल्यवान समझा जाता है, और यह कई मायनों में स्पष्ट किया जाता है। यदि परिवार गरीब है, तो वह बेटी होती है जो स्कूल नहीं जा पाती। कुछ गांवों में, चौदह वर्ष तक की युवा लड़कियों को शादी करने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। पुरुष अपनी पत्नी के लिए भुगतान करता है, अतः गरीब परिवार अपनी बेटी को बेंच कर पैसा कमा सकते हैं। यह गलत है। एक बच्चा, बच्चा होता है। केवल वयस्कों को ही शादी करनी चाहिए। लोग भी अक्सर लड़कियों के बारे में अप्रिय भाव से बात करते हैं, वे कहते हैं कि हम लड़कों के समान नहीं हैं, और यह मुझे दुखी और नाराज करता है। दि ग्लोब में, हम सीखते हैं कि लड़कियों एवं लड़कों के समान मूल्य हैं। अगर हम अपने अधिकारों के बारे में सीख सकते हैं, तो मेरा मानना है कि हम उन वयस्कों में बढ़े होंगे जो अपने बच्चों के साथ आज के वयस्कों की अपेक्षा बेहतर व्यवहार करेंगे।

साहस की यात्रा

दि ग्लोब पत्रिका के साथ पैदल यात्रा एक रोमांचक जोखिम था, और इसमें तीन दिन लग गए। मेरे दोस्त और मैं वर्षावन में पैदल चले, पहाड़ों पर चढ़े, नदियो को जेर कर पार किया और नदी वाली नावों में यात्रा की। कभी–कभी हम रुक जाते थे और विश्राम करते हैं, गपशप करते हैं और खेलते थे। रात में, हम उन गांवों के लोगों के घरों में सोते थे जिनसे होकर हम गुजरते थे।

भविष्य में, मैं एक शिक्षक बनना चाहती हूं और बच्चों को महत्वपूर्ण बातें पढ़ाना चाहती हूं। फिर, मैं निश्चित रूप से मेरे शिक्षण में दि ग्लोब का उपयोग करूंगी!

ऊपर वर्षावन के होते हुए...

...और नदियों के पार।

गुलेल द्वारा भोजन को पकड़ना

''मैं हमेशा अपने साथ मेरे गुलेल ले जाता हूं, और जब मैं जंगल में होता हूँ, तो छोटे पक्षियों, चूहों एवं गिलहरियों को मारने करने की कोशिश करता हूं। मैं उन प्राणियों को बैग में रख देता हूं जिनको मैं पकड़ता हूं। जब मैं घर आता हूं, तो मेरी मां तेल में चूहों और गिलहरियों को तल दिया करती है और पक्षियों से सूप बनाती हैं। हम उन्हें चावल के साथा से खाते हैं, और वे स्वादिष्ट होते हैं! मैंने अभी तक इस पैदल यात्रा पर कुछ नहीं पकड़ा है, लेकिन शायद बाद में मेरा भाग्य बेहतर हो!

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से, मैंने सीखा है कि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है। मुझे इससे पहले नहीं पता था कि यहां ऐसे कई बच्चे हैं जो स्कूल नहीं जाते क्योंकि उनके परिवार गरीब हैं और इसका व्यय सहन नहीं कर सकते। मेरा सपना एक डॉक्टर बनना है।''

सौ हतोई के वाह, 12

हमने दि ग्लोब को लेकर पैदल यात्रा की!

''लंबी पैदल यात्रा बिल्कुल भी मुश्किल नहीं थी, क्योंकि हम पहाड़ों में रहते हैं और हम लंबी पैदल यात्रा और चढ़ाई करने के आदि हैं!'' नौ क्लेई था पौ

युद्धः सबसे बड़ी समस्या

''सबसे बड़ी समस्या जो यहां बच्चों ने अनुळाव की है वो युद्ध के कारण भागने के लिए मजबूर होना है। और हम अभी भी आजादी से नहीं कहीं यात्रा नहीं कर सकते, क्योंकि हर जगह शांति नहीं है। आप यह बता सकते हैं कि यह सच है, क्योंकि कुछ बच्चे अब भी स्कूल नहीं जा रहे हैं। मेरा सपना एक दिन शिक्षक बनना है।''

नौ दाह कू पौ, 13

दवाओं और चिकित्सा देखभाल की कमी

''हमारे विद्यालयों में सभी बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यदि हम बीमार हो जाते हैं तो हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या अच्छी दवाओं और चिकित्सा देखभाल की कमी है। मेरा सपना एक डॉक्टर बनना है, क्योंकि उनकी एक वास्तविक आवश्यकता है।''

सौ नौ ले हटू, 14

सैनिकों के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए

''मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है कि बच्चे को स्कूल जाना मिले। यह भी महत्वपूर्ण है कि बच्चों का सैनिकों के रूप में उपयोग नहीं किया जाए। जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तब मेरा सपना है कि मै लोगों की रक्षा कर सकूँ।

देखा ताई कर्ल हू, 14

लट्ठों पर मकान

''रात में, हम उन गांवों में लोगों के घरों में सोते थे जिनसे हम होकर गुजरते थे,'' नौ क्लाई था पौ कहती है। ''यह घर लट्ठों पर खड़े हैं, और अक्सर बांस से बने होते हैं, जिनमें घास की छतों होती है। हम भूसे की चटाई पर सोते थे जो हम बांस के फर्श पर खोल देते थे।''

बाल अधिकारों के बारे में जानना जरूरी है

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ यहाँ महत्वपूर्ण है, क्योंकि गांवों के बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में मालूम नहीं है। भविष्य में स्थिति तभी बेहतर हो सकती हैं, यदि हम अपने अधिकारों के बारे में जाने। मेरा सपना एक बच्चों का डाक्टर बनने का है। यदि हम बीमार पड़ते हैं तो यहां कोई बाल चिकित्सा विशेषज्ञ नहीं हैं, इसी लिए मैं यह बनना चाहती हूं।''

नौ थे लोर पौ, 12

वयस्कों के समान मूल्य

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से, मैंने सीखा है कि बच्चों का एक आंतरिक मूल्य है। वयस्कों को हमारे साथ बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए, या जैसा मानो कि हमारा कोई मूल्य नहीं है। मेरा सपना एक शिक्षक बनना है, आदर्श रूप में हमारी करेन भाषा में है, जिससे यहाँ सभी बच्चे अपनी मूल भाषा सीख सकें।''

नौ हटू ल्यू पौ, 13

नदी किनारे विश्व मतदान

पहाड़ों के बीच छोटे करेन गांव में विश्व मतदान का समय आ गया है। 18 स्कूलों के बच्चे मतदान देने एक साथ एकत्रित हुए हैं। बच्चों निर्णय लेते है कि मतदान प्रज्वलित हरी नदी के किनारे पर होना चाहिए।

एक शिक्षक बनना चाहती हूँ

"दि ग्लोब के माध्यम से ही मैंने बाल अधिकारों को जाना है," नौ क्लेई था पौ बताती है।" अब मैं अन्य बच्चों को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज, बाल अधिकारों एवं लोकतंत्र के बारे में सिखाती हूं।"

बाल अधिकारों का ज्ञान

"विश्व मतदान में भाग लेना मुझे बहुत अच्छा लगता है!" नौ क्लेई था पौ कहती है। "मतदान की तैयारी करना बाल अधिकारों के बारे में जानने का एक अच्छा तरीका है।"

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

मतों को मतपत्र बॉक्स में छोड़ने का समय।

सौ कौ की बाल अधिकार सूची

सौ कौ वाई बौज़ ने बाल अधिकारों के उल्लंघनों की एक सूची तैयार की है, जो गांवों के बच्चों को युद्ध के समय भुगतने पड़े हैं:

केवल सैनिक ही नहीं युद्ध में मारे जाते हैं, कई बच्चे भी।

बच्चों को स्कूल छोड़ने और अपने घरों से भागने के लिए मजबूर किया जाता है।

घरों और स्कूलों को नष्ट कर दिया जाता है।

विस्थापित बच्चों को भोजन नहीं मिलता है।

उनमें से कुछ इतना कुपोषित हो जाते हैं कि वे मर जाते हैं।

बच्चों को उतनी चिकित्सा देखभाल नहीं मिलती जितनी की उनको जरूरत होती है।

बच्चों को अपने माता–पिता से अलग–थलग होना पड़ता है, जब उन्हें भागने के लिए मजबूर किया जाता है।

बच्चे अनाथ हो जाते हैं जब वयस्क मरते हैं।

जब बच्चे धरती में दबे विस्फोटक बमों (लैण्डमाइन्स) पर पैर रखते हैं तो बच्चे घायल हो जाते हैं अथवा मारे जाते हैं।

युद्ध में, कई बच्चों को सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

ग्लोबल वोट के बाद, कुछ लड़के एक लट्ठों पर खड़े घर के सामने टैकरौ खेलने के लिए इकट्ठा हुए हैं, जो वॉलीबॉल के समान एक टीम खेल है जिसमें आप अपने पैरों, घुटनों, छाती या सिर का उपयोग गेंद को नेट के पार लगाने के लिए करते हैं।

टैकरौ गेंद अक्सर रत्तन या प्लास्टिक की बनी होती है।

"मैं आज खुश हुआ जब मैंने विश्व मतदान में भाग लिया," सौ कौ वाई बॉव कहता है। "इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम का भाग होना बड़ा उत्तेजनापूर्ण था। बर्मा एक तानाशाही देश रहा है जहां आप मतदान नहीं कर सकते थे और अपनी बात भी नहीं कह सकते थे। अब, अंत में, यहाँ स्थिति कुछ बदली है। वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ में शामिल युवा लोगों के रूप में, अब हम जानते हैं कि लोकतंत्र क्या है। और निःशुल्क एवं निष्पक्ष चुनाव क्या होता है।"

बर्मा में हजारों लैंडमाइन्स (भूमि में बिछाये गये बारूदी बम) ज़मीन पर हैं।

युद्धः बच्चों के विरुद्ध सबसे खराब अपराध

"आज सुबह, इस गांव में सभी बच्चों ने वैश्विक वोट में भाग लिया। मुझे लगता है यह महत्वपूर्ण है कि हम युवाओं को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से अपने अधिकारों के बारे में जानें, क्योंकि बहुत से बच्चों की कठिन जिन्दगियां है और उनके अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। यहां बच्चों के विरुद्ध सबसे बड़ा उल्लंघन लंबा युद्ध रहा है। जब मैं आठ वर्ष का था, तब मेरे गांव पर हमला हुआ था और मुझे जंगल में भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था। वो रात का मध्य था, और मैं बंदूकें एवं बमों की आवाजें सुन सकता था। मैं अकेला था। मैं अपनी जिन्दगी के लिए डरा था, और मैं उस सभी के लिए भागा जिसके मैं लायक था। दूसरे दिन होने पर ही मुझे अपने माता–पिता फिर से मिल पाए। हमने दो सप्ताह तक जंगल में छिपे रहे। हमने सोचा कि सेना हमें खोज लेगी, और हम मारे जाएंगे। जब हम गांव लौटे, हमारे घरों को जला दिया गया था और हमारा स्कूल नष्ट कर दिया गया था।

"हालात अब शांत हैं, क्योंकि युद्धविराम हो गया है। मुझे पता नहीं कि असली शांति होगी या नहीं, लेकिन मैं निश्चित रूप से उसकी आशा करती हूं। मैं एक छोटे से गांव में शांति में रहने का सपना देखती हूँ। आजादी होने का। भविष्य में मै एक डॉक्टर बनना चाहती हूँ और यहां लोगों की मदद करना चाहती हूँ।"

सौ कौ वाई बॉव, 16

मतदान देने की रेखा नदी के साथ हवाओं को किनारे घूमती हुई जाती है।

बाल अधिकारों का ज्ञान

"विश्व मतदान में भाग लेना मुझे बहुत अच्छा लगता है!" नौ क्लेई था पौ कहती है। "मतदान की तैयारी करना बाल अधिकारों के बारे में जानने का एक अच्छा तरीका है।"

करेन के बच्चों को पता चल चुका है कि लोकतांत्रिक मतदान कैसे काम करता है। जब बर्मा एक सैन्य तानाशाही थी, तब भी उन्होंने अपने विश्व मतदान दिये।

सभी मतदाता, मतदान रजिस्ट्री पर अपने नाम के आगे अपनी उंग्लीयों के निशान लगाते हैं।

कार्यात्मक विविधताओं वाले बच्चों के लिए लड़ो!

"आज, मैंने वैश्विक मतदान में भाग लिया। वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ हमें अपने अधिकारों के बारे में जानने में मदद करता है। जब हमने स्कूल में डब्ल्यूसीपी के साथ काम किया तो मैंने बहुत सी बातें सीखीं जो मुझे पहले नहीं पता थीं, जैसे कार्यात्मक बदलाव वाले बच्चों के दूसरे बच्चों के समान अधिकार हैं। हमारे गांवों में ऐसा नहीं है। यहां, लोग उन बच्चों को नीचा देखते हैं, यहां तक कि अपने स्वयं के माता–पिता भी उनको नीचा देखते हैं। वे अक्सर स्कूल नहीं जाते हैं, और उनको दूसरे बच्चों के साथ खेलने को नहीं मिलता। मुझे लगता है कि यह भयानक है, और अब मुझे यह भी पता है कि यह बाल अधिकारों का उल्लंघन है।

"मैं पड़ोसी गांव में एक सात वर्षीय लड़के को जानता हूं। वह चल नहीं सकता, और वह या तो घिसटता है या लेट जाता है। वह स्कूल नहीं जाता है, और वह अन्य बच्चों के साथ खेलता नहीं है। लेकिन मैं उसका दोस्त हूं और आम तौर पर हम एक–दूसरे से बात करते हैं। हम दोनों को मज़ा आता है।"

"बड़ा हो कर, मैं बच्चों को स्कूल में जाने में सक्षम होने के लिए विभिन्न कार्यात्मक विविधताओं के साथ मदद करना चाहता हूं। मैं एक पूर्व डब्ल्यूसीपी पुरस्कार–विजेता मैनुअल से सचमुच प्रेरित हूं। वह अंधा है, और वह अफ्रीका में गिनी–बिसाउ में अंधा बच्चों के अधिकारों के लिए लड़ता है। मैं उसकी तरह बनना चाहता हूँ।"

सौ एह टा टौ, 14

www.worldschildrensprize.org पर बाल अधिकारों के नायक मैनुअल रॉड्रिक्स के बारे में अधिक जानें।

worldschildrensprize.org/gfburma पर बच्चों की एक फिल्म देखें।

स्कूल में बाल अधिकार एक विषय हो

''मैंने बाल अधिकारों के बारे में सीखा है, डब्लूसीपी कार्यक्रम को धन्यवाद। डब्लूसीपी और क्लब को धन्यवाद कि अब मैं अपने सभी अधिकारों से अवगत हूं। मैं चाहता हूं कि बाल अधिकारों को स्कूल में एक विषय के रूप में शामिल कर लिया जाए।''

''मेरे माता–पिता बहुत खुश हैं कि मैं डब्लूसीपी कार्यक्रम की गतिविधियों में भाग ले रहा हूं।''

''बाल अधिकार अमर रहें!''

फ्रेडरिक, 14, कालेज म्यूनिसिपेल डी टैंघिन बैराज

समीरा दि ग्लोब को टंघिन बैराज पर डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब के लिए जोर से पढ़ती है। सभी क्लब सदस्यों ने डब्लूसीपी कार्यक्रम के माध्यम से अपने अधिकारों के बारे में सीखा है। वे नियमित रूप से मिलते हैं और चर्चा करते हैं कि किन अधिकारों का सम्मान नहीं किया जा रहा है।

बुर्किना फासो में डब्लूसीपी

बुर्किना फासो में अधिक से अधिक बच्चे और युवा लोग डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लबों में शामिल हो रहे हैं। ''मैं डब्लूसीपी क्लब के सदस्य होने के लिए वास्तव में खुश हूँ। इससे मुझे अपने अधिकारों के बारे में जानने में मदद मिली,'' एरियन कहता है।

लड़कियों के लिए शिक्षा

''मैं एक लड़का हूं, लेकिन मैं लड़कियों की शिक्षा के लिए लड़ती हूं और उनके स्कूल में पढ़ते रहने के लिए लड़ता हूं। मैं यह भी दिखाना चाहता हूं कि किस तरह जो लड़कियों दूसरों के परिवारों में काम करती हैं उनको क्या भोगना पड़ता है। कुछ लड़कियों का उनके नियोक्ताओं द्वारा दुरुपयोग किया जाता है। यदि उनसे एक ग्लास भी टूट जाता है, तो उसकी लागत उनकी मजदूरी से काट ली जाती है, जो पहले ही बहुत कम होती है। वे एक दिन भी आराम किये बिना कड़ी मेहनत करती हैं। वे बर्तन मांझती हैं, कपड़े धोती हैं, भोजन तैयार करती हैं, बच्चों को स्कूल ले जाती हैं। दि ग्लोब को पढ़ने के बाद मुझे मालूम हो चुका है कि उनके अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। यहाँ बुर्किना फासो में हमारे पास बच्चों की सहायता के लिए एक टेलीफोन नंबर है, 116, जिसे वे निःशुल्क कॉल कर सकते हैं यदि वे हिंसा के शिकार होते हैं।'' *पास्कल, 16, कालेज सेन्टे कॉलेट*

अज्ञानता को समाप्त करो

''डब्लूसीपी कार्यक्रम पर काम करने के बाद मैंने सीखा है कि ऐसे लोग हैं जो बाल अधिकारों के लिए काम करते हैं। मैंने इतिहास और लोकतंत्र के नियमों के बारे में भी सीखा। मुझे तानाशाही पसंद नहीं है जब मैं बड़ी हो जाती हूं, तब मैं एक ऐसा संगठन स्थापित करने का इरादा रखती हूं जो बच्चों को समर्थन और संरक्षित करता है। हम एकजुट होकर बाल अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। एक दिन हमारी लड़ाई के कारण दुनिया एक बेहतर जगह होगी और मिलकर हम अज्ञानता को खत्म कर देंगे।

''बच्चों, बच्चों, लड़ो, अपने अधिकारों के लिए लड़ो

''अंत में, इस बहुत अंधेरी दुनिया में प्रकाश घुस जाएगा।''

समीरा, 14, कालेज म्यूनिसिपेल डे टंघिन बैराज

निर्णय लेने से पहले बच्चों से पूछो

''दि ग्लोब को पढ़ने से मैं बहुत खुश हूं। मैं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब की सदस्य हूं। हमने अपने माता–पिता और पड़ोसियों सये बाल अधिकारों के बारे में चर्चा की थी क्योंकि वे उनसे परिचित नहीं हैं और कभी–कभी वे अनजान होते हैं। मेरा अभिभावक मुझको बाल अधिकारों के बारे में बात करते सुनकर बहुत हैरान थी। वह यह जानकर अचम्भित थी कि बच्चों को अपने विचारों को व्यक्त करने का अधिकार है जो वे सोचते है और उन सभी मामलों में अपनी राय

देने का जो उनसे सम्बन्धित हैं। यहां हम बच्चे से पूछे बिना निर्णय लेते हैं। इसे रोकना होगा।''

''मैं शर्मीली थी, लेकिन डब्लूसीपी कार्यक्रम को धन्यवाद, अब मैं अन्य बच्चों और वयस्कों के सामने स्वयं को व्यक्त करने का साहस रखती हूं। दि ग्लोब ने मेरी जिंदगी बहुत बदल दी है, क्योंकि यह पत्रिका मुझे दुनिया के दूसरी तरफ की यात्रा करने की अनुभव देती है, बिना कहीं भी जाए। डब्लूसीपी अमर रहे!''

यूजीनी, 13, लाइसी म्यूनिसिपेल नानग्रमास्सॉम

भेदभाव से लड़ो

''यहाँ दैहिक दण्ड केवल स्कूलों में प्रतिबंधित है, लेकिन परिवारों में नहीं। मैं बच्चों के शोषण और विशेष रूप से जिस तरह कुछ माता–पिता अपने बच्चों के साथ भेदभाव के तरीके अपनाते हैं। उदाहरण के लिए, वे एक से प्यार करते हैं और दूसरे से नफरत करते हैं, जबकि वे दोनों उनके बच्चे हैं। डब्लूसीपी कार्यक्रम के माध्यम से मैंने यह जान लिया है कि

यह सामान्य नहीं है और न ही यह बाल अधिकारों का सम्मान है। तो बच्चों के विरुद्ध सभी भेदभाव से लड़ो।''

एलिसन, 14, कालेज प्रोटेस्टेन्ट डे ओआगाडोगोउ

डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब द्वारा तैयार किया गए विश्व मतदान को देने का समय हो गया।

अपनी अंतर्मन का पालन करो और भ्रष्टाचार को अस्वीकार करो

"मुझे बाल अधिकार क्लब पसंद है।"
"मैं जबरदस्ती के बाल विवाह के विरुद्ध लडूंगा क्योंकि मैं दि ग्लोब में इसके बारे में पढ़कर निराश हो गया था। मैं स्कूल जाने के बाल अधिकार की वकालत करने का भी संकल्प करता हूं।"
"मुझे डब्लूसीपी की गतिविधियों में भाग लेने पर गर्व है। डब्लूसीपी हमें लोकतांत्रिक होने के लिए सिखाता है और तानाशाह नहीं। 18 साल का हो जाने के बाद, मैं डब्लूसीपी गतिविधियों में भाग नहीं ले पाऊँगा, लेकिन फिर मैं नगरपालिका और राष्ट्रपति चुनावों में वोट देने का हकदार हो जाऊँगा। मैं एक अच्छा मतदाता बनूगां और अपनी अंतरात्मा के अनुसार वोट दूँगा। मैं अपना वोट बेचने के लिए मना करके इस भ्रष्टाचार को अस्वीकार कर दूंगा।"
"डब्लूसीपी कार्यक्रम हमें वर्तमान में और भविष्य में जीने के लिए तैयार करता है।"
"मुझे डब्लूसीपी कार्यक्रम पसंद है! बाल अधिकार अमर रहें।"
आइनिस, 15, कालेज म्यूनिसिपेल डे टंघिन बैराज

अनाथों के अधिकारों का उल्लंघन बंद करो

"कुछ मेज़बान परिवार यहां अनाथों को 'काइबा' बुलाते हैं। वे उन्हें डराते–धमकाते हैं व उनका सामान चुरा लेते हैं। कुछ को एक नया धर्म एवं एक नया नाम तक दे दिया जाता है। बच्चे को उनकी इच्छा के विरुद्ध मुस्लिम या ईसाई बनने के लिए मजबूर किया जाता है। अक्सर इन बच्चों के पास कोई जन्म प्रमाण–पत्र नहीं होता। उन्हें घर के सभी कार्यों का करना होता है। यदि वे छोटी सी भी गलती करते हैं, तो उन्हें बुरी तरह पीटा जाता है व भोजन से वंचित कर दिया जाता है। जब मैं दि ग्लोब पढ़ता हूं, तब मुझे यह एहसास होता है कि यह सामान्य नहीं है, बल्कि अनाथों के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसलिए मैं बुर्किना की सरकार से बाल अधिकारों के लिए स्पष्ट सम्मान दिलवाने का आग्रह करता हूं। मैंने अनाथों के अधिकारों के लिए समर्थक बनने का मन बना लिया है।"
फिलोमेने, 13, कालेज प्रोटेस्टेन्ट डे ओआगाडोगोउ

बुर्किना फासो में कई बच्चे दि ग्लोब पत्रिका के लिए आभारी हैं, क्योंकि उन्हें पता चला है कि उन्हें पढ़ने के अधिकार हैं।

संघर्ष करने का संकल्प किया

"दि ग्लोब ने मुझे उन लोगों से अवगत कराया है जो बाल अधिकारों के बारे में ज्ञान फैलाने में लगे हैं और मैं अपने अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ लड़ने की प्रतिज्ञा करता हूं। हम अपने परिवार में बाल अधिकारों पर चर्चा करते हैं। शहर में, मैंने वो लड़कियां देखीं जो बाल यौन व्यापार से पीड़ित थीं। मैं इसकी अपने पत्रकार सम्मेलन में चर्चा करना चाहता हूं और सरकार से इसे समाप्त करने की गुहार करूंगा।"
नडेजे, 15, कालेज म्यूनिसिपेल डे टंघिन बैराज

बच्चों को सुनो

"मैं डब्लूसीपी क्लब का सदस्य होने के लिए वास्तव में खुश हूं। उसने मेरे अधिकारों के बारे में जानने में मेरी मदद की। शुरु में मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं क्लब का सदस्य बनूँ। लेकिन उसके बाद जल्द ही उनको बाल अधिकारों के ज्ञान के महत्व का एहसास हुआ।"
"मुझे नहीं पता था कि बच्चों को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। अब मुझे पता है कि हम किसी बच्चे को चुप रहने या बोलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। बच्चे की बातों को सुनना बहुत महत्वपूर्ण है यह जानना कि लिए कि वह क्या सोचता है। मैं और क्लब शुरू करने की सोचता हूँ जिससे डब्लूसीपी अधिक लोगों तक पहुंच सके।"
एरियन, 13

अपनी चाची के लिए दि ग्लोब का अनुवाद करना

"जब मैं चार साल का था, तब मेरी चाची ने मुझे ओआगाडोगोउ ले गई, अतः मैं अपने भाइयों–बहनों के लिए अजनबी बन गया। जब मैंने दि ग्लोब पढ़ी तो मैं खुश हुआ, लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि मेरी चाची ने मेरे माता–पिता के साथ रहने का मेरा अधिकार छीन लिया है तो मैं दुःखी हो गया। यद्यपि मेरी चाची मुझे बहुत पसंद करती है, पर मैं उदास था और गांव में अपने माता–पिता को देखना चाहता था।"
"जब मैं दि ग्लोब पढ़ता हूं, तब मुझे एहसास होता है कि बच्चों को उनके माता–पिता के साथ रहने की जरूरत है और यह उनका अधिकार है। मैंने अपनी चाची से कहा था कि एक बच्चा जो अपने माता–पिता से अलग होता है उसे व्यवहार सम्बन्धी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों को अपने माता–पिता के साथ रहना चाहिए जिनसे उनको प्यार एवं स्नेह मिलता है। ऐसा तब था जब उन्हें यह एहसास हुआ कि मैं इस मुद्दे के बारे में जागरुक हूँ। अब मेरी चाची दि ग्लोब के बारे में उत्सुक है और अक्सर मुझे इसका अनुवाद करने के लिए कहती हैं। वह इसे बहुत पसंद करती है और पूरा परिवार इस पत्रिका से प्रेरित हुया है।"
"दि ग्लोब मुझे एक परिवर्तनीय बनने के लिए प्रेरणा देता है, बाल अधिकारों को सम्मान दिलाने के लिए समर्थन करूँ।"
एसेटा, 14, कालेज प्राइवे ले मेस्साजर

मतपत्र बॉक्स के साथ स्कूल के डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब के सदस्य।

बाल अधिकारों की नाव रास्ते में है

मार्था, बेर्की, इब्यूद एवं केरैन्सो एक छोटे मछली पकड़ने वाले गांव केंगे के लिए जा रहे हैं जो कैमरून के एक द्वीप पर है। वे नाव के इंजन के शोर को डूबने के लिए अपनी आवाजों के शीर्ष पर गा रहे हैं।

"हम वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ बाल अधिकार राजदूत हैं," 15 वर्षीय बेर्की बताता है। "हम बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में पढ़ाने के लिए गरीब और पृथक जगहों की यात्रा करते हैं, जिसे वे अन्यथा नहीं जान पाते।"

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

लड़कियां भी मायने रखती हैं!

राजदूत के रूप में, हम बाल अधिकारों के बारे में समझाते हैं और हर किसी को – यहां तक कि लड़कियों को भी – स्कूल जाने का अधिकार है। हम अक्सर पाकिस्तान की लड़की, पूर्व पुरस्कार विजेता मलाला, के बारे में दि ग्लोब की कहानी का उपयोग करते हैं, जो लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ती है। यह हमारे लिए बहुत अच्छी तरह से काम करता है, क्योंकि स्थिति कैमरून में समान हैं। यहां भी, लड़कियां मायने नहीं रखतीं। गरीब विद्यार्थियों को कभी–कभी स्कूल में अलग कर दिया जाता है। वे निम्न महसूस कर सकते हैं और बोलने या प्रश्नों के उत्तर देने से डर सकते हैं। यदि तुम एक लड़की और गरीब हो, तो स्थिति और अधिक बद्तर हो सकती है। हम लड़कियों और उनके परिवारों को बताते हैं कि लड़कियां लड़कों के जितनी ही मूल्यवान हैं, और अपनी आवाजें सुनवाने की हकदार हैं। हम वास्तव में देख सकते हैं कि हमारे कार्य के कारण स्थिति धीरे–धीरे लेकिन स्थिरता अच्छे के लिए बदल रही हैं। जिन क्षेत्रों में जा चुके हैं वहां लड़कियां अब महत्वपूर्ण होने लगी हैं और उनको सम्मानपूर्वक देखा जाने लगा है। मेरा सपना अपने स्वयं के गरीब लोगों के लिए बने अस्पताल में नर्स होना है, और लोगों की मुफ्त में मदद करना है।

ईब्यूड, 15, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, कोयल बिहुलींग इंस्टीट्यूट, टिको

स्कूल शुरू करना चाहती था

मैं एक गरीब घर से आई हूँ। केवल मेरी मां अभी भी जीवित है, और वह बाजार में सब्जियां बेचती है। जब मैं छोटी थी तो मैं स्कूल जाती थी, लेकिन मुझे स्कूल जाना छोड़ना पड़ा ताकि मैं बाजार में अपनी मां की मदद कर सकूं। एक दिन, एनेंगा नाम की एक लड़की मेरे पास आई और मुझसे पूछा कि मैं स्कूल जाने के बजाय काम क्यों कर रही हूं। जब मैंने समझाया कि हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, तो उसने कहा कि बच्चों को फीस बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, उसके लिए मुफ्त में स्कूल चला गया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को स्कूल जाने का अधिकार है, ताकि उनका भविष्य प्रतिभाशाली हो सके। बच्चों को काम नहीं करना चाहिए। मैंने सोचा कि यह सच होने के लिए बहुत अच्छा लग रहा था, लेकिन मुझे पता चला कि एनेंगा सही थी। मैं सीधे स्कूल जाना शुरू करने में सक्षम हुई, और यही पर मैंने जाना कि एंगाना एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है। मुझे तुरन्त लगा कि मैं भी एक बाल अधिकार राजदूत बनना चाहती हूं, और बच्चों को बाले अधिकारों के बारे में सिखाना चाहता हूं और दूसरों की मदद करना चाहती हूं जैसा कि मेरी स्वयं की मदद की गई थी। मैं तीन साल से एक डब्लूसीपी राजदूत हूं। मेरा सपना है कि मेरा अपना एक स्कूल हो जहां गरीब बच्चे मुफ्त में जा सकें। कहीं न कही उन्हें जीवन में मौका मिलेगा।

मार्था, 15, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, कोयल बिल्लिवल इंस्टीट्यूट, टिको

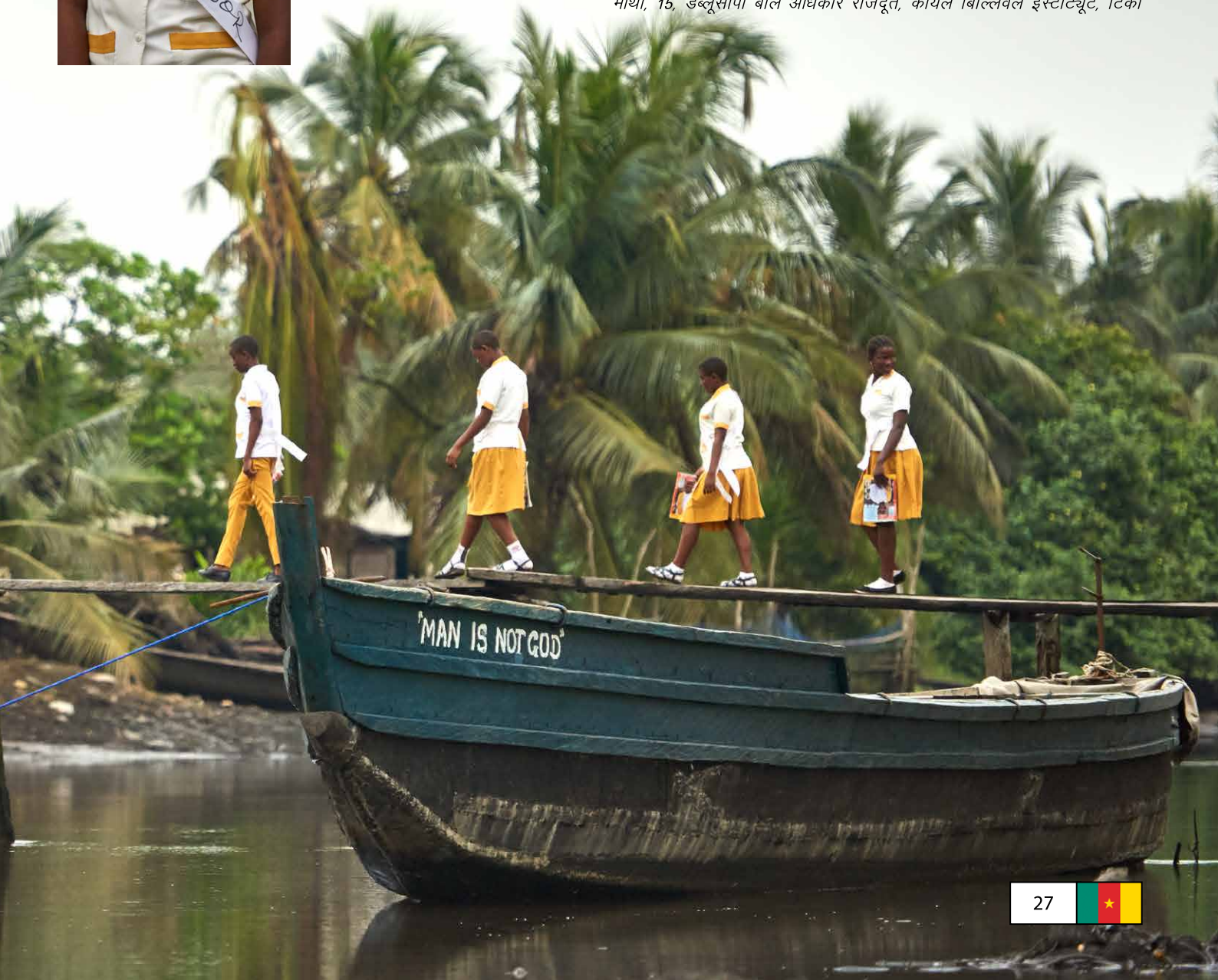

लड़कों को मदद करनी चाहिए!

यहां बाल अधिकारों के कई उल्लंघन हैं। अनेको गरीब बच्चे स्कूल जाने का व्यय नहीं उठा पाते हैं। उनमें से कुछ कारों एवं टैक्सी मोटरबाइकों की सफाई करते हैं, जबकि अन्य रबर कारखाने में काम करते हैं, स्क्रैप लोहा इकट्ठा करते हैं, जिसे वे बेच देते हैं, मछली पकड़ते हैं अथवा कृषि में काम करते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम, बाल अधिकार राजदूतों, समझाएं कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल जाने का अधिकार है। बच्चों को यहां काम नहीं करना चाहिए! यहां, यह भी सामान्य है कि गरीब माता–पिता अपनी बेटियों को शादी करने के लिए मजबूर करते हैं, जबकि वे अभी भी बच्ची होती हैं। जो आदमी लड़की से शादी करता है वह लड़की के माता–पिता को दहेज देता है। वे लड़कियों को बेचते हैं जैसे वे माल थे। यह सही नहीं है। एक लड़की को स्कूल जाना चाहिए जिससे वो एक अच्छा जीवन बिता सके। इस तरह वह अपने पति और घर की देखभाल करने के बजाय, नौकरी कर सकती है, स्वयं को समर्थन दे सकती है और अपना सपना साकार कर सकती है। यहां, लड़कियां लगभग सभी घर के काम करती हैं, जैसे सफाई, खाना पकाने, धोने और कपड़े धोने। वे लगभग कभी अपने दोस्तों से मिलने या होमवर्क करने के लिए कभी भी समय नहीं पाती है। यह गलत है! यह आवश्यक है कि हम लड़के घर में मदद करें ताकि लड़कियों को स्वय के लिए अधिक समय मिलें। इस तरह, स्थिति बेहतर होगी। मेरा सपना एक अभियंता बनने का है और कारखानों का निर्माण करना है जहां लोगों को नौकरी मिल सकेगी, क्योंकि यहां बहुत सारे लोग बेरोजगार हैं।

केरांस्सो, 15, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, कोयल बिबियाई इंस्टीट्यूट, टिको

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत ईब्यूड कहता है, "कांगे एक द्वीप पर एक अलग स्थान पर है। बच्चों एवं वयस्कों को बाल अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है, इसलिए हम उनकी मदद करना चाहते हैं।"

गरीब लोगों के समान अधिकार हैं

मैं तीन साल से एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत रहा हूं, और मैं वास्तव में इसका आनंद उठाता हूं। हम गरीब और दूरस्थ गांवों की यात्रा करते हैं, जहां बारिश अक्सर बच्चों के स्कूलों में आती है। कांगे के मछली पकड़ने के गांव में कोई माध्यमिक विद्यालय नहीं है। सबसे निकटतम वाला जाने में लंबा रास्ता है, और कई माता–पिता अपने बच्चों को वहां नहीं भेज सकते। माध्यमिक आयु के दस में से नौ बच्चे स्कूल जाने के बजाय काम करते हैं। लड़कों की मछलियां और लड़कियां बाजार में मछली को तैयार करके, भूनकर बेच देती हैं। यह बाल श्रम है। गांवों में बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल कांगे गांव में मुश्किल है। लेकिन गरीब बच्चों के अन्ये बच्चों के समान अधिकार हैं। यही कारण है कि यह इतना महत्वपूर्ण है कि हम वयस्कों और बच्चों को बाल अधिकारों के बारे में सूचित करें। मेरा मानना है कि भविष्य में बच्चों के लिए हालात और भी बेहतर हो सकते हैं। मेरा सपना है कि मैं बच्चों के हक की लड़ने के इस काम के लिए एक दिन डब्लूसीपी पुरस्कार–विजेता बनूँ।

बेर्की, 15, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, कोयल बिल्लियन इंस्टीट्यूट, टिको

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत केरन्सो कहता है, "हमें उम्मीद है कि कांगे में हमारा काम बच्चों की स्थितियों में सुधार की ओर ले जाएगा। हम चाहते हैं कि बाल अधिकार का सम्मान किया जाए और माता–पिता अपने बच्चों को स्कूल जाने दें।"

फिशर फेलिक्स बाल अधिकार राजदूतों से मिलता है

फेलिक्स और उसके चाचा 'टोपे' शाम को मछली पकड़ने के लिए समुद्र में लौटने से पहले जाल को ठीक करते हैं।

16 वर्षीय फेलिक्स कहती हैं, "मैं हर सुबह दो बजे उठकर बाहर समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकलता हूं। यह मेरी जिंदगी की कल्पना नहीं है। मेरा सपना एक डॉक्टर बनने के लिए प्रशिक्षित करना है। लेकिन मेरे स्कूल की यूनीफार्म, फीस या किताबों के लिए कोई भी भुगतान नहीं कर सकता। यह मेरे और मेरी तीन बहनों के लिए जीवित रहने का एकमात्र तरीका है।"

लेकिन फेलिक्स ने एक लंबे समय में पहली बार फिर से सपना देखना शुरू कर दिया है। डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों ने मुझ में थोड़ी उम्मीद जगा कर मुझे प्रेरित कर दिया है, और अन्य बच्चों में भी जो कांगे के गांव में मछली पकड़ने का काम करने के लिए मजबूर हैं।

मैं दो साल से मछलियां पकड़ा करता हूं। इससे पहले, मेरा जीवन अच्छा था। मुझे खाने के लिए पर्याप्त था, मैं स्कूल जाता था और अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल खेला करता था। मेरे पिताजी एक मछुआरे थे, और वह जो कुछ भी पकड़ा करते थे उसे मेरी मां बाजार में बेच देती थी। मेरी बहनें भी स्कूल जाती थीं। वह अच्छे समय था। लेकिन जब मेरे पिताजी बीमार हो गए और मर गए तो सब कुछ बदल गया। उस समय मैं चौदह वर्ष का था, और मुझे अभी भी बहुत याद आती है।

मेरे पिता की मृत्यु के बाद, मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा और उसके बजाय मछली पकड़ना शुरू करना पड़ा। मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। हम कैसे गुजारा करते, और मेरी बहनें कैसे स्कूल जातीं? मेरी योजना थी कि मैं अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करूँ और फिर डॉक्टर बनने के लिए प्रशिक्षण लूँ। लेकिन यह सब कुछ नहीं हुआ। और फिर भी, स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं हुई। मेरे पिताजी ने मुझे पूरी तरह खाली हाथ नहीं छोड़ा। मेरे पास उनकी नाव थी, इसलिए मैं अपने परिवार की देखभाल कर सकता था।

एक अप्रिय एहसास

एक साल बाद, जब मैं समुद्र में मछली पकड़ने गया था, तब मुझे अचानक एक अप्रिय एहसास हुआ कि कुछ गलत हुआ है। मैं बहुत चिंतित हो गया, और जब मैं तट पर आया तो मुझे पता चला कि मेरी मां मर गई है। वह गर्भवती थी, और अचानक उसे अपने बच्चे को समय से काफी पहले पैदा करे देना पड़ा। पड़ोसियों ने उसे अस्पताल ले जाने में मदद की थी, लेकिन बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ही वह मर गई थी। बच्चा केवल कुछ मिनटों तक जीवित रहा था।

"मेरा अब भी एक डॉक्टर बनने का सपना है। वह नियोजित संध्या का विद्यालय रास्ते में एक पड़ाव हो सकता है। यदि तुम किसी प्रकार शिक्षित नहीं हो, तो तुम्हारा जीवन कठिन है," फेलिक्स कहता है।

मैं बहुत रो रहा था। यह बहुत अविश्वसनीय रूप से कठिन था, और मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। लेकिन मेरी दादी मेरी देखभाल करती थी और मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मैं अपनी बहनों के लिए जिम्मेदार था। तीन सप्ताह के शोक के बाद, मैं वापस समुद्र में गया और फिर से मछलियां पकड़ना शुरू कर दिया।

मेरी बहनों और मैं अपनी दादी और मेरे चाचा के परिवार के साथ रहते हैं क्योंकि मैं काम कर रहा हूं, मेरी बहन स्कूल जा सकती है और हम अकेले

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

नहीं हैं।
लेकिन मुझे अक्सर लगता है कि यदि मेरी मां और पिताजी अब भी जीवित हैं तो मेरी जिंदगी शायद कुछ और होती।

बाल अधिकार राजदूत

एक दिन, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ से बाल अधिकार राजदूतों और उनके कुछ शिक्षकों ने यहां कांगे में आना शुरू किया। उन्होंने बाल अधिकारों के बारे में बात की और हमें दि ग्लोब पत्रिका दिखायी, जिसमें दुनिया भर के बच्चों की स्थितियों की कहानियां शामिल हैं। राजदूतों ने समझाया कि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है और बच्चों को काम नहीं करना चाहिए। मैं पूरी तरह से सहमत हूँ, और जो मैंने सुना वह मुझे पसंद आया। मैंने राजदूतों को बताया कि मैं स्कूल जाना पसंद करता हूं और मैने अपने जीवन के लिए विभिन्न योजनाएं बनायी थी, लेकिन मेरे पास वास्तव में दिन के समय काम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।
आखिरकार, बाल अधिकारों के राजदूत और उनके शिक्षकों ने सुझाव दिया कि बच्चों और मछली का काम करने वाले युवा लोगों के लिए एक संध्या का विद्यालय शुरू किया जा सकता है। और यह एक शानदार रहेगा! अब, यह योजना है कि अगली अवधि तक संध्या का स्कूल शुरू हो जाएगा।
यह महान है कि डब्लूसीपी राजदूत बाल अधिकारों के बारे में समझा रहे हैं, क्योंकि कई बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय काम करने के लिए मजबूर किया गया है। और कई माता–पिता हैं जो यह नहीं सोचते कि बच्चों के लिए स्कूल जाना कितना महत्वपूर्ण है। उन्हें नहीं लगता कि यह एक अच्छा विचार है, क्योंकि उनके बच्चे मछुआरों के रूप में ही काम करते हैं। इन माता–पिता को यह जानना आवश्यक है कि स्कूल जाना बच्चों का अधिकार है। उन्हें यह समझने की जरूरत है कि बच्चों को काम करने के लिए मजबूर करना बाल अधिकारों का उल्लंघन है। यह केवल तभी हो सकता है, जब वयस्क यह समझें कि यहां पर बच्चों के जीवन में सुधार आ सकता है।

सपनों को हासिल करना

यदि तुम शिक्षित हो तो तुम्हारा स्कूल में जाना महत्वपूर्ण है, क्योंकि तुम अपने सपनों को हासिल कर सकते हो। स्कूल जाए बिना तुम डॉक्टर नहीं बन सकते। स्कूल जाए बिना तुम एक वकील नहीं बन सकते। शिक्षित होकर, तुम समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हो। और यदि तुम शिक्षित नहीं हो, तो तुम्हारा जीवन मुश्किल होगा। यहां तक कि यदि तुम एक कुशल मछुआरे हो, लेकिन जब तुम बूढ़े होगे और मछली नहीं पकड़ सकोगे, तो जीवन बेहद कठिन होगा। तुम और तुम्हारा परिवार तब क्या खाएंगे?
मेरा अब भी एक डॉक्टर बनने का सपना है। एक नियोजित संध्या का विद्यालय रास्ते में एक कदम हो सकता है!

स्कूल में बहनें

फेलिक्स बताता है, "मैं अपनी बहनों – 'मार्ग्रेट', 'गुडलक' एवं 'मैडम' के स्कूल जाने का शुल्क देने के लिए मछली पकड़न के पैसों से करता हूं। मुझे लगता है कि लड़कियों के लिए विशेषतः स्कूल जाना आवश्यक है, क्योंकि यहाँ पर उनके लिए स्थिति कठिन है। यदि एक गरीब परिवार में कई बच्चे हैं, तो वह बेटियां ही होती हैं जो स्कूल नहीं जा पातीं। कभी–कभी परिवार यह तय करता है कि कोई बच्चा स्कूल में बिल्कुल नहीं जाएगा, क्योंकि किसी को घर की देखभाल करने की जरूरत है। उस स्थिति में, वह हमेशा कोई बेटी होती है!"

कांगे में संध्या का स्कूल

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत जो कांगे की यात्रा करते हैं, वो 'टिको' शहर में 'कोयल द्विभाषी संस्थान' में भाग लेते हैं, जो 'कोसा' संगठन द्वारा चलाया जाता है। मछली पकड़ने वाले इस गांव के बच्चों के लिए यह कोसा की योजना है:
– अनाथों के लिए स्कूल की फीस का भुगतान करें।
– फेलिक्स जैसे बच्चे, जिन्हें दिन के दौरान काम करना पड़ता है, के लिए एक संध्या का स्कूल खोलें। यह संध्या का स्कूल विद्यार्थियों को अन्य विद्यालयों में आगे अध्ययन के लिए आवश्यक ज्ञान देगा।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

दादी से समर्थन

कांगो में, बच्चे अक्सर बड़े परिवारों में रहते हैं। हालांकि फेलिक्स के माता–पिता मर चुके हैं, वह अकेला नहीं है जिसे लावारिस छोड़ दिया गया हो। ''मेरी दादी अक्सर मेरी सहायता करती है,'' फेलिक्स कहता है। यहां, वे फेलिक्स के कमरे में बैठे हैं और बात कर रहे हैं।''

नया साहस मिला

'बाल अधिकारों के राजदूतों ने मुझे वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के बारे में बताया है, और मैंने बाल अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा है,'' फेलिक्स कहता है। ''हम में से जो लोग भी शामिल हुए हैं, वे सभी अधिक साहसी हो गए हैं। अब हम खुल कर बोलने और अपने अधिकारों की मांग करने के लिए उत्सुक हैं!''

फेलिक्स का दिनः समुद्र से वैश्विक मतदान तक

02:00
मैं सो कर उठता हूँ।

06:30
मुझे नाव पर नाश्ता करता हूँ।
डबलरोटी, मछली एवं चाय।

14:00
मैं अपनी चाची को धुआँ के देने के लिए अपनी मछली की पकड़ दे देता हूं। मछली बाजार में बेची जाएगी, और खरीदारों को जो उसे बहुत दूर बेचते हैं। हर कोई नावों को किनारे पर खींचने में मदद करता है।

02:15 –14:00
मैं समुद्र में हूं, अपने चाचा के साथ मछली पकड़ रहा हूँ। एक ही समय, गांव की लगभग 50 नौकाएं मछली पकड़ने के लिए बाहर हैं।

14:15
अब फूफू (कसावा दलिया), चावल, डबलरोटी, मक्खन एवं 'सॉफ्ट ड्रिंक' भोजन के लिए, जो हमने उन महिलाओं से खरीदा है जो समुद्र तट पर आती हैं।

14:30
हर दूसरे सप्ताह, हमें टूटे हुए मछली पकड़ने के जाल की मरम्मत या नए बनाने की जरूरत पड़ती है। फिर मुझे अपने दोस्तों के साथ घूमने का थोड़ा सा समय मिलता है। कभी–कभी हम एक कैफे में जाते हैं और एक फिल्म देखते हैं, लेकिन आमतौर पर हम फुटबॉल खेलते हैं। मेरा पसंदीदा खिलाड़ी मेसी है, और मैं 'चेल्सिया' का समर्थन करता हूं।

15:00
आज, मैंने भी विश्व मतदान में भाग लिया। ऐसा लगा जैसे मैं बच्चों के लिए उनके काम में उम्मीदवारों का समर्थन कर रहा था! यहां कांगे में बहुत सारे लड़कों और लड़कियों ने भाग लिया जिनको काम करने के लिए मजबूर किया गया है, ने गांव के विश्व मतदान में भाग लिया।

16:00 –18:00
मैं समुद्र में हूं, फिर से मछली पकड़ रहा हूँ।

22:00
सोने का समय!

कांगे में वैश्विक वोट

''ग्लोबल वोट से पहले, हम – बाल अधिकारों के राजदूतों – ने बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बताया। हमने दि ग्लोब पत्रिका का उपयोग किया। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास कांगे जैसी जगहों पर डब्लूसीपी कार्यक्रम है, क्योंकि यह बाल अधिकारों के बारे में जानने का एक अच्छा तरीका है,'' मार्था, 15, टिको में कोयल द्विभाषी इंस्टीट्यूट से कहती है।

बाल अधिकार राजदूतों ने जोय को बचाया

''मैं नाइजीरिया में अपनी मां और पिता के साथ रहती थी, और मैं स्कूल नहीं गई क्योंकि हम बहुत गरीब थे। एक दिन, एक महिला कैमरून से मिलने आई और मेरे माता–पिता से वादा किया कि वह मुझे वहां पर स्कूल शुरू करने में मदद कर सकती हैं।

जब मैं कैमरून आई, तब मैने देखा कि स्थिति ऐसी बिलकुल भी नहीं थी जैसा उसने वादा किया था। मुझे स्कूल शुरू करने के लिए नहीं मिला। इसके बजाय उसने कहा कि मुझे सड़क पर खाना बेचना पड़ेगा। मैं भागना चाहती था, लेकिन मैं एसा नहीं कर सकी। मेरे पास कोई पैसा नहीं था, मैं यहाँ किसी को नहीं जानती थी और मैं केवल आठ साल का था।

मैंने दो साल तक उस महिला के लिए काम किया, जल्दी सुबह से लेकर शाम तक। मुझे भुगतान नहीं मिला। उसने केवल मुझे रहने के लिए एक जगह दे दी और थोड़ा भोजन दिया।

एक दिन, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ से बाल अधिकार राजदूत वहां आए जहां मैं काम कर रही थी। उन्होंने मुझसे स्कूल जाने के लिए मदद करने का वादा किया। अपने शिक्षक के साथ, उन्होंने महिला से बात की और सुनिश्चित किया कि मैं उसे छोड़ सकूं। फिर उन्होंने मेरे स्कूल के शुल्क का भुगतान किया और अंत में मैं स्कूल शुरू करने में सक्षम हो गई। मेरे शिक्षक सैमूएल ने मेरे पिताजी को यहाँ आने में सहायता की। शुरू में, मेरे पिता बहुत उदास थे। उसने सोचा कि वह महिला मेरी अच्छी देखभाल कर रही थी। लेकिन जब उन्होंने देखा कि मुझे अब अच्छा जीवन मिल गया है, तो उन्होंने फैसला किया कि मुझे यहां रहना चाहिए और मेरे बड़े भाई को मेरी देखभाल करने के लिए यहां आना चाहिए।

आज, यहां हमारे गांव में वैश्विक मतदान है। यह बहुत ही रोमांचकारी है। जिन लोगों के लिए हम वोट कर रहे हैं वे बच्चों के लिए अच्छे काम कर रहे हैं। मैं उम्मीदवारों को पसंद करती हूं और मेरा इच्छा है कि वे यहां होते क्योंकि गांव में बहुत से बच्चे हैं, जिनका जीवन कठिनाईयों से भरा है।

भविष्य में, मैं राष्ट्रपति बनना चाहता हूं और सभी बच्चों मुफ्त में स्कूल जा सकें।''

जॉय, 10, सरकारी द्विभाषी प्राथमिक विद्यालय, कांगे

जॉय ने मतपत्र बॉक्स में अपना मतपत्र डाला जो एक नाव के आकार का है। यह कांगे में बिलकुल सही है, जहां नाव और मछली पकड़ने के लिए नौकाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं।

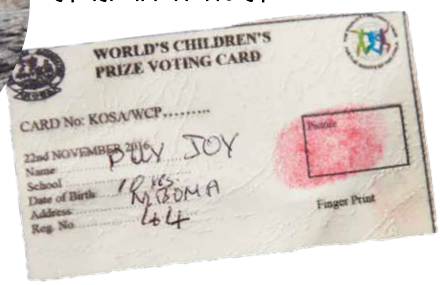

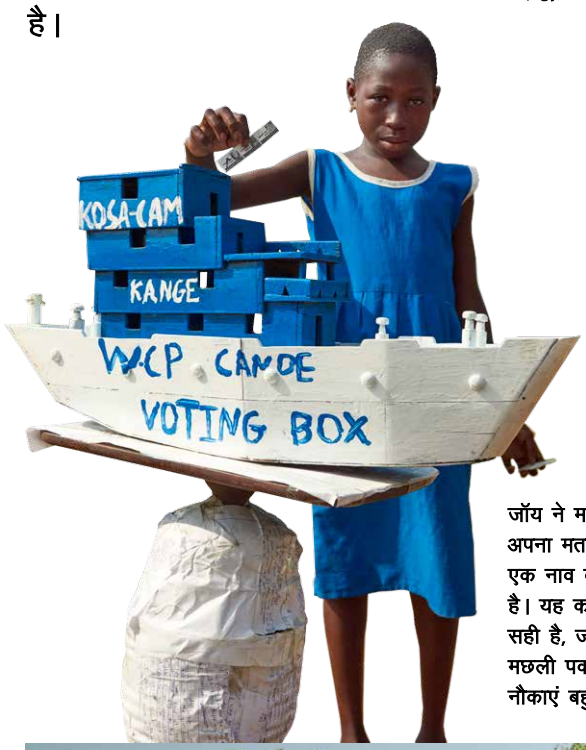

ग्लोबल वोट में सभी पात्र मतदाता पहचान पत्र के रूप में मतदान कार्ड प्राप्त करते हैं। यहां जॉय का कार्ड है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

निर्वाचन पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करना है कि मतपत्र पर अपने वोट को चिह्नित करने के लिए केवल एक ही व्यक्ति मतदान केंद्र में जाए। एक गोपनीय मतदान के लिए हर किसी के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए।

लड़कियां शादी कर रही हैं

''यहां, मेरी उम्र की लड़कियां कभी–कभी वयस्कों से शादी करने के लिए मजबूर हो जाती हैं और यह गलत है। फिर, उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है और इसके बजाय उनके पति और उनके नए घर की देखभाल करनी पड़ती है। यह गलत है, क्योंकि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है। यदि लड़कियां इतनी छोटी आयु में शादी करेगी, तो वे कभी भी मुक्त नहीं हो सकतीं। आज, मैं एक पर्यवेक्षक था और जाँच की कि मतदान सही तरीके से किया गया था। यह हम बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है।''

मिराबेल, 12, सरकारी द्विभाषी प्राथमिक विद्यालय, कांगे

समान मूल्य

''जब मैं एक बच्चा था, तो मुझे मेनिन्जाइटिस का एक गंभीर मामला था। मैं नहीं देख सकता था, और जब मैं बड़ा हुआ तब मैं चलना, खुद को तैयार नहीं, लिखना सीख सकता था या स्कूल जाना चाहता था। मुझे नहीं लगता था कि मेरे पास अन्य बच्चों के समान मूल्य है। आखिरकार, मुझे देखभाल और सही दवाएं मिलीं, और अब मैं बेहतर कर रहा हूं। मैं स्कूल में पहली कक्षा में हूं, और यह अच्छा लगता है मैं देख सकता हूं, और मैं लिख सकता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि हमने बपने गांव में वर्ल्डस चल्ड्रेन्स प्राइज़ के साथ काम किया है। बाल अधिकारों के राजदूतों ने समझाया कि सभी बच्चों के समान मूल्य हैं, जिनमें कार्यशील विविधताएं हैं उसने मुझे खुश कर दिया भविष्य में, मैं एक नर्स बनना चाहता हूं।''

नाओमी, 13, सरकारी द्विभाषी प्राथमिक विद्यालय, कांगे

एक वकील बनना चाहता है

आज मैं खुश हूं क्योंकि वैश्विक मतदान एक अच्छी बात है। यह एक दिन है जब हम बाल अधिकारों का जश्न मनाते हैं। मतदान करने से पहले, हम कक्षा में दि ग्लोब पढ़ते हैं और डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों ने हमें हमारे अधिकारों के बारे में अधिक जानकारी दी। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां बाल अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है। कई माता–पिता अपने बच्चों को मारते हैं, जो सही नहीं है। और कई बच्चे स्कूल में नहीं जाते हैं यही कारण है कि यह इतना महत्वपूर्ण है कि हमारे पास वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ है, जो सभी बच्चों को सम्मान देने के लिए सिखाता है। मैं एक बाल अधिकार वकील बनने का सपना और मेरे परिवार की मदद करने में सक्षम हूं।

सन्ड, 14, सेंट वेटफुलर नर्सरी और प्राथमिक विद्यालय, कांगे

सन्डे, जो दाईं तरफ खड़ा है, ने अभी–अभी मतदान बूथ छोड़ा है और वह अपने मतपत्र के साथ मतदान बॉक्स की ओर जा रहा है।

कैमरून में worldschildrensprize.org/gfcameroon पर बच्चों की एक फिल्म देखें

नाइजीरिया

'ब्रिलियन्ट फ्यूचर अकादमी' में 'ग्लोबल वोट थिएटर' पर स्वास्थ्य देखभाल मिलने का बाल अधिकार।

सभी नाइजीरियाई स्कूलों में वैश्विक मतदान चाहती है

''यदि मैं आज नाइजीरिया के राष्ट्रपति बन जाती हूं, तो मैं एक बच्चों के मामलों के मंत्रालय की स्थापना करूँगी और यह सुनिश्चित करूँगी कि सभी बाल अधिकारों का सम्मान हो और वे संरक्षित रहें। मैं यह भी निश्चित करूंगी कि एक कानून पारित किया जाए जो सभी नाइजीरियाई स्कूलों में वैश्विक मतदान अनिवार्य कर देगा।''
मैरी, 10, वेस्टर्न हॉल कॉलेज, जो नाइजीरिया में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब के नए अध्यक्ष चुनी गई थी

स्कूल के पाठ्यक्रम में बच्चे के अधिकार

''दि ग्लोब पत्रिका वास्तव में मेरे ज्ञान को व्यापक करती है कि हम बच्चों के अधिकारों का सम्मान और प्रचारित कैसे किया जाए। हमारे शिक्षकों ने हमें स्कूल में यह कभी नहीं सिखाया। अपने स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब के माध्यम से मैने वकालत प्रक्रिया शुरू की है जिससे मैं स्कूल में बाल अधिकारों को शामिल करने की आवश्यकता के बारे में अपनी सरकार तक पहुंच सकूं।''
ओसो, 14, वेस्टर्न हॉल कॉलेज

मैं दि ग्लोब से प्यार करता हूँ

''आह! दि ग्लोब पत्रिका से मैं गहरे जुनून से प्यार करता हूं, जैसे अपनी बाइबल से। पत्रिका मुझे प्यार करना, देखभाल करना, और मानवता की सेवा करना सिखाती है।''
बेंजामिन, 11, वेस्टर्न हॉल कॉलेज

'ब्रिलियन्ट फ्यूचर अकादमी' में 'ग्लोबल वोट।

सियरा लिओने

ग्लोबल वोट के बाद वोटों की गिनती।

अन्य बच्चे मेरी कहानी साझा करते हैं

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज कार्यक्रम ने मुझे यह समझने में मदद की कि मेरी कहानी दुनिया में एकमात्र दुखी कहानी नहीं है। डब्लूसीपी ने मुझे विभिन्न देशों के अन्य बच्चों की कहानियों के संदर्भ में अपनी कहानी देखने में मदद की है। मेरा एक बाल गुह चलाने वाली स्त्री के बेटे द्वारा भावनात्मक, शारीरिक और यौन शोषण किया गया, और मुझे बाल श्रम में अत्याचार का अनुभव भी हुआ। यद्यपि बाल अधिकारों के आलेखों ने मुझे अपने अधिकारों के बारे में जानने में मदद की है, लेकिन मैं अब भी अपने मामले में न्याय का इंतजार कर रही हूं। दि ग्लोब मुझे लोकतंत्र और अच्छी नेतागिरी के कौशल के बारे में भी सिखाया है। बाल अधिकारों के राजदूत के रूप में, मैं सिएरा लियोन में बाल अधिकारों के लिए संघर्ष करना जारी रखूंगी!''
इसाटा, 16, एनी वॉल्श मेमोरियल स्कूल

लोकतंत्र बिना लड़ने के वोट देने का अधिकार है

''जब मैं सियरा लियोने में वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए पहली बार अपना लोकतांत्रिक वोट दे रही था तब मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ। अब मैं समझती हूं कि लोकतंत्र क्या है: बिना लड़ाई किये विकल्प चुनने का अधिकार, जेसा कि यहां सियरा लियोने में हुआ करता था।''
जेरियाटु, 15, आवर लेडी गुआडालूपे माध्यमिक विद्यालय

गिनी–बिसाऊ

दादी के अलाव के पास दि ग्लोब पर चर्चा

''मैंने पूरी दि ग्लोब पत्रिका को पढ़ा है। मुझे दोपहर में, दादी के जलाए गए अलाव के पास बच्चों को इकट्ठा करके दि ग्लोब की कहानियां सुनाना पसंद है।

मेरी मां गरीब है, इसलिए मैं हमेशा सार्वजनिक स्कूल में पढ़ी हूं। लेकिन उसमें बहुत सारी शिक्षक स्ट्राइकें हाती हैं और कभी–कभी एक पूरे शैक्षिक वर्ष में कोई स्कूल नहीं होता। इसलिए अब मेरी मां ने मेरा दाखिला एक निजी स्कूल में करा दिया है।

यदि मेरे पास पैसा होता, तो मैं बेसहारा बच्चों का स्वागत करती और उनको शिक्षित करती जो तालिबान बच्चों की तरह नंगे पैर भटकते रहते हैं और स्वयं से मतलब रखते हैं।

डब्लूसीपी की पहल की प्रशंसा की जानी चाहिए, क्योंकि उसने हमको अपने अधिकारों से अवगत करवाया है।''
मिडान, 14, प्रोफेसर कैन्डिडो स्कूल

स्वीडन

मैं चाहती हूं कि सभी बच्चे परिवर्तनीय बन जाएं

''एक वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ को धन्यवाद। मैंने इतना सब सीखा है। डब्लूसीपी के साथ काम करने से पहले, मुझे अपने अधिकारों के बारे में कोई सुराग नहीं था। लेकिन अब मैं अपने अधिकारों को जानती हूं और लोग मुझसे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते। मैंने अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना सीख लिया है और जब मुझे पता चलता है कि कुछ गलत है तो मुझे बोलने की हिम्मत आ गई है। मैंने सीखा है कि कि हम बच्चे भी एक अंतर कर सकते हैं।
यह आश्चर्यजनक है कि इतने सारे बच्चे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में डब्लूसीपी कार्यक्रम में काम करते हैं, क्योंकि बहुत से बच्चे हैं, जिन्हें अपने अधिकारों के बारे में जानने की जरूरत है।
मुझे आशा है कि सभी बच्चे बदलाव लाना चाहते हैं, क्योंकि इस दुनिया में ऐसी चीजें हैं जिनको बदलने की जरूरत है और यह सभी की जिम्मेदारी है। वयस्कों और बच्चों को यह सुनिश्चित करने के लिए ही ऐसा होता है। हमें बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करना होगा।''
लिनेया, 13, स्नैट्रिंगे स्कूल, हड्डिंगे

हडिंगे में लिनिया के स्नैट्रिंज स्कूल में ग्लोबल वोट

लिनिया और उसके सहपाठियों को डब्लूसीपी समारोह में गाते हुए worldschildrensprize.org/songforchildren **पर देखो।**

हडिंगे में लिनिया के स्नैट्रिंज स्कूल में ग्लोबल वोट

नेपाल

विश्व भर के बच्चें अपनी आवाज़ें सुनाते हैं

''मैं डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए खुश और सम्मानित हूं। इस मंच ने दुनिया भर से बच्चों को गाली–गलौज, शोषण और तस्करी के खिलाफ आवाज उठाई है। मैं बाल अधिकारों के मुद्दों के बारे में अपने ज्ञान को पारित करने की कोशिश कर रहा हूं जो मैंने इस कार्यक्रम से अपने स्कूल के दोस्तों और समाज को बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्राप्त की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस समर्थक ने मुझे नेपाल में बाल अधिकारों के सम्मान में सुधार लाने के लिए प्रेरणा दी और दृढ़ संकल्प से भर दिया। मैं निश्चित रूप से एक बाल अधिकार क्लब बनाऊँगी और एक साथ मिलकर, हम बाल अधिकारों के उल्लंघन के मुद्दों को संबोधित करेंगे और अपने स्कूल में बच्चों के लिए समानता और सम्मान का ज्ञान फैलायेंगे। मैं वादा करती हूं कि मैं बच्चों के किसी भी अधिकार का उल्लंघन नहीं करूंगी, न ही किसी भी स्थिति में बाल अधिकारों के उल्लंघनों के खिलाफ अपनी आवाज उठाने में रुकूंगी।''
नीता, 13, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, मैती नेपाल की टेरेसा अकादमी

रिपब्लिक ऑफ कांगो

बाल अधिकार राजदूत ने डब्लूसीपी कार्यक्रम को पूरा किया

''जबसे हमने एक बाल अधिकार राजदूत बनने के लिए प्रशिक्षण लिया है, तब से हम छात्रों ने डब्लूसीपी कार्यक्रम को चलाया है भले ही हम अभी भी स्वयं को प्रशिक्षु शिक्षक समझते हैं। लड़कियों के अधिकारों को खोजने और समझने में डब्लूसीपी ने मेरी मदद की है। आज मैं दुनिया को एक बेहतर जगह मानता हूं, क्योंकि अब मैं अपने अधिकारों की मांग कर सकती हूं।''
सरा, 16, ले रोसियर स्कूल

ज़िम्बाब्वे

दि ग्लोब मेरे अधिकारों को लेकर आया था

''अपने अधिकारों के साथ मेरी पहली मुठभेड़ तब हुई थी जब दि ग्लोब पत्रिका हमारे स्कूल में आई थी। हमने अपने अधिकारों के बारे में सीखा। एक बाल अधिकार राजदूत बनने ने मुझे अपने स्कूल में अन्य बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में सूचित करने का साहस दिया है। काश जब मैं छह साल का था तब मुझे अपने अधिकारों के बारे में पता होता क्योंकि तब मेरे चाचा ने मुझे एक महीने तक बाहर सोने के लिए मजबूर किया था।''
तेन्देकाई, 16, मुटोको

डब्लूसीपी कप!

नेटबॉल में डब्लूसीपी कप के पहले विजेता, जो बास्केटबॉल और फुटबॉल के समान खेल है, को जिम्बाब्वे में ताज पहनाया गया। चार शहरों की आठ टीमों ने भाग लिया। बच्चे पुनर्वास क्षेत्रों से आये थे जहां बाल अधिकारों के कई उल्लंघन उल्लेखनीय हैं, जैसे बाल विवाह, बाल यौन उत्पीड़न एवं शिक्षा तथा अस्पतालों तक पहुंचने की कमी। मीडिया और निर्णय लेने वालों ने डब्लूसीपी कप का दौरा किया और दिन लड़कियों एवं लड़कों के बीच एक मैच के साथ संपन्न हुआ।

हम लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं!

मित्र डिमेन्टिलिया एवं रैफिको डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हैं और 'लड़कियों के अधिकारों के लिए मोज़ाम्बिक' परियोजना के तहत मिल कर लड़ रहे हैं।

''जब हम इसे एक साथ करते हैं, लड़कों और लड़कियों, तब हम दिखा रहे हैं कि हम एक दूसरे को समान देखते हैं। जब मैं देखता हूं कि लड़के एवं पुरुष, लड़कियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उनके अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, तो मुझे शर्म आती है,'' रैफिको कहता है।

हमारी कोई आवाज नहीं है!

''मेरे गणित के शिक्षक को लगता था कि लड़कें लड़कियों से ज्यादा होशियार होते हैं। उसने कक्षा में लड़कों को और आधी में लड़कियों को बैठा दिया। फिर उसने अपनी पीठ हमारी तरफ कर ली और केवल लड़कों को पढ़ाया। उन्होंने केवल लड़कों की तरफ वाले ब्लैकबोर्ड पर ही गणित की। हमने कुछ नहीं कहा, और जब शिक्षक ने पूछा कि क्या सब लोग समझ गए तो, हम लड़कियों को जवाब देना पड़ा कि हमें कुछ भी समझ में नहीं आया था। उसके लिए, यह सबूत था कि हम लड़कियां मूर्ख थे। यह भेदभाव करना हुआ!''

''यहां मोजाम्बिक में, महिलाओं और लड़कियों की कोई आवाज नहीं है। हमारी बात नहीं सुनी जाती। घर में, पुत्रों एवं पिताओं ही शक्तिशाली समझे जाते हैं। यहां तक कि बेटियों को शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है जब वे केवल बच्चीयां होती हैं। स्कूल में, शिक्षक लड़कियों की अपेक्षा लड़कों को अधिक सुनते हैं।''

एक बाल अधिकार राजदूत होने के नाते

''जब मुझे डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनने का अवसर मिला, तो मैंने दोनों बच्चों एवं लड़कियों के अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा। अब मुझे पता है कि लड़कों और लड़कियों के समान अधिकार हैं। हम बराबर हैं। लेकिन क्योंकि लड़कियों के अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है इसलिए हमें उनके लिए लड़ना होगा! यही कारण है कि मैं मोजाम्बिक में लड़कियों के अधिकारों के लिए शामिल हूं।''

''हमारे समूह में ग्यारह बाल अधिकार राजदूत हैं, जो बच्चों एवं लड़कियों को उनके अधिकारों के बारे में लोगों को सूचित करते हैं। हम विद्यार्थियों और स्कूलों में कर्मचारियों से बात करते हैं और गांव की बैठकों में जाते हैं जहां हम माता–पिता, पारंपरिक नेताओं, पुजारियों, इमामों और अन्य सभी वयस्कों को बताते हैं कि लड़कियों का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। हर सप्ताह हम रेडियो पर बाल विवाह, यौन हिंसा और अच्छे अंकों के बदले लड़कियों का शोषण करने वाले पुरुष शिक्षकों के बारे में बात करते हैं।''

घरों के दौरे

''हम उन बच्चों की खोज भी करते हैं जो स्कूल नहीं जाते। परिवार गरीब हैं और बच्चों को काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। यह अक्सर लड़कियां होती हैं जो स्कूल नहीं जा पाती हैं। हम उन्हें लड़कियों के अधिकारों के बारे में सूचित करते हैं और यह कि हर किसी को स्कूल जाने का अधिकार है। हम पारंपरिक नेताओं को बताते हैं ताकि वे परिवारों की मदद कर सकें। और हम अधिकारियों को उन बच्चों से अवगत कराते हैं जो स्कूल नहीं जा रहे हैं और जिनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है''

''लड़कियों के अधिकारों के बारे में लोगों को सूचित करना महत्वपूर्ण है ताकि हम लड़कियों के लिए जीवन बेहतर हो सके। बाल अधिकार राजदूतों की तरह हम पहले से ही देख रहे हैं कि हमारा काम एक अंतर ला रहा है। मेरे गणित के शिक्षक और अन्य ने महिला विद्यार्थियों से भेदभाव करना बन्द कर दिया है और सबसे सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं!''

डिमेन्टिलिया, 17, इन्हर्राइम

रेडियो पर लड़कियों के अधिकार

'हम डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत लड़कियों के अधिकारों पर एक रेडियो कार्यक्रम बनाते हैं। हम प्रत्येक शुक्रवार को तीन बजे हर रोज रेडयो कम्युनिटेरेया डि इन्हारिमे पर प्रसारण करते हैं। हम रेडियो से कई लोगों तक पहुंच सकते हैं,'' रैफिको कहता है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

मैं शर्मिंदा हूँ!

''मोज़ाम्बिक में सभी लड़कों को उन लड़कियों का पता है कि जिनके अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। और मैं भी जानता हूँ। एक गांव में जहां मेरे रिश्तेदार रहते हैं, एक 15 वर्षीय लड़की को शादी करने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि उसके माता–पिता 'लोबोला' (एक अफ्रीकी प्रथा जिसमें दुल्हा का परिवार दुल्हन के परिवार को भुगतान करता है) के रूप में 30,000 मेटिकाअस (500 अमरीकी डालर) चाहते थे । कई माता–पिता लड़कियों के अधिकारों या उनकी आजादी के लिए सम्मान नहीं दिखाते हैं। जैसे ही लड़की की शादी हो जाती है, वह किसी और पर निर्भर हो जाती है और उसकी स्वयं की जिंदगी पर नियंत्रण करने की कोई स्वतंत्रता नहीं रह जाती। लड़कियां, जैसे हम लड़के हैं, उन्हें स्कूल जाना चाहिए और ज्ञान प्राप्त करना चाहिए और अपने जीवन को बनाना चाहिए।''

''कई परिवारों में लड़कियों को लड़कों से कहीं अधिक काम करना पड़ता है। वे सभी घर के काम करने के लिए मजबूर होती हैं, जबकि लड़के खेल सकते हैं और अपना होमवर्क ठीक से कर सकते हैं। यह उचित नहीं है! मेरे लिए, घर पर मदद करना स्वाभाविक है। मैं सफाई करता हूं, भोजन तैयार करता हूं, बर्तन मांझता हूं और कपड़े धोता हूं, ताकि मेरी बहनों को खाली समय मिल सके और वे अपना होमवर्क कर सकें।''

एक रोल मॉडल बन सकता हूँ

''एक लड़के के रूप में, जब मैं देखता हूं कि लड़के और पुरुष कैसे महिलाओं और लड़कियों से व्यवहार करते हैं और उनके अधिकारों का उल्लंघन करते हैं तो मुझे शर्म आती है। मैं लंबे समय से इस बारे में कुछ करना चाहता हूं, लेकिन मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। हालांकि, पिछले साल मुझे मेरा मौका मिला। मेरे स्कूल में जो लड़कियों डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हैं, उन्होने 'लड़कियों के अधिकारों के लिए मोजाम्बिक' में भाग लेने के लिए हम लड़कों का स्वागत किया। मैंने दि ग्लोब पत्रिका पढ़ी और राजदूतों ने मुझे बच्चों एवं लड़कियों के अधिकारों के बारे में पढ़ाया।''

गांव की बैठकों में भाग लेना

''गांव की बैठकों में हम बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन के बारे में माता–पिता, बच्चों, पारंपरिक नेताओं, पुजारियों, इमामों एवं अन्य लोगों को बताते हैं, और यह भी कि लड़कियों का सम्मान किया जाना चाहिए'' रैफिको कहता है।

यह निष्पक्षता के बारे में है

राफिको के लिए, घर पर घरेलू कार्यों में मदद करना साधारण बात है।

''लड़कियों के साथ बहुत कुछ गलत होता है और इसको मैं बदलना चाहता हूं। मैं लड़कों द्वारा लड़कियों का सम्मान करवाना चाहता हूं। यह निष्पक्षता के बारे में है!'' राफिको कहता है।

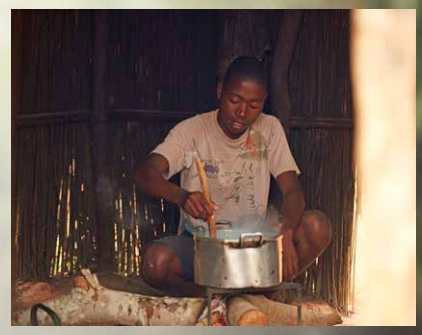

''यह महत्वपूर्ण है कि हम लड़कों इस अभियान में शामिल हों और लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ें। एक लड़के के रूप में, मैं अन्य लड़कों के लिए एक रोल मॉडल बन सकता हूं और देख सकता हूं कि वे लड़कियों का सम्मान करे, ताकि वे भविष्य में अपनी बेटियों और पत्नियों से अच्छा व्यवहार करें। तब मोजाम्बिक की पूरी स्थिति बेहतर होगी! यही कारण है कि लड़कियों के अधिकारों के बारे में जानकारी फैलाने का हमारा काम इतना महत्वपूर्ण है।''

घरों के दौरे

''जब हम एडेलिया और उसके चार पोते–बच्चों से मिलने गए थे, तब उसने हमें बताया कि परिवार स्कूल की यूनीफार्म नहीं खरीद सकता। हमने उनको बताया कि स्कूल में बच्चों का पंजीकरण कराने के लिए वह सही दस्तावेजों को और समर्थन कैसे प्राप्त कर सकता है,'' डिमेन्टिलिया कहती है।

मोजाम्बिक में बाल अधिकार राजदूतों के बारे में worldschildrensprize.org/gfmozambique पर फिल्म देखें।

ग्लोबल वोट दिवस

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत डिमेन्टिलिया एवं रैफिको ने ग्लोबल वोट दिवस की तैयारी के लिए 4 अक्तूबर को माध्यमिक विद्यालय, इन्हर्राइम, मोज़ाम्बिक में बहुत समय बिताया था।

डिमेन्टिलिया बाल अधिकारों के लिए वोट देती है।

''आज हमारा ग्लोबल वोट था,'' डिमेन्टिलिया बताती है। ''बाल अधिकार राजदूतों के रूप में, हमने पहले सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बाल अधिकारों तथा वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के बारे में सूचित किया था।'' ''ग्लोबल वोट मेरे लिए महत्वपूर्ण है। यह हमें बदलता है जब हम पढ़ते हैं कि कौ उम्मीदवार बच्चों के लिए लड़ते हैं। हम सीखते हैं, हम प्रेरित हैं, और हम उम्मीदवारों की तरह बनना चाहते हैं!''

मिलकर लड़ना

''हम बाल अधिकार राजदूत हैं – लड़कियां और लड़के, जो लड़कियों के अधिकारों के लिए एक साथ लड़ते हैं,'' डिमेन्टिलिया कहती है। ''क्योंकि लड़कियां कमजोर स्थिति में हैं और लड़के अन्य लड़कों की बात सुनना पसंद करते हैं, यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास राफिको जैसे राजदूत हो जो बाहर लड़कों तक पहुंच सकैं। क्योंकि अगर युवा लोग अपने व्यवहार को नहीं बदलते हैं, तो हम लड़कियों के लिए स्थिति नहीं बदलेगी।''

नया ज्ञान

''मुझे किताबें और समाचार पत्र पढ़ना प्रिय है,'' वह कहना जारी रखती है। ''दि ग्लोब पत्रिका ने मुझे बाल अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सिखाया है जो मुझे पहले नहीं पता था। भविष्य में, मैं एक वकील बनना चाहूंगी और न्याय के लिए लडूंगी – न सिर्फ लड़कियों के लिए बल्कि हर किसी के लिए!''

समर्थन देने वाले नायक

''ग्लोबल वोट के दौरान, मैंने कतार को क्रम में रखत था और मैं वोट का उपाध्यक्ष भी था,'' राफिको ने कहा। ''ग्लोबल वोट मज़ेदार था और यह महत्वपूर्ण महसूस हुआ, क्योंकि मुझे अपने नायक का समर्थन करने का मौका मिला!''

कोई मतदाता धोखाधड़ी नहीं

हर व्यक्ति जो मतदान देता है, उसकी उंगली पर एक निशान लगा दिया जाता है जिससे उसे दो बार मतदान देने से रोका जा सके।

व्यस्क 'लड़कियों के अधिकारों के लिए मोजाम्बिक' के बारे में बात करते हैं।

''**स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों** ने मुझे 'लड़कियों के अधिकारों के लिए मोजाम्बिक' के बारे में बताया है। इसका उद्देश्य लड़कियों के सभी शोषण का अंत करना है, और लड़कियों के अधिकारों का हर जगह सम्मान किया जाए। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है, क्योंकि लड़कियों के अधिकारों का व्यापक रूप से यहां उल्लंघन होता है। कुछ समय पहले, मेरे विद्यार्थियों में से एक को अपने पिता द्वारा स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, क्योंकि उसने फैसला किया था कि उसे शादी करनी चाहिए। दुर्भाग्य से, मोजाम्बिक में यह आम बात है। यहां, माता–पिता स्कूल में भाग लेने के लिए अपनी बेटियों को कोई महत्व नहीं देते है। केवल एक बात जो इसे रोक सकती है वह लोगों को लड़कियों के अधिकारों के बारे में शिक्षित करना है। यही कारण है कि यह कार्यक्रम इतना महत्वपूर्ण है!''

जोस हरकुलोनो, प्रमुख शिक्षक, चौथे अक्टूबर माध्यमिक विद्यालय, इन्हर्राइम

''**तुम देख सकते हैं कि जिन स्कूलों में डब्लूसीपी कार्यक्रम शुरू किया गया है,** वहां लड़कियों के उत्तीर्ण अंक देने के बदले में उनका लाभ उठाने वाले पुरुष शिक्षकों की समस्या काफी कम या समाप्त हो गई है। इससे पता चलता है कि 'लड़कियों के अधिकारों के लिए मोजाम्बिक' कितना महत्वपूर्ण है! हम अपनी सेवाओं एवं

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

सभी बच्चों के अधिकार हैं!

एक पड़ोसी जो जूनियर एवं अब्दुल को जानता है, को मालूम था कि मैं बाल अधिकारों के लिए काम करता हूं। उसने मुझसे आने और अपने भाई के परिवार वालों से मिलने के लिए कहा। जब मैं उनसे मिला, तो मैंने उनको बताया कि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है। मैंने उनको यह भी बताया कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए किससे संपर्क करें। मैं व्यक्तिगत रूप से इस क्षेत्र के स्कूलों के लिए जिम्मेदार वरिष्ठ प्रबंधक से संपर्क करूंगी, जिससे मैं यह निश्चित कर सकूं कि सब कुछ ठीक से काम कर रहा है। भाइयों को अब पंजीकृत किया जाएगा ताकि अगली अवधि की शुरुआत में वे स्कूल जाना शुरू कर सकें।

मुझे लगता है कि सभी बच्चे, यहां तक कि वो भी जो स्कूल नहीं जाते, को अपने अधिकारों के बारे में जानने और अपनी आवाज सुनवाने का अधिकार है। इसीलिए मैंने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज कार्यक्रम के बारे में जूनियर और अब्दुल को बताया और उन्हें हमारे ग्लोबल वोट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

निल्ज़ा, 17

"मैं स्टील के तारों से कारों बनाता हूं और उन्हें 100 मैटिकायस (1.50 यू. एस. डालर) में बेच देता हूं," अब्दुल, 10, कहता है।
"मेरी अधिक अच्छी हैं, इसलिए मैं उन्हें 250 में बेच सकता हूँ!" उसका बड़े भाई जूनियर, 13 उसे चिढ़ाते हुए कहता है।

"निलजा, एक डब्लूसीपी राजदूत, आई और हमें अपने अधिकारों के बारे में बताया," जूनियर कहता है, "उसने कहा कि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है। मेरा सपना एक ट्रैफिक पुलिस बनना है।"

"और मेरा डॉक्टर बनना है," अब्दुल कहता है।

"आज, अब्दुल और मैंने ग्लोबल वोट में भाग लिया," जूनियर ने कहा। "हमने एक ऐसे व्यक्ति को मतदान दिया है जो उन बच्चों के लिए लड़ता है जिनका जीवन कठिन होता है। मुझे खुशी है कि हम अपने वोट दे सके, हालांकि हम स्कूल नहीं जाते हैं।"

सभाओं के माध्यम से चर्च के भीतर बहुत से लोगों तक पहुंचते हैं, इसलिए हमें लड़कियों के अधिकारों के बारे में जानकारी प्रसारित करने की एक बड़ी जिम्मेदारी है।"

एबेल होवी, चर्च मुखिया, इन्हर्राइम

"मुझे डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। इसका उद्देश्य समाज को लड़किय ों के अधिकारों के बारे में सूचित करना है ताकि लड़कियों को बेहतर जीवन मिल सके। और इसकी एक वास्तविक आवश्यकता है। हम लड़कियों का मूल्य नहीं समझते है, और यह अच्छा नहीं है। साथ ही अपने परिवारों के भीतर, स्कूल में शिक्षकों और समाज में बड़े पैमाने पर, लड़कियां घर पर सभी काम करती हैं और अक्सर उनको बाल विवाह के कारण स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता हैं, और वह बहुत सी यौन हिंसा का शिकार होती हैं। हमारे पास ऐसे कानून हैं जो इन सभी को मना करते हैं, लेकिन उन्हें इस्तेमाल करने की आवश्यकता है! इसलिए हमें लोगों को समाज में लड़कियों के अधिकारों के बारे में सूचित करना चाहिए। यही कारण है कि यह कार्यक्रम इतना महत्वपूर्ण है। एक पारंपरिक नेता के रूप में, मैं लड़कियों की रक्षा करूंगा, यह सुनिश्चित करूंगा कि कानून का अनुपालन किया जाता है और यह सुनिश्चित करूंगा कि लोग को जानकारी प्राप्त हो जिससे वे अपना दृष्टिकोण बदलें।"

हेर्मेनीगिल्डो अनानाइस, पारंपरिक *नेता, बोएनी*

लड़कियों के लिए लड़ना चाहता है

आज हमारे स्कूल के पास ग्लोबल वोट (विश्व मतदान) था, और यह अच्छा लगता है कि मैंने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ में शामिल होने से बहुत कुछ सीखा है। डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत आए और उन्होंने हमें बाल अधिकारों एवं ग्लोबल वोट के बारे में बताया, वशेष रूप से लड़कियों के अधिकारों के बारे में। मैंने दि ग्लोब में भी बहुत कुछ पढ़ा है। यह मुझे इतनी प्रेरणा देता है! मैं भी एक ऐसा व्यक्ति बनना चाहता हूं जो बाल अधिकारों के लिए लड़ता है, जैसे बाल अधिकारों के नायक। मैं लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ना और बाल विवाह का अंत करना चाहता हूं। गरीबी के कारण, मोजाम्बिक में बाल विवाह आम है। परिवार अपनी बेटियों को लोबोला (दूल्हा द्वारा दिल्हन को दहेज का धन) और धन कमाने के लालच में शादी करने के लिए मजबूर करते हैं। लोबोला एक गाय भी हो सकती है, साथ ही कुछ धनराशि भी शामिल हो सकती है जो आदमी लड़की के लिए भुगतान करता है। लड़कियों को ऐसे बेच दिया जाता है जैसे कि मानो वे रोटी या किसी अन्य तरह के सामान बेच रहे हों। बाल विवाह कई मायनों में लड़की के अधिकारों का उल्लंघन करती है। लड़की का पिता उसे एक वयस्क व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर करता है, जो एक पूर्ण उल्लंघन है। तब लड़की को स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है ताकि वह उसके बदले आदमी के घर की देखभाल कर सकें। स्वयं बच्चा होने के बावजूद उसके बच्चे पैदा होंगे। भविष्य में मेरा सपना एक पायलट बनना है।

कार्लोस, 15, 4 अक्टूबर माध्यमिक विद्यालय, इन्हर्राइम, मोज़ाम्बिक

बाल अधिकार राजदूत ने मुझे साहस दिया

आज, मैंने यहां ग्लोबल वोट में भाग लिया। बाल अधिकारों का भी उल्लंघन किया गया है। दि ग्लोब में बाल अधिकारों के नायकों के काम के बारे में पढ़ कर, हम अपनी समस्याओं के बारे में अधिक जान लेते हैं।

बहुत सी लड़कियों अपने स्कूल को जल्दी ही छोड़ दिया करती हैं क्योंकि उनके परिवारों ने उन्हें शादी करने के लिए मजबूर कर दिया था। लड़कियां कक्षा आठ तक ही स्कूल जाती है, लेकिन उसके बाद नहीं। यह बहुत गलत है! जो मां ने स्कूल पूरा नहीं किया है, वह भविष्य में अपने बच्चों को क्या सिखा पाएगी? यह न केवल उसके बच्चों के जीवन को बर्बाद किया जा रहा है बल्कि खुद का जीवन भी। यहां तक कि एक लड़की सपनों के साथ पैदा होती है। जब तुम एक लड़की को शादी करने के लिए मजबूर करते हो, तो तुम उसके सपनों को नष्ट कर देते हो। यह एक अपराध है। हम अपने परिवार एवं पड़ोसियों के साथ घर पर वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से सीखने वाली चीजों के बारे में बात कर सकते हैं। धीरे–धीरे, लड़कियों के लिए स्थिति बेहतर होगी।

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हमारे स्कूल में आए और हमें जानकारी दी। मैं अति उत्तेजित एवं प्रेरित हो गया था। मैं भी एक बाल अधिकार राजदूत बनना चाहता हूं जो लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ता है। उन्होंने मुझे महत्वपूर्ण मुद्दों परं बात करने की हिम्मत दी। हम लड़कियों के लिए बहादुर बाल अधिकार राजदूतों को देखना महत्वपूर्ण है जो अपनी आवाजे सुनाते हैं। भविष्य में, मैं एक शिक्षक बनना चाहती हूं।

जुवेल, 15, 4 अक्टूबर माध्यमिक विद्यालय, इन्हर्राइम, मोज़ाम्बिक

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

फिलिपीन्स

डब्लूसीपी कार्यक्रम ने मुझे साहस दिया

''डब्लूसीपी कार्यक्रम का एक हिस्सा होने के चार वर्षों में, यह मेरे अधिकारों और अन्य बच्चों के अधिकारों के लिए भी खड़े होने में मेरी सहायता करता है। मैं अपने पिता द्वारा की गई अनेकों प्रकार की हिंसा का शिकार रह चुका हूं। शुरू में मैं डर गया क्योंकि इस तथ्य के कारण कि वह मेरे पिता हैं और जैसा कि भगवान ने कहा था ''अपनी मां और पिता का सम्मान करो''। मैंने कुछ भी नहीं किया। लेकिन जैसे वर्ष बीतते गए मैं तर्क लगाने लगा और सोचा कि यह सही नहीं है। मैं अपने अधिकार के लिए खड़े हुआ और मेरे पिता को सजा दी गई। मेरा यह साहस डब्लूसीपी कार्यक्रम की वजह से था। मैं दोनों अधिकारों के ज्ञान और बच्चों को प्रसारित कर सकता है। इस प्रकार मेरा समाज के प्रति अधिक प्रभाव पड़ता है और डब्लूसीपी कार्यक्रम की वजह से बदलाव ला सकता हूँ।''

हेनरी, 17, नेग्रोस ओरिएंटल हाई स्कूल

हर बच्चे को दि ग्लोब का उपयोग करना चाहिए

''मैंने बपने स्कूल में डब्लूसीपी क्लब की शुरुआत की। मैं बच्चों के विभिन्न अधिकारों को सिखाने में सक्षम हूं। यह मेरे जीवन में एक फर्क लाता हूँ। हम दि ग्लोब में हम अद्भुत एवं महसूस होने वाली, सच्ची जीवन की कथाएं पढ़ सकते हैं जो सभी बाल अधिकारों को सम्मिलित करती हैं। इस पत्रिका को पढ़ना हमारे दिल को छूता है। यह हमें दुनिया भर में यात्रा कराती है और वहाँ के बच्चों के विभिन्न जीवनों के बारे में बताती है। मैं अपने समुदाय में बच्चों को स्कूल नहीं जाते देखती हूं, इसके बजाय वे यहाँ किसानों अथवा मछुआरों के रूप में काम करते दिखते है। हमें यह मालूम होना चाहिए कि हर बच्चे का स्कूल जाना आवश्यक होता है। डब्लूसीपी कार्यक्रम हर बच्चे को सही के लिए खड़े होने में सशक्त करता है। मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूं और मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि हर बच्चा स्कूल जाए और दि ग्लोब का इस्तेमाल करे। मैं उन्हें बाल अधिकार सिखाऊंगा।''

फ्रांसिस, 16, जोस मैरी लॉक्सिन मेमोरियल हाई स्कूल

इंडिया

विश्व का सबसे बड़ा स्कूल वोट देता है

भारत में सिटी मोंटेसरी स्कूल, जो दुनिया का सबसे बड़ा स्कूल है, हर बार की तरह, डब्लूसीपी कार्यक्रम में शामिल था। ''मेरा वोट डालना मुझे सशक्त महसूस कराता है। मुझे महत्वपूर्ण लगता है, क्योंकि मेरा वोट मायने रखता है।''

सनिधि, 14

बेनिन

दैहिक दण्ड के विरुद्ध चित्रण

''यह पहली बार जब मैंने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम में भाग लिया है। मेरे आरेखण में एक बच्चे को अपने माता–पिता से शारीरिक दंड का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वह लकड़ी ढूंढने के बजाय स्कूल जाना पसंद किया करता था। अपने स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब के सदस्य के रूप में मुझे जो अभ्यास मिल रहा है, वह मेरे लिए अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ बाल अधिकारों एवं लोकतंत्र से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना आसान कर देता है।''

आईज़ेक, 12, एल इकोले जोए एट वाई

मेरी आवाज़ को सुनवाता है

''मै अपने स्कूल में डब्लूसीपी क्लब में शामिल होने से बहुत भाग्यशाली रहा, और इसका मतलब यह है कि मैं अपने स्कूल के दोस्तों के साथ बाल अधिकारों के बारे में बात कर सकता हूं। मेरा आरेखण एक बच्चे को दिखाता है जो मतपत्र बॉक्स में अपना मत डाल कर अपनी आवाज सुना रहा है। मैंने बालं अधिकारों के लिए अपना मतदान दिया। मैंने केवल वयस्कों को अपने देश में पहले बेनिन में मतदान देते देखा है।''

डोर्ड, 12, एल इकोले जोए एट वाई

मुझे अपने बाल अधिकारों के ज्ञान पर गर्व है

''डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लेना एक शानदार अनुभव था। मैंने कभी भी इतनी सारी भावनाओं का अनुभव नहीं किया था जितना की तब किया जब मैंने उम्मीदवारों द्वारा किए गए सभी कार्यों के बारे में जाना। मुझे अपने अधिकारों के बारे में जो मालूम है, उस पर गर्व है, और मैं इस ज्ञान को अपने भाइयों एवं दोस्तों के साथ साझा करने जा रही हूं।''

मिर्लान्डे, 12, सीएस लेस एलस

युगांडा

यूगांडा में जेनेसिस एनपी स्कूल में वैश्विक वोट।

स्कूल में कोई दैहिक दण्ड नहीं है!

मायरा, 17, 2013 से एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है। स्कूलों में बाल अधिकारों के लिए लड़ने का अनुभव प्राप्त करके, अब वह 'फॉरडेस्क' संगठन की प्रोग्राम प्रशासक बन गई है। यहां, संयुक्त राष्ट्र रेडियो स्टेशन 'रेडियो ओकापी' द्वारा मायरा का साक्षात्कार लिया गया है।

मायरा: हमारा उद्देश्य बच्चों और शिक्षकों को बाल अधिकारों एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में बताना है।

रेडियो ओकापी: कुछ लोग कहते हैं कि आपका प्रशिक्षण बच्चों को उनके अधिकारों की मांग करते समय उनको अनादर्णीय बना देता है।

मायरा: ऐसा इसलिए है क्योंकि ये लोग समझते नहीं हैं। इस लिए हम अपने प्रशिक्षण को जारी रखे हैं ताकि वे बच्चे के प्रति अपने दृष्टिकोण को बदलें। उनके लिए अच्छा है कि वे बच्चों की जरूरतों को पूरा करने का एक बेहतर तरीका जाने। बच्चे हमारे प्रशिक्षण के कारण अप्रिय नहीं होते, बल्कि वे अपने भविष्य के लिए जिम्मेदारी लेना सीखते हैं और यह ऐसी चीज़ है जिसकी हर संस्कृति को जरूरत पड़ती है। बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में सिखाने में शिक्षकों को सबसे पहले होना चाहिए।

रेडियो ओकापी: आपने दैहिक दंड पर प्रतिबंध लगाने पर बात की। अफ्रीका में, और विशेष रूप से डीआर कांगो में, क्या आपको लगता है कि स्कूलों में शारीरिक दंड पर प्रतिबंध लगाना अच्छा है?

मायरा: हम ज़ोर देते हैं कि स्कूलों में दैहिक दंड की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यहां तक कि डी आर काँगो सरकार ने भी इसे प्रतिबंधित कर दिया है। यह बाल अधिकारों के विरुद्ध है, और यह बच्चे में बदलाव नहीं लाता है। इसके विपरीत, परिणामस्वरूप बच्चे सुधरने के बजाय दोनों शारीरिक और मानसिक रूप से पीड़ित हो जाते हैं। यही कारण है कि बाल अधिकार राजदूतों, शिक्षकों एवं क्लबों को मिलकर काम करना चाहिए जिससे वे हर स्थिति में समाधान खोज सकें जिनमें बच्चे शामिल होते हैं और उनको समस्याएं होती हैं।

रेडियो ओकापी: यदि आप शारीरिक दण्ड को अस्वीकार करते हैं तो आपको बच्चे को पढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका क्या लगता है?
मायरा: बच्चे के लाभ के लिए प्रत्येक निर्णय एक बच्चे के बारे में लिया जाना चाहिए। शारीरिक दंड सचमुच बच्चे की शारीरिक और मानसिक टूटना है। एक बच्चे को पढ़ाने में निर्णय लेने और बच्चे को लाभ उठाने वाली क्रियाएं शामिल होती हैं। ऐसा करने के कई अलग–अलग तरीके हैं। सबसे अच्छा तरीका है एक व्यक्ति की तरह बच्चे से बात करना।

रेडियो ओकापी: एक राजदूत का क्या मतलब है?

मायरा: एक बाल अधिकार राजदूत एक बच्चा है जिसने अपने अधिकारों के उल्लंघन का अनुभव किया है और जो यह मांग करते हैं कि इन उल्लंघनों से अन्य बच्चों को प्रभावित नहीं होना चाहिए। उल्लंघन को रोकना होगा, और जो लोग उल्लंघन करने वाले हैं, उन्हें उनकी बुरी आदतों के लिए जवाबदेह होना चाहिए। राजदूत क्लबों एवं शिक्षकों के साथ काम करते हैं, और स्कूलों में बाल अधिकारों की स्थिति की समीक्षा करते हैं। डब्लूसीपी क्लब स्थिति की दैनिक आधार पर समीक्षा करते हैं। स्कूल के प्रबंधन से बात करने से पहले वे डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों से चर्चा करते हैं।

दि ग्लोब के लिए गाना

''मैं दि ग्लोब से प्यार करती हूँ! इसमें दुनिया भर से, मेरे जैसे बच्चों के बारे में महान कहानियां हैं। इसे पढ़ कर, मैं अपने बच्चों को उनके अधिकारों को बढ़ावा देने और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए, अन्य बच्चों के संघर्षों के बारे में सीखती हूं। मैं इस प्रकार अपने नायकों की खोज करती हूं जो मुश्किल परिस्थितियों में बाल अधिकारों की रक्षा करते हैं। दि ग्लोब ने मुझे सिखाया है कि बाल अधिकारों को स्वयं बच्चों एवं वयस्कों द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए। मैं अपने परिवार एवं गांव में, लड़कों एवं अधिकारियों द्वारा, बाल अधिकारों को मान्यता प्राप्त कराने एवं सम्मान दिलाने के लिए लड़ती हूं। मैं विस्फोटों से, युद्ध से और भेदभाव से कैसे दूर रह सकती हूं? दि ग्लोब, कृपया मुझे जवाब दें! मुझे एक गीत लिखना चाहिए ताकि मैं आपको कभी नहीं भूल सकूं!''

एमिली, 12, ई.पी. मबिंगा स्कूल

सभी स्कूलों में डब्लूसीपी चाहती है

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम की खोज करने के बाद से, मैंने पृथ्वी पर स्वर्ग बनाने का सपना देखा है: उन सभी बाल अधिकारों का सम्मान किया जाना जिनके बारे में मैं दि ग्लोब में पढ़ता हूं। डब्लूसीपी कार्यक्रम मुझे बाल अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सिखाता है (लड़कों या लड़कियों के लिए, अमीर या गरीब, काले या सफेद, शरणार्थियों, अनाथों, विकलांग बच्चों, शहरों या गांवों में रहने वाले आदि)। डब्लूसीपी कार्यक्रम ने मुझे मतदान देना सिखाया है: मैं अपने देश में एक वयस्क बनने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए तत्पर हूं! मैं आजीवन, अपने देश की लड़कियों, डीआर कांगो में उनके विरुद्ध हिंसा का अंत करने के लिए लड़कियों के अधिकारों का राजदूत बना रहूंगा!''

''मुझे डब्लूसीपी कार्यक्रम प्रिय है! मुझे दि ग्लोब को पढ़ना अच्छा लगता है जिससे विश्व में बच्चों एवं वयस्कों की वैश्विक जुटा कर बाल अधिकारों की रक्षा की जा सके।''

''कांगो के सभी स्कूलों में डब्लूसीपी कार्यक्रम, दोनों शहर और ग्रामीण इलाकों में आयोजित करने में मेरा पूरा समर्थन है।''

माली, 14, मैतिमैन्यी संस्थान

भेदभाव से लड़ने के लिए काले बाल

''हमारे परिवार में सात बच्चे हैं हम में से दो लड़कियां ऑल्बीनो हैं हमारी त्वचा के रंग के कारण हमें भेदभाव किया जाता है मेरी बड़ी बहन जस्टिन, जो कि अलबिनो भी हैं, का उपयोग एक सैनिक द्वारा सइपदव होने के लिए किया गया था। हमारे पास सफेद बाल हैं, लेकिन भेदभाव के कारण मैं इसे काला करता हूं ताकि अन्य बच्चे मेरे घर में आएंगे। मुझे दुखी है कि मैं अपनी बहनों और भाइयों की तरह स्कूल नहीं जाऊंगा, जो काला हैं डब्लूसीपी कार्यक्रम के लिए धन्यवाद और बाल अधिकार के सम्मेलन के पहले लेख के समान अधिकार होने वाले सभी बच्चों के बारे में धन्यवाद। मैं अपने दम पर हर समय घर पर हूं मैं सभी बच्चों के लिए लड़ूंगा दि ग्लोब मेरे बच्चे की तरह है, और मैं हमेशा यह मेरे साथ है!''

काटूंगू, 13

गरीब एवं अमीर के समान अधिकार हैं

''मैंने बाल अधिकारों के प्रशिक्षण में बहुत रुचि के साथ भाग लिया है हमारे स्कूल में, अमीर परिवारों के बच्चों और गरीब परिवारों के बच्चों के बीच भेदभाव होता है। शिक्षकों को अच्छे कुर्सियों के साथ पंक्तियों में समृद्ध परिवारों के बच्चों और खराब कुर्सियों वाली पंक्तियों में गरीब परिवारों के बच्चों को बैठाना। प्रशिक्षण ने मुझे भेदभाव से लड़ने की शक्ति दी है और अब से मैं उन शिक्षकों को बताऊंगा कि अमीर और गरीब बच्चों को उसी कुर्सियों पर बैठना चाहिए।''

जॉइस, 13, कॉम्प्लेक्सी स्कोलैरे एलीमू

टोगो

सीएस ले सिनाऊ स्कूल में ग्लोबल वोट

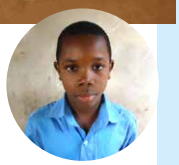

दि ग्लोब को हर रोज़ पढ़ो

''तुम, बच्चे, दोनों हाथों में अपना साहस उठाओ अपने अधिकारों के बारे में अधिक जानें ऐसा करने के लिए, दि ग्लोब पत्रिका हर दिन पढ़ें। अपनी आवाज सुन लीजिए क्योंकि आपको चिंता करने वाले फैसले को अपनी हितों को ध्यान में रखना चाहिए।'' *एलीसी, 10, सीएस ले लीडर दि ग्लोब को हर रोज़ पढ़ो*

डब्लूसीपी शिक्षकों को उनके चाबुकों का उपयोग करने से रोकता है

''मेरे देश में, शिक्षक अक्सर अपनी चाबुक का इस्तेमाल करते हैं डब्लूसीपी कार्यक्रम उन्हें अपनी छड़ें का प्रयोग करके रोक देगा। और अब मुझे दि ग्लोब पत्रिका पर गर्व है क्योंकि मैंने इसकी खोज की थी।''

यायीरा, 11, सीएस ले लीडर

अधिकारियों को दि ग्लोब पढ़ना चाहिए

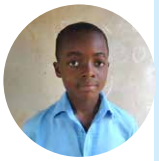

''मेरे देश में अधिकारियों ने बच्चे के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए अभिनय नहीं किया है उन्हें दि ग्लोब पत्रिका मिलनी है इससे उन्हें बहुत मदद मिलेगी।''

जूनियर, 10, सीएस ली लीडर

डब्लूसीपी कई चीजें बदल रहा है

''उच्च विद्यालय में हमें बच्चे के अधिकारों को सिखाया जाता है और उत्सुकता से, शिक्षक अक्सर इन अधिकारों का सम्मान नहीं करते हैं डब्लूसीपी कार्यक्रम से कई चीजें पहले ही बदल रही हैं।''

ब्लेसिंग, 15, सीईजी एगोई–सेंटर

डब्लूसीपी क्लब का सदस्य होने पर गर्व

''इस वर्ष मैं एक बड़ी भीड़ के सामने खड़े होकर बच्चों के अधिकारों की बात करने और बचाव करने के लिए सीखा। मुझे अपने स्कूल के डब्लूसीपी क्लब के लिए गर्व है।''

प्रिस्का, 10, सीएस ले सिनाउ

सेनेगल

धन्यवाद, डब्लूसीपी – अब मैं अपने अधिकार मांग सकता हूं

''मैं अपने परिवार की एकमात्र लड़की हूं, और मेरी दादी जो हमारे पीछे दिखती है मुझे उम्मीद है कि मैं सभी घर के कामों को करने के लिए तैयार हूं। मुझे हर सुबह स्कूल के लिए देर हो गई थी और वह 11 वीं कक्षा में ब्रेकटाइम के दौरान मुझे अपनी कक्षा से इकट्ठा करने के लिए आईं ताकि मैं घर जाकर दोपहर का भोजन कर सकूं। हर दिन एक ही था मेरा अधिकार मांगने का अवसर देने के लिए धन्यवाद, डब्लूसीपी। मैं अब नियमित रूप से स्कूल जा सकता हूं और मुझे केवल रविवार को रात का भोजन करना पड़ता है क्योंकि मैं शनिवार को सबक पर जाता हूं।''

बिन्टा, 15, टॉउफिन्डे गैन्डे स्कूल

डब्लूसीपी – मेरा विवाह को रुकवाने का वीसा

''डब्लूसीपी मेरी स्वतंत्रता और मेरा वीजा है, जिससे मुझे शादी से बचना चाहिए जब मैंने अपने परिवार और गांव को डब्लूसीपी के बारे में बताया, तो मेरी मां ने मेरे पिताजी से कहा कि मुझे स्कूल जाने और बढ़ती जा रही है, मुझसे शादी करने के लिए नहीं। डब्लूसीपी ने मुझे अपना समय, संरक्षण और शिक्षा का अधिकार वापस पाने में मदद की।''

हॉलीमाता, 13, टॉउफिन्डे गैन्डे स्कूल

टॉउफिन्डे गैन्डे के गांव में ग्लोबल वोट

सभी बच्चों के लिए दि ग्लोब!

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ एक महान कार्यक्रम है जो हमें हमें अपने अधिकारों के बारे में सिखाता है। एक मुस्लिम लड़की होने के नाते, इस कार्यक्रम ने मुझे इसके संपर्क में आने के बाद से बहुत मदद की है, और इससे स्कूल में अन्य लड़कियों को भी मदद मिली। मैं अपने स्कूल में एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हूं, और अपने स्कूल के डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब के सदस्यों को – जिनमें से ज्यादातर लड़कियां हैं – हमारे अधिकारों के बारे में बताती हूं। दि ग्लोब एक रोचक पत्रिका है, और मैं सुझाती हूं कि घाना के सभी स्कूलों में सभी बच्चों के पास अपनी प्रतियां होनी चाहिए, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में, जहां बच्चों एवं लड़कियों के अधिकारों का सम्मान नहीं होता।''

बरिकिसू, 15, गमोआ बुदुबुरम जूनियर हाई स्कूल

अपने मित्र की मदद करना – डब्लूसीपी को धन्यवाद

''मुझे वाकई बहुत खुशी है कि डब्लूसीपी कार्यक्रम यहां सदैव के लिए है, क्योंकि यह हमें बहुत कुछ सिखाता है। मेरी एक करीबी दोस्त है जो एक बड़ी चुनौती का सामना कर रही है, और मैं डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब में सीखी हुई बातों से उसको सलाह देकर उसकी मदद करना चाह रही हूं। मेरी दोस्त के पिता की मृत्यु हो गई जब वह चौदह साल की थी। फिर जब उसकी मां ने पुनर्विवाह कर लिया, तो वो मुझे भी अपने साथा मेरे सौतेले पिता के साथ रहने चली गई। शुरू में उसकी मां ने उसे अच्छी देखभाल की, लेकिन बाद में उसका सौतेले पिता उसका स्कूल जाना बंद करवा कर उसकी शादी करके उसे निपटाना चाहता था। मैं अपनी दोस्त को उसके अधिकारों पर सलाह देने में सक्षम थी, इसलिए वह अभी भी स्कूल जाती है। छुट्टियों में, वह बर्फ का पानी बेच कर अपना गुजारा करती है। चुनौतियों का सामना करने वाले हम सभी बच्चों को सलाह एवं शक्ति देने के लिए डब्लूसीपी कार्यक्रम को धन्यवाद।''

प्रिसिल्ला, 16, सैकोन्डी स्कूल फॉर दि डेफ

गांव के माता–पिता को पढ़ाना

''मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूं, इसलिए मैं अपने माता–पिता को अपने गांव में बाल अधिकारों का सम्मान करना सिखा सकता हूं, खासकर लड़कियों को शिक्षा देने का अधिकार।''

नेमेटौ, 12, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, जीएनोटोक्रो स्कूल

जीएनोटोक्रो स्कूल में ग्लोबल वोट।

बच्चे अधिकारों के लिए लड़ सकते हैं

''जब मैं दि ग्लोब पढ़ती हूं, मुझे पता चला कि हम बच्चे सम्मान के लिए अपने अधिकारों के लिए लड़ सकते हैं। मैंने यह भी देखा है कि कैसे दुनिया भर के बच्चे अपने अधिकारों के उल्लंघन के शिकार हुए हैं।''

जूलियाना, 10, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, सकोरा स्कूल

हमारे गांव में बाल अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है

''वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम ने मुझे बाल अधिकारों की बेहतर समझ और बच्चों के विकास के लिए उनके महत्व को प्राप्त करने में मदद की है। इसलिए मैं एक बाल अधिकार राजदूत बनने का निर्णय लिया क्योंकि मैं देखता हूं कि हमारे समुदाय में इतने सारे बच्चे पीड़ित हैं क्योंकि उनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।''

अरिस्टिडे, 12, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, सकसुरा स्कूल

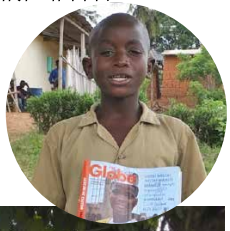

सकसुरा स्कूल में ग्लोबल वोट।

बाल अधिकार राजदूत होने के नाते, मैं बच्चों को उनकी बात कहने में सशक्त करता हूं

"मैं एक वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ बाल अधिकार राजदूत हूँ। मैं स्कूल के बच्चों एवं समुदाय के सदस्यों को बाल अधिकारों के बारे में, विशेष रूप से लड़कियों के अधिकारों के बारे में पढ़ाता हूं। मैं बच्चों को अपनी बात कहने के लिए सशक्त करता हूं, क्योंकि जिन समुदायों में हम रहते हैं, वहां बच्चों को सुनने वाला कोई नहीं हैं।"

"बच्चे खुल कर बोलने से डरते हैं। एक बाल अधिकार राजदूत होने के नाते, मैं बच्चों एवं शिक्षकों से बात करने के लिए अन्य स्कूलों में जाता हूं। इन यात्राओं में से एक यात्रा बोसासा केन्द्र के लड़कों की जेल की थी।"

मेरी कहानी से सीखो

"बोसासा उन युवा लोगों के लिए है जो कानून सें परेशान रहे हैं। दूसरे शब्दों में, यह एक बच्चों की जेल है। प्रारंभ में, हम ग्लोबल वोट दिवस में भाग लेने के लिए गए थे।"

"लड़कों को अपनी माताओं की याद आती है और वे अपने नशे की लत को छोड़ने के लिए संघर्ष करते हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचने पर, उन्हें वयस्क जेलों में भेज दिया जाता है भले ही उनके द्वारा तब अपराध किए गए जब वे बच्चे थे। मैंने उन्हें लड़कियों के अधिकारों के बारे में बताया और उनसे अपने साथियों से बात करने और उन्हें जेल में होने के दौरान लड़कियों के अधिकारों के लिए राजदूत बनने के लिए कहा।"

"इसने बाल अधिकारों के बारे में मेरी सोच को बदल दिया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि जो उन लड़कों ने हमें बताया। एक लड़का जो मेरी तरह 16 साल का था, ने हमें अपनी कहानी बताई और कहा कि हम जहां भी हो सके, ताकि दूसरे उसके जीवन से सीख सकें।"

"मैं अपने पड़ोस में 'नाइस टाइम किड्स गैंग' का सदस्य था। मैं गिरोहों के साथ बड़ा हुआ। मेरे पिताजी एक गैंगस्टर (गिरोह का गुन्डा) है। मेरे शरीर पर सभी टैटू कुछ न कुछ का प्रतिनिधित्व करते हैं जो काम मैंने गिरोह के लिए किए हैं। तो जब तुम एक बंदूक लेते हो और किसी को गोली मारते हो, तो तुमको एक टैटू मिलता है। जब हमको दि ग्लोब पत्रिका मिली, तो हम बहुत से जानकारी देखी, कि कैसे वयस्क बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं। मैं अब जेल में हूं, लेकिन गिरोह के वयस्क घर पर हैं। उन्होंने मुझे अपराधों को करने के लिए भेजा, और अब मैं इनकी सज़ा भोग रहा हूं।"

सैम, 15, क्रिस हैनी स्कूल

बोसासा में सलाखों के पीछे, लड़कों का वैश्विक मतदान।

worldschildrensprize.org/bosasasouthafrica पर सैम एवं बोसासा के लड़कों की फिल्म देखें।

सभी बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में सिखाएं

"दि ग्लोब ने मुझे यह जानने में मदद की कि मेरे देश में बाल अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है। बच्चों एवं विशेष रूप से लड़कियों का शोषण किया जाता है। बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल एवं बहुत कुछ अन्य अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। यह बहुत महत्वपूर्ण है, कि मैं अपने अधिकारों को जानने में सक्षम थी। सभी बच्चों को स्कूल जाने और उनके अधिकारों के बारे में जानने दो।"

सिडिबे, 16

डब्लूसीपी एक सच्चा स्कूल है

"डब्लूसीपी एक सच्चा स्कूल है जो यह संभव करता है कि बच्चे अपने अधिकारों के लिए लड़ सकें। डब्लूसीपी हमें यह दिखा कर पढ़ाने में महान है कि हमारे भी अधिकार हैं जिनका सम्मान किया जाना चाहिए जिससे हम भविष्य में अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें।"

लाउनसेमी, 17

डब्लूसीपी और एक आधुनिक संसार

"वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम मेरे देश और मेरे स्कूल में बहुत महत्वपूर्ण है, जहां विद्यार्थियों के अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता। डब्लूसीपी ने हमें हमारे अधिकारों के बारे में सब कुछ सिखाया है। मैंने सोचा कि लड़कियों को सभी घर का काम करना पड़ता है, फिर डब्लूसीपी ने मुझे यह समझाया कि हमें अपनी बहनें और मांताओं की मदद करने की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि माता–पिता दि ग्लोब को पढ़ें और समझें कि उन्हें लड़कियों को अपने जीवन के लिए जिम्मेदार होना है, क्योंकि हम एक आधुनिक दुनिया में रहते हैं।"

हेनॉक, 17

दि ग्लोब मुझे शतिशाली बनाता है

"दि ग्लोब पढ़ना मुझे सशक्त एवं सुरक्षित महसूस करता है। यह उन चीजों को सिखाती है जो मुझे नहीं पता थीं। यह मुझे अपने दोस्तों की मदद करना और उन्हें यह समझाती है कि हमारे बहुत सारे अधिकार हैं जिनका सम्मान नहीं किया जा रहा है और हमें उन अधिकारों के लिए लड़ना होगा। दि ग्लोब ने मुझे सिखाया है कि सभी विश्व के बच्चों के समान अधिकार हैं। डब्लूसीपी एक ऐसा कार्यक्रम है जो बच्चों की समस्याओं को उनके द्वारा सुनवाता है।"

एम' माह, 16

बाल अधिकार हीरो प्रत्याशी

Gabriel Antonio Mejía Montoya

पृष्ठ 46–65

गैब्रियल को क्यों नामित किया गया है?

गैब्रियल एंटोनियो मेजिया मॉन्टोया, फादर गेब्रियल को कोलम्बिया के बेसहारा बच्चों के लिए 30 से अधिक वर्षों तक संघर्ष हेतु वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए नामित किया गया है – सड़क के बच्चों, बाल सैनिकों एवं वो बच्चों जो जेल में बंद हैं।

फादर गेब्रियल ने गरीबों की मदद करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। अपने काम के परिणामस्वरूप उन्हें अपनी जिन्दगी पर कई आक्रमणों का सामना करना पड़ा है।

कोलम्बिया में एक युद्ध के दौरान, जो 60 साल से अधिक समय तक चला, उसमें लगभग 60 लाख लोगों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर किया गया और 200,000 से अधिक लोग मारे गए। बच्चे गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।

जब, 37 वर्ष की आयु में, गेब्रियल ने देखा कि सड़क पर रहने वाले बच्चे उसके घर के बाहर रह रहे हैं, तब उसने होगेर्स क्लैरेट नींव की स्थापना की और यह सड़क बच्चों के लिए पहला केंद्र था। आज, उसकी संस्था 52 बाल केंद्रों को चलाती है। वे 4,000 बच्चों और युवा लोगों की देखभाल करते हैं, जो सड़क के बच्चों या बाल सैनिकों के रूप में रह चुके हैं, साथ ही उन युवा लोगों के लिए जो संस्था के नजरबंद केंद्रों में अपनी सजाएं काट रहे हैं। गेब्रियल और हॉगारेस क्लैरेट के प्रयासों ने दसों हज़ारों बच्चों के जीवन में सुधार किया है।

फादर गेब्रियल बच्चों के लिए संघर्ष करते हैं जिनके प्रति समाज ने अपनी पीठ मोड़ ली है। उनका कहना है कि प्यार सबसे महत्वपूर्ण दवा है। डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता बच्चे के साथ रहते हैं। वे बच्चों की बातें सुनते हैं और उनके दैनिक कार्यों में भाग लेते हैं। बच्चों को शिक्षा एवं चिकित्सा प्रदान की जाती है। उनके वहां योग सत्र और ध्यान रोज़ होता है। हॉगारेस क्लैरेट की चिकित्सा में सभी बच्चों एवं स्काउट्स में शामिल होने वाले युवा लोग शामिल हैं। वे अच्छे मूल्य सीखते हैं, सहानुभूति दिखाना, निष्पक्ष रहना, दूसरों के फैसले न करना और सम्मान देना तथा जिम्मेदारी लेना।

मेडेलिन में हॉगारेस क्लैरेट के बच्चों के साथ बाल अधिकार हीरो गेब्रियल।

फादर गेब्रियल, जैसे कि वे जाने जाते हैं, ने आजीवन गरीबों एवं सड़क के बच्चों, बाल सैनिकों तथा जेल में बंदी बच्चों के लिए काम किया है। यह कार्य कोलम्बिया में खतरनाक हो सकता है, और उनको मार डालने के कई प्रयास किए जा चुके हैं। एक बार रात उनको मध्य रात्रि में घोड़े पर पलायन करना पड़ा था जब उनका घर सशस्त्र लोगों ने घेर लिया था ...

दूसरों की मदद करना एक ऐसा गुण था जिसके साथ वह बढ़ा हुआ था क्योंकि यह उसकी माँ की प्रकृति में था। वह हमेशा लोगों की मदद करना चाहती थी और उन लोगों की देखभाल करना चाहती थी जिनको मदद की ज़रूरत थी।

गेब्रियल को चर्च जाना प्रिय था जब वह छोटा था और 7 वर्ष की आयु तक वह जान चुका था कि वह एक पुजारी बनना चाहता था। जब उसने 13 वर्ष की आयु में, अपने माता–पिता की इच्छाओं के विरुद्ध, पुजारी बनने का प्रशिक्षण लेने के लिए बोगोटा राजधानी की यात्रा की, तो उन्हें नहीं लगा था कि वह इसको निभा पाएगा। लेकिन वे गलत थे।

गरीबों की मदद करना

27 साल की उम्र में, गेब्रियल को इटली के रोम में वेटिकन की यात्रा करने का आदेश दिया गया, ताकि वो क्लैरेटियन श्रेणी के लोगों के नेताओं के साथ काम कर सके। क्लैरेटियन लोग दुनिया भर के 60 से अधिक देशों में गरीबों की मदद करने के लिए काम करने वाले हजारों कैथॉलिक पुरोहित हैं।

कोलम्बिया लौटने के बाद, गैब्रियल को कोलम्बिया के सबसे गरीब एवं दुर्गम क्षेत्रों में से एक, प्रशांत तट पर स्थित, चौको नामक क्षेत्र के गरीब लोगों की मदद करने के लिए भेज गिया गया।

गेब्रियल उन लोगों से प्यार करते थे, जो उसे चौको में मिले थे, वहां पर स्थानीय लोग एवं काले कोलम्बिया वासी रहते थे, जिनके अधिकारों का सैकड़ों वर्षों से उल्लंघन हो रहा था और उनके पास लगभग कुछ भी नहीं था।

''यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण अभियान था। क्लैरेटियन लोगों को चाहिए कि अन्य लोगों का ध्यान अन्याय की ओर आकर्षित करें और उसकी निंदा करें। हम भूखे, बेरोजगार और ऐसे लोगों को देखते हैं जिनके साथ भेदभाव किया जा रहा है और हम भी उनके साथ कष्ट भोगते हैं। हम उनके दर्द को महसूस करते हैं,'' गेब्रियल समझाता है।

जब गेब्रियल ने नौ साल बाद चौको छोड़ा तो उसने क्षेत्र के लोगों को एक ऐसी चीज़ दी जो उनके अभेद्य वर्षा वाले क्षेत्र एवं जंगल में पहले कभी नहीं थी। गेब्रियल और

क्लैरेटियन लोग की सहायता से, क्षेत्र के लिए तीन छोटे परिवहन विमान खरीदे गए। तीन रनवे (विमान पट्टीयां) बनाई गईं, इनके अतिरिक्त 30 दवाखाने एवं अनेकों स्कूल बनाए गए, और कई बच्चों को रोगों के विरुद्ध टीके लगाए गए।

गेब्रियल को मारना चाहता थे

जब गेब्रियल और उनके सहयोगियों ने चौको के गरीब किसानों को एक सहकारी बनाने के लिए मदद की, तो इससे बहुत से व्यवसायी नाराज़ हो गए। सहकारी समिति किसानों को अपनी उपज चौको के बाहर बड़े बाजारों में सीधे बेचने की अनुमति देती थी जिससे उनको अपनी फसल के लिए और अधिक धन मिल जाता था। इसी से व्यवसायी अपने पैसे कमाया करते थे।

एक रात देर से गेब्रियल के दरवाजे पर एक खटका हुआ। सहकारी के किसानों में से एक आया था। उसने गेब्रियल को कपड़े पहन कर वहां से भाग निकलने के लिए कहा।

गेब्रियल ने अपना घोड़ा में काठी लगाई और उस पर सवार होकर रात्रि के मध्य में ही अपना घर से निकल गया। वह बहुत दूर जा चुका था जब उसके घर को कई राइफलधारी लोगों ने घेर लिया। उन्होंने उसके घर को आग लगा दी और उस पर सैकड़ों गोलियां चला डालीं। व्यवसायीयों ने उसे मार डालने का ठेका दिया था।

एक अन्य अवसर पर, गेब्रियल और एक सहयोगी चौको के ऊपर हवाई जहाज से यात्रा कर रहे थे जब अचानक विमान के इंजन में आग लग गई, जिससे उनको आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। जब पायलट ने इंजन का निरीक्षण किया तो उसने पाया कि उसे इस इरादे से छेड़ा गया था कि उड़ान के मध्य में ही विमान का विस्फोट हो जाए।

सड़क के बच्चों के लिए घर

जब तक फादर गेब्रियल, जिस नाम से उसे पुजारी की तरह जाना जाता है, मेडेलिन पहुंचता है तब तक वह 37 वर्ष का हो चुका होता है। शहर के मध्य में उसके घर के दरवाजे के सामने सड़क के बच्चों का एक समूह रह रहा है।

''मैं बहुत काम कर रहा था और मुझे बहुत कुछ करना था पर मेरे पास एक पलंग, एक कमरा और भोजन था। इस विपरीत, जो सड़क पर जो बच्चे सोते थे, उनके पास कुछ भी नहीं था।''

गेब्रियल राजधानी बोगोटा में हॉगारेस क्लैरेट के पूर्व सड़क के बच्चों द्वारा प्यार पाता हुए। वह उनके साथ गाना और नाचना पसंद करते हैं।

गेब्रियल एक बाहरी और सकारात्मक व्यक्ति है। वह सबसे बात करता है। वह सड़क के बच्चों को जानने लगता है। उन्हें भोजन, कंबल एवं कपड़े देता है। जब वे अस्वस्थ होते हैं तो वह उन्हें डॉक्टर के पास ले जाता है।

अब वह एक संस्था बनाने पर विचार करेगा जिसके अंतर्गत सड़क के बच्चों के लिए एक रिसेप्शन सेंटर बनेगा। क्लैरेटियन्स के संस्थापक होगेर्स क्लैरेट (क्लैरेट होम्स) के नाम पर उस संस्था का नाम रखा जाएगा।

गेब्रियल और एक फ्रांसीसी पुजारी मिलकर मेडेलिन में एक इमारत खरीदते हैं। वे उसे सड़क के बच्चों के लिए खोल देते हैं। बच्चों के साथ, वे भवन का नवीनीकरण करते हैं और होगेर्स क्लैरेट के पहले रिसेप्शन सेंटर का निर्माण करते हैं।

यह एक साधारण विचार है: डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता बच्चों के साथ मिलकर रहेंगे और उनके दैनिक कार्यों में भाग लेंगे। बच्चों को स्कूली शिक्षा एवं चिकित्सा प्रदान की जाती है। जो बच्चे अनाथ नहीं हैं, उनके परिवारों को भी सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

बिना वेतन के काम

जल्द ही गेब्रियल की प्रतीक्षा सूची में 150 बच्चे एवं युवा लोग हो जाते हैं जो रिसेप्शन सेंटर में आना चाहते हैं। रविवारों पर परिवारों, पड़ोसियों एवं क्लैरेटियन्स से जुड़े लोगों को केंद्र में आमंत्रित किया जाता हैं। वह मिलकर भोजन, साबुन, शैम्पू, कागज़, कपड़े, तौलिए और अन्य सामान एकत्रित करते हैं। पहले छह वर्षों तक, केंद्र में काम करने वालों का कोई भी भुगतान नहीं किया जाएगा।

''मेरा दृष्टिकोण हमेशा से रहा है कि जो समाज समस्याओं को पैदा करता है, वही उसके समाधान के लिए भुगतान करे। हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जिसमें एक ही बात जो माइने रखती है वह यह है कि हम दूसरों की बदौलत चीजों के मालिक बने। ये बच्चे उस के शिकार हैं। हम उन्हें इसका विपरीत पढ़ाते हैं। हम अच्छे मूल्यों के बारे में, सहानुभूति दिखाने, निष्पक्ष होने, दूसरों पर पर अपना दृष्टिकोण न देने और सम्मान दिखाने एवं जिम्मेदारी लेने के बारे में बात करते हैं। यहां पर सख्ती से बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने या दंडित करने व अन्य शारीरिक रूपों से मारने अथवा अन्य प्रकार से दण्डित करने के लिए मना किया जाता है,'' गेब्रियल कहते हैं।

गेब्रियल उन लड़कों के साथ, जिन्हें हॉगर्स क्लैरेट में जेल की सजा मिली थी। इसमें स्काउट्स में शामिल होना एवं घोड़ा चिकित्सा शामिल है।

गेब्रियल मेडेलिन में हॉगारेस क्लैरेट पर बच्चे गले लगाते हुए। वह उन सभी बच्चों से बात करने के लिए समय लेता है जो उससे मिलते हैं और दिखाता है कि वह उनकी परवाह करता है और उन्हें पसंद करता है।

''हमारे किशोर नजरबंदी केंद्र में, युवा लोग भविष्य के सपने देखते हैं। मुझे आशा है कि एक समय के बाद युवा अपराधियों के लिए नजरबंद केन्द्रों को पूरी तरह बदलना पड़ेगा,'' गैब्रियल कहते हैं।

गेब्रियल जल्द ही केवल मेडेलिन में ही बल्कि अन्य शहरों एवं कस्बों में भी नए केंद्र खोलने में सक्षम होता है। कोलम्बिया की सामाजिक सेवाओं उससे मदद की गुहार लगाती हैं। देश में युद्ध और कोकेन में व्यापार का अर्थ है कि दवाओं और अपराधीता से जुड़े समस्याओं वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

स्काउट्स एवं ध्यान

गेब्रियल का केंद्र लोकप्रिय और सफल है। होगेर्स क्लैरेट 'कोलम्बियाई स्काउट मूवमेंट' का सदस्य बन जाता है और संस्थाओं में आये सभी बच्चे स्काउट्स बन जाते हैं।

गेब्रियल बहुत ज्यादा काम करता है। अपनी यात्राओं में से एक में, वह योग और ध्यान करना सीखता है। उसे लगता है कि यह मदद करता है और उस दिन से वह हर रोज योग एवं ध्यान का एक सत्र कई बार करता है। इन गतिविधियों को होगेर्स क्लैरेट में भी शुरू की जाती हैं।

''पहली बार जब मैंने ध्यान किया, तो मेरा तनाव बिल्कुल गायब हो गया और मुझे बढ़ी शांती का अनुभव हुआ। जिन बच्चों से हम मिलते हैं उनमें से कुछ बच्चे अधिक तनाव, बहुत सारी आक्रामकता एवं हिंसा से ग्रस्त हैं। मैंने सोचा कि अगर यह मेरी मदद कर सकता है तो यह उनकी भी मदद भी कर सकता है। अब ध्यान और स्काउट मूवमेंट दोनों गतिविधियां शांतिपूर्ण समाजों का हिस्सा हैं जो हम बच्चों के साथ मिलकर बना रहे हैं।''

भविष्य के बारे में सपने देखना

कोलम्बिया की सामाजिक सेवाओं अब होगेर्स क्लेरेट के रिसेप्शन केंद्र को संचालित करने के लिए केवल सड़क के बच्चों का भुगतान ही नहीं करती हैं। वे किशोरों के नजरबंद केंद्र भी चलाती हैं, पूर्व बाल सैनिकों के लिए केंद्र एवं उन युवा लोगों का समर्थन कररती हैं जो उनके कार्यक्रम में भाग ले चुके हैं और विश्वविद्यालय जाना चाहते हैं।

अनेकों लोग एवं युवा नेता जो फाउंडेशन के विभिन्न केंद्रों पर काम करते है वो पहले बच्चों के रूप में होगेर्स क्लैरेट में भाग ले चुके हैं। उनमें से एक ने गैब्रियल को मारने की कोशिश की। जिस प्रकार गेब्रियल ने एक बार शहर के उपनगरों में चौको के व्यापारियों को नाराज किया था, उसी तरह वह बहुत से आपराधिक गिरोहों से संघर्ष में फंसा।

''हम एक महिला से मिलने वाले थे, जिसके दोनो बच्चे नशीली दवाओं का सेवन करते थे। अचानक यह लड़का एक बंदूक के साथ दिखाई दिया। उसने हमारी तरफ गोली चलाई और कार में भाग गया। वह बाद में आया और मुझसे मिलकर माफी मा। वह अब मेरे लिए काम करता है।''

गेब्रियल को इस लिए भी गोली मारी गई है क्योंकि ड्रग डीलरों का मानना है कि उसने गिरोह के सबसे अच्छे ड्रग डीलरों को अपनी तरफ कर लिया है।

''इस देश की सबसे बड़ी असफलताओं में से एक इसकी जेलें हैं। उन्होंने लोगों को ताला में बंद कर दिया जिससे उनके भविष्य की कोई आशा नहीं रही। हमारे किशोर नजरबंदी केन्द्रों पर युवा लोग भविष्य के सपने देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि एक समय आयेगा जब हम युवा अपराधियों के लिए पूरी तरह से नजरबंदी केन्द्रों को बदल डालेंगे,'' गैब्रिएल कहते हैं।

गेब्रियल ने अपनी यात्राओं में से एक पर, योग और ध्यान सीखा था। उन्होंने महसूस किया कि यह तनाव में सहायक होता है और तब से होगरस क्लैरेट के सभी बच्चे केंद्र में हर रोज़ योग और ध्यान का अभ्यास करते हैं।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

केविन, बीच में, गेब्रियल को मैडेलिन में होगेर्स क्लैरेट केंद्र के दौरे के दौरान सुनता है।

सड़क से स्काउट्स तक

जब केविन हॉगर्स क्लैरेट में पहुंचा तो वह अपनी लगभग सारी जिंदगी सड़क पर जी चुका था। वह कचरा साफ करने और पुनः नवीनीकरण की जा सकने वाली वस्तुओं को बेच कर अभी तक जीवित रह सका था। वह ड्रग्स लेता था और अक्सर झगड़े में पड़ जाता था।

एक बार, जब उसके पास पैसे नहीं थे, तो वह एक चर्च में गया। पुजारी ने कहा कि वह उसकी मदद नहीं कर सकता। लेकिन एक महिला ने केविन को बोलते हुए सुना और उसे पैसे दिए, इस वचन के साथ कि वह पुलिस के पास जाएगा, जो उसने किया। पुलिस उसे मेडेलिन में होगेर्स क्लैरेट ले गई।

''पहले मैं बस यहाँ से बाहर निकलना चाहता था। यह अजीब था कि हम सभी को स्काउट्स बनना पड़ा और नियमों का पालन करना पड़ा, लेकिन कुछ सप्ताह बाद मैंने सोचा कि यह ठीक था। हम कई चीजें सीखते हैं जो जीवन में उपयोगी हो सकती हैं,'' केविन कहता है।

स्काउट्स के जीवन ने केविन को अपनी जिंदगी को सुलझाने में मदद की है। पहली बार, वह अब अपने भविष्य के बारे में सोच सकता है। वह बेकरी का काम सीखना चाहता है, लेकिन वास्तव में वह एक पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है।

एक दूसरे की मदद करना

दस साल पहले, केविन और उसका बड़ा भाई देश के एक गांव में अकेले रह रहे थे। उनके माता–पिता मर चुके थे।

''हम जीवित रहने के लिए चोरी करते थे। लेकिन एक दिन हमारे गांव के प्रभारी गुरिल्ला सेनानी हमारे घर आए। उन्होंने कहा कि चोरी करने की अनुमति नहीं है और मेरे सामने मेरे बड़े भाई को मार डाला।''

तब से, केविन आत्मनिर्भर रहा है। अपने जीवन में पहली बार, होगर्स क्लैरेट में स्काउट दल के साथियों एवं मित्रों द्वारा उसको सम्मान मिलता है। वे एक–दूसरे की मदद करते हैं।

स्काउट्स के रूप में वे जिम्मेदारी लेना सीखते हैं, अच्छे नेता बनते हैं और सहानुभूति दिखाते हैं। वे खुद को एक नए प्रकाश में देखते हैं और उनको पता है कि वे स्वयं क्या कर सकते हैं और दूसरों की सहायता से क्या कर सकते हैं।

फादर गेब्रियल भी बचपन में स्काउट्स में थे। उन्होंने स्काउट मूवमेंट की गतिविधियों को उपचार के एक भाग माना है जो बच्चों और युवा लोगों को होगर्स क्लैरेट में आने में मदद करता है।

केविन अपने बालों को एक नए स्टाइल में कटवा रहा है। एक लड़का जो होगेर्स क्लैरेट में हुआ करता था और उसे मदद मिलती थी, हर सप्ताह एक बार आकर किसी भी इच्छुक व्यक्ति के बाल कटाने के लिए आता है, अथवा जिसको रुचि हो उसे बाल काटना सिखाता है।

बंदूकों के बदले घोड़े लेना

कुछ महीने पहले, ईडर 15 वर्ष, अपने हाथ में एक बंदूक लेकर रहता था। वह मेडेलिन में एक गिरोह में था, जो लोगों को धमकी देता था और ठेके पर व्यक्तियों की हत्या करता था। अब वह एक घोड़े के सामने निहत्था खड़ा है और वह डर हुआ है।

होगेर्स क्लैरेट में चिकित्सा के अंतर्गत, बच्चे घोड़ों के साथ समय बिताते हैं। ईडर पहले एक घोड़े पर घुड़सवारी कर चुका है, लेकिन अब उसे घोड़े को गले लगाना और लिटाना है।

''वे बहुत जोर से लात मारते हैं, मुझे लगता है। मैं क्या करूं?'' ईडर दूसरों से पूछता है।

एक लड़का जिसने पहले यह किया है उसे दिखाता है कि कैसे वह धीरे से एक खुर उठाता है और घोड़ा लेट जाता है। वह घोड़े के पेट पर लेट जाता है और बिना किसी हरकत के पड़े रहते हैं।

ईडर अपना सिर हिलाता है और थोड़ा हंसता है। फिर वह घोड़े के पास आने की कोशिश करता है। घोड़ा कोई दिलचस्पी नहीं लेता है, दूर होने की कोशिश करता है, हिनहिनाता है और अपनी लगाम को खींचता है।

घोड़ो को गले लगाना

थोड़ी देर बाद, ईडर घोड़े के पास पहुंचने में कामयाब होता है। वह पशु की गर्मी महसूस करता है और उसके नरम, छोटे बालों को सहलाता है। वह उसे गले लगाता है पर घोड़ा कोई प्रतिक्रिया नहीं करता। ईडर को अच्छा महसूस होता है। वे थोड़ी देर तक एक साथ खड़े रहते हैं।

दूसरे लड़के की सहायता से, ईडर अंततः घोड़े को लिटा देता है। वह घोड़े पर लेटने की कोशिश करता है। लेकिन जल्द ही घोड़ा फिर से उठना चाहता है।

''यह डरावना था, लेकिन उसने मुझे थोड़ा विश्वास दिलाया। ऐसा लगा जैसे हम एक दूसरे के संपर्क में थोड़ा आये। घोड़ा सहयोग करना चाहता था अतः मै नरम पड़ गया। और यह देखकर घोड़ा भी नरम पड़ गया,'' ईडर ने कहा।

परिवार की तरह

होगेर्स क्लैरेट में घोड़ा चिकित्सा का प्रयोग मुख्य रूप से उन युवा लोगों की मदद करने का एक तरीका है, जिनकी अपने परिवार के साथ समस्याएं हैं। घोड़े को परिवार का सदस्य माना जाता है। वह प्रश्नों के उत्तर नहीं देता। वह सुनता है और मदद करता है। घोड़ों के नजदीकी होने और उनके साथ मिलकर काम करने से युवा लोग अपने माता–पिता के साथ रिश्ते संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद पाते हैं।

ईडर बंदूक के साथ एक गिरोह का सदस्य था। अब वह होगेर्स क्लैरेट में अपनी चिकित्सा के रूप में घोड़े को गले लगाए जमीन पर लेटा है।

फादर गेब्रियल को घोड़ा चिकित्सा का विचार तब आया जब वह अपने एक अच्छे मित्र से मुलाकात कर रहे थे जो स्पेन में घोड़ा चिकित्सा पर काम कर रहा था। होगेर्स क्लैरेट अब कोलम्बिया में कई जगहों पर घोड़ों को पालता है। घोड़ा चिकित्सा के अतिरिक्त युवा लोग घोड़ों के पालनपोषण, उनकी देखभाल, भोजन और सफाई करने, साथ ही उन्हें व्यायाम कराने में भी शामिल हैं।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

मेडेलिन के बाहर होगेर्स क्लैरट का ला लिबर्टाड युवा केंद्र घोड़ा चिकित्सा का उपयोग अनेकों विधियों में से एक की तरह करता है ताकि युवा लोगों को अपने आत्मसम्मान को ठीक करने और उन्हें सुधारने में मदद मिले।

गोलियां हवा में उड़ती हुई जाती हैं। सैनिक चिल्ला रहे हैं और मार्लोन के दोस्त दौड़ते हैं। वह नहीं जानता कि क्या उसने एक सैनिक को मार दिया है। शायद भाग लेना सबसे सुरक्षित है, वह सोचता है। वह फिर सोचता है। अगर वह आत्मसमर्पण करता है, तो जहां तक उसका संबंध है, युद्ध समाप्त हो चुकेगा। उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है।

धोखा देकर बाल सिपाही बना दिया गया

एक दिन, दो लोग मार्लोन के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उसकी मां घर में नहीं है। वह ग्रामीण इलाकों में एक खदान में काम करती है। मार्लोन की छोटी बहन सोफिया और रोसाना स्कूल में हैं।

''क्या तुम मार्लोन हो?'' पुरुषों ने पूछा।

मार्लोन कहता है, ''हां,'' हमने सुना है कि तुम नौकरी देख रहे हो। नौकरी के लिए तुम अपनी मां की मदद करना चाहते हैं और थोड़ा पैसा कमा चाहते हो न?'' पुरुषों ने कहा।

''यह सही है,'' मार्लोन ने जवाब दिया।

पुरुषों का कहना है कि उनके पास उसके लिए एक नौकरी है।

''तुमको दो डॉलर मिल जाएंगे और बाद में और ज्यादा, ठीक है?'' पुरुषों ने पूछा।

मार्लोन संकोच करता है। दो डॉलर्स में 1.5 किलो चावल खरीद लेंगे। यह बहुत सारा भोजन है।

''तुमको भी एक हथियार मिल जाएगा,'' पुरुष कहते हैं।

ऊपर पहाड़ों में

मार्लोन के पिता मार दिये गए थे जब वह छोटा था। उसका चाचा अर्धसैनिक दलों में है: सरकार के लिए गुरिल्ला लड़ाकों के खिलाफ लड़ने वाले पुरुष एवं महिलाएं। कभी–कभी वे सेना की मदद भी करते थे।

मार्लोन की सदैव से कामना रही है कि उसके पास हथियार हो। और वह एक मोटरबाइक चाहता है। ज़रा एक ऐसी नौकरी की कल्पना करो जिसमे वह पैसा कमा सके और हथियार ले सके। वह पुरुषों से हाँ कह देता है।

वह उनकी कार में जाता है। वे शहर से बाहर पहाड़ों में जाते हैं। जब वे पहुंच जाते हैं, तो वे एक सैन्य शिविर में होते हैं, हर कोई अलग वर्दी पहने होता है और विभिन्न हथियार लिए होता है। और ऐसा लगता है कि वे कुछ छुपा रहे हैं। इसके विपरीत सेना ऐसा नहीं करती।

मार्लोन को जल्द ही पता चलता है कि पुरुष एक सशस्त्र समूह के सदस्य हैं। कई सदस्य अर्धसैनिक बलों के हैं जैसे मार्लोन के चाचा थे। कई वर्ष पहले उनको सरकार ने अपने हथियार लौटाने के बदले में पैसे दिए थे, पर कुछ लोग अर्धसैनिक बलों में वापस लौट गए।

अर्धसैनिक बलों का कहना है कि वे लोगों की रक्षा कर रहे हैं। लेकिन अगर लोग सुरक्षा के लिए भुगतान नहीं करते हैं, तो वे उनको पीटते हैं या मार देते हैं। तो वास्तव में, वे यह सुरक्षाकर्मी अपराधी हैं।

एक बाल सैनिक

मार्लोन को एक राइफल और एक पिस्तौल, एक समान और जूते दिये जाते हैं। पुरुष उसे बताते हैं कि कैसे शूट करना है और कैसे वन में आच्छादित रहना है। वह भोजन मिलता है और पुरुषों का कहना है कि उसे पैसे बाद में मिलेंगे।

एक महीने बाद, मार्लोन छह अन्य लोगों के साथ सैन्य दल में शामिल हो जाता है।

उन में से प्रत्येक के पास अलग–अलग काम है। मार्लोन का काम है बहुत सारे उपकरणों और भारी हथियारों को लेकर चलना।

सैन्य दल को एक विशेष क्षेत्र में गोरिल्ला लड़ाकों की तलाश करने का काम दिया जाता है।

कोई नहीं जानता है कि यहां कौन रहता है।

मार्लोन केंद्र के द्वार पर खड़ा हो कर बाहर देखता है। वहां कोई संकेत नहीं दिख रहा कि गेट के पीछे क्या है: कि यह एक पूर्व बाल सैनिकों का केंद्र है। इससे बच्चों की सुरक्षा की गारंटी होती है।

कोलंबिया के बाल सैनिक

2016 में, कोलंबिया की सरकार और देश के सबसे बड़े गुरिल्ला समूह के बीच शांति घोषित हुई थी। तब तक, वे 60 वर्षों से अधिक समय से आपस में युद्ध कर रहे थे। लगभग छः मिलियन लोगों को कोलम्बिया में अपने घरों को छोड़ कर भागना पड़ गया। 200,000 से अधिक मारे जा चुके हैं।

युद्ध कैसे शुरू हुआ

युद्ध शुरू हुआ क्योंकि गुरिल्ला सेनानियों ने सोचा कि सरकार की नीतियां अन्यायपूर्ण थीं। गरीब लोगों के पास फसलें उगाने के लिए कोई भूमि नहीं थी, या फिर उनके पास ऐसी नौकरी थी जिसके लिए उनको बहुत कम भुगतान होता था। किसी के लिए कोई स्वास्थ्य देखभाल या स्कूली शिक्षा नहीं थी।

फिर दूसरे देशों के लोगों ने कोलम्बिया से कोकीन खरीदना शुरू कर दिया। कई कोलम्बिया वासी हथियारों के बल पर जमीन पर कब्ज़ा करके कोका पत्ते उगाने लगे। गुरिल्ला सेनानियों ने भी यही किया। कोलम्बिया के बहुत से समृद्ध लोगों ने सोचा कि सरकार गुरिल्ला सेनानियों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं कर रही थी। इसलिए उन्होंने अर्धसैनिक समूहों के गठन के लिए पूर्व सैनिकों, पुलिस एवं अपराधियों को भुगतान किया। वे गुरिल्ला सेनानियों के खिलाफ लडते थे, लेकिन उन्होंने सरकार की बात नहीं मानते थे। अब अर्धसैनिक बलों को निशस्त्र कर दिया गया है, लेकिन कुछ समूह आपराधिक गिरोहों में बदल गए हैं।

बाल सैनिकों पर प्रतिबंध

दोनों गुरिल्ला सेनानियों और अर्धसैनिक समूहों ने शिशु सैनिकों का इस्तेमाल किया। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मना है। यह बाल अधिकारों का उल्लंघन भी है। कोई भी नहीं जानता कि कितने बच्चे कोलम्बिया में सैनिक हैं, लेकिन पिछले 16 वर्षों में देश की सामाजिक सेवाओं ने 6,000 बाल सैनिकों का ख्याल रखा है।

बाल सैनिकों को पहले एक स्वागत केंद्र में रखा जाता है, जहां उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जानकारी दी जाती है। उन्हें एक आईडी कार्ड दिया जाता है और फिर वे स्कूल जाना शुरू कर सकते हैं। कुछ महीने बाद वे एक सुरक्षा केंद्र में स्थानानतिरित कर दिये जाते हैं, जहां वे तब तक रहते हैं, जब तक वे घर लौटने के लिए तैयार नहीं हो जाते। अगर उनके पास वापस आने के लिए कोई परिवार नहीं है, तो बच्चों को 18 बर्ष की आयु तक केंद्र में रह सकते हैं।

कई सप्ताह बाद, जब उन्होंने अपना शिविर बना लिया है, तब एक शाम को सेना आ जाती है। मार्लोन इतना थक गया है कि वह एक पेड़ के पीछे सो गया है। वह गोली चलने की आवाज से उठ जाता है। उसके दोस्त चिल्ला रहे हैं। उनमें से एक जमीन पर गिर जाता है, मृत।

यह पहली बार है कि मार्लोन एक बंदूक की लड़ाई में शामिल हुआ है। वह पेड़ के दौर को देखता है और उसके पीछे उसे एक सैनिक दिखता है। वह निशाना लगाता है और गोली चलाता है। जिस पेड़ के नीचे वह बैठा है, उस पर गोलियां आकर लगती हैं। मार्लोन स्वयं को जमीन पर फेंक देता है। जब वह ऊपर देखता है, तो वह सैनिक जिसको उसने गोली मार थी वहां से जा चुका है।

मार्लोन के कुछ मित्र भागने लगते हैं। मार्लोन पहले सोचता है कि वो भी उनके साथ भाग ले। लेकिन वह फिर से सोचता है। उसने कोई भी पैसा नहीं कमाये हैं। उन पुरुषों ने उसके साथ धोखा किया।

"मैं आत्मसमर्पण करता हूं," मारलॉन ज़ोर से कहता है, अपना हथियार फेंकते हुए। वह अपने सिर पर अपने हाथों को रखे पेड़ के पीछे से निकलता है। सैनिक जल्दी से उसके पास आते हैं। वह देख सकते हैं कि वो अभी बच्चा है। एक सैनिक पूछता है "तुम कितने साल के हो?"

"15, सर," मार्लोन जवाब देता है।

"तुम एक कैदी होने के लिए बहुत छोटे हो। तुमको हमारे साथ चलना होगा और हम किसी को बुलाएंगे जो तुम्हारी देखभाल करेगा।"

दो मरे हुए लोग जंगल में खुले मैदान के एक पैच पर पड़े हुए हैं। उनमें से एक है मार्लन का दोस्त दूसरा सैनिक है। मार्लोन सोचेता है कि क्या यह वही सैनिक है जिस पर उसने गोली चलाई थी।

फादर गेब्रियल का केंद्र

कोलम्बिया में एक सशस्त्र समूह का सदस्य होना कानून के खिलाफ है। यदि तुम एक वयस्क हो, तो तुमको जेल भेज दिया जाता है। यदि तुम 18 वर्ष से कम हो, तो तुम्हारी देखभाल सामाजिक सेवाएं करती हैं।

सैन्य अड्डे पर, सैनिक मार्लोन की तस्वीरें खींचते हैं। वे उन्हें प्रवेश नहीं कर सकते, लेकिन वे अपने परिवार के बारे में पूछते हैं, जहां से वह आता है और वह अर्धसैनिक दल में क्यों शामिल हो गए।

अगले दिन, सामाजिक सेवाओं की एक महिला उससे मिलने आती है। सबसे पहले वह मार्लोन से पूछती है कि सेना ने उसे अच्छा बर्ताव किया या नहीं।

"हाँ, वे दयालु हैं," मार्लोन कहता है।"

तब मार्लोन उसे अपने परिवार के बारे में बताता है और कहां से वह आया है। महिला कहती है कि वे उसके परिवार से संपर्क करेंगे, लेकिन क्योंकि वह एक बाल सैनिक है, अतः उसे पूर्व बाल सैनिकों के लिए रिसेप्शन सेंटर केंद्र मेंएक में रखा जाएगा। उसे एक मनोवैज्ञानिक देखने

क्या अब शांति होगी?

रिसेप्शन केंद्र में कोलंबिया में स्थायी शांति की संभावना के बारे में मार्लोन के मित्रों को क्या लगता है?

जीसस, 17

"मुझे लगता है कि शांति बनी रहेगी। इससे पहले मैं किसी को नहीं जानता था कि कोई अन्य समूह से लड़ा था, लेकिन अब मेरे पास दोस्त हैं जो अर्धसैनिक हुआ करते थे। अतः कुछ भी संभव है।"

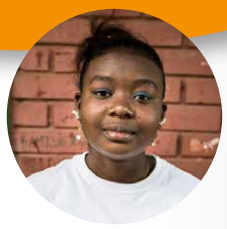

लेडी, 17

"शांति वार्ताओं ने कभी अतीत में काम नहीं किया। शांति केवल एक हथियारबंद समूह के बारे में नहीं है, जो उनके हथियार डाल देते हैं। आपको उन समस्याओं को भी हल करना होगा जिस कारण युद्ध हुआ।"

इंग्रिड, 15

"मुझे आशा है कि वहां शांति होगी। युद्ध के बिना, हमारे पास एक बेहतर जिंदगी गुजारने का अवसर मिलेगा, न कि हमारे गांव में बल्कि पूरे देश में।"

लुइस, 17

"कोलम्बिया में शांति बनाए रखने के लिए, सभी सशस्त्र समूहों को मिलकर एक समझौते पर सहमत होने की आवश्यकता है। मुझे नहीं लगता कि इस लड़ाई में शामिल होने वाले सभी लोगों को दंड मिलने से बचना चाहिए। लेकिन मैं आशा करता हूं कि शांति होगी। यही हम सब चाहते हैं।"

दयाना, 17

"समस्या यह है कि नशीली दवाओं की तस्करी जारी रहेगी और लोग इस पर कब्ज़ा करना चाहते थे। यही कारण है कि युद्ध समाप्त नहीं होगा। हमेशा ऐसे लोग होंगे जिनको कोकीन चाहिए। और जब तक लोग गरीब रहेंगे, तब तक वे एक बेहतर जीवन पाने के लिए प्रयास करते रहेंगे। असली शांति होने के लिए तुमको यह बातें भी करनी होंगी।"

आएगा, वह स्कूल जाएगा और उसे उसके अधिकारों के बारे में बताया जाएगा।

मार्लोन को मेडेलिन में केंद्र जाने की उम्मीद है। वह उसके घर के निकट है। इसके बजाय उसे विमान से उड़ कर कैली जाना होगा। सोशल सर्विसेज की महिला का कहना है कि वहाँ बाल सैनिकों के लिए बहुत अच्छा केंद्र है।

''यह एक गेब्रियल नामक पुजारी द्वारा चलाया जाता है। वहां बहुत सारे लोग हैं जो अपने काम में बहुत अच्छे हैं। और तुम्हारे जैसे अन्य बच्चे भी हैं। अगर सब अच्छी तरह से होता है तो तुम ग्रामीण इलाके में बने एक अन्य केंद्र में भी जा सकते हो, और तुम अपने स्कूल की पढ़ाई पूरी कर सकते हो,'' महिला कहती है।

वर्दी के बिना स्काउट

केंद्र कैली के काफी आकर्षक आवासीय क्षेत्रों के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि वो हॉगर्स क्लैरेट का है। दोनों लड़के एवं लड़कियां यहाँ रहते हैं। वे सभी देश के विभिन्न भागों से आते हैं। उनमें से कुछ गोरिल्ला सेनानी रहे हैं। अन्य अर्धसैनिक समूहों के सदस्य रहे हैं।

मार्लोन तीन अन्य लड़कों के साथ एक कमरा साझा करता है। उनमें से दो गुरिल्ला सेनानी रहे हैं। मार्लोन उनके बारे में सोचता है कि कुछ सप्ताह पहले वे जंगल में एक–दूसरे पर गोली चला सकते थे।

सभी युवा लोगों को स्काउट गश्ती दल में विभाजित कर दिया जाता है। मार्लोन अब 'स्काउट शपथ' लेता है। लेकिन उन्हें वर्दी नहीं मिलती। केंद्र के कर्मचारियों का कहना है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में यूनीफॉर्म रही हैं। लेकिन अभी उनके पास केवल बाल सैनिकों की वर्दियां हैं।

मार्लोन के गश्ती दल के अन्य लड़के उसको वोट देते हैं जब वे अपना नेता चुनते हैं। हर रोज़ सुबह एक बैठक होती है और गश्ती दल को अलग–अलग कार्य करने के लिए दिए जाते हैं। फिर वे ध्यान देते हैं। कभी–कभी वे ताई ची भी करते हैं। दोपहर में वे बस को थोड़ी आगे एक स्कूल तक ले जाते हैं। मार्लोन को मज़ा आता है।

''मैं एक पायलट या उन पुलिसकर्मियों में से एक होना चाहता हूं जो अपराध स्थलों की जांच करते हैं,'' वे कहता है।

केंद्र में सभी युवा लोग विभिन्न सैनिक समूहों में बाल सैनिक रहे हैं। कुछ महीने पहले, वे एक दूसरे को मार रहे होते। अब वे मित्र हैं।

मार्लोन की बहुमूल्य वस्तुएं

मार्लोन के पलंग के नीचे एक प्लास्टिक बॉक्स है जिसमें उसका सारा सामान है। वहां साबुन, शैंपू, डियोड्रेंट और प्लास्टिक की चप्पलें जैसी चीजें हैं, तथा एक नोटपैड एवं पुस्तक भी है।

"मुझे लिखना पसंद है, अतः मैं कभी–कभी मैं एक डायरी रखता हूं।" मार्लोन कहता है।

वर्दी के साथ स्काउट

एक पूर्व बाल सिपाही के रूप में, मार्लोन एक प्रदेश कार्यक्रम का भाग है जिससे पूर्व बाल सैनिकों को समाज में फिर से जुड़ने में सहायता मिलती है। दो महीने बाद उन्हें एक केंद्र में भेज दिया जाता है जहां वे कई वर्ष रह कर अपने स्कूल की पढ़ाई खत्म करते हैं। उनके परिवार उनसे आकर मिल सकते हैं।

"मैं यहां आने वाली मदद के लिए आभारी हूं, लेकिन मुझे अपने परिवार की याद आती है। मैं अक्सर अकेला महसूस करता हूं।"

मार्लोन अंत में कहां जाएगा, इसका निर्णय फादर गेब्रियल के हॉगर्स क्लैरेट और सामाजिक सेवाओं के अधिकारियों द्वारा लिया जाएगा है। यह मेडेलिन, बोगोटा या कैली में से कोई भी हो सकता है। और हर कोई केंद्रों पर वर्दी पहनता है, लेकिन सैन्य वर्दी नहीं। यह एक गले में पट्टी वाली नीली स्काउट शर्ट होती है।

ताई ची द्वारा संतुलन

सप्ताह में एक बार, ताई ची समय–सारिणी में है। यह एक मार्शल आर्ट (युद्ध कला) है जो चीन में चिकित्सा में भी प्रयोग किया जाता है। मार्लोन और अन्य लोग ध्यान से शिक्षक के निर्देशों एवं संचलन का पालन करते हैं।

"जमीन पर दोनों पैरों को मजबूती से रखना जरूरी है। वे वृक्ष की जड़ों की तरह हैं। जड़ों के बिना, पेड़ गिर जाता है।" शिक्षक कहता है।

ठीक जिस प्रकार वे योग करते हैं, तब उनकी श्वास गहरी, शांत और बिना कोई आवाज़ के होती है। इस तरह से श्वांस लेना तुम्हारी भावनाओं को नियंत्रित करने में सहायक होता है। वे विभिन्न मुद्राओं को अपनाते हैं जो लोगों के आंतरिक संघर्षों का प्रतीक है। शिक्षक बताते हैं कि अगर वे ताई ची का अभ्यास करते रहेंगे, तो वे अपने आत्म नियंत्रण एवं संतुलन में सुधार पाएंगे।

एक दिन वे बिना रूके सभी संचलनों को करने और बिना रुके सभी मुद्राओं को अपनाने में सक्षम होंगे। शिक्षक उन्हें यह करके दिखाता है। यह एक सुंदर, शांतिपूर्ण नृत्य जैसा दिखता है।

अवकाश के बाद, मार्लोन स्कूल के बगीचे में काम करता है, जहां पूर्व बाल सैनिक एक वनस्पति पट्टी का निर्माण कर रहे हैं।

Marlon, 15

पसंदीदा खेलः बास्केटबॉल।
पसंद हैः काम करना।
पसंद नहीं हैः मेरे अपने होने पर।
सबसे बुरी चीज जो हुईः जब मैं अकेला ही रह गया था।
सबसे अच्छी बात यह है किः मेरे परिवार ने मेरी मदद करने का वादा किया।
कोलंबिया में शांति के बारे मेंः अगर उनके हथियारों में गुरिल्ला सेनानियों का हाथ है, तो हथियारों वाले अन्य लोग अपनी जगह ले लेंगे।

दुश्मन दोस्त हैं

मार्लोन अर्धसैनिक बलों का एक बाल सैनिक था। जीसस गुरिल्ला दल का बाल सैनिक था। आज वे पूर्व बाल सैनिकों के साथ, हॉगेर्स क्लैरेट केन्द्र में एक कमरे में एक साथ रहते हैं और सबसे अच्छे दोस्त हैं।

मार्लोन हर दोपहर को स्कूल जाता है। वह पढ़ और लिख सकता है और वह गणना करने में अच्छा है। कुछ युवा लोग जो गोरिल्ला सेनानी रहे हैं, शायद ही कभी स्कूल गए हों, इसलिए कभी–कभी यह सीखने समय वातावरण थोड़ा खराब हो सकता है।

हर दिन ध्यान

ध्यान समय–सारिणी में हर रोज़ होता है। मार्लोन को इससे बड़ी शांति मिलती है।

दयाना दो साल तक सड़कों पर रही

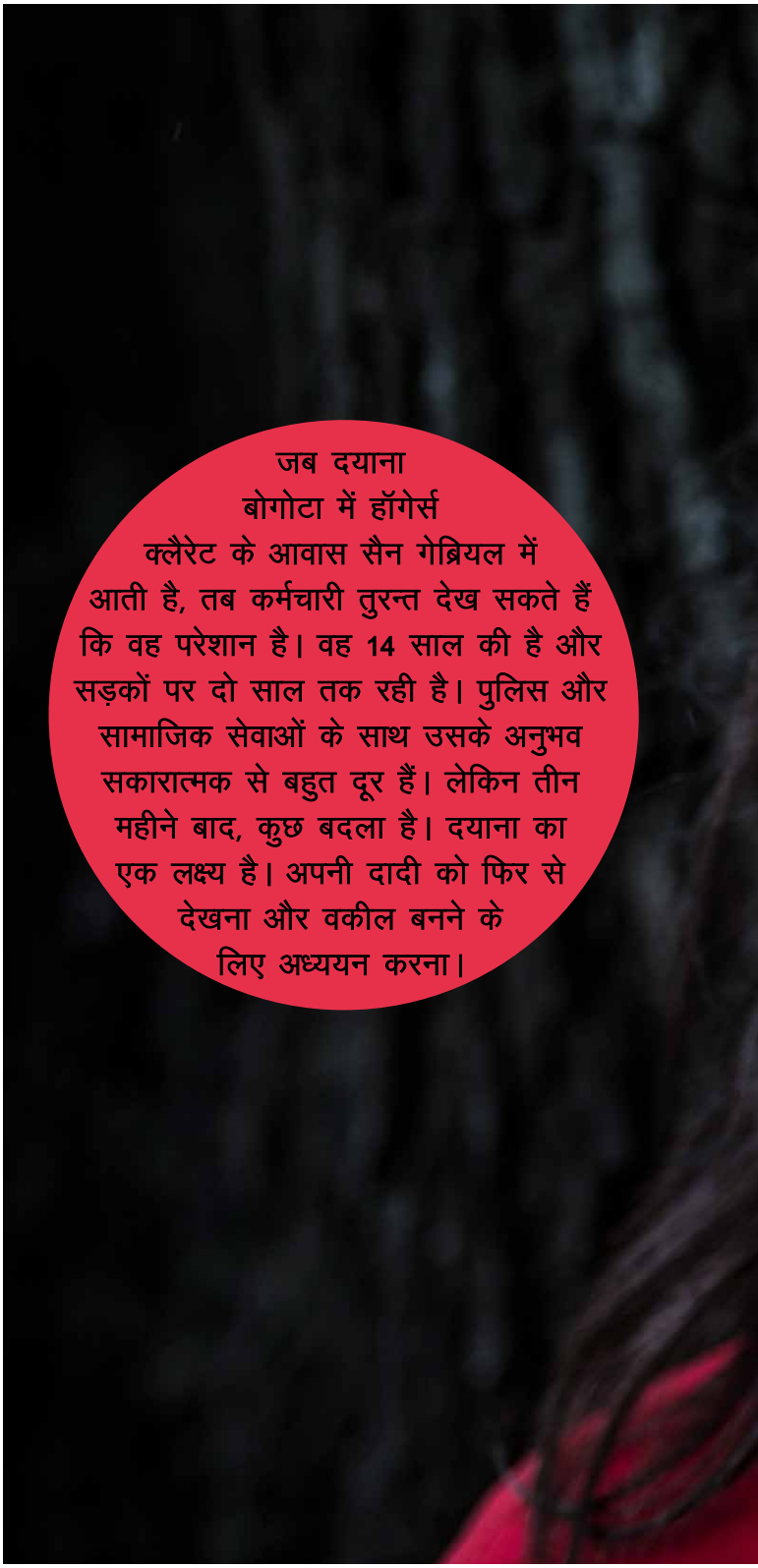

जब दयाना बोगोटा में हॉगेर्स क्लैरेट के आवास सैन गेब्रियल में आती है, तब कर्मचारी तुरन्त देख सकते हैं कि वह परेशान है। वह 14 साल की है और सड़कों पर दो साल तक रही है। पुलिस और सामाजिक सेवाओं के साथ उसके अनुभव सकारात्मक से बहुत दूर हैं। लेकिन तीन महीने बाद, कुछ बदला है। दयाना का एक लक्ष्य है। अपनी दादी को फिर से देखना और वकील बनने के लिए अध्ययन करना।

जब दयाना 12 साल की होती है तो वह घर से भाग जाती है। उसे स्कूल जाना कभी पसंद नहीं था। वह कई झगड़ों में पड़ती रही है इसलिए दो साल से उसे सबसे अलग रखा गया है।

दयाना अपनी दादी के साथ बड़ी हुई। जिस दिन वह उसे छोड़ने का फैसला करती है, उस दिन वह चौराहे पर लोरेना नामक एक बड़ी लड़की से मिलती है। वह दयाना को मारिजुआना देती है और उसे स्कूल और होमवर्क के बिना एक जीवन के बारे में बताती है। दावतें खाने और नाचने का जीवन।

इस नए जीवन के विचार से आकर्शित होकर, दयाना अपने नए मित्र के साथ चली जाती है। लोरेना की मां परवाह नहीं करती कि वे क्या करते हैं। दिन के समय लड़कियां मिलकर ड्रग्स बेचती हैं और बाद में अपने स्वयं के लिए खरीदती हैं। वे शराबखानों में जाती हैं और नृत्य करती हैं। यह मजेदार लगता है लेकिन फिर पुलिस आ जाती है।

पुलिस उनसे पूछती है, ''तुम कितने साल की हो?''

''17,'' दयाना उत्तर देती है।

पुलिस कहती है, ''हमें तुम पर विश्वास नहीं है, और उसे पुलिस स्टेशन ले जाती है।''

''तुम्हारे माता–पिता कहां रहते हैं?'' पुलिस पूछती है।

''मेरे कोई माता–पिता नहीं है, मैं अनाथ हूं,'' दयाना कहती है।

फिर से भाग जाती है

पुलिस एक सामाजिक कार्यकर्ता को बुलाती है, जो स्टेशन आ जाता है। वह फैसला करती है कि दयाना को एक पालक परिवार के साथ रहना चाहिए।

नए परिवार की मां दयालु नहीं है। वह दयाना को ताले में बंद कर देती है, और दयाना पुलिस को झूठ बोलने पर पछताती है। लेकिन दयाना पहले भाग चुकी है, और एक सप्ताह बाद वह उसे मौका मिलता है। वह पालक परिवार से पैसा चुराती है और एक खिड़की से बाहर कूद जाती है। दयाना साहसपूर्ण महसूस करती है, और वह लौरेना में वापस चली जाती है। वे अधिक पैसा चोरी करने का निर्णय लेती हैं। दयाना एक चोर बन जाती है। वह इसके बारे में अधिक सोचना रोकने के लिए ड्रग्स लेती है। यह समस्या को बिलकुल भी आसान नहीं बना देता बल्कि वे उनसे और अधिक पैसा खर्च करती है।

दयाना हर समय डरी रहती है कि पुलिस उसे फिर से पकड़ लेगी। वे लड़कियों को देख रहे हैं और एक दिन वे लोरेना के फ्लैट में धावा बोल देते हैं। वे उन पर गरजते हैं और उनको फर्श पर गिराए रखते हैं।

दादी कहती हैं नहीं

पिछली बार दयाना की देखभाल करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता वापस आ जाती है। वह कहती है कि दयाना को स्कूल जाना है। और यह कि ड्रग्स को बेचना अवैध एवं खतरनाक है। लेकिन वह दयालु भी है और कहती है कि उसने उनके लिए एक और परिवार ढूढ़ लिया है।

नया परिवार एक अच्छे घर में रहता है। दयाना को अलग कमरा मिलता है। उसके नए पालक माता–पिता उसे शॉपिंग सेंटर में ले जाते हैं। वे उसे चुनते हैं कि वह क्या कपड़े और खिलौने चाहती है। घर में रहने वाले तीन अन्य बच्चे हैं। वे अच्छे है। और भोजन अति उत्तम है।

दयाना अपनी स्वेच्छा से घर नहीं छोड़ सकती, लेकिन वह सामने के दरवाजे के बाहर बैठ सकती है और कभी–कभी वह उन लोगों को देखती है जिन्हें वह जानती है। यह वे लोग हैं जो उसे मिले थे जब वह ड्रग्स बेचती और खरीदती थी। फिर उसको अपने पेट में एक अजीब सा अहसास होता है। वह उनके साथ रहना चाहती है और अपनी स्वतंत्रता से अपने विकल्पों को चुनना चाहती है।

सामाजिक कार्यकर्ता कुछ जांच–पड़ताल करती है और उसको पता चलता है कि दयाना बिलकुल भी अनाथ नहीं है। वह दयाना की मां से मिलती है, जो उससे कहती है कि वह चाहती है कि उसकी अपनी बेटी घर वापस लौट आये। पर दयाना घर नहीं आना चाहती।

''मेरी मां मुझे नहीं चाहती। वह मुझे मारती है और मुझे अपने छोटे भई–बहनों की देखभाल करने के लिए मजबूर करना चाहती है ताकि वह स्वयं बाहर निकल सके। दयाना कहती है कि वह अपनी दादी के पास जाना चाहती है।

सामाजिक कार्यकर्ता दयाना की दादी से भी बात की है। दादी उससे कहती है।

''वह नहीं चाहती कि तुम उसके साथ रहो। वह नाराज है कि तुम भाग गई

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

दयाना अनेकों बार भाग चुकी थी और उसने सड़कों पर रहने के लिए दो साल बिताए जब उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार करके फादर गेब्रियल के सड़क के बच्चों के लिए बने हॉगेर्स क्लैरेट रिसेप्शन सेंटर पर पहुंचा दिया।

और स्कूल भी नहीं जाती रही हो।''

राजधानी में

दयाना को अब ड्रग्स की समस्याओं से पीड़ित सड़क के बच्चों के लिए बने एक सुधार गुह में जाना है। वास्तव में कोई भी वहाँ नहीं जाना चाहता है, और दयाना भागने का फैसला करती है। इस बार वह राजधानी बोगोटा में जाना चाहती है, जो बस यात्रा से पांच घंटे दूर है। एक लड़के ने उसे 'एल ब्रॉन्क्स' के बारे में बताया है, जो मध्य बोगोटा के कुछ जिलों हैं, जिन पर आपराधिक गिरोहों का कब्ज़ा है। लड़के ने कहा, ''तुम जो चाहें कर सकती हो और वहां दावतें भी होती हैं।''

एक सैर के दौरान, दयाना बस से कूद जाती है और भाग जाती है। वह तब तक भागती है जब तक वह और अधिक नहीं जा सकती। वह कुछ लोगों से पूछती है जो मोटर साइकिल टैक्सियों चलाते हैं यदि वे उसे राजधानी तक ले जा सकते हैं। वे हँसते हैं।

वे कहते हैं, ''यह आपको बहुत महंगा पड़ जाएगा, और हम उस तरफ गाड़ी नहीं चला रहे हैं।''

लेकिन उनमें से एक आदमी कहता है कि वह मदद कर सकता है। वह दयाना को एक महिला के घर में लिफ्ट देता है, जो कहती हैं कि दयाना वहां रह सकती है।

दयाना पहले खुश होती है, लेकिन बाद वह समझत जाती है कि वो महिला सेक्स बेचती है। वह दयाना से भी ऐसा करवाना चाहती है। दयाना भयभीत हो जाती है। वह याद करती है जब एक आदमी ने उसे चाकू से धमकी दी थी और उसके साथ

Dayana, 15

होना चाहती है: बच्चों की रक्षा करने के लिए एक वकील।
सबसे अच्छी बात: जब हमारे यहां एक परिवार का दिन था और हमने अच्छा खाना खाया, हँसे और रोये।
सबसे खराब चीज: जब मुझे मुझे अपने परिवार की याद आती है और दुख होता है।
याद आती है: अपने परिवार के साथ घर पर होना।
याद नहीं आती: बाहर पार्टी में जाना और ड्रग्स लेना।
सर्वप्रिय संगीत: रेज्जेटॉन एवं रैप।
आदर्श मानती है: अपनी दादी और मिशेल, जो हॉगेर्स क्लैरेट में समन्वयक है।

बलात्कार किया था। वह रोती है और उस महिला से कहती है कि वो एसा नहीं करना चाहती।
''तुम इसके बजाय सफाई रखने और भोजन बनाने के काम कर सकती हो।''

भूलना चाहती है

बहुत से अजीब लोग महिला के घर आया करते हैं। दयाना को कभी–कभी मुफ्त में ड्रग्स मिल जाती हैं, लेकिन जल्द ही उसे अपने घर की याद आने लगती है। जब वह अपनी दादी को फोन करती है, तो उसकी दादी रोने लगती है।
''अपने कपड़े पैक करो और मैं तुमको आकर ले जाऊंगी,'' दादी कहती है। लेकिन भीतर से, सब कुछ होने के बावजूद, दयाना खुश है कि वह कभी बोगोटा नहीं गई। लेकिन दादी के घर में, उनका टोकना शुरू हो जाता है।
''तुमको स्कूल जाना चाहिए। तुम बाहर नहीं जा सकती। तुमको ड्रग्स लेना छोड़ना होगा।''
दयाना उसके बारे में सोचती है जो उस लड़के ने बोगोटा में एल ब्रॉन्क्स के बारे में बताया था। उसे लगता है कि उसे वहां जाना है। वह लोरेना को देखती है और वे एक साथ यात्रा करने का फैसला करते हैं।
वे एक शराबखाने में एक आदमी से मिलते हैं जो कहता है कि वह उनकी मदद कर सकता है, लेकिन उस दयाना को उसके साथ सोना पड़ेगा। पहली बार, वह एक आदमी को उसके साथ यौन संबंध रखने का भुगतान करने देती है। दयाना भयानक लगता है। वह वास्तव में नहीं करना चाहती। बाद में, वह और लोरेना उसे भूलने के लिए शराब पीते हैं।

अधिक खतरनाक जीवन

लड़कियां राजधानी बोगोटा में डरी रहती है। लाखों लोग यहां रहते हैं। जल्द ही दयाना के पास एक प्रेमी है। वे एक साथ बस से बड़ी शॉपिंग सेंटर में जाते हैं। वहाँ वे दुकानदारों में मोबाइल फोन या ग्राहकों से बैग में कपड़े चुराते हैं।
बोगोटा में जीवन बिल्कुल वैसा होता है जैसे दयाना ने कल्पना की थी। वे जो चाहते हैं वे करते हैं। वे अच्छे कपड़े, पार्टी पहनते हैं, ड्रग्स लेते हैं, शराब पीते हैं और डिस्को में जाते हैं। लेकिन यहां जीवन अधिक खतरनाक भी है। एक शाम जब वे एक डिस्को में होते हैं, तो युवा पुरुषों का एक

पिता गेब्रियल हमेशा सुनता है और सब बच्चों से बात करता है। दयाना यह अच्छा लगता है। वह सड़क के बच्चों के लिए बने हॉगेर्स क्लैरेट रिसेप्शन सेंटर में बहुत से वयस्कों से मिलती है जिन पर वह भरोसा करती है।

एक पुलिस छापे के दौरान रिंग में लड़कियों को गिरफ्तार किया गया था। अब सड़क बच्चों के लिए हॉगेर्स क्लैरेट रिसेप्शन सेंटर की सहायता से, वे एक बेहतर जीवन बिताने के दिशा में बढ़ रही हैं।

गिरोह हथियारों के साथ वहां धावा बोल देता है। वे कई लड़कों को पीटते हैं। वे हथियारों द्वारा लोगों को धमकाते हैं। प्रत्येक जिला अपने स्वयं के गिरोह द्वारा नियंत्रित होता है। बोगोटा में पुलिस भी अधिक है। यदि वह अधिक ड्रग्स और भोजन खरीदना चाहती है, तो दयाना को चोरी करनी पड़ेगी। वह पुलिस से कई बार गिरफ्तार होती है। वे दयाना के पैसे और ड्रग्स ले लेते हैं, लेकिन वे उसकी आयु नहीं पूछते हैं और न ही सामाजिक सेवाओं को बुलाते हैं।

पुलिस से पिटाई

एल ब्रॉन्क्स में, बोगोटा के पुराने सेन्टर से कुछ सड़कें दूर, गिरोह के सदस्य सड़क के चौराहों पर घूमा करते हैं। यदि पुलिस आती हैं, तो वे सबको चेतावनी देने के लिए सीटी बजाते हैं।

जब वह चोरी नहीं कर रही होती, तब दयाना ड्रग्स बेचती है। कभी–कभी उसे अपना शरीर को बेचना पड़ता है। वह स्वयं की देखभाल नहीं कर पा रही है। उसका वज़न जल्दी से कम होना शुरू होने लगता है। उसका बचाव करने वाला तब आता है जब उसे एक रैफिल नाम का एक नया लड़का मिलता है। उनको प्यार हो जाता है और एक साथ चलते हैं। साथ में, वे शहर के अच्छे भागों में लोगों को बसों में और सड़कों पर लूटते हैं। एक दिन, दयाना एक दुकान के बाहर एक आदमी से मोबाइल चुराती है। वह उस पुलिसकर्मी को नहीं देख पाती जो पास में खड़ा होता है।

''तुमको हमारे साथ पुलिस स्टेशन आना होगा। हमें इसकी रिपोर्ट करने की आवश्यकता है और तुम अभी नाबालिग हो। क्या तुम्हारे कोई माता–पिता नहीं हैं?'' पुलिसकर्मी उससे पूछता है।

दयाना उनसे कठोर व्यवहार करती है। पुलिस को यह पसंद नहीं है और वे पुलिस कार में उसे मारते हैं। उन्होंने उस पर हथकड़ीयां डाल देते हैं और उसे पीटते हैं। जब वे पुलिस थाने पर पहुंचते हैं, तो दयाना की एक आंख सूजी होती है और उसकी बाईं कलाई टूटी है।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही

दयाना को सड़क के बच्चों के लिए बने एक घर में रख दिया जाता है। वह भयानक है। कर्मचारी बच्चों को धमकी देते हैं और उन्हें ठंडे बर्फीले पाने के फव्वारे से दंडित करते हैं। दयाना गुस्से में है और परेशान है। वह अन्य बच्चों से और कर्मचारियों से लड़ती है। वह खुद भी पिटती है। दयाना अब 14 वर्ष की है। वह इस स्थिति से पहले भी गुज़र चुकी है। जो वयस्क सुनते नहीं हैं, उनको बस धमकी दो और सजा दो। एक ही बात जो वह सोच सकती है वह भाग लेना है। रैफिल कहीं बाहर है। एक महीने बाद, दयाना मौका देखती है और रैफिल के पास वापस लौट आती है। वे एक गिरोह से पैसे उधार लेते हैं, शराब और ड्रग्स खरीदते हैं और रात भर दावत करते हैं।

वे ऋण वापस भुगतान करने के बारे में नहीं सोचते हैं। इसके बजाय वे फिर से चोरी करना शुरू करते हैं, कपड़े और ड्रग्स खरीदते हैं। कई

कोई चाकू या कांटे नहीं

जब सैन गेब्रियल के युवा लोगों के केंद्र में भोजन परोसा जाता है, तो केवल चम्मचें ही भोजन के साथ होती हैं। सारा भोजन मेज पर रखी प्लेटों पर परोसा दिया जाता है। फिर चम्मच और मग दिये जाते हैं। जब दयाना और उसके मित्र भोजन समाप्त कर लेते हैं, तो सभी चम्मच, प्लेट और मग गिने जाते हैं। कटलरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यही कारण है कि सभी चम्मच एकत्र कर लिए जाते हैं, और केवल कर्मचारियों के वयस्क सदस्यों के पास ही चाकू एवं कांटे हो सकते हैं।

दयाना राजधानी बोगोटा के इस क्षेत्र में सड़कों पर रहती थी।

हर दिन एक अलग केश विन्यास

हर दिन, दयाना के पास एक नया केश विन्यास होता है। सैन गेब्रियल की अन्य सभी लड़कियों में भी एक ही बाल शैली है। लड़कियों की कंघीयां दीवारों पर छोटी थैलीयों में लटके रहते हैं। हर सुबह, दयाना की एक दोस्त कंघी से उसके बाल बनाती है और उनको उस दिन की शैली के रूप में प्रस्तुत कर देती है। उसके बाद दयाना अपने दोस्त के बालों को कंघी बनाती है। वे अपने बाल को साफ रखने और जूँ से बचाने के लिए ऐसा करते हैं। ये प्रत्येक सप्ताह के दिन के लिए केशविन्यास हैं:

दिनों बाद जिस गिरोह से उन्होंने पैसे उधार लिए थे, उनका इंतजार कर रहा है। अपने ऋणों का भुगतान करने के लिए बच्चों के पास केवल एक ही रास्ता है। उन्हें कचरा इकट्ठा करना होगा। पूरे सप्ताह भर, दयाना और रैफिल कचरा इकट्ठा करते हैं। लेकिन अंत में ऋण का भुगतान हो जाता है।

एक दिन, जब दयाना एक महंगा मोबाइल फोन चोरी करने में कामयाब होती है, तो वह उन पैसों से बड़ी मात्रा में शराब खरीद लेते हैं। उन्हें नहीं पता है कि उसी समय, बच्चों एवं गिरोहों को पकड़ने के उद्देश्य से पुलिस एक बड़ा अभियान चलाने जा रही है।

संगीत गूंजता है और नियॉन लाइटें फ्लैश करती हैं। दयाना डांस फ्लोर के मध्य में होती है जब पुलिस अंदर घुसती है। यह एक सपने की तरह लगता है। सायरन की ध्वनि बजती है। लोग चिल्ला रहे हैं। सीटीयां बजती हैं। दंगा पुलिस प्रवेश करती है। पुलिस सभी बच्चों को घेर कर पकड़ लेती है और जल्द ही दयाना एक ट्रक में पीछे बैठी है।

स्काउट्स में शामिल हो जाती है

वहां कुल 46 बच्चे हैं। पुलिस उन्हें सैन गैब्रियल नामक रिसेप्शन सेंटर में ले जाती है। दयाना को, सैन गैब्रियल अन्य समान केंद्रों के जैसा दिखता है जहां वह रह चुकी है। वह फैसला करती है कि वह जल्द ही फिर से भाग जाएगी।

''जब दयाना आयी तब मैंने तुरन्त समझ लिया कि तो वह परेशान करेगी,'' मिशेल कहती है, जो बोगोटा में, हॉगेर्स क्लैरेट के सड़क के बच्चों के लिये सैन गेब्रियल रिसेप्शन सेंटर की समन्वयक है।

दयाना गुस्से में है। वह और कुछ अन्य बच्चे कर्मचारियों पर चिल्लाते हैं। बच्चों के कपड़े गंदे हैं और उनसे बदबू आ रही हैं। उनमें से कई के सिर में जूँ हैं।

सभी को स्वयं को धोना पड़ता है और उन्हें नए कपड़े दिये जाते हैं। रेड टॉप, नीली ट्रैकसूट बॉटम्स एवं काले जूते। वे स्काउट गश्ती में विभाजित कर दिये जाते हैं और उनको अपने खुद के नेता का चुनाव करने की अनुमति दी जाती है। दीवार पर एक साप्ताहिक कार्यक्रम है। यह कहता है कि वे हर दिन योग करने जा रहे हैं। और स्काउट गश्ती दल प्रत्येक सुबह और शाम को डेब्रिफिंग के लिए मिलना चाहिए। दयाना समझती है कि यह वास्तव में उन अन्य केंद्रों की तरह नहीं है जिनमें वह पहले रही है। एक सप्ताह के अंत में जब वहाँ बहुत वयस्क नहीं होते हैं तो लड़ाई होती है, और वे कुछ फर्नीचर तोड़ डालते हैं। दयाना उनमें शामिल है। वह किसी प्रकार की सजा की उम्मीद करती है, लेकिन कुछ भी नहीं होता है। स्काउट गश्ती के कुछ हिस्सों को विभाजित किया जाता है। दयाना एक मनोवैज्ञानिक से मिलती है। वह अभी भी भागना चाहती है, लेकिन वह वास्तव में अपनी दादी और छोटे भाई बहन को देखने के लिए उत्सुक है।

''वे हमें यहाँ इंसानों के रूप में देखते हैं।''

जो बच्चे सड़कों पर रह चुके हैं वह दो–तीन महीने तक बोगोटा में स्थित सैन गेब्रियल हॉगेर्स क्लैरेट रिसेप्शन सेंटर में रहते हैं। कुछ यहां इस लिए आए हैं क्योंकि उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अन्य क्योंकि उनके माता–पिता उनकी देखभाल करने में असमर्थ हैं। वे हॉगेर्स क्लैरेट में मिलने वाली मदद के बारे में क्या सोचते हैं?

गीना, 14

''मुझे कोई दिक्कत नहीं है कि हमें यहां से बाहर जाने की इजाजत नहीं है। मैं बाहर सिर्फ ड्रग्स लेने के लिए ही जाती थी। मैं अपनी मां के साथ सदैव नहीं रहना चाहती थी, लेकिन मुझे यहाँ सोचने का समय मिला है और मैंने बहुत कुछ सीखा है। हमें अच्छा खाना मिलता है। जब मैं सड़कों पर रहती थी तब भोजन के बजाय ड्रग्स लेती थी। मुझे आशा है कि मैं जल्दी अपनी मां और बहन के पास वापस जा सकूंगी।''

ग्लोरिया, 15

''वह मेरे माता पिता थे जो मुझे यहां लाए थे। मेरे कारण बहसें होती थीं और मैं सारे समय घर से भाग जाती थी। उन्हें लगता है कि यहां पर रह कर मैं एक बेहतर व्यक्ति बन जाऊंगी और घर पर अधिक जिम्मेदारी ले सकूंगी। यहां अच्छा है, उनके पास सब कुछ है। जब मैं सड़कों पर थी, तब मेरे पास कुछ नहीं था। वे यहाँ मेरी देखभाल होती है, और मैं उनके साथ सहयोग करती हूं और उनकी मदद करती हूं। अब मैं समझती हूं कि पहले मेरे पास सब कुछ था, लेकिन मैंने उसकी कदर नहीं की।''

वेंडी, 15

''मेरे माता–पिता मेरे ड्रग्स लेने से परेशान थे। उन्होंने मुझे सामाजिक सेवाओं के पास ले गए और मदद के लिए पूछा। उस समय मैं सिर्फ यह चाहती थी कि मैं अपने मित्रों को खोजूं, शहर में जाऊं और ड्रग्स खरीदूं। शुरू में, मैं इस जगह से नफ़रत करता था, लेकिन अब मैं अपने स्काउट गश्ती दल की नेता हूं। मुझे बेहतर महसूस होता है जिस तरह से वे हमसे व्यवहार करते हैं। एसा लगता है जैसे वे हमें वास्तव में इंसानों के रूप में देखते हैं।''

दयाना की अलमारी

हर कोई जो सड़क के बच्चों के लिए बने सैन गेब्रियल हॉगेर्स क्लैरेट रिसेप्शन सेंटर में रहता है, एक ही कपड़े पहनता है। एक लाल टॉप और एक नीले ट्रैकसूट बौटमस् की जोड़ी। सबके पास काले जूते हैं, लेकिन वे केंद्र के भीतर प्लास्टिक की चप्पलें पहन सकते हैं। जो कपड़े दयाना पहने हुए केंद्र में आयी थी उनको एक अलमारी में रख दिया गया है। एक जैकेट, एक जोड़ी फटी जींस, एक बनियान टॉप और एक जोड़ी ट्रेनर्स की है। उनको धो दिया गया है। जब वह घर जाएगी है या युवा लोगों के किसी अन्य होगर्स क्लैरट केंद्र में, तब वे उसको लौटा दिये जाएंगे।

''मुझे नहीं लगता कि वे अब मुझे फिट होंगे। मैं बहुत पतली थी जब मैं यहाँ आई थी। हम सड़कों पर शायद ही कुछ खाते थे। लेकिन वे अच्छे हैं, मेरे कपड़े। मैं चाहती हूं कि मेरे पास अब उसी तरह के कपड़े होते,'' दयाना कहती है।

परिवर्तन

दयाना को रैफिल की याद आती है, लेकिन सैन गेब्रियल के कर्मचारी दयालु हैं। जब वह बेचौन या तंग हो जाती है, तो वह उसे एक तरफ ले जाते है और अन्य चीजें करने देते हैं। अगर वह चाहती है, तो वह इस बारे में बात कर सकती है कि वह कैसा महसूस कर रही है। वयस्क लोग उसकी बात सुनते हैं।

दयाना महसूस करती है कि स्थिति बदल रही हैं। यहां उसके जैसी कई अन्य लड़कियां हैं। कुछ अच्छी हैं, लेकिन दयान खुद ही में सीमित रहना चाहती है।

''यह हमेशा एसे समाप्त होता है कि कोई जना मुझसे बेवकूफी का कोइ काम करने के लिए राजी कराता है। मैं अब बहसों में बिलकुल भी नहीं पड़ना नहीं चाहती,'' दयाना मिशेल से कहती है।

इसके बजाय वह मदद करने की कोशिश करती है जब उससे कम आयु की लड़कियां वहां रहने के लिये आती हैं। दयाना शिल्प कक्ष में रहना अथवा एक्ट्रोबैटिक्स (कलाबाज़ी) अभ्यास करना पसंद करती है।

''जब मैं पहली बार आयी थी तब से अब मैं अलग हूं। मैंने समय के साथ अपने पुराने जीवन को भूलने की कोशिश की है, लेकिन यह मुश्किल है। दूसरों की तरह मुझसे मिलने कोई नहीं आता है। कोई भी मुझे किसी तरह के पार्सल नहीं भेजता है। मैं बस अपने घर ही जाना चाहूंगी,'' केंद्र में अपने मनोवैज्ञानिक से दयाना कहती हैं।

एक वकील बनना चाहती है

बच्चे आम तौर पर सैन गेब्रियल में दो से तीन महीने तक रहते हैं। फिर वे अपने परिवारों के पास वापस चले जाते हैं या देश भर के युवाओं के लिए बने हॉगेर्स क्लैरेट के केन्द्रों में से एक में भेज दिये जाते हैं। वहां उन्हें स्कूल में जाना मिलता है और समर्थन दिया जाता है, ताकि एक दिन वे हिंसा एवं ड्रग्स से मुक्त हो कर आगे पढ़ाई करने या नौकरी करने के साधारण जीवन में वापस लौट सकें।

जब दयाना 15 साल की हो जाती है, तो वह चाहती है कि उसकी दादी आयें और उसे ले जाएं। वह नहीं आती लेकिन वे फोन पर बात करती हैं।

''तुम जानती हो कि मेरे पास कोई पैसा नहीं है, और न ही तुम्हारी मां के पास हैं,'' दादी कहती है।

दयाना तभी घर जा सकती हैं अगर परिवार में कोई हो जो अपनी वित्तीय सहायता का समर्थन कर सकता है। यदि कोई उसकी देखभाल नहीं कर सकता है, तो हॉगेर्स क्लैरेट के अन्य घर हैं जहां उसे स्कूल जाने का मौका मिल सकता है। जब दयाना इस बारे में सोचती है, तो वह रोती है, लेकिन उसने एक निर्णय भी लिया है। हॉगेर्स क्लैरेट को धन्यवाद, वह अध्ययन करने की सोच रही है। वह एक वकील बनना चाहती है और स्वयं जैसी अन्य लड़कियों की रक्षा करना चाहती है।

डैनियला, 15

''ऐसा लगता है जैसे वे मुझे यहां समझते हैं। वे हमारी अच्छी देखभाल रखते हैं। मैं दो साल पहले घर से भाग गई थी और तब से मैं सड़कों पर रह रही हूं। जब पुलिस ने मुझे पकड़ लिया, तो पहले वे मुझे गाड़ी से किसी दूसरे स्थान पर ले गए। वहाँ पर यहां से भिन्न था। हालांकि मैं वास्तव में सड़कों पर रहते थक गई था, फिर भी मैं भाग गई क्योंकि यह बहुत बुरा था। यहां पर बेहतर लगता है।''

लौरा, 13

''वास्तव में मैं घर जाना चाहूंगी, लेकिन यहा पर भी सब ठीक है। यहां पर अनेकों क्रियाएं होती हैं और हमें पर्याप्त भोजन और काफी समय सोने के लिए मिलता है। जब मैं वापस घर जाऊंगी, तो स्थिति बदल जाएगी। यह इतना अनावश्यक था जो हुआ। स्कूल में एक लड़की थी जिसने मेरी कलम ले ली। मुझे बहुत गुस्सा आ गया और उसे मैने उसे मारा। स्कूल ने कहा था कि मुझे जाना होगा और मेरी मां बहुत दुखी और नाराज़ थी। उसने मेरे कमरे में मुझे बंद कर दिया, लेकिन मैं भाग गई। उसने मुझे पुलिस में लापत दर्ज कर दिया जिसने मुझे ढूढ़ लिया। वे मुझे यहां ले आये।''

जुआन, 16

''घर पर उन्होंने मुझे मारा करते थे और मैं शराब पीता था और ड्रग्स लेता था। अंत में मैं स्वयं पुलिस के पास चला गया। वे मुझे सामाजिक सेवाओं के पास ले गये। मुझे यहाँ मदद मिली है। एहाँ हमेशा कोई होता है जिससे मैं बात कर सकता हूं, और हमे सम्मान मिलता है। लेकिन कभी–कभी मैं निराश हो जाता हूं। मुझे अपनी लड़की–मित्र और हमारी बेटी की याद आती है, जो एकलौती है। मैं उन्हें जल्द ही देखने की आशा करता हूं।''

ब्रायन, 15

''मुझे लगता है कि मेरे घरेलू जीवन काफी अच्छा था। लेकिन मैं अभी भी शहर में लड़कियों की तलाश में घूमता रहता था। मैंने ड्रग्स खरीदी। अंत में मेरे माता–पिता ने इसके बारे में मुझसे बात की। उन्होंने कहा कि मुझे शायद मदद की जरूरत है और सामाजिक सेवाओं को बुला लिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मैं यहां पर रहूं। मुझे यहां मदद मिल रही है, और मेरा परिवार अक्सर मुझसे मिलने आता है। मुझे लगता है कि यहां आकर मेरा बदलाव अच्छे के लिए हुआ है।''

लुइस, 16

''यहाँ बहुत शांति है। बातो और जीवन के बारे में सोचने के लिए जीवन में सदैव समय होता है। हम स्वयं पर बहुत काम करते हैं कि हम कैसे अपनी जिंदगी को जियें और अच्छे व्यकित बनें। मैं हर दिन अपने परिवार को याद करता हूं। जब मैं बाहर निकलूंगा, तो मैं हर समय उनके साथ रहूंगा। अब पहले जैसा नहीं रहेगा, जब मैं शहर में इधर–उधर घूमता रहता था।''

दयाना के साथ

शिल्प कार्यशाला

सैन गेब्रियल की शिल्प कार्यशाला में समय व्यतीत करना सबसे ज्यादा मजेदार बात है, दयाना कल्पना कर सकती है।

वह कहती है, ''अगर मैं कर सकती होती, तो मैं हमेशा यहीं रहती।''

यहां पुरानी प्लास्टिक की बोतलें से भरे डिब्बे और बैग हैं, सीडी, पाइप क्लीनर, सामग्री के स्क्रैप, खाली शौचालय रोल, गोंद बंदूकें, मॉडलिंग मिट्टी और प्लास्टर से भरा बक्से और बैग हैं। आज दयाना एक नरम प्लास्टिक सामग्री से गुड़िया बना रही है जो तुम्हारी उंगलियों के आकार की हो सकती हैं। सामग्री अलग–अलग रंगों में आती है और इसे भी बाहर निकाला जा सकता है। यह पुनर्नवीनीकरण प्लासटिक से बनाया गया है। दयाना पैर और हाथ बनाती है जिनको वह शरीर से जोड़ती है। फिर वह एक स्कर्ट खोल देती है और शीर्ष पर एक सिर रख देती है। अंत में वह बाल और एक झाड़ू लगाती है।

5:30 a.m. सब लड़कियों को जगा दिया जाता है।

7:00 a.m. रिफेक्टोरी में नाश्ता करने के लिए कतार। हमेशा गर्म चॉकलेट होती है।

8:00 a.m. सुबह की बैठक। लड़कियां स्काउट गश्ती दलों में हॉल में इकट्ठा होती हैं। हर दिन एक गश्ती दल के पास पेश करने के लिए एक कार्य होता है। उनमें से हर एक को यह भी बताना चाहिए कि दिन में उनकी अपेक्षाएं क्या हैं।

6:30 a.m. सप्ताहांत से अलावा, हर रोज़, उसे अपने बालों को कंघी करना चाहिए और उनको एक विशेष तरह से बनाये रखना चाहिए।

दयाना का आज उसके मनोवैज्ञानिक के साथ अपाईन्टमेन्ट (समयादेश) है। वे बात करते हैं कि दयाना कैसे महसूस कर रही है और यदि उसे किसी प्रकार की सहायता चाहिए।

10:30 a.m. नाश्ता बाहर परोसा जाता है: दही और बिस्कुट।

तनाव से निपटने के लिए ध्यान

दयाना हर दिन ध्यान करती है। हॉगर्स क्लैरेट के विभिन्न केन्द्रों में सभी बच्चे और युवा लोग ध्यान करते हैं। प्रत्येक सत्र योग से शुरू होता है। दयाना ने एक चटाई हासिल कर ली है और उसको खेल के मैदान में जमीन पर अपने दोस्तों के सामने रख दिया है। एक शिक्षक कुछ शांति देने वाला भारतीय संगीत बजाता है। वह निर्देश देता है जिसे दयाना एवं अन्य लड़कियां दोहराती हैं। सही विधि से साँस लेना महत्वपूर्ण है। गहरी, नरम साँसें। जब वे योग समाप्त कर लेते हैं, तब दयाना लेट जाती है। वह अपनी आँखें बंद कर लेती है और शांति से श्वास लेती है। ध्यान 20 मिनट तक चलता है। कई लड़कियां सो जाती हैं। हॉगर्स क्लैरेट में, योग एवं ध्यान द्वारा तनाव, चिंता, नशीली दवाओं का दुरुपयोग एवं हिंसा से मुकाबला किया जा सकता है।

एक दिन

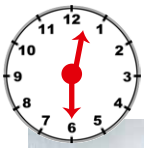

12:30 p.m. आज, दयाना का पसंदीदा खेल शेड्यूल पर है। लड़कियां एक पारिवारिक दिन के लिए एक्रोबेटिक अभ्यास और एक चीअरलाइडिंग संख्या का अभ्यास कर रही हैं।

11:00 a.m. हर दिन उनका योग और ध्यान होता है। लड़कियां खेल के मैदान में मैट ले जाती हैं। पहले वे कुछ योग अभ्यास करते हैं और फिर वे ध्यान करते हैं। कभी–कभी दयाना सो जाती है।

2:00 p.m. दोपहर का भोजन। भोजन को कर्मचारी द्वारा मेंज पर परोसा जाता है। हमेशा सब्जियां, फलों का रस होता है और कभी–कभी 'अफ्तारों' के लिए कुछ फल होते हैं।

4:00 p.m. सैन गेब्रियल में एक शिल्प कार्यशाला है। यहां पर दयाना अपने हाथों से वस्तुएं बनाने में समय बिता सकती है। सारी सामग्री का पुनर्नवीनीकरण कर दिया जाता है। कभी–कभी वे छोटे आंकड़े बनाते हैं। आज दयान एक गुड़िया बना रही है।

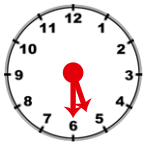

5:30 रात्रि भोजन के समय, गश्ती दल के स्काउट अलग–अलग रिफेक्टोरी को जाती है। कर्मचारियों को गाना गा कर उत्साहपूर्वक धन्यवाद दिया जाता है, जो दीवारों के बीच गूंजता है।

3:30 p.m. जब दोपहर के नाश्ते का समय हो जाता है, तो दयान और अन्य लड़कियां रिफेक्टोरी से फल लाने के लिए चली जाती हैं।

9.00 p.m. शुभ रात्रि! रात के खाने और सोने के बीच वे कभी–कभी एक फिल्म देखते हैं या सिर्फ बात करते हैं। दयाना अक्सर कुछ पढ़ती है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

एक अलग तरह की जेल

ब्रायन ने 13 साल की उम्र में अपनी मां की मदद करने के लिए चोरी करना शुरू कर दिया था। चार साल बाद उसे एक मोबाइल फोन चोरी करने के लिए पुलिस ने गिरफ्तार किया था। न्यायाधीश ने उसे एक किशोर हिरासत केंद्र में रहने की सजा दे दी, जहां पर वह एक स्काउट बन सकता है, ध्यान कर सकता हैं तथा स्कूल जा सकता है।

ब्रायन को फुटबॉल खेलना प्रिय है लेकिन यदि उसके साथ कोई खेलने वाला नहीं होता, तो वह जेल के बरामदे में कसरत करता है।

संरचना अच्छी है

ब्रायन की जेल हॉगारेस क्लैरेट द्वारा चलायी जाती है, जो उसी विधियों का उपयोग करती है, जैसी कि इसके अन्य केंद्रों में होती है। जेल के 101 लड़के जिनकी आयु 14 से 18 साल के बीच है, स्काउट समूहों में संगठित किये गए हैं। प्रत्येक अनुभाग में उनके पास एक या दो स्काउट समूह हैं जो अपने स्वयं के समूह के नेताओं को नियुक्त करते हैं। दीवारों पर लाइनिंग, डीब्रीफिंग, ध्यान, स्कूल, भोजन एव अन्य गतिविधियों के लिए स्पष्ट दैनिक कार्यक्रम हैं। इसके ऊपर, सभी लड़कों को फर्श पोछने, कपड़े धोने, खाना बनाने एवं शौचालयों को स्वच्छ रखने में मदद करनी होती है।

''वस्तुओं को साफ रखना और एक संरचना होना मेरे अनुकूल है, मुझे लगता है कि यह अच्छा है,'' ब्रायन कहता है।

सीज़र, 16, ब्रायन को अपने निशान दिखाता है। हॉगारेस क्लैरेट की जेल में आने से पहले गोली लगी थी और उसके पेट में सोलह बार चाकू मारा गया था।

ध्यान करने से शांति मिलती है। दिन के दौरान कुछ ही अवसर एसे होते हैं जो दिन में योग एवं ध्यान सत्र के रूप में इतनी शांति देते हैं।
ब्रायन कहता है, ''यह वाकई अच्छा है।''

''मैं उस दिन बहुत नाराज था। हमेशा की तरह हमारे पास खाने के लिए कोई भोजन नहीं था और मुझे भूख लगी थी। मेरी छोटी बहन दो साल की थी। वह भी भूखी थी।

मैंने एक बूढ़े आदमी को सड़क पर एक मोबाइल फोन लिए जाते हुए देखा। जब वह नहीं देख रहा था, तो मैंने उसे लिया और भाग गया। यह पहली बार नहीं था। मैं 13 साल की आयु से ड्रग्स चुरा रहा हूं और उनको इस्तेमाल कर रहा हूं। मैं अपनी मां को भोजन खरीदने में मदद करने के लिए चोरी करता था।

कभी–कभी मैं अपनी भूख पर काबू पाने के लिए गोंद सूंघ लेता था या धुम्रपान करता था।

जब मैं दो वर्ष का था, तब मेरे पिता घर से चले गये और मेरा बड़ा भाई अपने स्वयं के परिवार तक को मुश्किल से खिला पाता है।

मां अन्य परिवारों के लिए घर की मदद के रूप में काम करती है। इससे ज्यादा उसको बहुत कम पैसा मिलता है। मैं स्कूल के बजाय घर पर ही रहता हूं क्योंकि मां मुझे स्कूल की यूनफार्म एवं वस्तुएं नहीं खरीद सकती थी। वास्तव में मैं दोनों पढ़ाई करना

ब्रायन (बाईं ओर) हॉगारेस क्लैरेट के किशोर जेल में सलाखों के पीछे, एक अलग तरह की जेल, जहां उसको स्काउट्स में शामिल होने का अवसर मिलता है, स्कूल जाता है, योग करता है और ध्यान करता है।

सलाखों के पीछे प्यार

सैंड्रा, 17, हॉगारेस क्लैरेट के किशोर हिरासत केंद्रों में से एक पर लूट–पात के लिए समय की सज़ा काट रही है। यही पर उसकी एंड्रेस फेलिप से मुलाकात हुई। उन्होने एक दूसरे से संपर्क किया, और अब वे एक जोड़ी हैं। हॉगोस क्लैरेट के विभिन्न केन्द्रों में लड़कों और लड़कियों के बीच प्रेम हो जाना काफी असामान्य बात है, क्योंकि अधिक्तर उन्हें अलग रखा जाता है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

और मां की मदद करना चाहती हूं। वह बहुत रोती है क्योंकि वह हमें भोजन नहीं दे सकती है और न ही हमें स्कूल जाने में मदद कर सकती है। जब हम खाते हैं, तब हम अगले दिन कोई भोजन नहीं करते। यहां हमेशा ऐसा ही होता है। मैं चोरी नहीं करना चाहता। मैं किसी अन्य तरह से मदद करना चाहती हूं।

एक स्काउट बन जाती है

पुलिस ने मुझे पहले कभी नहीं पकड़ा था लेकिन इस दिन उन्होंने मुझे देख लिया। मां पुलिस स्टेशन आईं। वह रोयी और पुलिस को बताया कि मैंने उसके लिए चोरी की। मैं भी रोया, लेकिन मैंने मां को विश्वास दिलाया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।

मुझे जेल में एक साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन उससे पहले मैंने उस बूढ़े व्यक्ति से क्षमा मांगी। न्यायाधीश ने मुझे सजा काटने के लिये हॉगेर्स क्लैरेट में प्रबंध कर दिया। मुझे खुशी है कि उसने एसा किया। मुझे यहां शिक्षा मिल रही है। मैं एक स्काउट बन गया हूँ और स्कूल जाता हूं। और मैं इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर के बारे में सीख रहा हूं। बड़ा हो कर मैं एक निर्माण इंजीनियर बनना चाहता हूं।

मेरी मां को मुझ पर गर्व है। जब वह मुझसे मिलने आती है, तो वह कहती है कि मैं एक भिन्न व्यक्ति बन चुका हूं। और यह सिर्फ तीन महीने में।

जब मैं बाहर निकलूंगा, तब मेरी पुरानी जिन्दगी मेरे पीछे होगी। कल्पना करो अगर मैं यहाँ नहीं आया था। शायद मैं अब अस्पताल में रहूंगा। या इससे भी बद्तर, मैं मर गया होता।''

कंप्यूटर के बारे में सीखना

स्कूल के अलावा, ब्रायन एलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर के बारे में और अधिक जानना चाहता है। वह जितनी बार भी संभव हो पाता है, एलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर के पाठों में उपस्थित होता है।

''मुझे लगता है कि यह दोनों विषय मेरे जीवन में बाद में उपयोगी साबित होंगे,'' ब्रायन कहता है।

Brayan, 17

बनना चाहता है: निर्माण इंजीनियर।
पसंद: फुटबॉल खेलनाख इलेक्ट्रॉनिक्स करना।
पसंद नहीं है: संगीत बजाना।
सपना देखता है: जेल के बाहर एक नया जीवन बिताने का।
याद करता है: अपने परिवार और प्रेमिका को।

ब्रायन की सेल की दीवारें टूट गई हैं और वह पड़ोसी सेल के लड़के से बात कर सकता है। छत लीक करती है।

'मैंने अपना गद्दा अलग कर लिया है, इसलिए यह गीला नहीं है,'' ब्रायन कहता है। वह अपने परिवार और अपनी प्रेमिका की तस्वीरें लगाता है और नियमित रूप से सफाई करता है।

''यदि मां साफ कर सकती है, तो मैं भी कर सकता हूं,'' वह कहता है।

ब्रायन की सेल का दरवाज़ा

अपराध के विरुद्ध रैपिंग

जब जेवियर 16 वर्ष का था, तब उसने किसी को मार डाला। न्यायाधीश ने इसे हत्या नहीं माना, इसलिए जेवियर को बिना सोचे–समझे हत्या का दर्जा देकर साढ़े पांच साल की सजा सुनाई। उसे हॉगारेस क्लैरेट के किशोर हिरासत केंद्रों में से एक पर रखा गया जहां उसे केविन मिला। वे जेल के संगीत स्टूडियो में अपने स्वयं के गीत लिखते हैं।

''अपने परिवार से गले मिलो, ब्रह्मांड को गले लगाओ,'' वे रैप गाते है। जेवियर अपनी शेष सज़ा को एक वयस्क जेल में काटेगा, लेकिन पहले वह स्कूल जाकर स्नातक होने की उम्मीद करता है। जब वह अपनी सजा पूरी कर लेगा, तब वह एक वास्तुकार बनना चाहता है।

केविन को जल्द ही जेल से रिहा कर दिया जाएगा। वह अपना संगीत जारी रखना चाहता है।

''मैं लोगों को अपने अनुभवों के बारे में बताने के लिए संगीत का उपयोग कर सकता हूं और यदि आप जीवन में गलत पथ चुनते हैं तो क्या हो सकता है।,'' केविन कहता है।

बाल अधिकार हीरो प्रत्याशी

Rachel Lloyd

पृष्ठ 66–85

रेचिल को नामांकित क्यों किया गया है?

रेचिल लॉयड को अमेरिका में बाल यौन व्यवहार, बच्चों के व्यवसायिक यौन शोषण से निपटने के लिए 20 वर्षों से अधिक समय तक अभियान चलाने हेतु वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए नामित किया गया है।

इंग्लैंड में, अपने बचपन के समय, रेचिल स्वयं मानसिक एवं शारीरिक शोषण से पीड़ित रही तथा सेक्स उद्योग में उसका शोषण किया गया।

रेचिल 22 वर्ष की आयु में संयुक्त राज्य अमेरिका चली गई और वहाँ वो न्यू यॉर्क की सड़कों पर 12 वर्ष की कम आयु तक की लड़कियों को बिकता देख कर चौंक गई। उसने अपनी रसोई की मेज पर केवल 30 डॉलर एवं एक उधार के कंप्यूटर की सहायता से 'गर्ल्स एड्यूकेशिनल एण्ड मेन्टरिंग सर्वैसिज़'

(जी.ई.एम.एस, संक्षिप्त में 'जैम्स') की स्थापना की। इसका अर्थ है 'लड़कियों की शैक्षिक एवं सलाह सेवा'। तब से, रेचिल और जैम्स ने हजारों लड़कियों के जीवन को प्रेम एवं व्यावहारिक समर्थन देकर बदल डाला है। उन्होंने अधिक बाल–अनुकूल कानूनों एवं प्रणालियों को लागू करवाने में भी अपना योगदान दिया है जिनमें न्यू यार्क का 'सेफ हार्बर एक्ट' शामिल है। यह अधिनियम अमेरिका का पहला कानून था जो उन बच्चों के लिए बनाया गया था जिनको सेक्स बेचने के लिए मजबूर किया गया था, वह उनको सजा देने के बजाय, समर्थन एवं सुरक्षा का अधिकार देता था। रेचिल के इस दृण–संकल्प वाले प्रयास ने समाज में बदलाव लाया है जिसके अन्तर्गत यौन शोषण से प्रभावित लड़कियों को अपराधियों के रूप में देखने के बजाय पीड़ितों के रूप में देखा गया, फिर उनको 'सर्वाइवर्स' (पूर्व में यौन शोषण से रहे पीड़ितों) एवं 'लीडर्स' (नेताओं अथवा मार्गदर्शकों) के रूप में देखा गया।

प्रति वर्ष, 400 लड़कियों एवं युवा महिलाओं को रेचिल एवं जैम्स से सीधे सहायता मिलती है। लगभग 1,500 युवतियों तक निवारक पहल द्वारा पहुँचा जाता है, और 1,300 से अधिक व्यवसायिक लोगों जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता एवं पुलिस अधिकारी शामिल हैं. को बाल सेक्स व्यापार तथा लड़कियों के अधिकारों के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।

विभिन्न नाम!

इन पृष्ठों पर रेचिल के बारे में लिखी गई कहानियों में कई लोगों के नाम बदले गए हैं और उनकी आयु नहीं बताई गई है। यह उनकी पहचान को सुरक्षित रखने के लिए किया गया है।

यह एक शुक्रवार की शाम है। इस सप्ताह अपने काम में अधिक व्यस्त रहने के बाद, जब रेचिल अपने घर वापस लौट रही होती है, तभी उसके फोन की रिंग बजती है। पुलिस ने एक युवा लड़की को सड़क से उठाया है, जो लगता है कि सेक्स बेचने के लिए मजबूर की गई थी। वह किसी से भी बात करने से मना कर दे रही है। शायद रेचिल मदद् कर सके?

रेचिल युवा लोगों के लिए बने केंद्र में जा कर एक कठोर से बेंच पर बैठी उसकी प्रतीक्षा करती है, यहीं पर पुलिस वाले उन लोगों को लाते है जो परेशान होते हैं। वो इधर–उधर देखती है तो उसे एक ठंडी प्रकाशित पट्टी और हल्के हरे रंग की दीवारों दिखाई देती है वो पसंद नहीं आता। कैसे एक लड़की जिसके भयानक अनुभव रहे हों वो यहाँ पर आमन्त्रित महसूस कर सकती है? कुछ मिनट बाद, कर्मचारी वर्ग का एक सदस्य, एक बैगी ट्रैक सूट पहने हुए, गोल–मटोल लड़की को अपने साथ ले कर आता है, जिसके बाल एक 'पोनीटेल' की तरह बंधे हुए हैं। वह नाराज़ लगती है और अपने हाथों को एक दूसरे पर रख कर बैठ जाती है।

रेचिल उसे बताती है कि वो न्यू यॉर्क के एकमात्र संगठन जैम्स से आई है, जो उन लड़कियों की मदद् करता है जिनका बाल यौन व्यापार में शोषण किया गया है।

''मैं जानना चाहती हूँ कि हम तुमको किस तरह सहारा दे सकते हैं और तुम्हारी मदद् कर सकते हैं?''

डैनियली संदेह से रेचिल को देखती है और चुप रहती है।

''मैं पुलिस अथवा सामाजिक सेवाओं से नहीं हूँ ... मैं किसी अन्य व्यक्ति को तुम्हारी कोई भी बात नहीं बताऊँगी... मैंने जैम्स को इसलिए शुरू किया था क्योंकि मैं भी 'इन दी लाइफ' रह चुकी हूँ मतलब 'उस जिन्दगी में' रहे चुकी हूँ', इसलिए मैं उन लड़कियों के लिए एक जगह चाहती थी जिनके मेरे जैसे अनुभव रहे हों।''

'इन दि लाइफ'

अधिक्तर लड़कियाँ, आमतौर पर उत्सुक हो उठती हैं जब रेचिल उन्हें बताती है कि वो भी सेक्स व्यापार में शामिल रह चुकी है अर्थात् 'इन दि लाइफ' जैसा कि लड़कियाँ इसे कहती हैं। लेकिन डैनियली से बात करना आसान नहीं है, इसलिए रेचिल एक सीधा प्रश्न पूछने का प्रयास करती है।

''क्या मैं पूछ सकता हूँ कि तुम कितनी बड़ी हो?''

''ग्यारह।''

''क्षमा करो, कितनी बड़ी?''

''मैं ग्यारह साल की हूँ।''

रेचिल हैरान हो जाती है। वह कई 12–, 13– और 14–वर्षीय बच्चीयों से मिल चुकी है, जिनका शोषण बाल यौन व्यापार में किया गया है, लेकिन कभी भी किसी 11–वर्षीय से नहीं। डैनियली उसे बताती है कि वह मैक्सिकन भोजन और हैरी पॉटर की किताबें पसंद करती है। यह कि वो एक गायिका बनना चाहती है और कविताएं लिखना चाहती है। और उसका एक 29 वर्षीय बॉयफ्रेन्ड (लड़का मित्र) है।

अधिक्तर लड़कियाँ जिनकी रक्षा करने के लिए रेचिल संघर्ष करती है, वे बाल यौन शोषण व्यापार में मजबूरी में गई थीं जब वे सिर्फ 13–14 साल की थीं। जैम्स उन लड़कियों एवं युवा महिलाओं जिनकी उम्र 12–24 वर्ष की है, को एक बेहतर जीवन प्रदान करने में प्रारम्भिक समर्थन देता है एवं प्रेम–पूर्वक उपयोगी सहायता प्रदान करता है।

रेचिल अमेरिका में 20 वर्षों से उन लड़कियों एवं युवा महिलाओं के लिए संघर्ष कर रही है जिनका मानव तस्करों द्वारा शोषण किया गया है। आज, अनेकों 'सर्वाइवर्स' (पुर्व में यौन शोषण में फंसे पीड़ित) स्वयं 'लीडर्स' (नेता अथवा मार्गदर्शक) बन जाते हैं, और अन्य पीड़ितों की मदद् करते हैं। यह चित्र रेचिल और जैम्स टीम के अन्य सदस्यों के साथ 'सर्वाइवर्स' के एक समूह का है।

बॉयफ्रेन्ड एक दलाल है

जिस आदमी को डैनियली अपना बॉयफ्रेन्ड बताती है वह वास्तव में उसका दलाल है। वह आदमी जो उसे अन्य पुरुषों को सेक्स बेचने के लिए मजबूर कर रहा है। रेचिल एक होटल का उल्लेख करती हैं जिसका उपयोग दलाल किया करते है, और डैनियली उसे जानते हुए अपना सिर हिलाती है। वह वहाँ गई है।

''क्या तुम जानती हो कि मैं उस होटल को क्यों जानता हूँ? एक रात एक लड़की ने मुझे फोन किया ... उसके दलाल ने उसे पीटा था और वह डर गई थी। मैं और मेरे सहयोगी वहाँ मध्य रात्रि को गाड़ी से गए, अन्दर घुसे और उसे बाहर निकाल लाये।''

जब डैनियली उसे सुनती है तो उसकी आंखें बड़ी हो जाती है। अब वो समझ जाती है कि रेचिल को अच्छे से पता है जो वह कह कर रही है।

अपनी मां की याद आती है

डैनियली की बहन ने उसे दलाल से मिलाया था।

''वह और मेरी दूसरी बहन वही सब करती हैं तो तुमने और मैंने किया है,'' वो रेचिल से फुसफुसा कर कहती है। ''तुम्हारी बहनें कितनी बड़ी हैं, प्यारी?''

''एलिज़ाबेथ 14 की है और एन्नेट् 16 की।''

तुमने बहुत कठिन समय गुजारा है। ऐसा लगता है कि तुमने जिन्दगी में अपनी परिस्थितियों से काफी समझौता किया है।''

''मुझे अपनी मां की याद आती है,'' डैनियली धीरे से कहती है।

अभी बहुत कुछ करना है

रेचिल को उस रात सोना मुश्किल लगता है। जैसे ही वह अपनी आँखें बंद करती है, उसे डैनियली का चेहरा दिखाई देता है। रेचिल और जैम्स ने हजारों लड़कियों की एक बेहतर ज़िन्दगी बिताने में सहायता की है, लेकिन उनके पास हर समय नए पीड़ित लोग आते रहते हैं।

लेकिन फिर भी, बहुत कुछ बदल चुका है, रेचिल मन में सोचती है। कुछ वर्ष पहले तक, डैनियली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया होता। लेकिन अब वह मदद् लेने की हकदार है। जैम्स डैनियली की पूर्व में यौन शोषण से पीड़ित रहे व्यक्ति के रूप में मदद् कर सकता है, और फिर वो भविष्य में अन्य लोगों को भी सहारा दे सकती है। और उन्हें उसकी जरूरत पड़ेगी, क्योंकि अब भी बहुत काम करना है।

किस तरह के बच्चों को खरीदा और बेचा जाता है?

कोई भी बच्चा अमेरिका में सेक्स व्यापार में फंस सकता है, लेकिन अधिकांश गैर–श्वेत बच्चे होते हैं, जो गरीबी में बड़े हुए हैं विशेषतः

- जातीय अल्पसंख्यक समूहों के बच्चे, जैसे कि काले बच्चे तथा लैटिन–अमेरिकी नसल के बच्चे।
- वो बच्चे जो घर से भाग गए और/या बेघर हैं।
- जिन बच्चों को अधिकारियों द्वारा देखभाल में लिया गया है।
- जो बच्चे दुर्व्यवहार के शिकार रहे हैं।
- जो बच्चे शराब पीते हैं या ड्रग्स लेते हैं।
- विकलांग बच्चे।
- एल.जी.बी.टी.क्यू. युवा लोग।
- ऐसे बच्चे जो अमेरिका में शरणार्थियों या प्रवासियों के रूप में आते हैं और जो अंग्रेजी नहीं बोलते।

TEXT: CARMILLA FLOYD, BASED ON EXCERPTS FROM RACHEL LLOYD'S BOOK GIRLS LIKE US PHOTOS: JOSEPH RODRIGUEZ

रेचिल अपनी मां के साथ इंग्लैंड में, समस्या शुरू होने से पहले।

रेचिल, 9, अपनी स्कूल की पोशाक में।

रेचिल, 14, मॉडल के रूप में काम करते हुए।

रेचिल बढ़ी होती है

रेचिल इस तथ्य के बारे में दुबारा नहीं सोचती कि उसके पिता उसके स्कूल जाना प्रारम्भ करने तक उसके साथ नहीं रहे हैं, और वह सबको अपने पिताओं के बारे में बात करते सुनती है। वह सोचती है कि उसके पिता कहां होंगे, और क्या वह कभी उसके बारे में सोचते होंगे।

रेचिल को रॉबर्ट की एक धुँधली याद है, एक ऐसा व्यक्ति जो थोड़े दिनो तक उसकी मां के साथ रहा था और जिसे उसने 'डैड' कहा था। जब वह अचानक वापस आता है तो रेचिल खुश हो जाती है।

उसकी मां भी खुश होती है। वह और रॉबर्ट अलग हो गए थे क्योंकि वह बहुत अधिक शराब पीने लगा था। लेकिन अब वह अपने खर्चों को स्वयं पूरा करती है जबकि उसके पास पैसों की कमी है। शायद अब वह बदल गया होगा और वो लोग एक सगे परिवार की तरह रह सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है।

स्वार्थी और हिंसक

उसका सौतेला पिता स्वार्थी हो जाता है जब वह शराब पीता है। एक शाम वह रेचिल को मारता है और उसके बालों के ज़रिये उसे बहुत सारी सीढ़ियों पर ऊपर खींचता चला जाता है। उसके बाद से वह उससे दूर रहती है जब वह नशे में होता है सिवाय जब वह उसकी मां को मारता है। फिर वह उन दोनों के बीच में पड़ती है, एक कुर्सी पर कूद कर उसे रोकने के लिए चिल्लाती है। लेकिन कोई उसकी परवाह नहीं करता हो इसके बजाय मां भी पीने लगती है, इससे अब कम बुरा लगेगा। जब रेचिल रॉबर्ट को घर से बाहर निकाल देने के लिए अपनी मां से आग्रह करती है, तो वह कहती है:

''मुझे बस यह कोशिश करनी चाहिए कि उसे गुस्सा न आये।''

रेचिल अब घर पर और नहीं रहना चाहती। वह अपने दोस्तों के साथ शहर में इधर–उधर घूमती है और

जब वह 12 वर्ष की होती है, तो वह भी शराब पीने लगती है।

ज़िन्दगी से थक चुकी है

आखिरकार जब रॉबर्ट अपना परिवार छोड़ता है, तब बहुत देर हो चुकी होती है। रेचिल की मां दिन–रात शराब पिया करती है। कभी–कभी वह सिर्फ उसको शून्यदृष्टि से घूरने लगती है, फिर अगले मिनट वह क्रोधित हो जाती है, रोती है और चिल्ला कर अपमानजनक शब्द बोला करती है। वह अक्सर अपनी जान लेने की धमकी देती है। रेचिल उसे शांन्त करने का प्रयास करती है। लेकिन अंत में, वह स्वयं भी जीवित नहीं रहना चाहती। वह 'वाइन' (अंग्रेज़ी शराब) की बोतलों में से एक लेती है जो उसकी मां ने सिंक के नीचे छिपा रखी हैं और उसे घर में रखी जितनी भी टैबलेटें (गोलियां) मिलती हैं, उनको उसमें घोलकर पी जाती है।

रेचिल जीवित बच जाती है, लेकिन उसे अस्पताल ले जाया जाता है, जहां उसे तीन सप्ताह तक अलगाव में रखा जाता है। एक सामाजिक कार्यकर्ता चाहता है कि रेचिल एक पालक परिवार के साथ चली जाए, लेकिन वह मना कर देती है। उसे लगता है कि उसकी मां स्वयं की देखभाल नहीं कर पाएगी। अंत में, सब कुछ के बावजूद, रेचिल को उसके घर उसकी मां के पास भेज दिया जाता है।

कुछ दिनों तक, वह हर सप्ताह एक मनोचिकित्सक से मिला करती है पर उसे नहीं लगता कि रेचिल फिर से ठीक हो पाएगी।

वह अनुमान लगाता है, ''जब तक तुम 16 की होगी, तब तक तुम मर जाओगी, या जेल में होगी या गर्भवती हो जाओगी अथवा इन सब के संयोजन में रहोगी।''

फैक्टरी नौकरी

रेचिल स्कूल जाना छोड़ देती है और अपने भोजन एवं किराए का भुगतान करने के लिए एक कारखाने में नौकरी कर लेती है। 14 वर्ष की आयु में, वह वास्तव में अभी छोटी है, लेकिन वह अपनी आयु गलत बताती है। शाम को वह 'बार' (शराबखाना) में जाती है, शराब पीती है और ड्रग्स लेती है। कभी–कभी जब वह बाहर निकलती है तब वह अपनी मां से मिलती है। उसकी दोस्तों को लगता है कि यह

17 वर्षीय की आयु में, रेचिल ने जीवित रहने के लिए एक सेक्स क्लब में नौकरी कर ली।

CC BY-NC 2.0

ज़िन्दगी मजेदार है। लेकिन रेचिल को नहीं।

वह एक बेहतर ज़िन्दगी का सपना देखा करती है, जैसे एक वकील या एक पत्रकार बनने का। उसे एक किशोर पत्रिका के लिए फोटो मॉडल के रूप में काम करने का अवसर मिलता है, लेकिन मॉडल एजेंसी कहती है कि उसकी लंबाई सर्वश्रेष्ठ मॉडल नौकरियों के लिए बहुत कम है। वे सुझाव देते हैं कि वह इसके बजाय 'सेक्सी' छवियों के लिए मुद्राएँ बनाये। एक 14 वर्षीय लड़की का इस प्रकार की तस्वीरें लेना गैरकानूनी है, लेकिन रेचिल स्वयं को बड़ा दिखने के लिए मेक–अप लगा लेती है।

रेचिल भाग जाती है

जब रेचिल 17 साल की हो जाती है, तो वह यह सब अपने घर में रहते हुए नहीं कर सकती। वह कुछ लड़कियों के साथ जर्मनी चली जाती है जिनको उसे जाने हुए कुछ ही दिन हुए हैं। तीन सप्ताह बाद उसका पैसा समाप्त हो जाता है और उसके नए साथी वहां से जा चुके होते हैं। रेचिल सारे शहर में जलपान गृहों में नौकरी करने की कोशिश करती है, लेकिन उसे हर जगह मना कर दिया जाता है। फिर वह एक एसा क्षेत्र खोज लेती है जहां छिपे हुए शराबखाने एवं सेक्स क्लब हैं। एक लाल नीयॉन साइन फ्लैश कर रहा होता है 'लड़कियां, लड़कियां, लड़कियां'। रेचिल सोचती है, ''मैं भी तो एक लड़की हूँ'', और उस अंधेरी इमारत में कुछ सीढ़ियां नीचे चली जाती है। कुछ मिनट बाद, वह फिर वहाँ के लोगों को अपनी आयु अधिक बताती है, और उसे सीधे काम शुरू करने की अनुमती मिल जाती है।

एक डरावना सपना

क्लब में, रेचिल की नौकरी डांस करना और ग्राहकों की गोद में बैठना है, वह शराबी लोग जो उसके वस्त्र खींचा करते हैं। शाम को, वह 'शावर' के नीचे काफी समय बिताती है, वह तब तक स्वयं को रगड़ती रहती है जब तक उसे यह नहीं लगने लगता कि वह अपनी त्वचा की एक परत खोने जा रही है। वह अक्सर आश्चर्य करती है कि वह यहाँ कैसे पहुँची। यह एक दुःस्वप्न की तरह है जो सोने के बाद उठ कर भी खत्म नहीं होता।

प्रेम हो जाता है

रेचिल जर्मनी में एक जेपी नामक आदमी से मिलती है। उसकी बड़ी भूरी आँखें हैं और उसको उससे प्यार हो ज़ाता है। जेपी शुरू में अच्छा लगता है, लेकिन वह उसके सब पैसे ले लिया करता है और उनसे ड्रग्स खरीदा करता है। यदि वह किसी शाम के बाद पर्याप्त कमाई नहीं कर पाती, तो वह उसे पीटता है। कभी–कभी वह बाद में पश्चाताप भी करता है।

''तुमको बस थोड़ी कड़ी मेहनत करने की जरूरत है, और अधिक धन लाओ,'' वह कहता हैं।

रेचिल कों नहीं लगता कि जेपी में कुछ भी अजीब है, कि वह एक तरफ उससे प्यार करता है और दूसरी तरफ वह उसे पीटता है एवं बुरी बातें कहता है। वह अपने घर से इसकी काफी आदि हो चुकी है।

पलायन!

जब जेपी उसे लगभग मार ही डालता है तब जा कर रेचिल एक चर्च से मदद् माँगती है। वह जेपी को और सेक्स क्लब की नौकरी को छोड़ देती है, और एक अमेरिकी परिवार के लिए एयू जोड़ी (एक युवा विदेशी व्यक्ति, विशेष रूप से एक महिला, जो भोजन, कमरे और कुछ पैसे के बदले में घर के काम या चाइल्डकैअर के साथ मदद् करती है) के रूप में काम करना शुरू कर देती है।

एक लंबे समय तक, हर रात, रेचिल को ठंडा पसीना आता है जिसके दौरान वह जागी रहती है, उसे डर लगता है। जेपी ने उसके साथ जो किया है उसकी वजह से उसे दुःस्वप्न आते हैं और उसके सारे शरीर में दर्द होता है। लेकिन अब वह जिस परिवार के साथ काम कर रही है? वह उसे बहुत प्यार देता है और अंत में वह बेहतर महसूस करने लगती है।

रेचिल दूसरों की मदद् करने का निर्णय लेती है और चर्च में शामिल हो जाती है। जब उसे अमेरिका की यात्रा करने और न्यू यॉर्क में काम करने का अवसर मिलता है, उन महिलाओं की मदद् करने का, जो सेक्स बेचने के बजाय एक बेहतर जिन्दगी बिताना चाहती हैं, तो वह तुरन्त उस अवसर को पकड़ लेती है। ⊕

रेचिल की एक एयू जोड़ी के रूप में नौकरी ने उसे स्वस्थ्य होने में मदद् की। आज जब वह अपनी पुनः ठीक होने के बारे में बात करती है, तब वह कहती हैः ''उन्होंने अपने प्यार से मुझे पुनः जीवित कर दिया।''

रेचिल कुछ वापस देती है

न्यू यॉर्क में पहले कुछ दिनों तक, रेचिल सबसे अधिक समय झिलमिलाती गगनचुंबी इमारतों के शीर्षों को घूरते हुए बिताती है। लेकिन उसे जल्द ही इस प्रसिद्ध शहर के एक अंधेरे पहलू का पता चलता है।

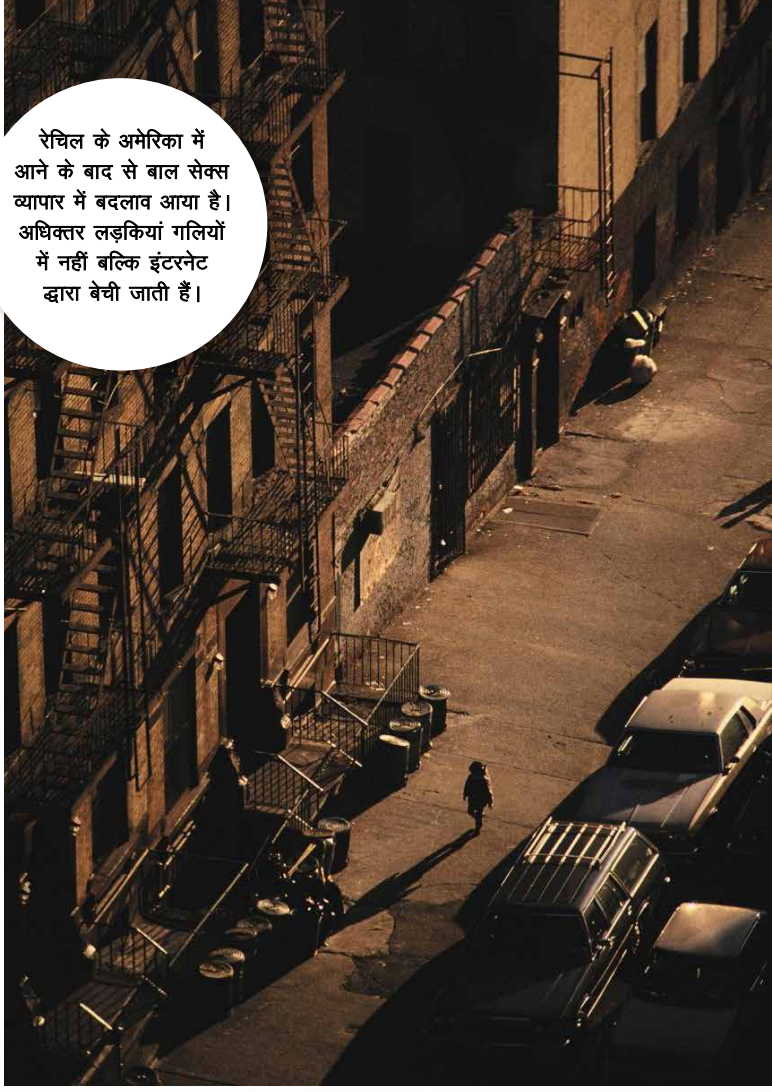

रेचिल के अमेरिका में आने के बाद से बाल सेक्स व्यापार में बदलाव आया है। अधिक्तर लड़कियां गलियों में नहीं बल्कि इंटरनेट द्वारा बेची जाती हैं।

रेचिल की नई नौकरी उसे न्यू यॉर्क ले जाती है। दिन के समय वह आश्रयों एवं जेलों कों देखने जाती है। रात में वह उन सड़कों पर चलती है जहा महिलाएं सेक्स बेचा करती हैं। ''हाय, मैं रेचिल हूँ ... क्या मैं तुमको एक कॉफी या गर्म चॉकलेट पिला सकती हूँ? क्या तुमको किसी मदद् की जरूरत है?''

पहले कोई भी बात नहीं करना चाहता है। दलाल इधर–एधर घूम रहे हैं और अगर वे उनके बीच में पड़ती है तो उनको गुस्सा आ जाता हैं। एक शांत संध्या के समय एसा करना आसान होता है। महिलाएं रेचिल के अंग्रेजी उच्चारण पर हँसते हुए उसे अमेरिकी स्लैंग अभिव्यक्तियाँ पढ़ाती हैं। जैसे कि गली को 'ट्रैक' कहा जाता है, और जो लड़कियां सेक्स व्यापार में अभी शामिल हैं उसे वह 'इन दि लाइफ' अर्थात 'उस ज़िन्दगी में' कहती हैं। जो लोग उनको 'बेचते हैं उन्हें 'पिम्प' अर्थात 'दलाल' कहा जाता है। 'क्लाइंटस्' अर्थात 'ग्राहकों' को 'जॉन्स' कहते हैं। उनमें से ज्यादातर 13 या 14 वर्ष की आयु से 'इन दि लाइफ' में रही हैं। उनमें से लगभग सभी गरीबी में बड़ी हुई हैं, बिना परिवार के समर्थन के। कुछ घर से भाग गईं, सौतेले माता–पिता के घरों में रहती थीं अथवा अपने घरों से बाहर निकाल दी गईं।

''लेकिन हमसे बात मत करो'' एक महिला कहती है, ''कम उम्र वालों को सबसे अधिक मदद् की जरूरत है।''

रेचिल हैरान होती है जब उसको पता चलता है कि गलियों में 12 वर्ष तक की लड़कियाँ हैं। उसें गुस्सा आता है जब उनको पुलिस गिरफ्तार करती है और जेल की सज़ा दी जाती है। ''तुम बच्चे हों!'' वह कहती हैं। ''तुमको मदद् की जरूरत है, सज़ा की नहीं।''

रेचिल को पता चलता है कि न्यू यॉर्क में कानून बच्चों को सेक्स व्यापार से तभी सुरक्षा प्रदान करता हैं जब वे अन्य देशों से अमेरिका में तस्करों द्वारा लाये गये हों। लेकिन वह जिन लड़कियों से मिलती है, उनमें से अधिक्तर का जन्म न्यू यॉर्क में हुआ है और वे वहीं बड़ी हुई हैं।

जैम्स का जन्म होता है

जब रेचिल को पता चलता है कि छोटी लड़कियों की मदद् करने वाला कोई नहीं है, तो वह निर्णय लेती है कि वह इस विषय में कुछ करेगी। अमेरिका जाने के एक साल बाद, वह अपनी नौकरी से इस्तीफा दे देती है और अपनी रसोई की मेज पर केवल 30 डॉलर एवं एक उधार के कंप्यूटर की सहायता अपने स्वयं के संगठन की शुरुआत करती है। वह उसे 'गर्ल्स एड्यूकेशिनल एण्ड मेन्टरिंग सर्वेसिज़' (जैम्स) अर्थात 'लड़कियों की शैक्षिक एवं सलाह सेवा' कहती है। आज, 20 साल बाद, रेचिल को स्वयं यह समझना मुश्किल होता है कि उसने यह सब कैसे किया।

''मुझे बिलकुल भी पता नहीं था कि एक संगठन को कैसे चलाते हैं,'' वह कहती है। ''लेकिन मैंने स्वयं में कुछ करने के लिए मजबूर महसूस किया।''

प्रारम्भ में, रेचिल के पास, एक वंचित पड़ोस में स्थित, अपने छोटे से फ्लैट में, प्यार एवं शरण देने के अतिरिक्त कुछ नहीं था।

''लड़कियां मेरे सोफे पर सोती थीं, मेरे कपड़े उधार लिया करती थीं और मेरे फ्रिज को पूरा खाली कर दिया करती थीं!''

कभी–कभी एक दलाल एक लड़की की तलाश में आया करता था जो उससे बच कर भाग गई थी और उसने हमारा दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। ''लेकिन मैं कभी भी विशेष रूप से डरी नहीं। मैं शायद बहुत बेवकूफ और डरने के लिए अनुभवहीन थी।''

एक लड़की ने मुझसे कहा था कि उसके दलाल ने उसे जैम्स से सचेत किया था।

''वह आदमी कह रहा था कि तुम कोशिश करोगी कि मरी सोच को बदल डालो,'' उसने रेचिल को बताया।

''तुम क्या सोचती हो कि वह ऐसा क्यों कह रहा हैं?'' रेचिल ने पूछा। लड़की ने कुछ देर सोच कर मुस्कुराते हुए कहा:

''शायद इसलिए क्योंकि वह मेरी सोच बदलना चाहता हैं!''

जैम्स लड़कियों के बाल यौन संबंध से बचने में सहायता करते हैं। वे युवा नेता बन जाते हैं और बचे लोगों के रूप में पहचानते हैं, एक ऐसा शब्द जो कुछ ने अपने शरीर पर टैटू है।

रेचिल एवं जैम्स बेसहारा लड़कियों को सुरक्षित आवास प्रदान करके उनकी सहायता करते हैं।

जैम्स शब्द का अंग्रेजी में एक और अर्थ है। रेचिल के लिए, सड़क पर मिलने वाली सभी बिखरी हुई लड़कियां सुंदर 'रत्न' या 'मणि' समान हैं। उन्हें बस थोड़ी मदद् की जरूरत है जिससे वे चमकने लगें और उनके वास्तविक मूल्य का पता चल सके।

जैम्स का ड्रॉप–इन केंद्र सदैव किशोर लड़कियों से भरा रहता है और हर कोई रेचिल द्वारा बनाया गया भोजन पसंद करता है!

प्यार और शिक्षा

जैसे जैम्स विकसित होने लगा एवं अधिक संसाधन उपलब्ध होने से आकर्षित करने लगा, रेचिल ने एक ड्रॉप–इन केंद्र खोल दिया जिसमें आरामदायक सोफे थे तथा खुशहाली से रंगी दीवारों थीं। रेचिल ऐसी जगह चाहती थी जिसमें हर कोई सुरक्षित महसूस करे, जहां निजी चर्चाओं, प्रशिक्षण एवं योग (व्यायाम) करने के लिए कमरे हों, तथा सलाह एवं लाना–और–साझा दावतों जैसी सेवाएं प्रदान करे। उसने उन लड़कियों के लिए सुरक्षित आवास खोला जो विशेष रूप से बेसहारा थीं और कहीं भी नहीं जा सकती थीं जब वे अपने दलाल को छोड़ती।

'सर्वाइवर्स' बन जाती हैं 'लीडर्स'

कई लड़कियाँ, जिनकी जैम्स की शुरुआत में, रेचिल ने सहायता की थी, 'सर्वाइवर्स' (पूर्व में यौन शोषण से पीड़ित) और 'लीडर्स' (नेता अथवा मार्गदर्शक) बन गई हैं जो दूसरों को प्रेरित करती हैं।

''मैंने जैम्स में एक चर्चा समूह शुरू किया, जहाँ हमने सड़क पर ज़िन्दगी से लेकर जातिवाद एवं नारीवाद, कानून एवं राजनीति के बारे में बात की। हमने एक–दूसरे से बहुत कुछ सीखा। अब हम बाल सेक्स व्यापार के विरुद्ध अभियान चलाने के लिए मिल कर काम कर रहे हैं, और हम मूल कारणों को देख रहे हैं। यह गरीबी, जातिवाद, लिंगवाद एवं भेदभाव से निपटने के बारे में है, जो विशेष रूप से अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को प्रभावित करता है। आवास की कमी, स्वास्थ्य देखभाल में असमानता एवं बेरोजगारी जैसे कारक भी पहेली के प्रमुख टुकड़े हैं।''

अध्यक्षों के साथ बैठक

जैम्स की 'सर्वाइवर्स' एवं रेचिल आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करते हैं और परिवर्तन की मांग करते हैं। ''हम विधायकों, राजनीतिज्ञों, राष्ट्रपतियों, कलाकारों एवं फल्मी सितारों से मिलते हैं। और यह लड़कियों की अपनी कहानियां हैं जिनको लोग सुनते हैं, जिनका प्रभाव पड़ता हैं'' रेचिल कहती हैं, ''जिसने स्वयं दोनों व्हाइट हाउस एवं संयुक्त राष्ट्र में भाषण दिये है।''

विशाल संगठन

जैम्स अमेरिका के सबसे बड़ी संगठनों में से एक बन चुका है जो सेक्स व्यापार में फंसी लड़कियों एवं युवा महिलाओं की सहायता करता है। लेकिन रेचिल एक ऐसी दुनिया का सपना देखती है जिसमें लड़कियों को संपत्ति के रूप में नहीं माना जाता हो और लड़कों के समान मूल्यवान समझा जाता हो।

''मैं एक ऐसी दुनिया बनाना चाहती हूँ जिसमें सभी बच्चों को एक सुरक्षित वातावरण में बढ़े होने का अवसर मिले जहाँ वे घर, स्कूल और समाज द्वारा समर्थन मिलने के हकदार हों।''

कई सितारे, जैसे बेयॉन्स, रेचिल एवं जैम्स का समर्थन करते हैं।

रेचिल और जैम्स कैसे काम करते हैं

रेचिल और जैम्स, 12–24 के बीच आयु वर्ग की लड़कियां एवं युवा महिलाएं, जो अमेरिका में बाल यौन व्यापार से पीड़ित रहने के बाद अब उससे बची हैं, को सहारा देने के लिए निम्नलिखित कार्य करते हैं:

- नेतृत्व प्रशिक्षण।
- सलाह, चर्चा समूहों, रचनात्मक गतिविधियां, खेल एवं स्वास्थ्य क्रिआएं।
- शिक्षा से सम्बन्धित सहायता एवं सलाह।
- बेसहारा लड़कियों के लिए सुरक्षित आवास।
- स्वतंत्र रहने में उनकी सहायता करने के लिए मार्गदर्शन।
- निवारक काम।
- जेल की सजाओं से बचने के लिए कानूनी सहायता एवं विकल्प।
- लड़कियों के अधिकारों, न्याय, बच्चों के अनुकूल नियमों एवं प्रणालियों हेतु बाल सेक्स व्यापार के विरुद्ध प्रचार।

शाक्वाना ने अपनी ज़िन्दगी को नियन्त्रण में लिया

शाक्वाना अपनी आँखें खोलती है। वो कहाँ है? उसका सिर भारी हो रहा है और उसका चेहरा तना हुआ और गंद से महक रहा है। उसके सारे शरीर में दर्द हो रहा है। वह अपने चारों ओर सफेद दीवारों को देखती है एवं अपनी कलाई पर बंधे प्लास्टिक के पट्टे को। उसकी बाहों पर अनेकों छाले एवं घाव हैं।

शाक्वाना 15 वर्ष की है जब उसे एक गड्ढे में बेहोश पाया जाता है। उसका ऊपर का ओंट दो में कट गया है और उसका जबड़ा टूट गया है एवं नाक भी। उसके अधिक्तर दाँत गायब हैं। जब एक नर्स उसे एक दर्पण देती है, तो वह अपने टूटे हुए चेहरे को देखती है और सोचती है कि वह कितनी भाग्यशाली है कि जीवित है। अन्तिम बात जो शाक्वाना को याद है कि एक अंधेरी सड़क वह एक कार में घुस रही है।

पीटा और फटकारा गया

जब शाक्वाना छोटी होती है, तो वह नहीं समझ पाती कि उसकी मां क्यों हमेशा उससे क्रोधित होती रहती है और उसे पीटा करती है। ''शायद इसलिए कि मैं कुछ गलत कर रही हूँ?'' वह सोचती है, ''या क्योंकि मैं बदसूरत हूँ?'' उसके भाई–बहन आम तौर पर उसे तंग किया करते हैं क्योंकि वह परिवार में सबसे काली हैं, और उसके छोटे, उलझे बालों की वजह से। यही कारण है कि वह हर रात प्रार्थना करती हैः

''हे भगवान, कृपया करो जिससे मैं सुंदर दिखूँ। कृपया करो कि मेरे बाल लंबे हो जाएँ।''

किसी ने भी शाक्वाना को नहीं समझाया है कि उसकी माँ को गंभीर मानसिक बीमारी है। इसी कारण वह लगभग किसी भी चीज़ से डर जाती है, शोर मचाती है और कभी–कभी हिंसक हो जाती है।

वह लड़का जिसने कहा था कि वह 17 साल का है और शाक्वाना का प्रेमी बनना चाहता था, वह वास्तव में 29 का निकला, उसकी उम्र दुगनी थी। उसने उसे अन्य पुरुषों को सेक्स बेचने के लिए मजबूर किया।

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: JOSEPH RODRIGUEZ

जब शाक्वाना सेक्स बेचना बंद करना चाहती थी, तब उसके दलाल ने उसे नज़रबंद कर दिया और केवल काम पर जाने के लिए ही बाहर जाने देता था।

जब शाक्वाना पांच वर्ष की हाती है तब उसके माता–पिता एक–दूसरे से अलग हा जाते हैं। उसके पिता अमेरिका के दूसरे भाग में रहने चले जाते हैं, जबकि बच्चे अपनी मानसिक रूप से बीमार मां के साथ न्यू यॉर्क में ही रहते हैं।

दूर भेज दिया

उसकी मां अकेले बच्चों की देखभाल नहीं कर सकती। वह शाक्वाना और उसके दो बड़े भाई–बहन को उनके दादा–दादी के पास भेज देती है, जो देश के अन्दर ही 700 किमी दूर रहते हैं। शाक्वाना की अपनी माँ से पूछने की हिम्मत नहीं है कि वे कितने समय तक रहेंगे, लेकिन जब वह स्कूल जाना शुरू करती है, तो वह समझ जाती है कि यह लंबा समय हो सकता है। शाक्वाना चाहती है कि उसकी मां को उस पर गर्व हो, अतः वह कठिन अध्ययन करती है। उसके अच्छे 'ग्रेड' (अंकों की श्रेणी) आते है, जबकि वह अपने सभी अभ्यासों को पूरा करने मे लगभग हमेशा पीछे रहती है। वह कुछ भी गलत करने से बहुत डरती है।

लंबी प्रतीक्षा

कई साल बीत जाते हैं। कभी–कभी उसकी मां कॉल करती है और कहती है कि वह जल्दी आ रही है। फिर शाक्वाना इतनी खुश हो जाती है, वह घर ऊपर से नीचे तक साफ करती है, जिसके बाद वह बाहर घास पर भाग कर उसकी मां के लिए चार पत्ते वाली दूब घास खोजने चली जाती है क्योंकि उसे लगता है कि वे अच्छा भाग्य लाती है। प्रत्येक 10,000 तीन पत्ते वाली दूब घास के लिए केवल एक चार पत्ते वाली दूब घास मिलती है, लेकिन शाक्वाना कभी हार नहीं मानती। वह चार पत्तों वाली दूब घास को खोजने में घंटों बिता देती है। और प्रतीक्षा करती है। क्योंकि उसकी मां नहीं आती, भले ही उसने वचन दिया था।

छह वर्ष बाद, जब उसकी मां पुनः विवाह कर लेती हैं, तब उसे अपने बच्चे वापस चाहिए हैं। वे पूर्वी न्यू यार्क में रहने चले जाते हैं, जो एक निर्धन, हिंसक क्षेत्र है जहाँ सड़कों के चौराहों पर ड्रग्स के सौदागर हैं और भित्ति चित्रों से ढकी इमारतें हैं। शाक्वाना इस बड़े शहर में इतने सारे लोगों एवं शोर की आदि नहीं है, लेकिन वह खुश है कि उसका परिवार फिर से एक साथ हो गया है। यह परिवार एक बड़े भूरे रंग के अपार्टमेंट ब्लॉक में रहता है, उसमें छोटी खिड़कियां हैं, वो अन्य समान भूरे रंग के भवनों से घिरा हुआ है। अपने स्कूल में, पहले दिन, शाक्वाना घर जाने के लिए कुछ परेशान है।

कठिन स्कूल

स्कूल पुराना है और उसमें बहुत अधिक बच्चे भरे हुए हैं। कुछ विद्यार्थी कक्षा में शिक्षक को गाली देते है, तो शिक्षक भी उलटा उनको गाली देता है। शाक्वाना को ऐसा अनुभव कभी नहीं हुआ है।

हाई स्कूल में, शाक्वाना विद्यालय के पढ़ने में सबसे तेज़ बच्चों में से एक है। वह घर पर कुछ सम्मान मिलने की उम्मीद करती है, लेकिन लगता है कि उसकी मां केवल बुरी बातें ही देख पाती है। जब वह उसको नहीं फटकार एवं मार रही होती, तब वह बच्चे की तरह रोती है और सांतवना मांगती है। कभी–कभी शाक्वाना को लगता है कि वह अब और जीवित नहीं रहना चाहती। लेकिन फिर उसकी मां की देखभाल कौन करेगा?

तितलियां

शाक्वाना को अपनी मां से पैसे मांगना अच्छा नहीं लगता, अतः वह एक दुकान में काम करना शुरू कर देती है। पहले विद्यालय के बाद वह सीधे घर चली जाया करती थी, पर अब वह शाम को काम करने के बाद घर जाने के बजाय पड़ोस के क्षेत्र में चली जाती है। वहाँ पर उसे दिन भर से अलग लगता है। वहाँ लोग भरे होते हैं जो संगीत बजा रहे होते हैं और सड़क के किनारे घूम रहे होते हैं। एक लड़का उसे ज़ोर से बुलाता है। ''हैलो खूबसूरत! इधर आओ।''

''शाक्वाना जल्दी से चलती चली जाती है। उसे लड़कों से बात करने की आदत नहीं है। लेकिन जल्द ही वह फिर से उसे दिखता है।

''ए सुनो! क्या हम एक–दूसरे से बोल नहीं सकते?''

लड़का हमेशा एक ही स्थान पर खड़ा मिलता है। वह उसे हर शाम बुलाया करता है जब तक शाक्वाना रुक नहीं जाती।

''तुम सचमुच सुंदर हो!'' वह कहता है। ''कितने साल की हो? मैं 17 का हूँ।''

''मैं 15 की हूँ,'' शाक्वाना जवाब देती है, हालांकि वह वास्तव में केवल 14

है। वह बच्ची नहीं दिखना चाहती। वे फोन नंबरों का आदान–प्रदान करते हैं और वह अपने पेट में तितलियां लेकर (एक मुहावरा जिसका अर्थ है बेहद प्रसन्न होना) घर जाती है। किसी ने पहले कभी उसे सुंदर नहीं कहा है। शाक्वाना और लड़का हर दिन मिलना शुरू कर देते हैं। यह एक बिलकुल नई तरह की भावना है, किसी से सब कुछ के बारे में बात करना। वह कहता है कि वह हमेशा उसकी देखभाल रेखेगा।

''क्या तुम आज स्कूल जाना छोड़ नहीं सकती? मैंझे तुम्हारी बहुत याद आती है,'' वह कभी–कभी कहता है। पहले किसी ने शाक्वाना को इतना नहीं पूछा है। वह अपनी कक्षाओं को छोड़ कर उसके साथ भागना शुरू कर देती है और उसके शिक्षक चिंतित एवे निराश होने लगते हैं। उनके श्रेष्ठ छात्र को क्या गया है?

दबाव

एक शाम, लड़का शाक्वाना से सेक्स संबंध बनाना चाहता है, लेकिन वह मना कर देती हैं। उसकी मां, जो बहुत धार्मिक है, ने उसे बता रखा है कि शादी से पहले सेक्स पाप है। लड़का निराश लगता है।

''यदि तुम सचमुच मुझे चाहती हो, तो तुम मेरे साथ रहना चाहोगी,'' वह कहता है।

वह रोज़ इसके बारे में कहता है और अंत में, शाक्वाना मान जाती है। वह सोचती है कि आखिरकार वे हमेशा के लिए एक साथ होने जा रहे हैं। लेकिन बाद में, लड़का उससे बात करना बंद कर देता है। जब वे सड़क पर मिलते हैं, तो वह उसकी बिलकुल भी परवाह नहीं करता।

शाक्वाना इतनी दुखी हो जाती है कि वह न खाना खाती है और न सोती है। उसके दिमाग में चारों ओर विचार घूमा करते हैं। उसने क्या गलत किया? अब वह उसे पसंद क्यों नहीं करता? इसके बारे में बात करने के लिए उसके पास कोई मित्र नहीं है। उसके पास अपनी मां या भाई–बहन से बात करने का विकल्प नहीं है। वह उसके घर जाती है। वह उसके सामने रोती है, उससे बिनती करती है और गिड़गिड़ाती है, लेकिन वह उसे केवल भावनाहीन नज़रों से देखता है।

''मेरे पास छोटी लड़कियों के लिए कोई समय नहीं है। मैं एक बड़ा आदमी हूँ।''

शाक्वाना को अब पता चलता है कि स्वयं की तरह, उसने अपनी आयु झूठी बताई है। वह 17 का नहीं है, बल्कि 29 का है, उसकी आयु का दुगना।

''मैं एक दलाल हूँ,'' वह कहता है। ''यदि तुम मेरे साथ रहना चाहती हो तो तुमको मेरे लिए काम करना होगा।''

शाक्वाना को पता नहीं है कि एक दलाल क्या करता है, लेकिन वह बेताब है।

''मैं कुछ भी करूँगी।'' वह कहती है, ''बस मुझे अपने साथ रख लो।''

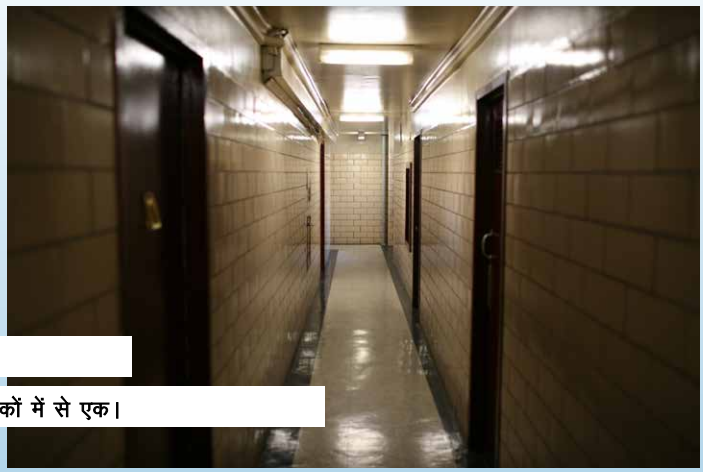

शाक्वाना पूर्वी न्यू यॉर्क में बड़ी हुई,

शहर के सबसे गरीब एवं खतरनाक इलाकों में से एक।

पुरुषों को बेच दिया

सब कुछ जल्दी से होने लगता है, क्योंकि दलाल की पहले से यही योजना थी जब उसने शाक्वाना को देखा था। वह उसे ऊँची एड़ी के जूते और छोटे, तंग कपड़े देता है। वह बताता हैं कि उसकी नौकरी का मतलब है कि उसे पैसे के लिए अन्य पुरुषों के साथ जाना होगा। शाक्वाना की समझ में नहीं आता। वह रोने लगती है पर दलाल उससे नाराज़ हो जाता है।

''अगर तुम मुझे चाहती हो, तो तुम मेरे लिए कुछ भी करोगी,'' वह कहता है।

तब से, शाक्वाना केवल चुपचाप रोया करती है, जब दलाल सो जाता है।

''मैं दुनिया में एक्लौती 14 वर्षीय लड़की हूँगी जो यह काम कर रही है,'' वह सोचती है।

शुरु में, दलाल विभिन्न पुरुषों के लिए अलग–अलग तिथियां नियुक्त करता है। लेकिन कुछ समय बाद उसे अन्य लड़कियों के साथ सड़क पर खडा होना पड़ता है। वे इसे 'ट्रैक पर कार्य करना' कहती हैं। सड़क पर धीरे–धीरे चल रहे कारों का एक प्रवाह है। शाक्वाना मुस्कुराने और हाथ हिलाने की कोशिश करती है, क्योंकि उसका दलाल सदैव पास में, देखता रहता है। जब कोई कार रुकती है, तो शाक्वाना को पुरुष चालक से पूछना होता है कि वह क्या चाहता है। कुछ ग्राहक पूछते हैं कि वह कितनी बड़ी है। वह कहती है जो दलाल ने उसे कहना के लिए कहा है।

''19।''

कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए, शाक्वाना ने 14 साल की उम्र में इस तरह की दुकान में काम करना शुरू कर दिया। शाम को जब वह घर वापस लौट रही थी, तब उसे वह लड़का मिला जो बाद में उसका दलाल बना।

''नहीं, तुम गलत बता रही हो! तुम 13 की लगती हो,'' कुछ लोग कहते हैं। लेकिन वे फिर भी उसे खरीद लेते हैं।

सज़ा

एक रात, शाक्वाना को पुलिस गिरफ्तार कर लेती है। न्यू यॉर्क में सेक्स बेचना अवैध है। इसके अतिरिक्त, 15 वर्ष से कम आयु की किसी भी लड़की के साथ सेक्स करना अपराध है। उसे स्वतः बलात्कार मान लिया जाता है। लेकिन शाक्वाना जैसी लड़कियों पर कानून लागू नहीं होता। उसे एक किशोर हिरासत केन्द्र में भेज दिया जाता है, जो बच्चों की जेल है। उससे कोई नहीं पूछता कि उसे किसने बेचा था, या उन लोगों के बारे में जिन्होंने उसका बलात्कार किया था।

जेल में, हर कोई, दोनो गार्ड एवं लड़कियों, उन लड़कियों को गिरी नज़र से देखते हैं जिनको चोरी या हमले जैसे अपराधों के दोषी है। वे कहते हैं कि शाक्वाना को स्वयं को इतना नीचे गिरने देने के लिए शर्म आनी चाहिए। उसके बाल बड़े झुंडों में गिरने लगते हैं।

जैम्स का आगंतुक

कुछ महीनों बाद, शाक्वाना से 'जैम्स' नामक संगठन की हैले नामक युवा महिला मिलने आती है। वह किशोर हिरासत केन्द्रों में जाकर उन लड़कियों की तलाश करती है जो व्यापारिक यौन शोषण से पीड़ित रही हैं।

''तुमको क्या हुआ है? तुमको किसने बेचा? तुमको कैसा लग रहा हैं?'' किसी वयस्क ने उससे पहले कभी इस प्रकार के प्रश्न नहीं किए हैं, उन्होंने केवल उसका मूल्यांकन किया है। हैले का कहना है कि शाक्वाना ने कुछ गलत नहीं किया है।

''तुम एक पीड़ित हो, एक बच्ची जिसको सहारे की ज़रूरत है।''

शाक्वाना को जेल की संज़ा पूरी होने में अभी छः महीने बचे हैं, लेकिन हैली बताती है कि उसे पहले रिहा किया जा सकता है, यदि वह जैम्स के पास आती है और सहायता स्वीकार कर लेती है।

जल्द रिहा

मां शाक्वाना को घर वापस ले जाती हैं और वह फिर से स्कूल जाना शुरू कर देती है। यह कठिन है, वह सबसे अलग महसूस करती है। क्या होगा यदि किसी को पता चला कि वह कहाँ रही है?

स्कूल के बाद हर रोज़ जैम्स जाने से राहत मिलती है, क्योंकि वहाँ वह अन्य लड़कियों से मिलती है जिनके वैसे ही अनुभव हुए है। वह रेचिल को जान जाती है, जिसने जैम्स की शुरुआत की थी, और कभी भी रेचिल के चर्चा समूह में जाना नहीं छोड़ती। सप्ताह में एक बार, शाम को, रेचिल लड़कियों से मिलती है, वे कहानियां साझा करती हैं, रोते हैं, हंसती हैं और एक–दूसरे को सहारा देती हैं।

रेचिल कहती है, ''तुम पीड़ित हो, लेकिन तुम अपनी परिस्थति से संर्धष कर के स्वयं को बचा सकती हो, एक अच्छी जिन्दगी बिता सकती हो।''

शाक्वाना कों विश्वास नहीं होता कि रेचिल, जो काफी शक्तिशाली एवं व्यवसायी लगती है, को भी 'इन दी लाइफ' का अनुभव है। यह उसको आशा देता है। लेकिन यह उम्मीद लंबे समय तक नहीं रहती।

बेघर

शाक्वाना के भाई–बहन हमेशा उसे बड़ा मानते रहे हैं, लेकिन अब वे उसे गंदा, तुच्छ, एक बुरी लड़की मानते हैं। लेकिन उसकी मां सबसे अधिक फटकारती है।

''रंडी! तुम कुछ नहीं कर पाओगी। तुम वापस सड़क पर लौट जाओगी! शायद उसका परिवार सही कह रहा है और रेचिल गलत है, शाक्वाना सोचती है। वह अंदर से बिखरा हुआ महसूस करती है।

शायद वह ठीक नहीं की जा सकती? एक शाम वह घर देर से आती है और उसकी मां उसे बाहर फेंक देती है।

''फिर कभी वापस मत आना,'' वह चिल्लाती है, दरवाजा बंद करते हुए!''

शाक्वाना रात के मध्य में सड़क पर अकेले रह जाती है। वह शर्मिंदा है और किसी से मदद नहीं लेना चाहती, जैम्स तक से नहीं। उसे जीवित रहने का केवल एक ही तरीका मालूम है': एक दलाल ढूंढो जो उसे अपने सिर पर छत दे और सेक्स के वनिमय में भोजन दे।

खतरनाक कार्य

शाक्वाना के नए दलाल के पास बहुत सारी लड़कियां हैं और वह उन्हें ड्रग्स एवं सेक्स बेचने के लिए मजबूर करता है। वह उन्हें ताले में बंद रखता है और उन्हें केवल काम करने के लिए ही बाहर जाने की अनुमति देता है।

एक शाम, पुरुषों का एक गिरोह शाक्वाना का अपहरण कर लेता है और घंटों उससे दुर्व्यवहार करता हैं। लेकिन वह पुलिस के पास नहीं जाती क्योंकि वह जेल में पुनः जाने से डरती है। उसका दलाल गुस्सा हो जाता है क्योंकि वह बिना किसी पैसे के देर से घर आती है।

शाक्वाना उन लड़कियों के साथ कार्यशालाएं एवं बैठकें आयोजित करती है, जो उससे प्रेरित हैं। वह स्वयं इसका जीता–जागता प्रमाण है कि लड़कियां अपने जीवन को नियंत्रण में ले सकती हैं।

Shaquana

रहती हूँ: न्यू यॉर्क शहर में।
व्यस्त रहती हूँ: विश्वविद्यालय में अध्ययन करने एवं जैम्स के लिए काम करने में।
प्यार करती हूँ: मेरा पिल्ला 'चेरी' से।
नहीं चाहती: मानव तस्करी, व्यापारिक यौन शोषण, जातिवाद।
भरोसा करती हूँ: रेचिल एवं मेरे जैम्स परिवार के अन्य सदस्य।
बनना चाहती हूँ: एक सामाजिक कार्यकर्ता तथा अन्य लड़कियों के लिए एक आदर्श मॉडल।

एक बरसात की शाम, वह शाक्वाना को बाहर सड़क पर भेज देता है: ''500 डॉलर से कम लेकर वापस मत आना,'' वह कहता है।
सड़क खाली है। शाक्वाना एक सड़क की लाइट के नीचे प्रतीक्षा करती है। वह डरी हुई है, क्योंकि वह जानती है कि इस तरह की रात में 500 डॉलर कमाना असंभव है। एक कार आती है, लेकिन वह आदमी सेक्स नहीं खरीदना चाहता। वह एक दलाल है। वे कहता है, ''आओ, मेरे लिए काम करो''। शाक्वाना, जो अपने घर जाने की हिम्मत नहीं कर सकती, कार में बैठ जाती है।
वे अंधेरे में, लंबे समय तक चलते रहते हैं और अपने प्रदेश की सीमा पार कर, दूसरे प्रदेश में चले जाते हैं।

अस्पताल में उठती है

कुछ दिनों बाद, शाक्वाना अस्पताल में टूट हुई एवं खून लगी हुई उठती है। आखिरी बात जो उसे याद है वह यह है कि नया दलाल उसे सड़कों पर काम पर जाने के लिए ज़बदस्ती भेज रहा है। और वह चुपचाप मना रही है कि कोई ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जिससे वह वापस अपने घर जा सके। एक कार रुकी और वह उसके अंदर घुसी। उसके बाद उसके सामने अंधेरा छा गया।

स्नातक

शाक्वाना धीरे–धीरे स्वस्थ होती है और वापस जैम्स चली जाती है, जो उसे आवास एवं स्कूल जाने में मदद करता हैं। तीन साल बाद और वह एक सफेद गाउन एवं टोपी में मंच पर खड़ी हैं। उसके जैम्स के मित्र, उसका चिकित्सक, उसकी मां और एक बहन उसके श्रोतागण में हैं।
प्रधानाचार्य कहती है:
''और अब ... स्नातक हो रही वरिष्ठ एवं कक्षा से विदा होने वाली: शाक्वाना!''
रेचिल एवं अन्य लोग अपनी सीटों से उठ जाते हैं, उसकी जयजयकार करते हैं और ज़ोर से ताली बजाते है। अपने भाषण में, शाक्वाना स्वयं की तुलना एक कमल के फूल से करती है। ''कमल के फूल मटीले जल में बढ़े होते हैं और फिर सतह से ऊपर

मैनहट्टन में स्कूल जाने के लिए मेट्रो लेना। शाक्वाना एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए अध्ययन कर रही है।

उसका पिल्ला 'चेरी' शाक्वाना का सबसे अच्छा दोस्त है!

शाक्वाना ने सभी प्रकार के लोगों के सामने भाषण दिये हैं, राजनेताओं से फिल्मी सितारों तक तथा उनको सेक्स व्यापार के विरुद्ध अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया।

निकल कर असाधरण सुन्दरता से खिलते हैं।''

मैं सांस ले सकती हूँ

शाक्वाना अब 26 की है। स्नातक होने के बाद, सब कुछ शुरू में महान लगा। उसने कॉलेज शुरू किया और जैम्स का नेतृत्व वाला पाठ्यक्रम लिया। लेकिन कुछ था जो सही नहीं लग रहा था।

''मुझ में कोई उर्जा नहीं थीं। मैं हमेशा थकी रहती थी,''शाक्वाना स्मरण करती है। ''डॉक्टरों ने मुझमें कुछ भी गलत नहीं पाया, जब तक मैंने एक मनोचिकित्सक को नहीं दिखाया जिसने बताया कि मैं 'पोस्ट–ट्रॉमाटिक स्ट्रेस डिसआर्डर' (पी.टी.एस.डी.) से पीड़ित थी।''

पी.टी.एस.डी. उन लोगों को प्रभावित करता है जो इतने भयानक अनुभवों से गुजर चुके हैं कि वे उनके शरीर में ही पड़े रह जाते हैं। शाक्वाना का उपचार किया जाता है, और वह धीरे धीरे लेकिन निश्चित रूप से, पहले से बेहतर महसूस करने लगती है।

''मैं कभी नहीं भूलूँगी जब मैने पहली बार महसूस किया: ''मैं साँस ले सकती हूँ!''

अब शाक्वाना विश्वविद्यालय में है और जैम्स में बाहरी गतिविधियों की कार्यकर्ता है। वह आश्रयों, स्कूलों, समूह गृहों एवं किशोर हिरासत केंद्रों में जाती है और लड़कियों को अपने जीवन के बारे में बताती है, बाल सेक्स व्यापार एवं जैम्स के बारे में।

''मैं दूसरों की मदद करना चाहती हूँ क्योंकि मुझे पता नहीं कि आज मैं कहाँ होती यदि रेचिल और जैम्स ने मेरी सहायता न कीं होती'' शाक्वाना कहती हैं। ''जब तुम 'इस ज़िन्दगी में' होते हो, तो तुम बहुत अलग एवं अकेला महसूस करते हो। तुम सोचते हो कि कोई और के लिए यह समझना मुश्किल होगा कि तुम पर क्या बीत रही है। लेकिन रेचिल समझ गई, क्योंकि वह स्वयं इसका अनुभव कर चुकी है। यह तथ्य कि वह जीवित रहने में सफल रही और सेक्स व्यापार के विरुद्ध अभियान चलाती रही ने मुझे शक्ति एवं आशा दी। अब मेरी बारी है। मैं स्वयं अन्य लड़कियों के लिए इसका जीता–जागता प्रमाण हूँ कि हम अपने जीवन को नियंत्रण में ले सकते हैं।''

जब शाक्वाना अपने हाईस्कूल स्नातक दिवस पर भाषण दे रही थी, तब उसने अपने सहपाठियों के साथ भविष्य के लिए दस सुझाव साझा करके उसे समाप्त किया।

शाक्वाना के जीवन के पाठ

- सदैव स्वयं का सम्मान करो!
- कभी किसी को नीचे मत देखो।
- जब तुम्हारा जीवन अच्छी तरह से चलने लगो, तब अपनी अब तक की जीवन यात्रा को याद रखो।
- अपने आस–पास के लोगों को जानो।
- कभी यह कबूलने से मत डरो जब तुम गलत हो।
- हर दिन एसे जीयो जैसे मानो वह तुम्हारी जिन्दगी का आखिरी दिन हो।
- अपने से पहले के महान लोगों को श्रद्धांजलि दो।
- किसी से मदद लेने में मत डरो।
- जब भी तुम 'गिर जाओ' तो फिर से 'उठना' भी जानो।
- याद रखो कि तुम सबसे श्रेष्ठ हो!

युवा लोगों के लिए सुरक्षित बंदरगाह

जैम्स की लड़कियाँ रेचिल के साथ मिलकर बच्चों के अनुकूल कानूनों के लिए लड़ रही हैं।

जब रेचिल ने न्यू यॉर्क के अनुचित कानूनों के विरुद्ध लड़ाई शुरू की, तब उसने उन लड़कियों से मदद के लिए कहा जो उनके द्वारा प्रभावित हुई थीं।

एक शाम, रेचिल निकी को देखती है, जो उसके भाषण लिखने के बीच में हैं। वह जानती है कि निकी के एक बड़ा, खुरखुरा निशान है जो उसके दाहिनी जांघ की लगभग सारी लम्बाई तक जाता है, जब से एक दलाल ने उसे चाकू से मारा था। और यह कि निकी 13 वर्ष की आयु से अनेकों बार वयस्कों के जेल में बंद की जा चुकी है।

कल, रेचिल, निकी एवं कुछ अन्य लड़कियां, एलबैनी की यात्रा करेंगी, जो कि न्यू यॉर्क प्रदेश की राजनीतिक राजधानी है। यही वह जगह है जहाँ कानून लिखे जाते हैं और स्वीकृत किये जाते हैं। यह पहली बार है कि पूर्व में बाल सेक्स व्यापार से पीड़ित रही युवा लड़कियों की आवाज़ें उन प्रशासनिक शक्ति वाले लोगों द्वारा सुनी जाएंगी जो लोग निर्णय लेते हैं।

जैम्स और लड़कियां यह मांग कर रहे हैं कि अमेरिकी बच्चों को वही सुरक्षा प्रदान की जाय जो अन्य देशों से अमेरिका में लाये गये बच्चो को मिल रही है, जिनको बाल सेक्स व्यवहार में इस्तेमाल किया जाता है। वे चाहते हैं कि उनको दोषी ठहराए जाने एवं कठोर सजाएं पाने के बजाय वे सहायता एवं सहारा मिलने के हकदार हों।

लेकिन न्यू यॉर्क में, किसी नए कानून के विरोधी लड़कियों को बच्चों की तरह नहीं समझते। एक राजनीतिज्ञ के अनुसार, "वे युवा, सड़कों पर बसने वाले वयस्क हैं, जो नियमों का पालन नहीं कर सकते और न ही अधिकारियों की बात मानते हैं।"

इन लड़कियों ने कम आयु में ही दलाल के नियमों का पालन करना सीख लिया था। यदि राजनेता केवल यह देखते कि निकी एवं अन्य लोग वयस्कों को कितनी अच्छी तरह से सुनते हैं, तो शायद वे ऐसी मज़ाक उड़ाने वाली बात न कहतें," रेचिल सोचती है।

आँसू बहने लगते हैं

जब लड़कियां एक सुनसान सम्मेलन कक्ष में अपने भाषण देती हैं, तो लोगों के सूँ–सूँ करने की आवाज के अलावा पूर्णतया मौन होता है। लगभग हर कोई रो रहा होता है। शाक्वाना, उनसे बच्चों की ख़ातिर, कानून बदलने के लिए आग्रह करके अपना भाषण समाप्त करती है। एक बूढ़ा आदमी अपने आँसू पोंछता है और कहता है:

"मैं तुम सब की सराहना की जानी चाहिए। मैं तुमको वचन देता हूँ कि इस कानून को पारित करने के लिए, मुझे जो कुछ भी करना पड़ेगा, वो मैं करुँगा।"

लंबी प्रतीक्षा

नए कानून को 2010 में, न्यू यार्क में, साढ़े चार साल बाद मंजूरी मिल पाती हैं। इसे "दी सेफ हार्बर फॉर ऐक्सप्लाइटेड चिल्ड्रेन एक्ट' कहा जाता है, और यह पूरे अमेरिका में अपनी तरह का पहला कानून था। इसके बाद कई अन्य राज्यों ने भी इसी तरह के स्वयं के कानून बनाए है।

"अब बस हमें यह सुनिश्चित करना है कि सभी लड़कियों को वास्तव में वह समर्थन मिले जिसकी वह हकदार हैं," रेचिल कहती है।

स्पष्ट रूप से बोलो!

"जब हम कानून में बदलाव के लिए लड़ रहे थे, तब हम सही शब्दों का उपयोग करके अभ्यास किया करते थे, यद्यपि वो कभी–कभी टेढ़े होते थे," शाक्वाना बताती है। "बहुत से लोग हम लड़कियों को गिरा हुआ देखते हैं और हमें बेकार महसूस करने वाली भाषा का प्रयोग करते हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम ऐसी भाषा, शब्द और अभिव्यक्ति का उपयोग करें जो हमें एवं दूसरों को समझने में सक्षम बनाए जो हम पर क्या गुजरी हैं, और यह दुनिया भर में, दूसरों के साथ भी हो रहा है।"

बच्चों का 'कामर्शियल सैक्सुअल एक्सप्लाइटेशन' (सी.एस.ई.सी.) अर्थात व्यापारिक यौन शोषण क्या है?

सी.एस.ई.सी. अर्थात व्यापारिक यौन शोषण तब होता है जब 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे का अपहरण कर, बेच कर या फंसा कर सेक्स कर लिया जाता है अथवा पैसे, भोजन, ड्रग्स या सोने के लिए जगह देने के बदले में सेक्स का विनिमय किया जाता है। हममें से कुछ ने महसूस किया है कि जीवित रहने के लिए पैसा या भोजन के बदले में सेक्स हमारा एक–मात्र तरीका है। लेकिन एक ऐसी दुनिया जिसमें हमें अपनी इच्छा के विरुद्ध सेक्स बेचना पड़े जिससे हमें भोजन मिले या हमारे सिर पर एक छत हो, ठीक नहीं है।

इन शब्दों का क्या अर्थ है?

'कामर्शियल' या 'व्यापारिक' का अर्थ है खरीदने और बेचने, जैसे एक दुकान में। यह कि हम बच्चों को सामान की तरह समझा जाता है जिसकी कोई विज्ञापित करता है और बेचता है।

'सैक्सुअल' या 'यौन' का अर्थ है कि सेक्स से सम्बन्धित कुछ करना: यह सेक्स करने से लेकर यौन स्थितियों में फिल्माया जाने तक कुछ भी हो सकता है।

'एक्सप्लाइटेशन' या 'शोषण' वहाँ होता है जहाँ कोई व्यक्ति जिसके पास शक्ति हो, उदाहरण के लिए, कोई वयस्क जिसके पास पैसा हो, वह किसी शक्तिहीन जने का लाभ उठाये, जैसे कोई गरीबी में रहने वाली लड़की।

आखिर घर में

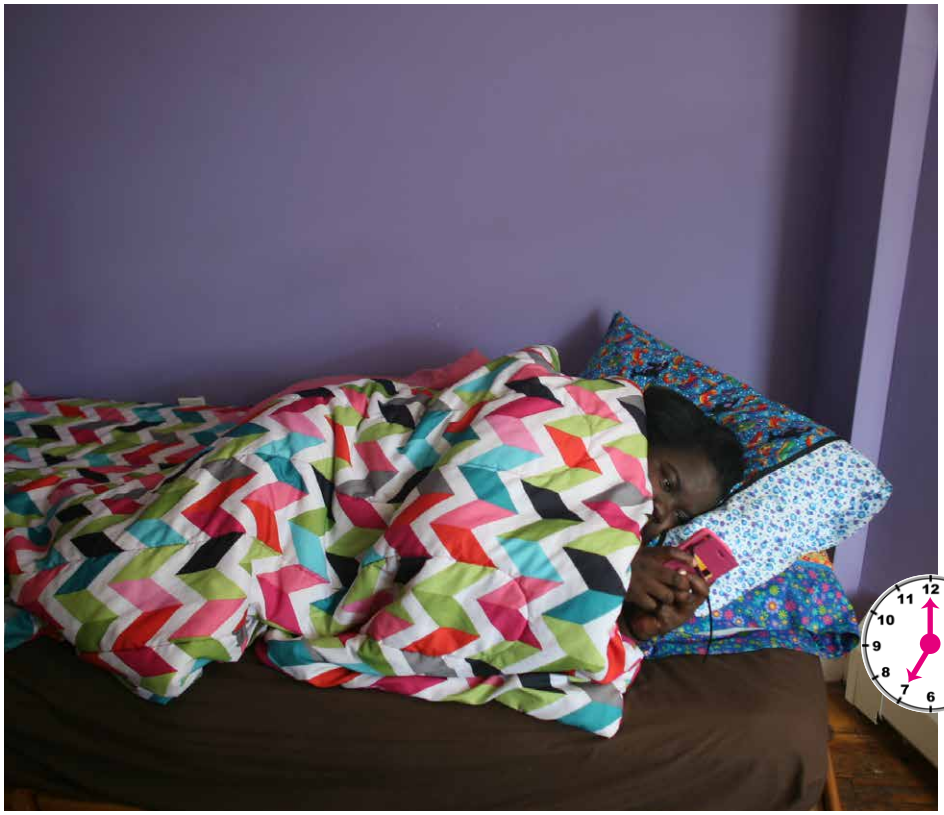

''जब मैं जैम्स के सुरक्षा गृह में अपने कमरे में पहली बार जाग कर उठी, तो मुझे अलग सा महसूस हुआ। ''यह सच नहीं हो सकता'', मैं सोच रही थी, क्योंकि मुझे इतना सुरक्षित महसूस हुआ।

जिनजर जमैका में पैदा हुई। ''मेरी मां की मृत्यु हो गई जब मैं तीन वर्ष की थी और मुझे मेरी धर्म–मां ने रख लिया। मुझे अपने सभी मित्रों के साथ सूर्य में खेलना प्रिय था। मैं सोचती थी कि मैं सोने की तरह मूल्यवान हूँ।''

अमेरिका में नया जीवन

''मैं अमेरिका में 12 साल की आयु में आई और मेरी चाची ने मुझे गोद ले लिया। यह बहुत ही उत्साह से भरा अनुभव था, लेकिन मुझे वह सब कुछ छोड़ना कठिन लगा जिसकी मुझे आदत थी।''

जिनजर को स्कूल में श्रेष्ठ ग्रेड मिले, पर उसे तंग किया जाता था।

''एक लड़की ने मेरे बाल काट दिये! लेकिन सबसे बुरी बात यह थी कि मुझे गोद लेने वाली मां ने मुझे पीटा। उसके लिए उसके हाथ मे जो कुछ भी आता, जूता या बेल्ट, वह इस्तेमाल करती, और कहती: ''मैं तुमको वापस जमैका भेज दूँगी''। अंत में मैंने एक सलाहकार को बताया। हर कोई परिवार में मुझसे गुस्सा हो गया और मुझसे बात करना बंद कर दिया।''

जिनजर अपने दोस्तों के साथ एक संकटकालीन आश्रय में रहती थी, पर अन्त में उसने फिर से अपने परिवार के साथ रहने का प्रयास किया।

''मुझे गोद लेने वाली मां नहीं चाहती थी कि मैं वहाँ रहूँ। उसने पुलिस को बुलाया और उनको बताया कि मुझमें आत्महत्या करने की मानसिकता उत्पन्न हो रही है अतः वे मुझे आकर ले जाएं। वो मुझे अस्पताल ले गए और मुझे दो सप्ताह तक एक बंद कमरे में रखा, जबकि मैं उनसे कहती रही कि मैं निश्चित ही जीना चाहती हूँ। जब मैं बाहर आई, तब मुझे गोद लेने वाली मां ने मुझे घर में वापस लेने से इनकार कर दिया। यह सुन कर मैं बिखर गई।''

सेक्स के लिए आवास

जिनजर ने एक विज्ञापन डाल कर कहा कि उसे सोने के लिए जगह चाहिए, और उसे बिना अधिक प्रतीक्षा किए उत्तर मिल गया।

''एक 40 वर्षीय पुरुष आकर मुझे ले गया। उसने मुझसे कहीं रहने का प्रबन्ध, भोजन एवं वस्त्र, तथा स्कूल जाने में मेरी मदद करने का वादा किया। इसके बदले में, वह सेक्स चाहता था। मुझे लगा कि मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। एक महीने बाद, वह चाहता था कि मैं उसके दोस्तों के साथ सेक्स करूँ। मैं ऐसा नहीं कर सकी। एक सुबह मैं बहुत जल्दी उठ गई और बाहर निकल आई। उसने मुझे ढूढने ने की कोशिश की, लेकिन मैं छिप कर भागने में कामयाब रही। यदि मैं जैम्स के सुरक्षा गृह में नहीं गई होती, तो मुझे पता नहीं कि आज मैं कहाँ होती।''🌐

Ginger

रहती है: जैम्स के सुरक्षित घर में
पसंद है: संगीत। मेरे छोटे धर्म–बेटों का साथ।
गुस्सा दिलाता है: झूठ बोलना और गपशप करना।
उदास होती है: जब मुझे अकेला लगता है।
बनना चाहती है: एक दाई।
आदर्श मानती है: रेचिल।

07.00 गुड मार्निंग

''मैं जागती हूँ और अपने फोन के साथ सो जाती हूँ! मैं इस पर सब कुछ करती हूँ: दोस्तों से बात करना, समाचार पढ़ना, फिल्में देखना, संगीत सुनना और खेल खेलना।''

07.30 मिलकर नाश्ता

''हमारे पास एक साझा रसोई है जहाँ हम नाश्ता बना सकते हैं, उसे खा सकते हैं और अपने प्रबंधक से बात कर सकते हैं। ऐसा मुझे गोद लेने वाला परिवार में नहीं था। वो एसे रहा करते थे जैसे मानो मैं वहाँ थी ही नहीं।''

08.00 भविष्य के लिए सपने

''मुझे अपना कमरा पसंद है। मैंने चित्र और एक पोस्टर प्रस्तुत किया है जो मैंने जैम्स में बनाया था, इस बारे में कि मैं क्यों पैसे बचाना चाहती हूँ, क्योंकि मैं चाहता हूँ:
– जमैका में अपने घर जाने के लिए।
– अपना स्वयं का फ्लैट पाने के लिए।
– एक दिन देखभाल केन्द्र खोलने के लिए, क्योंकि मैं बच्चों से प्यार करती हूँ।
– बालों का सैलून खोलने के लिये।''

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: JOSEPH RODRIGUEZ

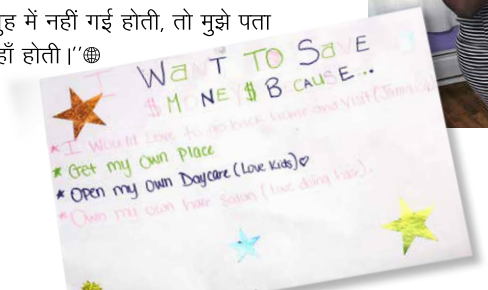

07.30 बाल को स्टाइल करना

''मैं बाल की स्टाइल बनाने में अच्छी हूँ और मैं अक्सर अन्य लड़कियों के बाल ठीक किया करती हूँ, प्लेट्स से लेकर कर्लिंग एवं बाल सीधे करना।''

08.45 जल्दी से सफाई

''घर में हर कोई सफाई करने में मदद करता है। हमारे पास एक कार्य–सूची है जिसके अनुसार हमें प्रतिदिन के कार्य करने हैं!''

जिन्जर और उसके दोस्त जैम्स में एक दूसरे के बालों को स्टाइल करते हैं!

''हमारे भवन पर कोई संकेत नहीं है और हमें अपना पता एकदम गुप्त रखना होता है। यह सबकी सुरक्षा के लिए है, क्योंकि यदि जिस व्यक्ति के साथ आप थे, वह एकाएक आ जाता है और कुछ पागलपने की हरकत कर बैठता है ता हम सबका क्या होगा।

09.00 बाहर जाने का समय!

''केवल एक बात जो मुझे पसंद नहीं आती, वह यह है कि हमें प्रातः नौ बजे तक अपने गृह से बाहर जाना होना हाता है और हम शाम होने के शूरू तक वापस नहीं आ सकते हैं। लेकिन मैं व्यस्त रहती हूँ! पढ़ना, काम करना और जैम्स अवश्य जाना।''

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: JOSEPH RODRIGUEZ

10.30 जैम्स में पूरी शक्ति के साथ

''मुझे जैम्म प्रिय है! मैंने यहाँ इतने सारे नए मित्र बनाए हैं, हम एक–दूसरे को समझते हैं। स्कूल के समय, मैं केवल दोपहर में ही आती हूँ, लेकिन अब छुट्टियां है और हम वार्षिक 'बाल सेक्स व्यापार रोको सप्ताह' का जश्न मना रहे हैं। हमारे यहाँ प्रतिदिन कार्यशालाएं एवं मजेदार गतिविधियां होती हैं। इनमें मेरा सर्वप्रिय कार्य, एक समूह है जिसमें हम राजनीति एवं वर्तमान घटनाओं के बारे में हम बात करते हैं।

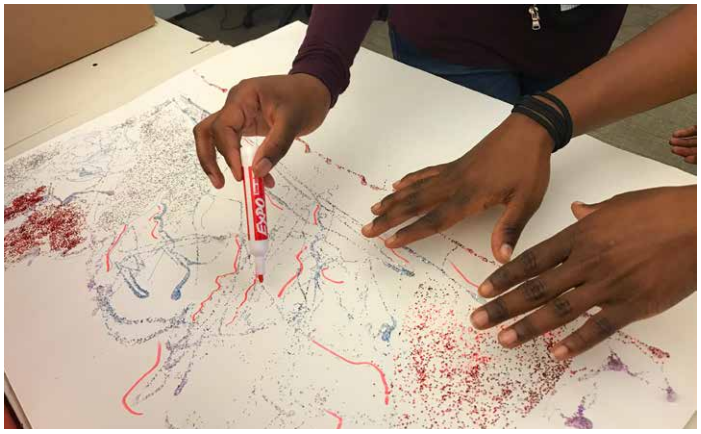

''रेचिल एक ऐसी व्यक्ति है जिस पर तुम भरोसा कर सकते हो। तुम किसी भी समय उससे बात कर सकते हो। पिछली रात, वह मध्य रात्रि में सुरक्षा गृह आई थी और प्रातः काल तक हमारे साथ रुकी, क्योंकि एक लड़की बुरे समय से गुज़र रही थी। रेचिल मेरी एक अच्छी दोस्त की तरह है, और वह संसाधन–सम्पन्न है। और वह एक महान बाबर्ची भी है!''

20.00 शाम की गपशप

''जब भी मैं दुखी होती हूँ या मुझे अकेलापन महसूस होती है, तो सुरक्षा गृह प्रबंधक मुझे सुनने एवं सहारा देने के लिए हमेशा उपस्थित होती है।

एक सुरक्षा घर की आवश्यकता

रहने के लिए न्यू यॉर्क दुनिया के सबसे महंगे शहरों में से एक है। कम से कम 70,000 बेघर लोग सड़कों और आश्रयों में रहते हैं। उनमें से लगभग 30,000 बच्चे हैं। अधिकांश बेघर लोग परिवार हैं। अनेकों माता–पिता नौकरी करते हैं, लेकिन वे शहर के उच्च किरायों को देने की अपेक्षा बहुत कम कमाते हैं।

कई लड़कियां सेक्स व्यापार के प्रति आकर्षित हो जाती हैं, या उनको उसे छोड़ना कठिन लगता है क्योंकि उनके पास कहीं और जानें के लिये विकल्प नहीं होता। 16 वर्ष से अधिक आयु की लड़कियां जैम्स के सुरक्षा गृह में रह सकती हैं और एक स्वतंत्र जीवन के लिए स्वयं को तैयार करने में मदद पा सकती हैं। छोटी लड़कियां अक्सर गोद लेने वाले लोगों के घरों में रहती हैं। रेचिल और जैम्स दोनों वहाँ की लड़कियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण देते हैं, जिससे कर्मचारी समझें कि लड़कियों पर क्या गुज़री है और उनको क्या चाहिए और वे किसकी हकदार हैं जिससे उनकी बढ़ोतरी हो।

22.00 प्रिय कंबल

''मुझे वह कंबल पसंद आया जो मुझे मिला था जब मैं पहली बार सुरक्षा गृह में आई थी। फिर मैं एक बार भाग गई, लेकिन कुछ समय बाद वापस आ गई। उन्होंने मुझे दूसरा अलग कम्बल देना चाहते थे, लेकिन मैं अपना वाला ही वापस चाहती थी क्योंकि उसमें मैं सुरक्षित महसूस करती हूँ।''

छोड़ने का साहस है!

व्यापारिक सेक्स व्यापार की ज़िन्दगी को छोड़ना कठिन होता है। कई लड़कियों अपने दलालों से डरती हैं, कि वह उन्हें मार डालेंगे या उनके परिवारों को कष्ट देंगे। लेकिन वे अज्ञात से भी डरते हैं। रेचिल लड़कियों को प्रोत्साहित करती है।

"अपना समय ले, और आपका जीवन पहले से कहीं बेहतर हो जाएगा।"

जिन्दगी मुझे चाहिए

'उस ज़िन्दगी को छोड़ना, उस दलाल को छोड़ना, सबसे कठिन कार्यों में से एक था जो मैंने कभी किया है। लेकिन यह जितना भी कठिन था, यह सबसे अच्छी बात थी जो मैं स्वयं के लिए कर सकती थी, क्योंकि तभी से मैं वो ज़िन्दगी जीना शुरू कर पाई जो मुझे वास्तव में मिलनी चाहिए थी।"

येसेनी

भविष्य से मत भागो

"कभी–कभी तुमको बुरी चीज़ या परिस्थिति से भागना पड़ता है, लेकिन अगर तुम भागना एक आदत बना लेते हो, तो तुम अच्छी चीजों को भी पीछे छोड़ दोगे। जब मुझे ऐसे लोग मिलते हैं जो मेरी इस बात पर सहायता कर सकते हैं कि मैं अपना घ्यान संघर्ष करने एवं स्वयं पर विश्वास रखने में केन्द्रित रखूँ, तब मुझे और भागने की जरूरत नहीं।"

जॉर्डन

प्रकृति की शक्ति

"मुझे जो कुछ पसंद है, उनमें से एक है उद्यान में दूर तक पैदल चलना और अपने मन को स्वच्छ करना। मैं स्वयं को बार–बार बताती हूँ कि परिस्थिति बेहतर हो जाएगी और सकारात्मक रहने के लिए नकारात्मकता एवं नकारात्मक लोगों से दूर रहो।"

सैन्ड्रा

एक अलग ग्रह की तरह

"वह वर्ग जीवन मेरे लिए एक अलग ग्रह की तरह था, तो मुझे लगता था कि मैं यह कैसे करती? ... मैं डरती थी, क्योंकि मुझे लगता था कि यहाँ से मेरे भागने का कोई रास्ता नहीं है। मेरा दलाल जानता था कि मेरा परिवार कहाँ रहता था, कहां मेरा छोटा भाई स्कूल जाता था और कहां मेरे सभी घनिष्ठ मित्र रहते थे। हर बार जब मैं भाग जाती थी तो वह जान जाता था कि वह मुझे कहाँ ढूंढ सकता था ... पांच बार कोशिश करने के बाद, अंत में मैंने 'इस जिन्दगी को' छोड़ दिया, पर मुझे एक आश्रय मिल गया और उन्होंने मुझे एक कार्यक्रम (जैम्स) में भेज दिया ... अब मैं बिलकुल नहीं डरती। और अब मुझ में और बड़े एवं बेहतर कार्यों को करने के लिए शक्ति एवं बुद्वि है। ..."

क्रिस्टीना

PHOTO: JOSEPH RODRIGUEZ TEXT: EXCERPTS FROM GEMS SURVIVOR'S GUIDE TO LEAVING

सकारात्मक सोचो

मै अपने जीवन उन सभी लागों की आभारी हूँ लिन लोगों ने मुझमें अच्छाई देखी और उस समय मुझसे प्रेम किया जब मैं स्वयं से प्रेम नहीं करती थी। सदैव आगे बढ़ते रहो एवं प्रयास करते रहो क्योंकि तुम्हें जीवनदान मिला है, और तुम जीवित रहोगे और तुम एक 'सर्वाइवर' हो।

शीला

फिर से शुरुआत करना

"अपना अधिकांश जीवन दूसरें की रखवाली में बिताने के बाद ... मैं फिर से नई शुरुआत करने में डर रही थी। युवा नेतृत्व कक्षा में मुझे समझ में आने लगा कि मैं अपने अनुभव में अकेली नहीं हूँ...एक बार मैं जैम्स कार्यक्रम में शामिल हो गई और अन्य लड़कियों से मिली जिनके मेरे जैसे अनुभव थे और वे नेता थी, तब मुझे यह समझ में आया कि फिर से शुरु करना एक शुरुआत है और यह सम्भव है। मैं अब भी युवा थी और मेरे लिये आगे कई आकांक्षाएं थीं।"

सिंथिया

अपनी जान देना बेकार

मेरे लिए अपने दलाल को छोड़ना कठिन था क्योंकि उसने मुझे प्रेम, स्नेह एवं सुरक्षा दी थी। मुझे सिर्फ यही ज्ञात था... चालाकी से अनेको बार बन्द किए जाने, बालात्कार एवं दुर्व्यवहार किए जाने के बाद, क्या सचमुच में मेरी रक्षा कर रहा था... मैंने स्वयं से पूछा क्या इसके लिये अपनी जान गवाना सही होगा... मैं परिवर्तन चाहती थी... सभी प्रकार के दुर्व्यवहार एवं झूठे वायदो से छुटकार पाने के लिए... मुझे पता था कि यदि मैं दन सब सें छुटकारा पाकर जीवित रह सकती हूँ, तब मैं इस व्यक्ति को छोड.कर भी जीवित रह सकती हूँ।

लकीशा

इसे पीछे छोड़ दो

"'इस ज़िन्दगी को छोड़ना मुश्किल है... विशेषकर अगर तुम जानते हो कि यही एकमात्र तरीका है जिससे तुम जीवित रह सकते हो...मैं 18 वर्ष की हूँ और मैं 14 वर्ष की आयु से 'इस जीवन में' हूँ। मैं सामान्य हूँ और एक सामान्य जीवन जी रही हूँ... यह प्रचंड है, भ्रम में डालने वाला है, यह पीड़ा भी बढ़ते रहना है। "

युवॉने

मेरा गले लगाने वाला खिलौना भी छूट गया

"मैं सबको छोड़कर एक नया जीवन शुरू करने की कल्पना नहीं तक कर सकती थी। वह मेरे भविष्य के लिए बहुत दूर था, क्योंकि मुझे अक्सर महसूस हुआ था कि मैं अगले दिन तक जीवित रहने के लिए भाग्यशाली हूँ। तो जब मैंने आखिरकार सबको छोड़ा, तो मुझे बहुत बेसहारा महसूस हुआ, और मुझे सहारा देने के लिए कुछ भी नहीं था, जैसे पुराने कपड़े या मेरी पसंदीदा गले लगाने वाला खिलौना। अब जब मैं वापस अपना अतीत देखती हूँ, तो मुझे बड़ा गर्व है कि मैं यह करने में कामयाब रही। याद रखो कि हर आदमी का एक अतीत होता है और यह आवश्यक नहीं कि हम कहाँ से आये हैं बल्कि हम कहाँ जा रहे हैं।" *लेस्ली*

🌐 लेखी: कैमिला फ्लॉइड चित्र: युसुफ रॉड्रिगेज

ज़िन्दगी अपने निशान छोड़ देती है

जैम्स में कई लड़कियां के सारे शरीर पर टैटू लगे हैं। उनमें से एक 'फेथ' है। सबसे खराब बात कोई यह कह सकता है कि वह अच्छे लगते हैं, क्योंकि वह उसकी पसंद के नहीं थे। उसके विभिन्न दिलालों ने उसके नाम या प्रतीकों के साथ टैटू अंकित किये यह दिखाने के लिए कि वह उनकी अमानत है।

'"मैं 'उस जीवन' में फंस गई जब मैं 12 साल की थी," फेथ कहती है, जिसका चार वर्ष की आयु से ही उसके सौतेले पिता द्वारा यौन उत्पीड़न किया जाता था।

"मैंने कभी किसी को नहीं बताया, क्योंकि मुझे लगा कि कोई मुझे पर विश्वास नहीं करेगा। अंत में मैं घर से भाग गई।"

जब फेथ 15 वर्ष की थी तब उसके दलाल ने उस पर पहला टैटू लगाया।

"उसके बाद विभिन्न दलालों द्वारा मेरे सारे शरीर को अनेकों बार चिह्नित किया गया, जो यह दिखाना चाहते थे कि मैं उनकी अमानत हूँ। मैं टैटूओं से घृणा करती हूँ क्योंकि उनके माध्यम से मुझे वह सब कुछ याद आता है जिससे मैं गुज़री हूँ, मुझको बंदूकों से धमकी दी गई, मेरा बलात्कार किया गया और मुझे अन्य राज्यों में भेजा गया।"

'उस ज़िन्दगी' को छोड़ दिया

"मैंने 'उस ज़िन्दगी' को छोड़ने का फैसला किया जब मुझे पता लगा कि मैं गर्भवती हूँ। मुझे 'उस जिन्दगी में' वापस जाने से रोकने का कारण था भगवान को ढूंढना। लड़कियों अलग–अलग कारणों से 'उस जिन्दगी' को छोड़ती हैं। मेरे लिए तो भगवान था जिसने मुझे उम्मीद दी।

"मैं अब "उस जिन्दगी' में नहीं हूँ, लेकिन यह टैटू सदैव लगे रहेंगे। लेकिन वो मैं नहीं हूँ। अब मैं बिलकुल बदल चुकी हूँ, पर मैं उन लोगों से थक चुकी हूँ जो मुझे घूरते हैं और मुझे अच्छा–बुरा कहते हैं। यदि यह टैटू न होते तो मुझे काम करने के और भी अवसर मिले होते। फिलहाल, कई लोग सोचते हैं कि मैं एक अपराधी हूं। मैं चाहती हूँ कि इन टैटू को हटा दिया जाए, लेकिन वो बहुत महंगा पड़ेगा।"

एक पीड़ित की तरह लगता है

"कई कार्यक्रम जो यौन व्यापार के विरुद्व अभियान चलाते हैं वे नहीं चाहते कि हम टैटू हटायें। वे चाहते हैं कि हम कठोर एवं पीड़ित की तरह दिखें। जिससे वे हमें मंच पर ले जा सकें और सबका घ्यान आकर्षित कर सकें। वे हमें पैसे जुटाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, जैसे कि दलालों ने किया था। लेकिन रेचिल और जैम्स अलग हैं। मैं किसी सामाजिक कार्यकर्ता या मनोवैज्ञानिक से कभी नहीं मिली जो समझे कि मुझ पर क्या बीती है। रेचिल समझ सकती है और स्वयं को उससे सम्बद्ध कर सकती है। वह कभी नहीं पूछेगी: "क्यों, तुम यह सब बुरे काम कैसे कर सकी?""

"जैम्स सभी समस्याओं को हल नहीं कर सकता, लेकिन वे हम सभी को स्वीकार करता है, यह जानते हुए कि हम कौन हैं। वास्तव में जैम्स जैसा दूसरा कोई संगठन नहीं है।"

अपने बच्चों के लिए

"मैं अकेलापन एवं निराशा की भावनाओं के साथ हर दिन संघर्ष करती हूँ। पीड़ा दोह. रही हो जाती है जब टैटू मेरी यादों को ताज़ा कर देते हैं। लेकिन मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं अपने बच्चों की देखभाल कर सकूं और उन्हें प्यार देकर बड़ा कर सकूं" फेथ कहती है।

🌐

पुरुष सहयोगियों

रेचिल कहती है कि यह आवश्यक है कि लड़के एवं पुरुष, बाल यौन व्यवहार (सी.एस.ई.सी.) एवं स्थानीय तस्करी के विरुद्ध अभियान में शामिल हों," "यही कारण है कि हमने 'मेल एलाइज़' (पुरुष सहयोगीयों) नामक अभियान' शुरू किया है, जो हमारे साथ खड़े रहने के लिए सभी को आमंत्रित करता है।"

छोटी बहन को सशक्त करने के लिए शिक्षा देना

"मेरी मां ने यह सुनिश्चित किया कि मैं लड़कियों और महिलाओं का सम्मान करूँ," जॉर्डन, 18 कहता है, जो अक्सर अपनी छोटी बहन की देख–भाल करता है। "वह केवल तीन वर्ष की है, लेकिन मैं धीरे–धीरे उसे जीवन में खतरों के बारे में सिखाने जा रहा हूं। निःसंदेह मैं उसे एक बड़े भाई के रूप में समर्थन दूँगा। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि वह स्वयं के लिए एवं अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सके।"
जॉर्डन

गेब्रियल गर्व से अपनी जैम्स टी–शर्ट पहनता है, जिस पर लिखा है: 'गर्ल्स आर नॉट फॉर सेल' अर्थात 'लड़कियां बिक्री के लिए नहीं हैं'। "लड़कियों की कहानियों सुनने के बाद मैं अपने व्यवहार के बारे में अधिक जागरूक हो गया हूं। हमारे पास अंग्रेजी में बहुत सारे शब्द हैं जो लड़कियों की व्याख्या नकारात्मक तरह से करते हैं, वे हमारी संस्कृति का अंग हैं। लड़के एवं लड़कियां बिना सोचे उनका इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अब मुझे पहले से बेहतर पता है। यदि मैं लोगों को इस तरह बात करते सुनता हूँ तो मुझे अच्छा नहीं लगता और मैं उनको रोक देता हूँ।"

मेरे जीवन में आये पुरुषों के प्रति आभार

"जब मैं बड़ी हो रही थी तब मैं अपना अवकाश का समय केवल लड़कों के साथ ही बिताया करती थी। मैं लड़कियों पर भरोसा नहीं करती थी। फिर मैं विकसित हुई और लड़के पुरुषों में बदल गए, जो मुझ में केवल सेक्स हेतु रुचि रखते थे। और फिर मैं 'उस जीवन' में पहुँच गई, जहां मुझे एक आदमी ने बेच दिया और अन्य पुरुषों द्वारा खरीदा गया...। जब मैंने 'उस जीवन' को छोडा, तब मुझे ऐसा लगा कि मैं दोबारा किसी आदमी पर भरोसा नहीं कर पाऊँगी...। मैंने सब को एक जैसा समझने लगी थी, लेकिन समय के साथ धीरे–धीरे मुझे कुछ पूरुष मिले जो मित्र या भाई की तरह अधिक थे। मैं लड़कों और पुरुषों को, अलग–अलग अनुभवों के साथ, मानवों की तरह देखने लगी, इसके बजाय कि स्वार्थी, भावहीन, सेक्स के लिए पागल रोबोट, मुझे समय लगा। लेकिन अब मैं अपने जीवन में आये इन पुरुषों एवं लड़की मित्रों, दोनो की आभारी हूं!"
फराह

बाल अधिकार हीरो प्रत्याशी

Valeriu Nicolae

पृष्ठ 86–105

वैलेरियू को नामांकित क्यों किया गया है?

रोमानिया और यूरोप भर में सबसे गरीब और सबसे बेसहारा बच्चों के लिए उनके अथक संघर्ष करने के कारण वैलेरियू निकोलाई को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए नामित किया गया है।

वैलेरियू अत्यधिक गरीबी में बड़ा हुआ और भेदभाव का शिकार रहा क्योंकि वह रोमा था। रोमा लोग एक जातीय समूह हैं जो लगभग एक हजार वर्षों से यूरोप में रहेत आये हैं, लेकिन वे शूरू से महाद्वीप के सबसे गरीब और सबसे अधिक भेदभाव वाले अल्पसंख्यक रहे हैं। वैलेरियू भेदभाव और जातिवाद से निपटने के लिए और गरीबी में रहने वाले सभी बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए 20 वर्षों से अधिक समय से लड़ रहा है। सन् 2010 में, उसने बच्चों और उनके परिवारों के लिए यूरोप के सबसे गरीब और सबसे खतरनाक जिले में मदद करने के लिए काम करना शुरू किया – बुकारेस्ट में फेरेन्तारी बस्ती, जिसे शेष विश्व भूल गया था।
जब वैलेरियू ने बस्ती के बच्चों के लिए एक क्लब शुरू किया, तो शायद ही कोई स्कूल में जाता था। बच्चे और युवा लोग हर महीने कुपोषण, दुर्व्यवहार, ड्रग्स की अधिकता एवं आत्महत्या से हर महीने मर रहे थे। वैकल्पिक शिक्षा क्लब उन प्रयासों का फोकस बन गया है जिससे यूरोप के सबसे गरीब बच्चों के जीवन को बदलने में मदद मिली। आज, सैकड़ों बच्चों को स्कूल से निपटने के लिए हर साल मदद मिलती है, वे अपने अधिकारों के बारे में जाननें और एक अच्छी जिंदगी विकसित करने के लिए सहायता पाते है। सबसे गरीब बच्चों को जूते, कपड़े और कभी–कभी भोजन दिया जाता है। जो बच्चे ड्रग्स लेते हैं अथवा उनका यौन शोषण किया जाता है, उनको उस जीवन को पीछे छोड़ने (भुलाने) में सहारा दिया जाता है, जिससे वह अपना बचपन जी सके जिसके वे हकदार हैं। वैलेरियू भी बेहतर कानूनों और प्रणालियों के लिए लड़ते हैं जो बच्चों को हिंसा, भेदभाव और नफरत करने वाले अपराधों से बचाते है तथा उनके अधिकारों एवं अवसरों को सशक्त करने में सहायक होते हैं।

वैलेरियू रोमानिया और यूरोप के सबसे निर्धन एवं सबसे अधिक भेदभाव किए जाने वाले बच्चों के लिए लड़ता है।

एक सप्ताह के अंत में, वैलेरियु फेरेन्टारी बस्ती के मध्य से तेज़ी से निकलता है। वह जीर्ण इमारतों के बाहर फुटपाथ पर कचरे के ढेर के बीच खेल रहे बच्चों से मिलता है।

एक बच्चों का समूह एक कन्टेनर के पास खेल रहा है जिसमे कचरा ऊपर तक भरा हुआ है। कुछ बच्चे चढ़ कर उसके अंदर कूद गये हैं यह देखने के लिए कि उसमें कोई मूल्यवान वस्तु तो नहीं है जिसे शायद वे बेच दें। वे सावधानी से कचरे में ढूढ़ते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि ड्रग्स के उपयोगकर्ता अपनी इस्तेमाल की गए सुइयों को कहीं भी फेंक देते हैं। सुई के एक चुभने से आपको एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों से संक्रमण हो सकता है।

बड़ा बदलाव

सप्ताह के दिनों में, बच्चे इस समय स्कूल में होते हैं। लेकिन ऐसा नहीं था जब वैलेरियू यहाँ पहली बार आया था। जिन थोड़े से बच्चों ने स्कूल शुरू किया था उन्होंने जल्द ही छोड़ दिया। फेरेन्टारी में अधिकांश माता–पिता के पास बहुत कम या कोई शिक्षा नहीं है और वे अपने बच्चों को होमवर्क कराने में मदद नहीं कर सकते। बस्ती में गरीब बच्चों को लेकर इस क्षेत्र के लोगों में पूर्वधारणाएं थी जिसका अर्थ था कि स्कूल में इन बच्चों को अक्सर दोनों अन्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा प्रताड़ित किया जाता था।
जब वैलेरियू ने फेरेन्टारी में बच्चों के लिए एक वैकल्पिक शिक्षा क्लब शुरू करने का निर्णय लिया, तो होमवर्क और मजेदार गतिविधियों में मदद की पेशकश करने पर उसे इसके विरुद्ध चेतावनी दी गई। आम तौर पर उन लोगों द्वारा जो यहां कभी नहीं आये थे। कई लोगों ने कहाः ''यह बस्ती बेकार है, यहां कभी कुछ नहीं सुधरेगा।''
जब वैलेरियु और उसके मित्रों ने फेरेन्टारी में एक नया खेल का क्षेत्र बनाया, तो लोगों ने उससे कहाः ''यह कुछ सप्ताह में बर्बाद हो जायेगा, सब कुछ टूट जाएगा और भित्ति चित्रों से ढक जाएगा।'' लेकिन आज, सात साल बाद, खेल क्षेत्र अभी भी नए जैसा दिखता है। बच्चे इसे साफ करते हैं और इसकी देखभाल रखते हैं।

कचड़े की दुर्गन्ध

इमारतों से लीक होने वाले गंदे पानी एवं जमीन पर सड़ते हुए कचरे से एक भयंकर दुर्गन्ध निकल रही है। नगरपालिका ने बहुत पहले ही यहां से कचरा एकत्र करना बंद कर दिया था और जब भी फेरेन्टारी के लोग शकायत करते हैं, तब उनको कोई नहीं सुनता। वैलेरियू एक परिचित औरत को देखता है जो कचरे में छँटाई कर रही है। उसके तीन बच्चे हैं जो शिक्षा क्लब में आते हैं। वह प्लास्टिक की बोतलों की तलाश करती है ताकि वह उनको वापस जमा करके उस पैसे से आज का भोजन खरीद सके। बस्ती में अधिकांश अन्य वयस्कों की तरह वह बेरोजगार हैं। कई लोग हताश हो जाते हैं और ड्रग्स या सेक्स की बिक्री शुरू करते हैं या खुद का

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: KIM NAYLOR, JOANNA PELIROCHA, TOTONEL HORVAT & PRIVAT

खर्चा चलाने कि लिए चोरी करते हैं। यह मां ऐसा कुछ भी नहीं करती, लेकिन बच्चों के पिता जेल में हैं।

सबसे गरीब सड़क

वैलेरियू लिवेज़िलोर एले पर एक द्वार में प्रवेश करता है, जो क्षेत्र का सबसे गरीब भाग है और दुनिया में बच्चों के रहने के लिए सबसे खतरनाक शहरी ब्लॉकों में से एक है। यहां पर ड्रग एवं सेक्स को नियंत्रित करने वाले आपराधिक गिरोह है जिनके सामने बहुत लोग शक्तिहीन और भयभीत महसूस करते हैं। वैलेरियू भी शुरु में डरता था। उसकी कार के टायरों को काट दिया गया था, और कई बार उसे धमकियां दी गईं थीं और उसको खदेड़ा जा चुका है। कुछ लोगों ने सोचा कि वह ड्रग के व्यापार को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। अन्य को डर लगता था कि वे अपने बच्चों को उनसे अलग कर देगा।

घर पर मिलने आना

वैलेरियू सीढ़ियों से ऊपर जाता है और एक अंधेरे गलियारे में एक दरवाजे पर दस्तक देता है। ज़ाना, 11, दरवाजा खोलती है और कहती है: "हैलो वैलेरियू!"

ज़ाना अपनी छोटी बहन रेबेका, 6 और बड़े भाई बोबो, 13. के साथ फ्लैट में एकमात्र कमरे में रहती है। उनकी परदादी, जो लगभग अंधी है, बच्चों की देखभाल कर रही हैं जबसे उनकी मां जेल में बंद हुई है। फ्लैट बहुत साफ सुथरा है, लेकिन बदहाल और तंग है। फिर भी इस क्षेत्र के कई अन्य फ्लैटों की अपेक्षा बेहतर है क्योंकि इसमें बिजली और सीधा पानी है।

बच्चों का क्लब लोकप्रिय है

पहले वैलेरियू को उस क्षेत्र में घूम कर बॉबो और जाना जैसे बच्चों से बात करनी पड़ती थी कि वे क्लब में आएं। अब उसे एसा नही करने की

जाना और उसके भाई–बहन वैकल्पिक शिक्षा क्लब में अपना होमवर्क करने में मदद पाते हैं।

जाना को अपनी मां की याद आती है, जो जेल में है।

रेबेका, बोबो और जाना, अपनी दादी के साथ फेरेन्टारी में एक कमरे के फ्लैट में रहते हैं।

जरूरत है। लेकिन वह अभी भी घर पर बच्चों से कभी–कबार मिलने चला जाता है। कभी–कभी उसे पता चलता है कि कोई मां या पिता की बुरी ड्रग लेने की आदत पड़ गई है या वो पैसा कमाने विदेश चला गया है और बच्चों को अपने हाल पर छोड़ दिया है। यदि ऐसा होता है, तो वह समाधान निकालने का प्रयास करता है।

हर रविवार, बोबो वैलेरियू के साथ फुटबॉल प्रशिक्षण में जाता है।

"हम अंततः एक लड़कियों की टीम शुरू कर रहे हैं," वैलेरियू ज़ाना को बताता है, "तुमको भी शामिल होना चाहिए!"

वैलेरियू उनकी दादी से भी बात करता है। क्या उनको किसी भी चीज़ की आवश्यकता है? क्या इमारत में उनको गुन्डे परेशान तो नहीं कर रहे? दादी कहती हैं कि इस समय मामला शांत है किन्तु बच्चों को अपनी मां की याद आती है।

गरीबी में रहने वाले सभी बच्चों की मदद करना

बोबो व ज़ाना का परिवार रोमा हैं, जो रोमानिया के सबसे गरीब अल्पसंख्यक समूहों में से एक हैं। वे आबादी का दस प्रतिशत से भी कम भाग हैं और रोमा शब्द का वास्तव में देश के रोमानिया नाम से कोई लेना–देना नहीं है। रोमा लोगों को दुनिया भर में रोमा ही कहा जाता है। रोमा यूरोप में लगभग एक हजार वर्षों से रह रहे हैं, लेकिन उनको लगभग हमेशा समाज से बाहर रखा गया है, उत्पीड़ित और यहां तक कि मार डाला गया है सिर्फ इसलिए कि वे रोमा पैदा हुए हैं।

वैलेरियू भी रोमा है और पूर्वधारणा एवं नस्लवाद के विरुद्ध कई वर्षों से प्रचार कर रहा है। लेकिन उनके बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि वह केवल रोमा बच्चों की ही मदद नहीं कर रहा है, बल्कि उन सभी बच्चों की जो कि फेरेन्टारी में गरीबी में रह रहे हैं।

वैलेरियू वापस देता है

वैलेरियू अपनी पीढ़ी के उन चंद रोमाओं में से एक थे, जिन्होंने एक कठिन बचपन के बावजूद विश्वविद्यालय में पढ़ाई की। उन्होंने अपनी मातृभूमि रोमानिया को छोड़ दिया और यूरोप में अच्छे भुगतान की नौकरियों में काम किया। कुछ रोमा लोगों के अधिकारों को मजबूत करने के बारे में थीं। लेकिन कुछ वर्षों बाद, वैलेरियू इस काम से ऊब गया था। वह लंबे रिपोर्ट लिखने से थक गया था जिनको कोई पढ़ना नहीं चाहता था। वह एक आलीशान होटल में एक और सम्मेलन में जा कर झूठ–मूठ के भाषण सुनना नहीं चाहता था कि गरीब लोगों की मदद कैसे की जाए क्योंकि बोबो और जाना जैसे गरीब बच्चों के लिए कुछ भी बेहतर नहीं था। अगर कुछ भी हुआ, तो इससे बदतर ही हुआ।

वैलेरियू ने कहा, "मैं दोषी महसूस करता हूं।" मैं उनकी तरह अत्यधिक गरीबी में बड़ा हुआ। यह कठिन था, मरे पास कुछ नहीं था और मुझे बड़ी मेहनत करनी पड़ती थी। लेकिन वहां ऐसे लोग भी थे जिन्होंने मेरी सहायता की और मेरा समर्थन किया, जिससे कि मैं एक अच्छा जीवन व्यतीत कर सकूं। अब मेरे पास सब कुछ है जो मुझे चाहिए, और मुझे लगता है कि मुझे अन्य बच्चों के लिए भी ऐसा करना चाहिए। यह कि मुझे कुछ वापस देना चाहिए।"

"वैलेरियू घर वापस चला गया और फेरेन्टारी में उसने एक वैकल्पिक शिक्षा क्लब शुरू कर दिया।

"अगर आपको कुछ गलत लगता है तो उसे बदलने के लिए आप किसी दूसरे का इंतज़ार नहीं कर सकते। केवल जब आप स्वयं कुछ करते हैं तभी आप दूसरों से मदद करने के लिए कह सकते हैं। इसके अलावा कुछ भी पाखंड है। एसा मैं महसूस करता हूं, और मुझे आशा है कि फेरेन्टारी के बच्चे भी ऐसा ही महसूस करते है।"

फेरेन्टारी में, जहां वैलेरियू बाल अधिकारों के लिए लड़ रहा है, कुछ सड़कों और पार्कों में कचरा एवं इस्तेमाल की गई सुइयां भरी हैं।

जब वह बड़ा हो रहा था तब वैलेरियू ने अक्सर नस्लवाद का सामना किया। चित्र में दाईं ओर, वह 14 साल का है।

वैलेरियू का अपनी मां को 'मदर्स डे' का कार्ड

वैलेरियू बढ़ा होता है

वैलेरियू एक ऐसे क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों में बड़ा हुआ जहां हर कोई भिन्न था, फिर भी वे साथ मिलकर रहने में कामयाब हुये। उनके पास बहुत से दोस्त थे जिन्होंने अलग दिखते थे और अनेकों भाषाएं बोलते थे। लेकिन जब वह सात वर्ष का था तब उसका परिवार एक बड़े शहर में चला गया। अचानक कोई भी उसके साथ खेलना नहीं चाहता था।

''हमारे नए फ्लैट में पहले दिन, मां ने मुझे बाहर जाने और खेलने के लिए कहा जिससे वह शांति से सफाई कर सके। मैंने सुनहरे घुंघराले बालों वाली एक लड़की को यार्ड में देखा जो मैत्रीपूर्ण दिखती थी। मैंने पूछा कि क्या हम खेल सकते हैं, पर उसने उत्तर दियाः ''मुझे जिप्सी के साथ खेलने की इजाजत नहीं है क्योंकि उनके (सिर में) जूएं होती हैं।''
वैलेरियू समझ नहीं पाया। वह रोने लगा और अपनी मां के पास घर चला गया। उसने सफाई बंद कर दी और उसको खुश करने के लिए एक गीत गाया।
''यह एक भूरे भालू के बारे में था, जिसे सफेद भालूओं से भरी दुनिया में संघर्ष करके रहना पड़ता था। बाद में, उसने अपना खुद का गीत बनाया, इस बारे में कि अगर आप दयालु हैं और कड़ी मेहनत करते हैं, तो आप जीवन में कठिनाईयों का सामना कर लेंगे। उसने मुझे इस तथ्य पर किसी भी कठिनाइयों से निपटने में दोषी नहीं ठहराया कि मैं रोमा हूं। उसने कहाः ''आपको यह साबित करना होगा कि तुम काम करने में अच्छे हो। और अच्छा दिखने के लिये, तुमको सभी गैर–रोमा की तुलना में कम से कम दस गुना बेहतर होना पड़ेगा।''

जातिवादी सौतेला पिता

वैलेरियू के नए पड़ोसियों के लिए, वह सिर्फ एक साधारण लड़का नहीं था, वह एक ''गंदा जिप्पो बच्चा'' था। यहां तक कि उनके सौतेले पिता, जो रोमा नहीं थे, उसे वैलेरियू के बजाय जिप्पो बच्चा कहते थे। यह शब्द जिप्पो बहुत लोगों द्वारा रोमा समुदाय के लोगों को सम्बोधित करने के लिए प्रयोग किया जाता था, अक्सर उनका अपमान करने के रूप में।''
''मेरे सौतेले पिता रोमा से नफरत करते थे, जैसा रोमानिया ने एवं अन्य कई देशों ने सदियों से किया है। उनमें रोमा लोगों के प्रति सभी सामान्य पूर्वधारणाएं थीं, जैसे वे गंदे, आलसी और चोर हैं। वास्तव में मैं कभी नहीं समझ पाया कि उसने रोमा महिला से शादी क्यों की! लेकिन उसे शराब पीना पसंद था, तो शायद हमारे परिवार में कई मादक पुरुषों के साथ उसने घर जैसा महसूस किया।''

स्वच्छ और अच्छी तरह से खिलाया

वैलेरियू की मां ने घर में और बाहर बहुत काम किया, जिससे वैलेरियू और उसके दो बड़े सौतेले भाई–बहन को एक अच्छा जीवन मिले।
''हम गरीब थे, लेकिन हमारे पास हमेशा साफ कपड़े थे और कभी भूखे नहीं रहे।''
जब सौतेले पिता ने शराब पी ली, तो वह हिंसक हो गया।
''वह अक्सर कहा करता था कि वह हम सब को मार डालेगा, लेकिन वह ज्यादातर मेरी मां को पीटता था। कभी–कभी वह उसे डस्टपैन से उलटा मार देती थी, या उसे रोकने के लिए एक लोहे की पट्टी से धमका थी। मैं अक्सर उसकी रक्षा करने के लिए उन दोनों के बीच पड़ जाता था। लेकिन हम अपने पिता के सामने कुछ नहीं थें, वह हम से बहुत बड़ा और शक्तिशाली था। और पुलिस को शिकायत करने का कोई अर्थ नहीं था क्योंकि लगभग सभी पुरुष, यहां तक कि पुलिसकर्मी भी, अपनी पत्नियों एवं बच्चों को पीटा करते थे! यह समाज में स्वीकार किया जाता था। मेरी चाची ने मेरी मां से यह कहा कि उसे आभारी होना चाहिए कि वह उनको पीटा करते हैं, क्योंकि इसका मतलब था कि वह उनसे प्यार करता था!''

अपने उपकरणों के साथ ही रहना पड़ा

वैलेरियू को जल्द ही यह महसूस हो गया कि उनके नए पड़ोस में अधिकांश माता–पिता अपने बच्चों को रोमा बच्चों के साथ खेलने की अनुमति नहीं देते थे।
वैलेरियू कहते हैं, ''यह एक तरह से अच्छा था'' ''मेरे पास करने के लिए कुछ भी नहीं था, इसलिए मैं इधर–

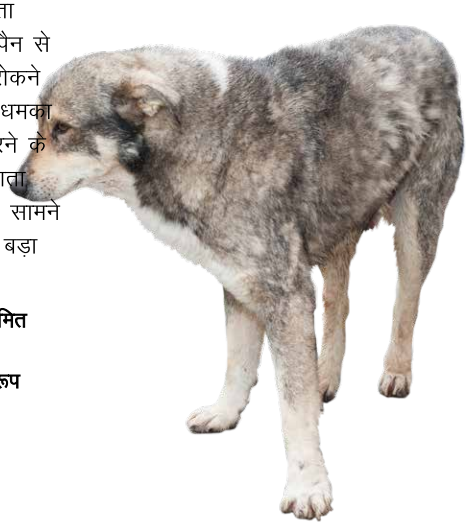

वैलेरियू ने एक कुत्ते का एक संक्रमित दांत निकाला और इस तरह उस कुत्ते को एक वफादार दोस्त के रूप में पाया।

500 वर्षों के लिए दासता

रोमा लोग भारत से लगभग 1 हजार साल पहले यूरोप में विस्थापित हो गये थे। तब से उन्हें रोमानिया के लोगों के विरुद्ध 'एंटीजिप्सीइज़्म', नस्लवाद या पूर्वधारणा से पाड़ित रहना पड़ा है, लगभग उतने ही समय ये। यह शब्द 'एंटीजिप्सीइज़्म', रोमा लोगों के बारे में प्राचीन पूर्वधारणाओं का वर्णन करता है, जिसके परिणामस्वरूप उनके प्रति भेदभाव हुआ है – जिस कारण उनके साथ अन्य लोगों की अपेक्षा बदतर व्यवहार किया जा रहा है। अतीत में, यूरोप में यहूदियों की तरह, रोमा को निवासी बनने और जमीन की खेती करने की अनुमति नहीं थी। इसके बजाय, उन्हें लगातार स्थानांतरित होने के लिए मजबूर किया जाता था। रोमानिया में, 1300 के दशक में, रोमा को गुलाम बना दिया गया था और राज्य, चर्च एवं व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किया गया था।

सन् 1860 में, दासता को समाप्त कर दिया गया, लगभग उसी समय जब अमेरिका में की गई। द्वितीय विश्व युद्ध में, रोमा की सबसे बुरी संगठित सामूहिक हत्या को इतिहास में देखा गया। नाजी शासन ने यूरोप के रोमा लोगों का आधा हिस्सा, हजारों बच्चों और वयस्कों की हत्या कर दी। आज भी, रोमा यूरोप में सबसे ज्यादा भेदभाव किये जाने वाला अल्पसंख्यक समूह है। रोमानिया में, उन सभी कार्यों के लिए दोषी ठहराया जाता है जो गलत हो जाते हैं, भले ही आबादी का केवल तीन प्रतिशत रोमा है और उनमें से कुछ ही में समाज को प्रभावित करने की शक्ति है। वैलेरियू और अन्य लोगों द्वारा 'एंटीजिप्सीइज़्म' के खिलाफ लड़ाई के लिए धन्यवाद, कुछ बातों में सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए, रोमा के बच्चों को बचाने के लिए नए कानून बने हैं और अन्य बच्चों की तरह उनको शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल एवं एक सुरक्षित घर के समान अधिकार प्रदान किये गए हैं। लेकिन यह भी पर्याप्त नहीं है, कानूनों का पालन भी किया जाना चाहिए...

उधर फिरता रहा और एक पुस्तकालय पहुंच गया। जो महिला वहां काम करती थी उसके पास कोई बच्चा नहीं था, इसलिए उसने मेरी देखभाल की और मुझे बहुत सारी महान किताबें दिखायीं। मैंने रोमांच, इतिहास एवं अन्य देशों के बारे में पढ़ां – और बहुत कुछ जाना।''

वैलेरियू ने एक दोस्त भी बनाया – एक लावारिस कुत्ता।

''पहले वह कुछ चिचिड़ा था, लेकिन मुझे पता चला कि उसका एक दाँत खराब होने से उसकी सूजन से दर्द में था। मैने उस कुत्ते का मुंह खोला और उसका सड़ा दांत निकालने में कामयाब रहा। उसके बाद, कुत्ते मेरे वफादार दोस्त हो गया।''

जब वैलेरियू 12 साल का था, तो उसे एक लड़की से प्यार हो गया, जिसके माता–पिता रोमा लोगों को पसंद नहीं करते थे।

''यह गर्मी की छुट्टी के बाद की बात है, तब मेरा रंग सामान्य से भी अधिक गहरा था। मुझे याद है कि मैं अपने आप को एक कठोर ब्रश से घिस कर श्वेत बनाने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से इससे कोई लाभ नहीं हुआ!''

तानाशाह गिर जाता है

वैलेरियू के बचपन में, रोमानिया पर एक तानाशाह का शासन था, जिसने देश का पैसा स्वयं पर और अपने परिवार पर उड़ाया, जबकि लोग गरीबी में रहते थे। ''केवल एक अच्छी बात थी,'' वैलेरियू कहता है, ''कि अंतिम वर्षों के समय, रोमा लेगों को अन्य रोमानियाई के समान माना जाता था, न तो बेहतर और न ही बद्तर।''

1989 में क्रांति और स्वतंत्र चुनाव देखा गया। लेकिन इतने सालों एक तानाशाही के तहत रहने के बाद, एक वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना करना मुश्किल था। लोगों ने राजनेताओं को चुना, जिन्होंने सभी को बेहतर बनाने का वादा किया था, लेकिन फिर एन्होंने स्वयं को समृद्ध बनाना जारी रखा। गंदी राजनीति।

अंत में लोग गंदी राजनीति से थक गये। वैलेरियू और सैकड़ों हज़ारों अन्य लोग सड़कों पर उतर आये और तब तक विरोध किया जब तक कि वे जो चाहते थे उनको नहीं मिलाः एक नया चुनाव। एक साल की अवधि के लिए, चुनावों की तैयारियों के चलते,

क्रिस्टियन, 11
''मुझे उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो पहले बहस करते हैं और फिर लड़ते हैं। वैलेरियू के साथ फुटबॉल खेलना मुझे बहुत अच्छा लगता है।''

डैनियल, 13
''शिक्षा क्लब में मेरा सर्वप्रिय विषय गणित है। मैं कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भी सीखना चाहता हूं और फुटबॉल में बेहतर होना चाहता हूं!''

हमें शिक्षा क्लब प्रिय है!

रेबेका, 12
''मुझे शिक्षा क्लब प्रिय है क्योंकि मैं यहां नई चीजें सीखती हूं और दोस्तों के साथ खेलने को मिलता है। वैलेरियू एवं अन्य लोग दयालु हैं और हमारा समर्थन करते हैं। इरीना (चित्र में) बहुत अच्छी है और मुझे बातों को समझने में मदद करती है!''

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: KIM NAYLOR, JOANNA PELIROCHA, TOTONEL HORVAT & PRIVAT

वैलेरियू को वास्तव में फुटबाल की जगह बास्केटबॉल खेलना अधिक प्रिय है, लेकिन फेरेन्टारी में बच्चों उससे असहमत हैं।

एक अस्थायी, गैर–सरकारी सरकार को जगह दी गई और वैलेरियू को सलाहकार के तौर पर काम करने के लिए कहा गया।

''मुझे गरीबी को कम करने, लैंगिक समानता बढ़ाने और हिंसा से बच्चों और महिलाओं की रक्षा करने पर काम करना था। यह देखने के लिए दिलचस्प था कि शक्ति अंदर से कैसे काम करती है! मैंने यह भी देखा कि कैसे कुछ लोगों में शक्ति परिवर्तन होता है अचानक, कुछ लोगों का मानना था कि वे दूसरों की तुलना में बेहतर थे, भले ही वे पहले जैसे ही थे।''

दो नौकरियां

अभी हाल तक, वैलेरियू के पास दो नौकरियां थीं। सोमवार से शुक्रवार तक वह बेल्जियम के ब्रसेल्स शहर में यूरोपीय आयोग में मानव अधिकारों पर काम करता था। वैलेरियू को रोमा मुद्दे पर महासचिव का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया था। हर सप्ताह के अंत मे, वैलेरियू अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर शिक्षा क्लब और फेरेन्टारी में खेल केंद्र में काम करने के लिए घर चला जाता था।

''हम में से किसी का भी भुगतान नहीं हुआ। यूरोपीय आयोग से मेरा वेतन पर्याप्त था। हम केवल वही करते हैं जो हम कर सकते थे,'' वैलेरियू कहता है।

भविष्य के लिए सपने

अब वैलेरियू ने अपनी अच्छे भुगतान वाली नौकरी को छोड़ने और घर वापस आने का फैसला किया है, ताकि वह पूरे समय उस काम के लिए दे जिसको वह प्राथमिकता देता है।

''मैं अपने बच्चों के साथ फेरेन्टारी में काम जारी रखूंगा। मैं एक कंपनी भी शुरू करना चाहूंगा, क्योंकि जो बच्चे यहां बढ़े होते हैं उनको कहीं काम मिलने की जरूरत होती है। मेरे मन में कई विचार हैं जिनको मैं फेरेन्टारी में बच्चों के साथ वास्तविकता में बदलना चाहता हूं।''

वैलेरियू क्या करता है?

वैलेरियू और उसके दोस्तों, स्वयंसेवकों एवं संगठनों का नेटवर्क निम्नलिखित पहल के साथ काम करते हैं:

फेरेन्टारी में *वैकल्पिक शिक्षा क्लब,* जो हर साल सैकड़ों बच्चों की मदद करता है। बच्चों को स्कूल जाने में मदद मिलती है और अनेकों भिन्न गतिविधियां करने में भीः खेल, नृत्य, नाटक, संगीत एवं अन्य रचनात्मक कार्यशालाएं। वे अपने अधिकारों, स्वास्थ्य और लोकतंत्र के बारे में भी सीखते हैं, और वे घूमने की यात्राओं एवं अध्ययन यात्राओं पर जाते हैं।

सबसे गरीब बच्चों को जूते, कपड़े और कभी–कभी भोजन दिया जाता है।

जो बच्चे घर पर नहीं रह सकते हैं उन्हें अच्छे पालक घरों में जाने का अवसर मिलता है, और बाद में, जब भी संभव होता है, वे अपने परिवारों के साथ फिर जुड़ जाते हैं।

जो बच्चे ड्रग्स लेते हैं और/या उनका शोषण किया जाता है और उन्हें ड्रग्स या सेक्स बेचने के लिए मजबूर किया जाता है, वे इस जीवन को छोड़ने के लिए समर्थन दिया जाता हैं और बचपन में देखभाल जिसके वे हकदार हैं।

वैलेरियू वो कानूनों एवं प्रणालियों को लागू करने के लिए अभियान भी चलाता है जो बच्चों को हिंसा, भेदभाव और नफरत अपराधों से बचाने तथा उनके अधिकारों तथां अवसरों को मजबूत करते हैं।

We love the Education Club!

एंड्रिया, 10

''मुझे नृत्य सीखना पसंद है। जब मैं बड़ी हो जाऊंगी, तो मैं एक नर्तक बनना चाहती हूं और अन्य बच्चों को भी अच्छा नर्तक बनेने के लिए सिखाना चाहती हूं।''

बियांका, 12

''शिक्षा क्लब में हमारे शिक्षक वास्तव में अच्छे दोस्त या अतिरिक्त माता–पिता की तरह हैं!''

निकोलाटा, 13

''मैं शिक्षा क्लब में तब से जा रही थी जब मैं छोटी थी, इससे मुझे बहुत मदद मिली है। अब मैं स्वयं से छोटे बच्चों की भी मदद करती हूं।''

मैरिअन, 15

''मैं सबसे ज्यादा बुरा करता हूं जब लड़के लड़ते हैं और जब वह बर्फ गिरती है! मेरा पसंदीदा खेल फुटबॉल है। बड़े हो कर मैं एक रसोइया या वेटर बनना चाहता हूं।''

फेरेन्टारी के बच्चों ने नस्लवाद के खिलाफ अभियान के साथ मदद की। बोबो, 13, को अपने फुटबॉल नायकों से मिलने का अवसर मिला।

फुटबाल खेल को स्वच्छ करना

जब वैलेरियू ने फुटबॉल में नस्लवाद के विरुद्ध अभियान शुरू किया, तो नफरत वाले अपराध के मामलों प्रति सप्ताह में 80 से शून्य हो गए!

अब रोमानिया के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियम में मैच का समय है, और 30,000 दर्शक स्टैण्ड में बैठे हैं। कई लाख मैच को टीवी पर देख रहे हैं। सदैव की तरह, एक टीम के समर्थक मैच के दौरान, गाते है, जैसे 'हम हमेशा जिप्पोज़ से नफरत करते रहे हैं' और वे बैनर लहराते हैं जो कहते हैं, 'डेथ टू जिप्पोज़'। भीड़ में दसों हजारों लोग उनके साथ गाते हैं। वैलेरियू आश्चर्य करता है कि क्या वे कभी सोचते हैं कि उन रोमा बच्चों को कैसा लगता होगा जिनको फुटबॉल प्रिय है। वह फुटबॉल की दुनिया में नस्लवाद से निपटने के लिए कुछ करने का फैसला करता है।

नस्लवाद के खिलाफ फुटबॉल

वैलेरियू के अभियान 'रेसिज़्म ब्रेक्स दी गेम' को शुरू हुए अब कई साल हो गए है। उसने फुटबॉल बोर्ड में दोनों रोमानियाई एवं यूरोपीय फुटबॉल संघों को सम्मिलित किया। सभी प्रमुख फुटबॉल मैचों की शुरूआत नस्लवाद एवं एंटीज़िगैनिज़्म (रोमा के विरुद्ध भेदभाव) की एक लघु फिल्म के साथ होती थी। कभी–कभी फेरेन्टारी एवं अन्य बस्तीयों के बच्चों को खिलाड़ियों के साथ पिच पर जाना पड़ता था। ''मैं घबरा रहा था, लेकिन यह मजाक था'', 13 वर्षीय बॉबो को याद है, जिसको एक मैच में प्रसिद्ध खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने एवं हजारों दर्शकों को हाथ लहराने का अवसर मिला।

नस्लवाद और एंटीज़िगैनिज़्म से निपटने के लिए खेल क्लबों और बच्चों एवं युवा लोगों के मैचों में क्रियाएँ भी आयोजित की गईं। फुटबॉल में नफरत करने वाले अपराध सप्ताह में 80 से गिरकर शून्य हो गए हैं। रोमा समुदाय के सफल फुटबॉल खिलाड़ी अब अपनी पृष्ठभूमि रहस्यमयी नहीं रखते हैं जैसा वे पहले किया करते थे, स्वयं पर हमला होने व नफरत के अपराधों से बचने के लिए।

हिंसा के विरुद्ध फुटबॉल

अब वैलेरियु और उसके दोस्त इस अभियान के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

''हम नस्लवाद और एंटीज़िगैनिज़्म से लड़ना चाहते हैं, लेकिन घरेलू हिंसा के विरुद्ध भी जो महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करती है। कई लोग जो अपने परिवार को पीटते हैं, वे फुटबॉल स्टेडियमों में हैं, पिच पर तथा स्टैन्डस में।''

रोमानिया में फुटबॉल मैचों में, दर्शकों ने रोमा के बारे में नसलवाद के नारे लगाये थे, फिर वैलेरियो ने अपने *'रेसिज़्म ब्रेक्स दी गेम'* अभियान का शुभारंभ किया।

एक पुराने बैनर पर, फुटबॉल समर्थकों ने बड़े पैमाने पर एक हत्यारे को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसने कई रोमा लोगों को मार डाला।

मृतकों की गली के बच्चे

टोटो, 10, सड़क पर बड़े कौशल से कचरे के ढेर के बीच अपना रास्ता बनाते हुए एवं और पानी के पोखरों एवं टूटी हुई बोतलों पर कूदते हुए जाता है। वह सड़क पर खड़े एवं बैठे भूरे, भूखे दिखने वाले लोगों को एक चौड़ी जगह देता है। वे भूतों की तरह दिखते हैं, और अक्सर लोग टोटो की सड़क को 'मृतकों की गली' कहते हैं।

टोटो को पता है कि जब वयस्क पीते हैं और टीड्रग्स लेते हैं, तो वे नाराज़ हो जाते है और बिना किसी वजह के डर सकते हैं। उनसे दूरी बनाए रखना सबसा अच्छा है। उनकी सीढ़ीयों में अंधेरा है क्योंकि सभी बल्ब टूट गए हैं। छत पर पानी भरा हुआ है। दीवारें भित्तिचित्रों से ढक गई हैं, और कोनों में ड्रग के प्रयोगकर्ताओं द्वारा फेंकी गई सुइयों पड़ी हैं। पकड़ने के लिए कोई हत्थे नहीं हैं। किसी ने बहुत समय पहले उनके पेंच खोलकर उनको निकाल लिया है और उन्हें कबाड़ में बेच दिया है।

मां के लिए सफाई

जब टोटो अपने फ्लैट के दरवाजे खोलता है, तो उसकी दो बहनें सफाई कर रही हैं। एंड्रिया, 13, एक मेज पोंछ रही है और ऐना, 16, दीवार पर दाग मिटा रही है।

''जब मां वापस आती है, तो उसे घर साफ दिखना चाहिए, ताकि हम फिर से मिलकर काम करना शुरू कर सकें,'' एंड्रिया, और अधिक शक्ति से पोंछा लगाते हुए कहती है।

''मां कब वापस आ रही है, एंड्रिया?'' टोटो पूछता है।

''तुमसे कोई मतलब नहीं है,'' एंड्रिया कहती है। ''वह गुस्से में लगती है, लेकिन वास्तव में वह उदास है। मां चार साल से अधिक समय से जेल में है और उसे तीन साल की सज़ा और काटनी है। उसने जल्दी ही रिहा होने के लिए कहा है और वह जेल अधिकारियों से सुनना चाहता है।

''मुझे भूख लगी है,'' टोटो शिकायत करता है।

''मैं सूप बनाऊँगी,'' ऐना कहती है, और बताती है कि वह इस समय नहीं कर सकती क्योंकि उसके पास एक हॉटप्लेट नहीं है।

एक हॉटप्लेट बनाता है

थोड़ी देर बाद, टोटो के चाचा 'सिले' प्लास्टर के एक बड़े सफेद ब्लॉक को ले कर आते है और उसे फर्श पर रख देते हैं।

''मैं भूख से मर रहा हूँ!'' टाटो रोते हुए कहता है।

''शांत, शांत'' ऐना जवाब देती है।

चाचा सिले एक चाकू निकालते है और सफेद ब्लॉक के शीर्ष पर एक टेढ़ा–मेढ़ा नमूना काटते हैं।

''मैं नींद से सो जाऊंगा जब तुम यह सूप बनाओगे,'' टोटा कहता है। वह अंकल सिले को स्लॉट में एक कॉईल धुसेड़ते हुए देखता है और फिर एक छोर को एक दीवार के सॉकेट में प्लग कर देता है। जल्द ही, सफेद ब्लॉक में कॉइलएक गर्म नारंगी लाल रंग से चमकने लगता है। हॉटप्लेट तैयार है और सिले उसके शीर्ष पर एक सॉस–पैन रख देता है।

ड्रग्स लेता है

जबकि ऐना सूप चलाती है, दरवाजा खुलता है और कई जवान कमरे में प्रवेश करते हैं।

''मैं अब घर में नशेडियों को घर में नहीं रख रही हूं,'' ऐना गुस्से से कहती है। लेकिन कोई भी सुनता नहीं है। हर कोई जानता है कि उनकी मां जेल में है और बच्चे अपने दम पर रह रहे हैं। पुरुष जमीन और सोफे पर बैठते हैं और ड्रग्स के साथ अपनी सुइयों को भरना शुरू कर देते हैं। चाचा सिले भी ऐसे ही करता है।

''आराम करें। मैं तुमको कुछ दे सकता हूं,'' एक किशोर लड़का ऐना से कहता है। वह अपना सिर हिलाती है।

''मुझे अकेला छोड़ दो।''

टोटो सोफे पर बैठता है और देखता है जैसे एक बड़ा लड़का अपनी बांह के मोड़ में एक सुई चुभोता है और वापस लेट जाता है। जब उसकी पलकें झिलमिलाना शुरू करती हैं, तो टोटो जान लेता है कि ड्रग का प्रभाव शुरू हो गया है। ऐना ने भी पहले ड्रग्स ली हैं, लेकिन वह अब स्वयं को रोकने की कोशिश कर रही है।

एंड्रिया बाहर निकल गई है, लेकिन अब वह वापस आती है और सब लोगों को देखकर परेशान हो जाती है

''भगवान करे कि तुम सब जेल में अवश्य जाओ,'' वह कहती है।

एंड्रिया फ्लैट छोड़ कर चली जाती है जबकि टोटो सोफे पर सिमट कर सो जाता है।

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: KIM NAYLOR, TOTO HORVAT AND JOANN PELIROCHA

टोटो का चाचा फ्लैट में एक साधारण सी हॉटप्लेट बनाता है। यहां कोई पेय जल एवं शौचालय नहीं हैं।

बहुत से लोग ड्रग्स लेने के लिए टोटो के फ्लैट का इस्तेमाल करते थे, क्योंकि वहां पर बच्चों में कोई वयस्क नहीं था।

पूर्णता लगभग इस लड़के की उम्र का थ जब वह पहली बार वैलेरियो से मिला था।

जेल में रहता है

रोमानियाई कानून के मुताबिक, टोटो की मां उसकी सजा के दो–तिहाई सेवारत के बाद ही रिहा हो सकती है, लेकिन जेल में उन्हें नहीं लगता कि उसने जो किया है, उस पर उसे पछतावा है, अतः उसे और अधिक समय तक रहने की जरूरत है।

ज्यादातर लोग जिनको ड्रग्स की बिक्री के लिए जेल की सजा मिली है, स्वयं ड्रग्स के आदि हैं, उनमें महिलाएं और किशोर हैं। वे केवल कुछ पैसे कमाते हैं जो दिन के लिए भोजन में काम आ जाते है और वे जो ड्रग्स लेते हैं। जो आपराधिक गिरोह ड्रग्स बनाते हैं और लाखों कमाते हैं, वे कभी पकड़े नहीं जाते। इसके बजाय वे सुंदर घरों का निर्माण करते हैं और महंगी कारें खरीदते हैं। कुछ पैसा पुलिस और राजनेताओं को रिश्वत देने पर खर्च होता है, जिससे वे परेशान हुए बिना अपने व्यवसाय के बारे में जा सकें। फेरेन्टारी में बहुत से लोगों को अच्छे से पता है कि कौन ड्रग्स का व्यापार चला रहा है, लेकिन वे पुलिस को बताने की हिम्मत नहीं करेंगे। यह उनके जीवन और उनके बच्चों की जिंदगी को खतरे में डाल देगा।

वैलेरियू से मिलता है

एक दिन टोटो का चचेरा भाई कहता है:

''आओ फुटबॉल खेलें।''

टोटो ने सुना है कि एक आदमी स्कूल के पास खेल हॉल में फुटबॉल प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है, लेकिन वह कभी भी वहां जाने का साहस नहीं जुटा पा रहा है।

वैलेरियू ऊनी टोपी एवं ट्रेकसूट पहने हुए एक आदमी है। वह टोटो की प्लास्टिक चप्पलों पर एक नजर डालता है और जल्दी से फर्श पर पड़े जूतों के एक विशाल ढेर में से उसके लिए फुटबॉल के जूतों की एक जोड़ी ढूढ़ कर निकालता है।

टोटो हर सप्ताह फुटबॉल अभ्यास करने जा रहा है। उसे खेलने के लिए एक शीर्ष एवं ट्रैकसूट पैट् भी मिलते हैं। थोड़ी देर बाद, वैलेरियो पूछता है कि क्या वह होमवर्क पर मदद करने के लिए आना चाहेगा, जिसे वैकल्पिक

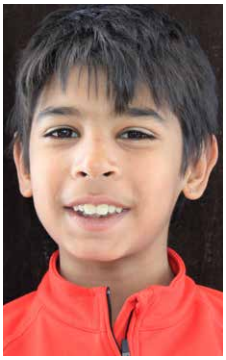

टोटो 10 वर्ष की आयु में।

जब टोटो फुट–बॉल प्रशिक्षण में जाने शुरू हो जाता है, तो उसके पास खेलने के लिए केवल एक प्लास्टिक की चप्पलें होती हैं, लेकिन वैलेरियू उसे असली फुटबॉल बूट और एक ट्रैकसूट देता है।

नगर महापालिका ने फेनेटारी में कचरा एकत्रित करना बंद कर दिया है, और पहरवारों को इससे छुटकारा पाने के लिए कोई जगह नहीं है। कुछ वयस्कों ने पहले साफ करने की कोशिश की थी, लेकिन अब सभी ने छोड़ दिया है। कचरा चूहों को आकर्षित करता है, जो रोग फैलाता है।

शिक्षा क्लब के नाम से जाना जाता है।

शुरू में टोटो नहीं जाना चाहता। वह कभी स्कूल नहीं गया है और वह शर्मिंदा है कि वह न तो पढ़ सकता है और न ही लिख सकता है। वह केवल नौ तक गिन सकता है, हालांकि वह दस साल का है। लेकिन अंत में वह चला जाता है और एंड्रिया भी उसके चली जाती है।

विभिन्न प्रकार का स्कूल

वैलेरियू और उसके मित्र, फेरेन्टारी के एक स्कूल में, दोपहर और शाम को सप्ताह के अंत में एक कक्षा लेते हैं। दरवाजे पर एक रंगीन संकेत है जो कहता है 'वैकल्पिक शिक्षा क्लब'। उन्होंने इसे अंदर से अच्छा करवा दिया है, दीवारों पर चित्रों और छत से पेपर चेन्स लटक रही हैं। हर सप्ताह, वैलेरियू के मित्र शहर से बच्चों को पढ़ना, लिखना तथा गिनती करना सिखाने के लिए आते हैं। कुछ शिक्षक हैं, लेकिन इनमें से अधिकतम के पास अन्य नौकरियां हैं। कुछ वकील हैं, बस ड्राइवर हैं, आईटी तकनीशियन हैं या नर्स हैं। क्लब में आने से पहले, उनमें से ज्यादातर को फेरेन्टारी अथवा गरीबी के बारे में कुछ नहीं पता था। कुछ लोग इतने सदमे में थे कि वे कभी वापस नहीं आये। लेकिन उनमें से ज्यादातर वापस आते रहते हैं, प्रति सप्ताह।

''ऐसा लगता है कि हम एक परिवार हैं,'' थोड़ी देर बाद टोटो, वैलेरियू से कहता है।

क्लब में, बच्चों को ड्राइंग, संगीत एवं नाटक का अनुभव होता है। एक प्रसिद्ध सड़क के नृत्य करने वाले समूह का नर्तक उन्हें लॉकिंग और पॉपिंग जैसी हिप हॉप शैलियां सिखाता है। पहली बार इसे करना मुश्किल होता है, लेकिन टोटो बहुत मेहनत से काम करता है, पूरे घर में और नृत्य सत्र के दौरान। जबकि अन्य गति को खो देते हैं, टोटो बीट्स की सुनता है और अंत में शिक्षक की गतिविधियों को पूरी तरह कॉपी कर लेता है।

स्कूल शुरू होता है

टोटो ने देर से स्कूल शुरू किया, लेकिन वह अक्सर कक्षा में देर से पहुंचता है। ऐना ड्रग्स पर वापस आ गई है, इसलिए एंड्रिया घर पर नहीं रहना चाहती। वह मित्रों के घरों पर सोती है और रात में अक्सर टोटो जागता रहता है क्योंकि उसे अकेलापन और डर लगता है।

''देर से आने के लिए क्षमा करें, वह कहता है, जब वह कक्षा में एक सुबह देर से पहुंचता है। ''

शिक्षक उसके देर में कक्षा में पहुंचने की आदि हो चुकी है और पूछती है कि वह कैसा है।

''मैं उठ नहीं सका ... मैं थक चुका था, मिस ... मैं बिल्कुल सो नहीं पाया।''

विद्यालय में, वैलेरियू और शिक्षा क्लब के काम करना शुरू करने से पहले, ज्यादातर शिक्षकों को फेरेन्टारी में बच्चों के जीवन के बारे में कुछ नहीं पता था।

जब बच्चे देर से स्कूल पहुंचते थे या सबक के दौरान सो जाते थे, तब उन्हें फटकारा जाता था और दंडित किया जाता था। कई बच्चे स्कूल छोड़ गए क्योंकि वे इतने दुखी थे। लेकिन अब वैलेरियू शिक्षकों को स्थिति बताते हैं और वे समझ जाते हैं कि बच्चें अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहे हैं। टोटो के शिक्षक ने उसके हाथ पर थपथपाया और उसे एक कागज का टुकड़ा दिया जिस पर घड़ियों बनी हूई थीं। उसे हर एक के सामने दिखाए जाने वाले समय को लिखने के लिए कहा।

''तुम काम का विभाजन कर सकते हो,'' वह कहती हैं, कृपया। ''इस बार जल्दी मत करो।''

पुलिस ऐना को ले जाती है

टोटो स्कूल में है जब पुलिस उसके घर में घुस जाती है और दरवाजे पर खटखटाती है। वे चिल्लाते हैं:

''पुलिस! खोलो!'' तब वे दरवाजे को तोड़ कर अंदर घुस जाते हैं।

''सब नीचे गिर जाओ!

नीचे!

अन्ना और अन्य फर्श पर खुद को फेंक देते हैं। पुलिस ने उन पर हथकड़ी डाल देती है, उन्हें सीढ़ियों से नीचे धकेलते हुए एक कार में बाहर बैठा देती है।

जब एंड्रिया घर आती है, तो एक आदमी अंदर स्वेच्छा से बैठा होता है।

''आपकी बहन को गिरफ्तार कर लिया गया,'' वह कहता हैं।

एंड्रिया और टोटो अब अपने दम पर बचे हैं। अन्ना को कुछ समय के लिए जेल में रहना होगा। पुलिस उसे कहलवाने का प्रयास करती है कि उसने ड्रग्स बेची हैं, लेकिन वह मना कर देती है। एक शाम देर से, वह रिहा हो कर घर आ जाती है।

''क्या आप फिर से ड्रग्स लेना शुरू कर देंगी?'' एंड्रिया उत्सुकता से पूछती है। टोटो ऐना को एक आलिंगन देता है

''वेलकम बैक, ऐना,'' वे कहता है, और अचानक रोना शुरू कर देता है।

टोटो और उसकी बहन एंड्रिया को पहले बाल गृह पर अच्छा नहीं लगता, लेकिन कुछ समय बाद वे ज्यादा घर जैसा महसूस करते हैं।

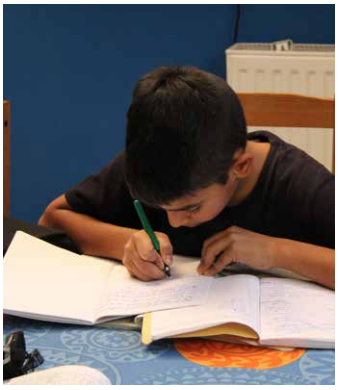

वैकल्पिक शिक्षा क्लब में, टोटो पहली बार पढ़ने और लिखने सीखता है।

जब टोटो की बड़ी बहन ऐना, 17, बीमार हो जाती है, तो उसके पास सफाई करने अथवा स्वयं की देखभाल करने की ऊर्जा नहीं होती।

Toto, 17

सर्वप्रिय बातें: नाटक में भाग लेना और फिल्में बनाना।
सबसे खराब बातें: जातिवाद, अन्याय।
याद आती है: अपने परिवार की।
भरोसा करता है: अपने मित्रों पर।
उदास रहता है: जब मुझे अपने परिवार की याद आती है।
सपनों की नौकरी: अभिनेता
आदर्श मानता है: वैलेरियू। वह हम सब के लिए पिता समान है।

''तुम जेल से कैसे निकली?''
ऐना कहती है, ''रोने बंद करो... मैं अब ड्रग्स नहीं लूंगी।'' वह वादा करती कि कोई भी फिर से फ्लैट में ड्रग्स नहीं लेगा, और वह टोटो का पूरा ध्यान रखेगी। वह थकी हुई दिखती है और उसके कपड़े उसके पतले शरीर पर लटक रहे हैं।
''तुमने इतना वजन क्यों गंवा दिया?'' एंड्रिया पूछती है।
''मैं जो खा सकती हूं वो खाती हूं,'' ऐना धीरे से कहती है।

नौकरी के सपने

ऐना एक रसोइया के रूप में काम करना चाहती है और शिक्षा क्लब से मदद लेना चाहती है। एक पेशेवर पाठ्यक्रम पर जगह के लिए आवेदन करने के लिए उसे एक साक्षात्कार मिलता है और स्कूल की महिला पूछती है कि वो कितनी बड़ी है।
''17।''
''तुम आयु कम हैं, हमें तुम्हारे माता–पिता में से एक की आवश्यकता है।''
''मेरी मां जेल में है।''
''समझा। और आपके पिता?''
''वह मेरे बारे में परवाह नहीं करते,'' ऐना कहते हैं, जिसक अपने पिता के साथ कोई संपर्क नहीं रहा है।
''इस पाठ्यक्रम को लेने के लिए तुमको माता–पिता की सहमति की आवश्यकता है, ठीक है,'' महिला विवशता से कहती है। ऐना घर चली जाती है, उदास और निराश। जल्द ही वह फिर से ड्रग्स लेने लगती है।

बाल ग्रह में जाकर रहना

वैलेरियू सोचते हैं कि टोटो और एंड्रिया के लिए घर पर और अधिक समय रहना बहुत खतरनाक है, और उन्हें फेरेन्टारी में बाल गृह जाना चाहिए। एंड्रिया नहीं जाना चाहती है। वह आखिरी बार याद करती हैं जब वह और ऐना बाल गृह में रहते थे, टोटो के जन्म से पहले। वह भयानक महसूस करती थी कि मां उन्हें और नहीं चाहती थी। यह अंकल साइल था, जो उनकी मां द्वारा उनको वापस घर ले जाने के लिए कहा।
जब एंड्रिया, शिक्षा क्लब में, अपने शिक्षक से इसके बारे में बात करती है, तो वह रोने लगती है। रोनी से कुछ भी हल नहीं निकलगा, शिक्षक कहती है।
''मजबूत बनो। अड़ियल बनो। हमारी जिन्दगियां इसी तरह चला करती है। क्या तुम समझे?''
''मैं समझ रही हूं,'' एंड्रिया कहती है, और शिक्षक उसे प्यार से गले लगा ले लगाती है।
एंड्रिया और टोटो बाल गृह में चले जाते हैं। यह पुराना हो गया है और यहां बहुत नियम हैं, लेकिन वे रोजाना भोजन पाते हैं और कोई भी ड्रग्स नहीं लेता है न ही उन पर चिल्लाता है। कुछ समय बाद, टोटो घर जैसा महसूस करने लगता है। ऐना कभी–कभी उनसे मिलने आती है। वह शवार मांगती है और अपने कपड़े बदलती है। हर बार वह पतली और अधिक थकी हुई दिखती है।

ऐना बीमार है

जब ऐना अचानक बाल गुह में जाना बंद कर देती है, तब एंड्रिया फ्लैट में जाती है, जो गंदा और अव्यवस्थित पड़ा है। अन्ना में कुछ भी करने की ऊर्जा नहीं है। वह सिर्फ बिस्तर में लेटी रहती है। वह रोती है और कहती है कि उसके भाई–बहन ने उसे छोड़ दिया है।
''हमने उसे छोड़ दिया क्योंकि अब हम इस तरह नहीं रह सकते...'' एंड्रिया कहती है। वह ऐना को याद दिलाती है कि जब वह जेल से बाहर आई थी तो उसने स्कूल और काम शुरू करने का वादा किया था।
''इनमें से कोई भी नहीं हुआ। क्या तुम कम से कम अस्पताल नहीं जाना चाही हो?''
ऐना अंत में एंड्रिया के साथ बाल गृह चली जाती है। वहाँ वह एक सलाहकार से बात करती है, और एंड्रिया दरवाजे के पीछे उन्हें सुनती है। सलाहकार ऐना से पूछता है कि उसने कब से ड्रग्स लेने शुरू किया।
''मैं 13 साल की थी,'' वह उत्तर देती है। वे कुछ और बात करते हैं, सलाहकार अपने कागजातों को पलटता है और कहता है: ''तुम्हारे परीक्षण के परिणाम वापस आये थे और दुर्भाग्य से तुम एचआईवी पॉजिटिव हो।''
एंड्रिया दुखी है, लेकिन अचम्भित नहीं। टोटो यह समझने के लिए बहुत छोटा है, लेकिन उसे लंबे समय से ऐना के बीमार होने का संदेह था। एचआईवी आसानी से फैलता है जब ड्रग के उपयोगकर्ता सुइयों को साझा करते हैं। एचआईवी घातक नहीं है। उसका प्रभावी उपचार उपलब्ध है और इससे एक स्वस्थ जीवन व्यतीत किया जा सकता है। लेकिन फेरेन्टारी में जीवन इतना कठिन है कि एचआईवी अक्सर विकसित होकर घातक बीमारी एड्स में परिवर्तित हो जाती है।
टोटो प्रतियोगिता में भाग लेता है क्लब के डांस टीचर ने टोटो को एक बड़े हिप–हॉप नृत्य प्रतियोगिता

फेरेन्टारी में टोटो अपने जीवन के बारे में फिल्म बना रहा है।

टोटो के जीवन पर आधारित फिल्म का एक पोस्टर, 'टोटो और उनकी बहनें' घर की दीवार पर लटका हुआ है।

में प्रवेश किया है। निर्णायक इटली, डेनमार्क और अमेरिका से आये हैं। टोटो घबराया हुआ है और अपने पैरों में पैंट के एक पैर में लिखी संख्या 227 को छूता रहता है। अचानक मंच से वे उसे बुलाते हैं:

''पॉपिंग फाइनल में अंतिम नर्तक का समय, संख्या 227!''

पूरी स्पॉटलाइटें टोटो की आंखों में चमकती हैं। वह दर्शकों को नहीं देख सकता है, लेकिन वह जानता है कि वैलेरियू, नृत्य शिक्षक और उसके दोस्त वहां हैं। संगीत शुरू होता है, और टोटो छोटी कलाबाज़ियों के साथ गति से चलता है। वह अपनी मांसपेशियों को कसता है और ढीला छोड़ देता है, जिससे ऐसा लगता है कि उसका शरीर बिजली के झटकों से हिल रहा है। और वह एक पुरस्कार जीतता है – दूसरा स्थान! उसके मित्र उसकी जयजयकार करते हैं जब टोटो मंच पर खड़ा होता है और उसके गले में एक पदक डाल दिया जाता है।

''बहुत खूब, बच्चे! तुम पैदाइशी चौंपियन हो, सुना तुमने?'' उसका नृत्य अध्यापक बाद में कहता है।

''तुम सर्वश्रेष्ठ हो। यह बात कभी मत भूलना...''

दूसरों की मदद करने के लिए उत्सुक

टोटो अब 17 वर्ष का हो गया है। वह और एंड्रिया स्कूल में रुक जाते हैं। ऐना अभी भी उपनी बीमारी से जूझ रही है। मां जेल से बाहर है, लेकिन वे शायद ही कभी मिलते हैं। टोटो, फेरेटारी में एक समूह गृह में छह अन्य लड़कों के साथ रहता है जो उसकी तरह अपने परिवारों के साथ नहीं रह सकते।

''यह ठीक है यहाँ,'' वे कहते हैं ''लेकिन मैं अपने परिवार को कभी–कभी याद करता हूं और फिर मुझे दुख होता है।''

एक फिल्म 'टोटो और उसकी बहनें' का पोस्टर दीवार पर लगा है। यह फेरेन्टारी में टोटो के जीवन के बारे में है और एक प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक द्वारा बनाया गया थी, वैलेरियू और *वैकल्पिक शिक्षा क्लब* के अन्य लोगों की मदद से।

''शुरू में यह अजीब लगता था कि कोई हमारे द्वारा किए गए सभी कामों को कोने में बैठे हुए फिल्म बना रहा है, लेकिन कुछ समय बाद मैंने इसके बारे में सोचना छोड़ दिया।''

'टोटो और उसकी बहनें' को पूरे विश्व में फिल्म समारोहों में दिखाया गया है और उसे कई पुरस्कार तथा उत्तम समीक्षाएं मिली हैं।

''यह अजीब सा लगता है कि अंधेरे सिनेमा में बैठकर जब लोग मेरी जिंदगी के अंश देखते हैं तो वे रोते हैं। इससे मुझे अपने अनुभवों के बारे में अधिक समझ आई है कि मैं किन कठिनायों से गुज़रा हूं। बाद में, लोग अक्सर सवाल पूछते हैं और मेरे ऑटोग्राफ मांगते हैं। फिर मैं अक्सर अपनी शर्ट पर उनसे उनका नाम एवं संदेश लिखने के लिए कहता हूं जो एक स्मृति चिन्ह के रूप में होता हैं। मेरे घर पर उस तरह की तीन शर्टें हैं, जो इस तरह के संदेशों से भरी हुई हैं!''

अपनी फिल्म

टोटो स्वयं फेरेन्टारी के बारे में फिल्म बना रहा है।

''लोग सोचते हैं कि सभी लोग, जो फेरेन्टारी में रहते हैं, चोर हैं, कि हम काम करने के लिए बहुत आलसी हैं, कि हम केवल ड्रग्स लेना चाहते हैं और गंदगी और कचरे के बीच रहने के आदि हैं। लेकिन यह सच नहीं है। बेशक ड्रग लेने वाले लोग इस आदत से छुटकारा चाहते हैं, लेकिन यह बहुत ही कठिन है। लोग साफ सुथरी जगह चाहते हैं, लेकिन कूड़ा फेंकने की कोई जगह ही नहीं है। अंत में वे हार मान लेते हैं।''

टोटो का कहना है कि ज्यादातर लोग काम करना चाहते हैं, लेकिन कोई भी उन लोगों को नौकरी पर नहीं रखना चाहता जो फेरेन्टारि में रहते हैं।

''यह मेरे दोस्तों के साथ हुआ है, यहां तक कि उन लोगों के साथ जिन्होंने उच्च ग्रेड से स्कूल से उत्तीर्ण हुए थे। यदि आप काले हैं तो यह विशेष रूप से कठिन है, क्योंकि रोमा लोगों के प्रति बहुत नस्लवाद का व्यवहार होता है।''

टोटो सोचता है कि लोगों को फेरेन्टारी में आकर स्वयं देखना चाहिए कि यहां कैसी स्थिति है।

''झूठ और पूर्वाधारणाओं को सुनने के बजाय हमसे बात करें। हम लोग भी आप जैसे ही हैं।''

टोटो अभी भी नृत्य करता है, लेकिन अधिकतर मज़े के लिए। वर्तमान में उसको अभिनय, नाटक और फिल्में बनाने में अधिक रुचि है।

टोटो एवं उसके *प्लेहुड* नाटक समूह के मित्र।

बहुत से लोग फिल्म से नाटक समारोहों में टोटो को पहचानते हैं, और ऑटोग्राफ के लिए कहते हैं। फिर वह उन्हें अपनी शर्ट पर यादगार के लिए एक संदेश लिखने के लिए कहता है। उसके घर पर तीन शर्टें हैं जो इन संदेशों से भर गई हैं!

प्लेहुड का नया नाटक *होम* रोमानिया के सबसे बड़ी नाटक समारोह में प्रीमियर हुआ।

जीवन के लिए रंगमंच

जब टोटो और उसके मित्र रोमानिया के सबसे बड़े वार्षिक नाटक समारोह में अपने नया नाटक का प्रीमियर (प्रथम प्रस्तुति) करते हैं, तो लोग ऑडिटोरिअम (सभागार) में खड़े हो जाते हैं और उसकी सराहना करते हैं। कुछ अपनी आँखों से आँसू पोंछते हैं।

टोटो ने फेरेन्टारी में वैकल्पिक शिक्षा क्लब में अन्य युवाओं के साथ नाटक करना शुरू किया। आइऑनट नामक एक व्यवसायी अभिनेता की मदद से उन दोनों ने फेरेन्टारी में अपने जीवन से प्रेरणा लेकर अपने स्वयं के नाटक लिखना शुरू कर दिये। पिछले साल उन्होंने अपने नाटक समूह प्लेहुड का गठन किया।

''नए नाटक को होम (घर) कहा जाता है,'' टोटो कहते है। यह एक किशोर हिरासत केंद्र में चार किशोरों के बारे में है।

संक्षिप्त दृश्यों की एक श्रृंखला में, यह नाटक हमें बताता है कि लड़के जेल में कैसे पहुंचे। यह गरीबी, माता–पिता बच्चों की देखभाल करने में असमर्थ होने, शिक्षा की कमी, और निश्चित रूप से, बेवकूफी की गलतियों एवं गलत विकल्पों का चयन करने के बारे में है।

''यह सपनों के बारे में भी है,'' टोटो कहता है। ''इस तथ्य कि हर किसी के सपने होते हैं जिनको वह साकार करने की कोशिश करता है।'' नेता आइऑनट सिर हिलाकर बात का समर्थन करते हुए कहता है कि यह नाटक यह दर्शाता है कि यह एक दूसरे को स्वीकार करना और उस पर भरोसा करना कितना महत्वपूर्ण है। यह कि अनोकों लोगों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करना पड़ता है, भले ही अधिक्तर लोग उनके खिलाफ हो।

आइऑनट स्वये फेरेन्टारी का रहने वाला नहीं है। वह अक्सर इस क्षेत्र और वहां के रहने वाले युवा लोगों के बारे में पूर्वधारणा का सामना करता है।

कुछ लोग मुझसे पूछते हैं? ''आप उन लोगों के साथ कैसे काम कर सकते हैं?'' लेकिन ज्यादातर सकारात्मक हैं, हालांकि वे आश्चर्यचकित हो जाते हैं जब वे किशोरों को ड्रग्स, किशोर गर्भधारण, नस्लवाद और भेदभाव के दृश्यों का प्रदर्शन देखते हैं। कभी–कभी वे पूछते हैं कि क्या युवा लोग वास्तव में इन बातों को समझते हैं। पर हम जानते हैं कि वे समझते हैं।''

हास्य का महत्व

''हम बहुत सारी मुश्किलों से निपटते हैं, लेकिन हम हमेशा हास्य का उपयोग करते हैं,'' टोटो कहता है। ''आखिर हम किशोर हैं, इसलिए यह बहुत गंभीर नहीं होना चाहिए। मुझे लगता है कि लोग हमारे नाटकों को देख कर बहुत कुछ सीखते हैं। मैं यह भी देख सकता हूं कि वे हमारे इस प्रयास से खुश हैं, और उनकी खुशी और करुणा मुझे भी खुश करती है।''

बुखारेस्ट शहर के अन्य हिस्सों में, बुरे शब्दों और पूर्वधारणाओं वाले भित्तिचित्रों को देखना काफी सामान्य है, उदाहरण के लिए, रोमा के विरुद्ध। लेकिन फेरेन्टारी में, बच्चों ने दीवारों पर दिलों से और चमकते रंगों से अपने भित्तिचित्र बनाए हैं।

फेरेन्टारी में खेलने के लिए कई जगह नहीं हैं। पड़ोस के कई क्षेत्रों को बेघर लोगों और ड्रग्स के उपयोगकर्ताओं ने ले लिया है। फिर भी बच्चे मज़े करने और व्यायाम करने के तरीके खोज लेते हैं।

सड़क के खेल

फ्रेंच लंघन

''फ्रांसीसी लंघन के लिए आपको बस कुछ लोचदार और उछाल वाले पैरों की जरूरत है,'' ज़ाना, 12 बताती है। इलाटिस्क का बांध कर एक छल्ला बनाओ। दो लोग उसके अंदर खड़े हो कर इलास्टिक को अपने पैर या शरीर के चारों ओर फैला देते हैं। जिसकी बारी होती है वह अलग–अलग तरह से उस छल्ले के अन्दर/बाहर जाती है। यदि आप यह क्रिया करने में सफल होते हैं तो इलास्टिक को और ऊपर चढ़ाया जाता है, उदाहरण के लिए घुटनों से कमर तक, या बगलों के थोड़ा नीचे।

The elastic is moved higher and higher every time you do a movement. The higher it goes, the harder it gets of course!

टिप! अगर कोई भी खड़ा नहीं होना चाहता है, तो तुम इलास्टिक के एक छोर को किसी बाड़ या पोल पर बांध सकते हो।

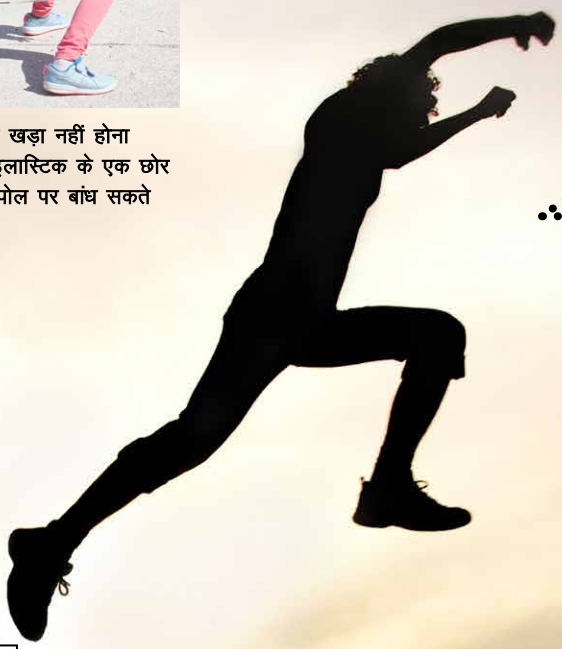

पारकौर क्या है?

पारकौर फ्रांस में पेरिस के उपनगर में एक स्वतंत्रतापूर्वक क्रिया है जो उँची इमारजों वाले क्षेत्रों में जल्दी से लोकप्रिय हो गई जहां बच्चों और युवाओं के पास अच्छा खेलने के क्षेत्रों या उन्नत उपकरणों से युक्त बड़ी व्यायामशालाओं की पहुंच नहीं थी। स्केटबोर्डर्स की तरह, जो सड़क के वातावरण का उपयोग करते हैं, जो लोग पारकौर करते हैं वे शहर के जंगली इलोके में आज़ादी से चलते हैं। वे 'ट्रिक्स' (चतुर्ताएं) करते हैं, दौड़ते हैं और छतों और पार्क बेंचों, डामर और ऊंची दीवारों पर कूदते हैं। यह विचार होता है कि जितना संभव हो सके उतनी कुशलता से, सुचारू रूप से और शीघ्रता से, बाधाओं से निपटें और रास्ते पर समस्याओं को सुलझाते हुए अपने लक्ष्य पर पहूंचें। पारकौर एवं स्वेच्छा से दौड़ने का अब दुनिया भर में अभ्यास हो रहा है। कई लोग इसे कलाबाजी, चढ़ाई एवं संतुलन प्रशिक्षण के साथ गठबंधन करते हैं। तुम भी कोशिश कर सकते हो, पर सावधान रहना!

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: JOANNA PELIROCHA

आईऑनट फेरेन्टारी में बड़ा हुआ।
"सबसे बुरी बात है जब इस क्षेत्र के लोग आपस में झगड़ते हैं।"

जिम फ्लोर के रूप में डामर

"आईऑनट, 18, कई वर्षों से, फेरेन्टारी में, अपने दोस्तों के साथ पारकौर और कलाबाजी कर रहा है। हम एक दूसरे से और यूट्यूब वीडियो देखकर सीखते हैं," वे कहते हैं। "कभी–कभी हम मोबाइलों द्वारा स्वयं की फिल्म बनाते हैं और 'ट्रक्स' अपलोड करते हैं, जिससे दूसरे हमे देख सकें कि हम क्या कर रहे हैं।"
आईऑनट को पार्कर और कलाबाजी पसंद है, लेकिन भविष्य में वह एक गायक बनना चाहता है, शायद जस्टिन बीबर जैसे बड़े स्टार की तरह।
'जब मैं गा रहा होता हूं, तब मैं खुश होता हूं," वे कहते हैं।

फेरेन्टारी में तुम्हारा शरीर ही तुम्हारा उपकरण है, जिसमें कोई उन्नत व्यायामशाला नहीं है।

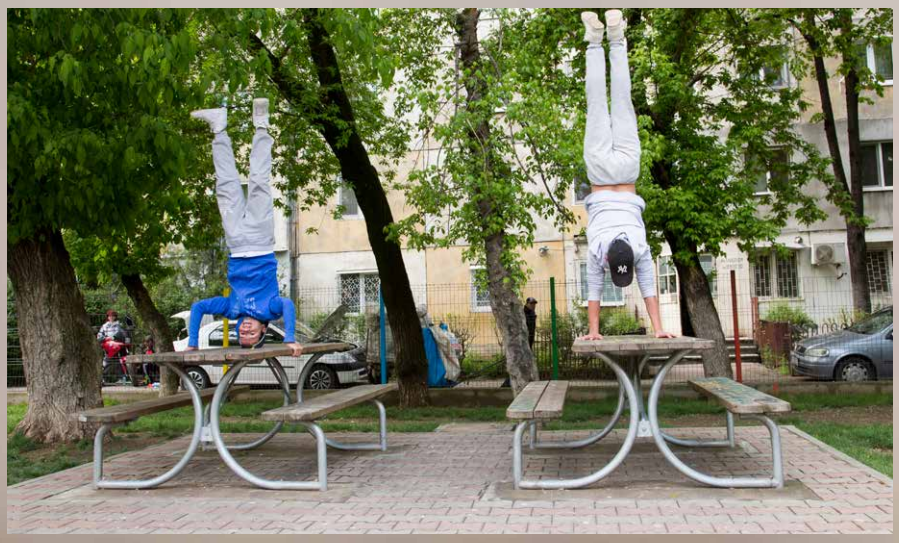

"कुछ भी सीखने में समय लगता है।
आपको यह कई बार गलत होने के लिए तैयार रहना चाहिए!"

उँची इमारतों के बीच जंगल

रीका, 13, का जन्म बुखारेस्ट शहर के टीक बाहर हुआ जो एक जंगली, हरा–भरा इलाके है जिसमें सकरी नदियों बह रही हैं, और वहीं वह बड़ा हुआ।

रीका के जन्म से बहुत पहले, उसके पिता गिका ने ग्रामीण रोमानिया की गरीबी छोड़ दी और अपने घोड़े एवं गाड़ी के साथ बुकारेस्ट चले आये। जब वह शहर में प्रवेश कर रहा थे, तब उसने एक जंगली क्षेत्र देखा जो भूरे कंक्रीट के पीछे छिपा हुआ था। उन्होंने अपने परिवार के लिए वहीं पर एक छोटा सा घर बनाया और रहने लगे।

शहर का विस्तार होता है

जैसे–जैसे शहर में वृद्धि हुई, भूरे रंग की ऊँची इमारते पास आती गईं। अचानक पानी और घास में कचरा था। पुराने टायर, प्लास्टिक बैग, कार्ड बोर्ड बक्से और टीन के डिब्बे, यहां तक कि एक फ्रिज भी। कई पार्क में रहने वालों ने रोमा परिवारों को इसका दोषी ठहराया। लेकिन असल में यह शहर के लोग थे, जिन्होंने सोचा कि वह जंगली इलाके में अपने कचरे को आसानी से ठिकाने लगा देंगे।

क्षेत्र एक पार्क बन जाता है

एक दिन, पर्यावरण कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उस क्षेत्र को खोज लिया। वे यह जान कर प्रफुल्लित हुए कि उनके शहर के इतने पास 100 अलग–अलग प्रजातियों के पक्षी एवं पशु, जिनमें कछुए तथा ऑटर शामिल थे, रह रहे थे। लेकिन यह क्षेत्र शिकारियों, अवैध मछली पकड़ने वालों और कचरे से खतरे में था। चार साल बाद, पर्यावरण कार्यकर्ता क्षेत्र को एक संरक्षित पार्क में बदलने के लिए रोमानियाई सरकार को मनाने में कामयाब हुए। बहुत से लोग अब रोमा परिवारों को पार्क से बाहर निकाल देना चाहते थे। गिका ने मना कर दिया।

उन्होंने कहा, "मैं अपना घर कभी नहीं छोड़ूंगा।"

अंत में, पर्यावरण कार्यकर्ताओं को एहसास हुआ कि गिका उनकी मदद कर सकता है और उन्होंने उसे वहां का वन वार्डन बना दिया। वह केवल एक ही है जो अब पार्क में रह सकता है, और पशुओं तथा उनके प्राकृतिक आवास की रक्षा कर सकता है।

"मां तथा सभी बच्चे एवं पोते शहर के एक फ्लैट में सोते हैं," रीका बताता है। "लेकिन हम हर रोज़ पिताजी से मिलने जाते हैं। जब मैं वहां होता हूं, तब मुझे नल के पानी और हीटिंग चलाने जैसी चीजों की याद आती है। लेकिन शहर में मुझे प्रकृति की शांति और शांति याद आती है।"

Rica, 13

में रहते हैं: बुखारेस्ट में एक फ्लैट में और वैकारेस्टी पार्क में।

पसंद: फुटबॉल एवं संगीत।

प्यार करता है: मेरा परिवार, हमारे कुत्ते और बिल्लियां।

बनना चाहता है: पिताजी की तरह एक वन वार्डन

9:00 प्रातः – गुड मॉर्निंग!

"हम स्कूल के दिनों हम बहुत जल्दी उठ जाते हैं, लेकिन सप्ताह के अंत में हमें देर में उठ सकते है," रीका कहता है। उसकी बड़ी बहन को कभी स्कूल जाने को नहीं मिला। उसने शादी कर ली और उसके बच्चे पैदा हो गए जब वह किशोरी थी। "अब हालात बदल गए हैं," वह कहती है। "मेरी बेटी और मेरे छोटे भाई–बहन पहले स्कूल जाएंगे।"

9:30 प्रातः – फेरेन्टारी जाना

आज होमवर्क कराने में सहायता और फिर फेरेन्टारी में वैकल्पिक शिक्षा क्लब में फुटबॉल।

कृत्रिम क्षेत्र जंगली हो गया

यह रोमानिया के पूर्व तानाशाह सेएउसेस्कु था जो इस क्षेत्र में एक कृत्रिम झील बनाना चाहता था जहां अब पार्क स्थित है। 1989 की क्रांति में तानाशाह की हत्या हुई थी, और वह अर्ध–समाप्त परियोजना भूला दी गई। लेकिन पानी अपने आप से फैल गया और एक विशाल जल डेल्टा में बदल गया। यह जंगली जानवरों को यहाँ खींच लाया, और दुर्लभ पौधे एवं फूल बढे होने लगे। कुछ व्यवसायी जमीन पर उच्च–वृद्धि वाले फ्लैट्स और कारखानों का निर्माण करना चाहते थे। कुछ लोग कहते हैं कि लोगों ने क्षेत्र को नष्ट करने के लिए जंगल में आग लगा दी ताकि वे निर्माण कर सकें। पर इसके बजाय जंगल को एक संरक्षित पार्क में बदल दिया गया।

10.00 प्रातः – होमवर्क सहायता

"जब हम पहले क्लब में आते थे, तो हम पहले कभी स्कूल नहीं गए थे," रीका कहता है। "वेलेरियु और अन्य वयस्कों ने हमें पढ़ना और लिखना सिखाना की पूरी कोशिश की, लेकिन यह मुश्किल था। अब यह बेहतर हो रहा है। हर दिन मैं कुछ नया सीखता हूं।"

1:00 सायं – फुटबॉल का समय

"होमवर्क सहायता के बाद, हर कोई स्पोर्ट्स हॉल भाग जाता है। लड़कियों और लड़कों के लिए फुटबॉल प्रशिक्षण है।"

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: KIM NAYLOR

3:00 सायं – जंगल में

रीका और उसके भाई–बहन बस लेते हैं और जंगल में पहुचने के लिए शहर से होते हुए पैदल जाते हैं। यात्रा का आखिरी हिस्सा परिवार की नाव से होता है। नाव पानी में निकलने वाली लंबी घास में फंसी गई है!

अब भी कचरा पड़ा हुआ है

कई साल बुखारेस्ट के निवासियों द्वारा पार्क में फेंके गए कचरे को साफ करने में लंबा समय लगेगा। लेकिन रीका की मां जो कर सकती है, वह करती है।

4:00 सायं – अंत में घर

वह घर जिसे रिका के पिता ने कई वर्ष पहले बनाया था, की मरम्मत की गई है और और उसे अनेकों बार ठीक किया जा चुका है।

4:30 सायं – पानी भर कर लाना

पार्क में साफ पानी है। रीका के छोटे भाई गिका के लिए पानी लाते हैं, जो बूढ़ा होता जा रहा है।

5:00 सायं – कबूतरों की देखभाल

रीका अपने कबूतरों को देखता है और उनको मकई तथा सूरजमुखी के बीजे खिलाता है। वह और उसके पिता के पास 60 कबूतर हैं, और कभी–कभी वे उन्हें बाहर निकाल देते हैं। ''वे हमेशा वापस आते हैं, जब तक कि कोई बाज़ उनको पकड़ न ले जाए।''

''हमारे पास तीन कुत्ते और दस बिल्लियों हैं उनमें से कुछ अच्छे दोस्त थे क्योंकि वे बहुत कम थे। मुझे हमारे कुत्ते लियो की याद आती है, जब वह पार्क से बाहर निकल गया था, तो एक जाती हुई कार से कुचल गया था।''

खरगोश को ऊपर उठाना अच्छा नहीं लग रहा है!

5:30 सायं – लकड़ी काटना

रीका अपने पिता की आग के लिए लकड़ी काटता है, इसलिए वह रात में गर्म रह सकें।

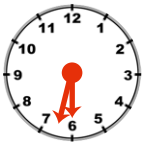

6:30 सायं – शाम को फुटबॉल खेलना

वैलेरियो पार्क में घूमने आता है और संध्या के समय फुटबॉल खेलता है।

8:00 सायं – टीवी देखने का समय

जब रीका शहर में वापस आ जाता है, तब वह टीवी देखता है, हालांकि वह संगीत सुनना पसंद करता है। जल्द ही सोने का समय हो जाता है, और फिर वह जंगल की शांति याद आती है।

डैरियो घर जाने के लिए तरस रहा है

डैरियो चार साल का था जब वह पहली बार एक बाल गुह में चले गया। उस समय, उसका परिवार फुटपाथ पर एक छोटे से लकड़ी के झोंपड़ी में रहता था, जिसमें कोई गरम करने की व्यवस्था, शौचालय तथा पानी की सप्लाई नहीं थी।

डैरियो की मां ने अपने बच्चों की देखभाल करने की कोशिश की, सफाई रखी और जगह को अच्छा लगने वाला बनाया। लेकिन यह मुश्किल था जब नौ लोग एक ही कमरे में एक साथ घुसे हुए थे। डैरियो के पिता से कोई मदद नहीं मिलती थी। वह शराब पीते थे, ड्रग्स लेते थे और यहां तक कि उसकी मां को पीटते थे। कभी–कभी चूहे, मकड़ियां और अन्य जानवर दीवारों तथा छत की दरारों में घुस जाते थे। अंत में, सबसे कम उम्र के बच्चों को फेरेन्टारी में एक राज्य बाल गृह में जाना पड़ गयाः एक भूरी चौकोर इमारत जिसके चारों ओर एक ऊंची बाड़ लगी थी।

''यह भयानक था,'' डैरियो याद करता है। ''हमें बाहर जाना और खेलना कभी नहीं मिला। यह एक जेल की तरह महसूस हुया। हर कोई नाराज था, विशेष रूप से एक चश्मा पहनने वाली महिला। जब भी मैं गलियारे में दौड़ता था या जोर से बात करता था तो वह मुझ पर चिल्लाती थी। मैं वास्तव में उससे डरता था। कुछ बच्चे भाग गए, बाड़ पर चढ़े और गायब हो गये। लेकिन मैंने हिम्मत नहीं की।''

घर जाना चाहता था

डैरियो ने अपनी मां को याद किया और हर दिन रोया।

''मैं हमेशा पूछता रहता था कि मां कब मुझे लेने आयेगी, और हर दिन बाल गृह के वयस्कों ने कहाः ''वह कल आ रही है।''। उन्होंने मुझे रोना बंद करने के लिए झूठ बोला, लेकिन यह बेहतर होता अगर वे मुझे सच बता देते। मुझे और अधिक निराश एवं उदास हो गया।''

कभी–कभी डैरियो की मां ने मिठाई और बिस्कुट के साथ बच्चों के घर का दौरा किया।

''वह जानती थी कि यह कितना खराब था और हमें वहाँ छोड़ना नहीं चाहती थी। वह शावर उधार लेने के लिए कहती थी, क्योंकि हमारे पास घर पर कोई बाथरूम नहीं था।''

थोड़ी देर बाद, डैरियो और उसके भाई–बहन को फेरेन्टारी में दूसरे बाल गृह ले जाया गया, जो एक डे–कैयर सेंटर जैसा था। इसका मतलब था कि बच्चे कभी–कभी अपने घर जा सकते हैं, जैसे सप्ताह के अंत में या छुट्टियों में।

डैरियो कहता है, ''यहां पर एक हजार गुना बेहतर था।'' ''यहां के वयस्क

फेरेन्टारी में राज्य का बाल ग्रह ऊंचे बाड़ लगाने से घिरा हुआ है।

सप्ताहांत पर, डैरियो कभी–कभी अपनी बहन लैक्रिमा और उसके बच्चों के साथ रहता है।
"मैं हर समय यहां रहना चाहता हूं, लेकिन उनके पास केवल एक छोटा स्थान है, इसलिए कमरे में जगह नहीं है।"

Dario, 12

में रहते हैं: फेरेन्टारी के एक बाल गृह में।
प्यार करता है: मेरा परिवार, मेरा कुत्ता पोफी।
प्रिय है: स्कूल, ड्राइंग, फुटबॉल, नाटक।
याद आती है: मेरी मां
उदास होता है: जब मैं फेरेन्टारी में लावारिस कुत्तों को देखता हूं।
आदश मानता है: वैलेरियू, उसके दिल बहुत बड़ा है।

दयालु थे और हमें यार्ड में खेलने देते थे। कभी–कभी मैं वहां से भोजन ले जाकर मां को दे देता था।"

क्लब मदद करता है

जब डैरियो ने स्कूल जाना शुरू किया, तो वह हर दोपहर और सप्ताह के अंत में वैकल्पिक शिक्षा क्लब चला गया। यहीं पर उसकी मलाकात वैलेरियू से हुई, जिसने उसकी होमवर्क करने में मदद की और उसे फुटबॉल प्रशिक्षण के लिए ले गया। "शिक्षा क्लब में वयस्कों ने हमें बहुत समय दिया और बातों को समझाने में अच्छे थे। इससे मुझे स्कूल की पढ़ाई को पकड़ने में मदद मिली। मैंने कक्षा में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों में से एक होने का भी पुरस्कार जीता! लेकिन अचानक मेरी सुनवाई खराब हो गई। जब मैं छोटा था तब से मैं हमेशा कान के संक्रमण से पीड़ित था। कभी–कभी मेरे कान से बाहर पीला द्रव (पस) निकला करता था। वैलेरियू मुझे डॉक्टर के पास ले लिया, जिसने कहा कि मैं बहरा हो सकता हूं।" फेरेन्टारी में बहुत से बच्चे गंदे पानी और संक्रमण से बीमार हो जाते हैं। कुछ लोग इन बीमारियों की वजह से अपनी सुनवाई या दृष्टि खो चुके है, जिनका उपचार आसानी से दवा द्वारा किया जा सकता था। लेकिन कई माता–पिता डरते हैं कि यदि वे सहायता मांगते हैं तो अधिकारी उनके बच्चों को उनसे ले जाएंगे। यह कई परिवारों के साथ हुआ है। कुछ डॉक्टर भी दवा और स्वास्थ्य देखभाल के लिए सामान्य शुल्क के ऊपर अतिरिक्त भुगतान मांगते हैं, भले ही ऐसा करना अवैध है। फेरेन्टारी के माता–पिता गरीब हैं और कोई भी अतिरिक्त भुगतान नहीं कर सकते।. जब डैरियो ने शिक्षा क्लब में अपनी सुनवाई के बारे में शिकायत की, तब वैलेरियू को लगा कि उसे तेज़ी से इस संबन्ध में कुछ करना होगा। डैरियो को आखिरकार एक चिकित्सक को देखने का मौका मिला और वैलेरियू के बहुत बहस करने के बाद, अस्पताल ऑपरेशन करने के लिए सहमत हो गया। उसकी सुनवाई बच गई।

डैरियो, को वैकल्पिक शिक्षा क्लब में अपना होमवर्क करने के लिए मदद मिलती है और अब वह कक्षा में सबसे अच्छे विद्यार्थियों में से एक है।

डैरियो के अनुसार फुटबॉल सबसे अच्छी बात है। उसका यर्वप्रिय खिलाड़ी मेसी है।

डैरियो के पसंदीदा खिलौने को 'केन्डामा' कहा जाता है और यह जापान से आता है। सैकड़ों वर्ष पहले जापान में इसका आविष्कार किया गया था और उसमें तीन कप और एक कील के साथ एक छड़ी पर स्ट्रिंग के अंत में एक लकड़ी की गेंद होती है। खेल का उद्देश्य किसी एक कप में या स्पाइक पर लकड़ी की गेंद को पकड़ना है। काफी अभ्यास करने के बाद अब डैरियो निपुण हो गया है!

वैलेरियू ने कहा, ''मैं इसे ठीक करने में कामयाब रहा क्योंकि मैं सही लोगों को जानती हूं और मुझे मालूम है कि यह काम कैसे किये जाते हैं,'' वैलेरियू कहता है। ''अगर डैरियो की मां ने उसका ऑपरेशन करवाने की कोशिश की होती, तो वो कभी नहीं हुआ होता। यह मुझे नाराज करता है कि फेरेन्टारी में परिवारों को अन्य की तरह की देखभाल और मदद नहीं मिलती।''

माँ बीमार हो जाती है

एक दिन जब मां बाल गृह आयी तो वह असामान्य रूप से भूरी और पतली लग रही थी।

''माँ ने कहा कि वह बीमार थी और वह अक्सर नहीं आ सकती थी और यात्रा नहीं कर सकती थी। वह अपने सिर पर एक स्कार्फ डालती है, क्योंकि उसके बाल गिरने लगे थे,'' डैरियो कहता है। ''जब तक परिवार की नए साल की पूर्व संध्या पर एक पार्टी हुई, तब तक उसके सारे बाल झड़ चुके थे। लेकिन वह अभी भी खुश थी, क्योंकि हर कोई एक साथ था, संगीत सुन रहा था और मज़े कर रहा था। उस रात मैं एक पलक नहीं सोया!''

कुछ सप्ताह बाद, डैरियो फुटबॉल के प्रशिक्षण के बाद बाल गृह लौट रहा था।

''उस दिन एक अच्छा सत्र रहा था और मैं खुश था। जब मैं गाड़ी धोने की जगह के पास से गुजरा, जहां मेरे पिताजी काम कर रहे थे, तो उन्होंने मुझे देखा और अपने हाथ के इशारे से साथ आने के लिए कहा।

''तुम्हारी मां मर चुकी है,'' उसने कहा। में बहुत उदास हो गया। काश मुझे यह बात कोई बेहतर तरह से पता चली होती।''

एक टाइम मशीन की कामना

''मेरा मानना है कि मेरे पास एक समय मशीन होती, जिससे मैं वापस जाकर सब कुछ बेहतर बना सकता होता। न केवल फेरेन्टारी में, बल्कि पूरे विश्व में। अगर मुझे फैसला करना पड़ता, तो किसी भी बच्चे को बाल गुह में नहीं रहना पड़ता। इसके बजाय वे अपने परिवारों के साथ रहते होते।''

''मैं सभी कचरे एवं ड्रग्स से छुटकारा दिलाता, जिससे लोग एक–दूसरे से अच्छा बर्ताव करते। हो सकता है कि मैं ऐसा कर सकूं कि जब मैं बड़ा हो जाऊं और वही काम करूं जो वैलेरियू करता है, जिससे बच्चों का जीवन बेहतर हो।''

जिले में बच्चे बीमार पड़ रहे हैं

बहुत सारे अनुपचारित कानों के संक्रमण से पीड़ित होने के बाद डैरियो को अपनी सुनवाई खोने का खतरा है। फेरेन्टारी के अनेकों बच्चे बहुत बीमार हो जाते हैं क्योंकि वे कुपोषित होते हैं और बहुत सारे संक्रमण लग जाते हैं, जो सड़कों पर कचरे के ढेर एवं गंदे अपशिष्ट जल से और भी बदतर हो जाते हैं। बहुत से बच्चों को अस्थमा एवं फेफड़े के रोग टयूबरकुलोसिस की वजह से लगातार खाँसी तथा साँस लेने में कठिनाई होती है। अन्य लोग गलती से मादक द्रव्यों के सेवन करने वालों द्वारा फेंकी गई सुइयों से स्वयं को चुभा लेते हैं और हेपेटाइटिस या एचआईवी से संक्रमित हो जाते हैं। फेरेन्टारी में पहले स्वास्थ्य केन्द्र थे लेकिन वे एक लंबे समय से बंद कर दिये गए हैं और यहां से निकटतम् सर्जरी वाले डॉक्टर के लिए लंबा रास्ता है। कई माता–पिता सहायता नहीं मांगते क्योंकि वे डरते हैं कि अधिकारी उनके बच्चों को उनसे दूर ले जाएंगे। ऐसा कई परिवारों के साथ हुआ है। और ज्यादातर लोगों को यह नहीं पता है कि रोमानिया के बच्चों को मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल का अधिकार है। कुछ डॉक्टर लोगों को धोखा देते हैं और इलाज के लिए उनसे पैसे मांगते हैं। वैलेरियू और वैकल्पिक शिक्षा क्लब, फेरेन्टारी में परिवारों को समझाती हैं कि वे स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा उपचार के हकदार हैं, और इस पर जानकारी देते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए वे क्या कर सकते हैं। लेकिन वैलेरियू कहता है कि यह पर्याप्त नहीं है, क्योंकि फेरेन्टारी का वातावरण दोनों बच्चों एवं वयस्कों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

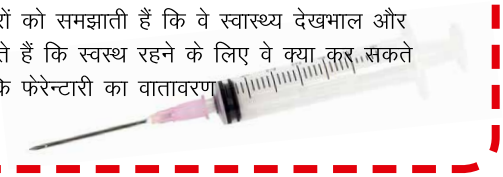

TEXT: CARMILLA FLOYD PHOTOS: KIM NAYLOR

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ (विश्व के बच्चों का पुरस्कार) प्रेस कॉन्फ्रेन्स (पत्रकार सम्मेलन) में तुम्हारा स्वागत है, जो कई देशों में बच्चों द्वारा समकालीन (एक साथ) आयोजित किया जा रहा है! दुनिया भर में उसी दिन, बच्चे यह घोषणा करते है कि लाखों बच्चों के मतदान द्वारा चुने गए तीन नामांकित व्यक्तियों में से किसको *'वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फॉर दी राइट्स ऑफ दी चाइल्ड'* के लिए चुना गया है और किन दोनों को *'वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स ऑनररी अवार्ड'* मिलेगा।

अपने स्वयं के वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ पत्रकार सम्मेलन में मीडिया को आमंत्रित करो। उसमें बाल अधिकारों में जो सुधार तुम देखना चाहते हो, उस संबंध में बात करो। पत्रकार सम्मेलनों में केवल बच्चों को बोलना और उनका पत्रकारों द्वारा साक्षात्कार लिया जाना चाहिए, जो पूरे विश्व में बच्चों द्वारा समकालीन आयोजित किए जाते हैं।

यह कैसे करना है:

1. समय और स्थान

यदि संभव हो, तो अपने पत्रकार सम्मेलन के लिए अपने इलाके में सबसे महत्वपूर्ण भवन का चयन करो जिससे यह दिखाई दे कि बाल अधिकार महत्वपूर्ण हैं! इसे अपने स्कूल में आयोजित करना भी ठीक है। (वसंत 2018 में सही दिनांक जानने के लिए डब्लूसीपी वेबसाइट पर नजर रखो।)

2. मीडिया को आमंत्रित करो

स्थानीय अख़बारों, पत्रिकाओं एवं टीवी और रेडियो स्टेशनों को अग्रिम में आमंत्रित करो। समय और जगह स्पष्ट रूप से लिखो। ई–मेल का उपयोग करना अच्छा है, लेकिन सुनिश्चित करो कि तुम उन पत्रकारों को कॉल करो जिनको तुम बलाना चाहते हो! उन्हें पत्रकार सम्मेलन से एक दिन पूर्व टेलीफोन द्वारा याद दिलाना अथवा मिलने जाना।

3. तैयारी करो

लिखो कि तुम डब्लूसीपी के बारे में क्या कहना चाहते हो, और जो परिवर्तन तुम अपने देश में बाल अधिकारों के संबंध में देखना चाहते हो। पत्रकार सम्मेलन से थोड़ा पहले तुमको वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज से चाइल्ड राइट्स हीरोज़ के बारे में गोपनीय जानकारी मिलेगी, जिसे तुम पत्रकार सम्मेलन में प्रकट करोगे।

4. पत्रकार सम्मेलन को आयोजित करो

यदि संभव हो तो, संगीत और नृत्य से शुरू करो, और समझाओ कि दुनिया भर के अन्य बच्चों एक ही समय में पत्रकार सम्मेलन कर रहे हैं। इसके बाद पत्रकार सम्मेलन के साथ आगे बढ़ो:

- डब्लूसीपी के बारे में तथ्यों को बताओ। इस पर एक छोटी डब्लूसीपी सूचना फिल्म दिखाओ।
- तुम अपने देश में जहां रहते हो वहां बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन कैसे होता हैं, समझाओ।
- राजनेताओं एवं अन्य वयस्कों से बच्चे के अधिकारों का सम्मान करने की मांग करो।
- 'चाइल्ड राइट्स हीरोज़' (बाल अधिकारों के नायकों) के बारे में दिन की 'बड़ी खबर' को बताओ।
- पत्रकार विज्ञप्तियों एवं अपने देश पर एक डब्लूसीपी तथ्य पत्र को सबसे साझा करो।

डॉ आर कांगो के बुकावू में, एक बाल पत्रकार सम्मेलन में, बाल अधिकारों के राजदूतों ने बाल अधिकारों के उल्लंघनों को दर्ज किया और यह बताया कि ग्लोबल वोट में सबसे अधिक वोट किसने प्राप्त किए।

worldschildrensprize.org **पर तुमको मिलेगा:**

- पत्रकार विज्ञप्ति, आपके देश के लिए बाल अधिकार तथ्य पत्रक।
- राजनीतिज्ञों के लिए पत्रकारों और सवालों को आमंत्रित करने की सलाह।
- डब्लूसीपी ग्लोबल वोट और चाइल्ड राइट्स हीरोज के बारे में फिल्में।
- मीडिया के लिए छवियों को दबाओ।

क्या तुम्हारे क्षेत्र में कई स्कूल हैं? मंच पर प्रत्येक स्कूल के एक प्रतिनिधि को मंच पर बुलाकर एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन रखो।

पूरे कांगो में डब्लूसीपी रेडियो

डी आर कांगो में हर वर्ष कई बाल प्रत्रकार सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं, इस देश में अनेकों बच्चे अपने अधिकारों के गंभीर उल्लंघन के अधीन हैं। बाल प्रत्रकार सम्मेलनों का नेतृत्व करने वाले बच्चों ने इन उल्लंघनों के मुद्दे को उठाते हैं, बाल अधिकारों के लिए सम्मान की मांग करते हैं तथा उनके नायकों के बारे में बात करते हैं। समाचार दूर और व्यापक रूप से फैलता है, मुख्य रूप से कई रेडियो स्टेशनों के माध्यम से, जो कांगो के बहुत से लोगों द्वारा सुने जाते हैं।

"बाल अधिकार शिक्षा कार्यक्रम ने मेरी आँखें खोली हैं कि कैसे बूनिया में बाल अधिकारों का उल्लंघन होता है। हम बाल अधिकार राजदूत यहां की स्थिति बदलने जा रहे हैं, जिससे बाल अधिकारों का इटुरी में सम्मान किया जाए।"
एडेगीथो, जो बाल प्रत्रकार सम्मेलन में डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है, नेल्सन मंडेला स्कूल, डी आर कांगो।

"मैं मांग करता हूं कि सरकार और स्कूल के अधिकारियों द्वारा बाल अधिकारों का सम्मान किया जाए।"
सफारी, जो बाल पत्रकार सम्मेलन में डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है, फैबिया स्कूल, डी आर कांगो।

हम वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक हैं

स्वीडन के बच्चों के लिए मंत्री, आसा रेगनेर, 2017 में डब्लूसीपी पुरस्कार समारोह में एक नए 'ऑनररी एडल्ट फ्रेन्ड्' (माननीय वयस्क मित्र) एवं वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक बन गए।

मलाला यूसूफजई और स्वीडन के बच्चों के लिए मंत्री, आसा रेगनेर, दोनों गौरवमय नए 'ऑनररी एडल्ट फ्रेन्ड्स' (माननीय वयस्क मित्रों) एवं वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक हैं।
"तुम मुझ पर और स्वीडन की सरकार पर आशापूर्ण विश्वास कर सकते हो," स्वीडन के मंत्री ने कहा।

जिस किसी ने बाल अधिकारों या वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए कुछ अच्छा किया है वह एक 'ऑनररी एडल्ट फ्रेन्ड्' (माननीय वयस्क मित्र) एवं वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ का संरक्षक बन सकता है। डब्लूसीपी संरक्षकों में वैश्विक मूर्तियां जैसे मलाला यूसुफजई, स्वर्गीय नेल्सन मंडेला एवं ज़नाना गुस्माओ शामिल हैं। स्वीडन की महारानी सिल्विया डब्लूसीपी की पहला संरक्षक थी। अन्य संरक्षकों में स्वीडन के प्रधान मंत्री स्टीफन लोफेंन, स्वीडन के बच्चों के लिए मंत्री आसा रेगनेर, 'दी एल्डर्स' समूह तथा वैश्विक नेता ग्रीका मैचेल एवं डेसमंड टूटू शामिल हैं।

सन् 2014 में, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के मतदान में लाखों बच्चों ने मलाला यूसुफजई को वोट दिया। मलाला अब एक संरक्षक के रूप में वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ का समर्थन करती है।

मुझ पर विश्वास करें

"मैं वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक के रूप में इस माननीय कार्य को स्वीकार करके अति प्रसन्न हूं। बच्चों के लिए एक मंत्री के रूप में, मुझे इस वैश्विक कार्य में शामिल होने पर बहुत गर्व है, जिसमें लड़कियां एवं लड़के सीधे शामिल हैं। जब तुमको वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक होने का यह कार्य दिया जाता है, तो तुमको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है और उचित कार्यवाही करनी पड़ती है," आसा रेगनेर कहते हैं।

"प्रति वर्ष लाखों बच्चों के साथ भाग लेते हैं, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम विश्व की सबसे बड़ी वार्षिक शिक्षा– संबन्धी पहल है जो समानता, बाल अधिकारों एवं लोकतंत्र के लिए कार्यरत है। ज्ञान ही परिवर्तन की नींव है। अब जब हम इससे इतने जुड़े रहे हैं, तो स्वीडन की सरकार को वास्तव में कुछ करना होगा। हम बाल अधिकारों पर पत्रकार सम्मेलन के अनुच्छेदों को स्वीडन के कानून में सम्मिलत कर देंगे।"

"तुम मुझ पर भरोसा कर सकते हैं और तुम स्वीडन की सरकार पर भी आशापूर्ण विश्वास कर सकते हैं! मैं बहुत सम्मानित हूं," मंत्री ने कहा।

महारानी सिल्विया

डेसमंड टूटू

स्टीफन लोफवेन

नैल्सन मंडेला

ग्रेसिया माचेल

मलाला यूसूफजई

View films from the WCP ceremony at worldschildrensprize.org/wcpceremony2017

हम बाल अधिकारों का जश्न मना रहे हैं!

वार्षिक वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ समारोह का नेतृत्व मैरिफेड, स्वीडन के ग्रिपशॉल्म कासेल में बाल न्यायमूर्ति दल के नेतृत्व में किया जाता है। सभी तीन बाल अधिकार नायकों को उनके द्वारा बच्चों के लिए किये गए कार्यों हेतु सम्मानित किया जाता है और पुरस्कार राशि दी जाती है। स्वीडन की महारानी सिल्विया, बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्यों को पुरस्कार प्रदान करती है।

कनाडा से एम्मा ने 40 मिलियन से अधिक बच्चों के बारे में बात की, जो सन् 2000 से अब तक डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग ले चुके हैं।

मैनुअल रॉड्रिग्स, जो अंधा है और गिनी–बिसाउ से है, को मतदान देने नाले बच्चों द्वारा 'वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फॉर दी राइट्स ऑफ दी चाइल्ड' से सम्मानित किया गया। उसके साथ इसाबेल था, जो उन बच्चों में से एक है जिसकी उसने मदद की है।

50 से अधिक वर्षों से बाल अधिकारों के लिए लड़ रही जर्मनी की 90 वर्षीय रोसी गॉलमन को महारानी सिल्विया द्वारा वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स ऑनररी पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

बाल न्यायमूर्ति दल के साथ बाल अधिकार हीरो मोली मेल्चिंग, मरियामा, बच्चों का मंत्री असा रेगनर, महारानी सिल्विया, बाल अधिकार हीरो मैनुअल रॉड्रिक्स, बाल अधिकार हीरो रोसी गोलमैन एवं अनन्थी।

महारानी सिल्विया ने मॉली मेलिचेंग, जो अमेरिका एवं सेनेगल की हैं, को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स ऑनररी पुरस्कार का विमोचन किया, जिन्होंने पश्चिम अफ्रीका में लड़कियों के अधिकारों के लिए संझार्या करते 40 साल समर्पित किए हैं।

विश्व का शायद ही कोई भाग है जो कूड़े से प्रभावित नहीं है – धरती पर तथा झीलों एवं समुद्रों में। यदि हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो हमारे महासागर 2050 तक मछली की तुलना में अधिक प्लास्टिक युक्त हो सकते हैं! लेकिन तुम एवं अन्य बच्चे और विश्व भर के युवा लोग परिवर्तन ला सकते हो और कूड़ा रहित पीढ़ी बन सकते हो।

16 मई को, तुम कूड़ा रहित दिवस में शामिल हो सकते हो और अपनी गली, अपने गांव अथवा अपने पड़ोस में कूड़ा उठा सकते हो। फिर हमको रिपोर्ट करो और तुम और तुम्हारे स्कूल ने मिलकर जो कूड़ा उठाया है उसका भार worldschildrensprize.org/nolitter पर बताओ।

NO LITTER generation

'वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फाउंडेशन' एवं 'कीप स्वीडन टायडी' के बीच एक साझेदारी

कूड़ा वह सामग्री है जो सड़कों पर अथवा झीलों एवं समुद्रों में पहुँच जाता है, जहां उसे नहीं होना चाहिए। यह कांच की बोतलें, प्लास्टिक की थैलियाँ, टिन के डिब्बे, सिगरेट के शेष अथवा मिठाई की पन्नी हो सकता है। कूड़े की वजह से दोनों पशु एवं लोग स्वयं को घायल कर सकते हैं। कुछ कूड़े में हानिकारक पदार्थ भी शामिल होते हैं जिनका पर्यावरण में रिसाव नही होना चाहिए।

विभिन्न देश – विभिन्न चुनौतियां

कई देशों में कचरे को संभालने और छंटनी के लिए अच्छी व्यवस्था नहीं होती इसमें से अधिकांश को सड़कों पर या खुले कचरादानों में फेंक दिया जाता है। और वहां पर कोई 'रिसाइकिलिंग' (पुनः चत्रित करने वाली) प्रणाली नहीं हैं। अगर तुम पुनः उपयोग में आने वाले पदार्थों को फेंक देते हो, तो तुम पृथ्वी के संसाधनों को बर्बाद कर रहे हो, क्योंकि कई सामग्री अनेकों बार प्रयोग की जा सकती है।

जब कचरे एवं जल को अनियंत्रित तरीके से फेंका जाता है, तो वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि लोग मानव एवं चिकित्सा अपशिष्ट के संपर्क में आते हैं तो बीमारी फैल सकती है। कचरे में हानिकारक रसायनिक पदार्थ भी मौजूद हो सकते हैं। बहुत सा कूड़ा एवं कचरा सड़कों एवं खुले कचरेदानों से झीलों और समुद्रों में पहुँच सकता है।

अन्य देशों में कचरा इकट्ठा करने एवं उसे रीसाइक्लि करने की अच्छी प्रणाली है। लेकिन वे अक्सर अन्य चुनौतियों का सामना करते हैं, जैसे लोग ठीक से प्रणालियों का प्रयोग नहीं करते अथवा बिना आवश्यकता के भी वस्तुएँ खरीद लेते हैं जिस कारण अधिक अपशिष्ट एवं कचरा उत्पन्न होता है। अतः विभिन्न देशों को अलग–अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

उदाहरण भारत

भारत के कई भागों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रणाली की कमी है, लेकिन तमिलनाडु राज्य के 11 जिलों ने एक महान प्रणाली शुरू की है। इन जिलों के परिवारों ने अपने कचरे को तीन पात्रों में छाँट दिया है।

भोजन का अपशिष्ट हरे रंग के पात्र में रखा गया है। यह खाद के लिए एकत्र किया जाता है, जो मिट्टी बन जाता है अथवा उसे बायोगैस बनाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है। ऐसी

महासागरों में प्लास्टिक का भार 25 मिलियन हाथी (250 लाख हाथी) के समान

विश्व के महासागरों में पहले से 150 मिलियन टन प्लास्टिक कूड़ा हो सकता है। यह 25 मिलियन बड़े हाथियों के समान भार है। यदि यह हाथी अपनी सूड़े फैलाए हुए एक पंक्ति में खड़े होते, तो रेखा 200,000 किमी लंबी होगी। यह पांच बार दुनिया का चक्कर लगाने के बराबर होगा।

सामग्री जिसे पुनः चक्रित या पुनः उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि प्लास्टिक की बोतलें एवं कागज, को सफेद पात्र में रखा जाता है। सामग्री को छाँटा, बेंचा एवं पुनः विभिन्न तरह से प्रयोग किया जाता है। जो कुछ भी खाद में परिवर्तित अथवा पुनः चक्रित नहीं किया जा सकता है उसे काले पात्र में रख दिया जाता है। कचरा इकट्ठा किया जाता है, 'लैंडफिल' (मिट्टी का गड्ढा) में ले जाया जाता है अथवा किसी अन्य सुरक्षित तरीके से संचित कर दिया जाता है।

तमिलनाडु में वे यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि शरूआत से ही में कम अपशिष्ट तैयार हो। उदाहरण के लिए, लिटिल फ्लॉवर स्कूल ने पूरे स्कूल क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बना दिया है, और इस प्रतिबंध के बारे में आगंतुकों को याद दिलाने हेतु संकेत लगे हैं।

उदाहरण स्वीडन

स्वीडन में कचरे के प्रबंधन एवं रिसाइकिलिंग के लिए एक प्रणाली है। पुराने अखबारों को इकट्ठा किया जाता है और उनसे नया कागज़ बनाया जाता है।

धातु के डिब्बे और कांच की बोतले पिघला दी जाती हैं और सामग्री को नई बोतलें और डिब्बे बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। कुछ प्लास्टिक नई प्लास्टिक बनाने के लिए प्रयोग की जाती है।

जो कुछ भी फिर से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है वह विशेष सुविधाओं पर जला कर भस्म कर दिया जाता है, निकास धुआं साफ कर दिया जाता है और गर्मी बहुत सारे घरों के लिए पानी को गर्म करने में उपयोग की जाती है। जिस कचरे को पुनः चक्रित नहीं किया जा सकता अथवा जलाया जा सकता उसे विशेष कचरेदानों पर ले जाया जाता है जहां वह पर्यावरण को कम से कम हानि संभवतः पहुंचा सकता है।

लेकिन स्वीडन में बहुत से लोग अपने कचरे को छाँटने से परेशान नहीं होते, या वे इसे ठीक तरह से नहीं छाँटते। जो सामग्री पुनः चक्रित की जानी चाहिए वह सामान्य अपशिष्ट में चली जाती है, और इसकी एक बड़ी मात्रा कूड़े के ही रूप में ज़मीन पर पहुँच जाती है। स्वीडन बहुत अपशिष्ट का उत्पादन करता है क्योंकि वहां लोग बहुत सारा सामान और पैकेजिंग खरीदते हैं जो केवल एक बार उपयोग किया जाता है। परिवर्तन लाने के लिए, हमें अपनी आदतें बदलनी होंगी।

कूड़ा निपटाने में पैसा खर्च होता है

यह कहना कठिन है कि दुनिया भर में कूड़े पर कितना खर्च आता है। कई देश सफाई और कूड़े को उठाने पर बहुत से संसाधनों का निवेश करते हैं। कूड़ा फेंकने का अर्थ, उदाहरण के लिए, यह हो सकता है कि पर्यटक किसी क्षेत्र की यात्रा करना बंद कर देते हैं, जिससे देश को बाहर से आने वाले पैसे कम मिलते हैं। जितना अधिक कूड़ा जमीन पर अथवा हमारे महासागरों में पहुँचता है, उतने ही अधिक उसके परिणाम एवं लागत होते हैं। शुरूआत में ही कूड़े से ठीक से निपटना सस्ता पड़ता है। कूड़े के रूप में समाप्त होने वाली बहुत सारी सामग्री फिर से उपयोग की जा सकती है।

कूड़ा पशुओं को हानि पहुंचा सकता है

कई पशु कूड़े से घायल हो जाते हैं। उस पर चलने

मछली की तुलना में अधिक प्लास्टिक...

विश्व के महासागरों में बहुत सारा प्लास्टिक का कूड़ा पहुँचता हैं। यह वायु या नदियों अथवा वर्षा के पानी द्वारा लंबी दूरियां तय कर सकता है। यदि हम इस बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो सन् 2050 तक दुनिया के महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक अधिक हो सकती है!

व्हेल ने 30 प्लास्टिक बैग निगल लिए

- 8 मिलियन टन प्लास्टिक हर साल हमारे महासागरों में पहुँचता है।
- प्लास्टिक 600 से अधिक प्रजातियों को हानि पहुँचाता है जो समुद्र में और उसके पास रहती हैं।
- अगर इस प्रकार विकास होता रहा तो सन् 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्री पक्षी प्लास्टिक खा चुके होंगे।
- नॉर्वे में एक फंसे हुये व्हेल के पेट में 30 प्लास्टिक बैग थे।

4,500 अरब सिगरेट शेष 117 बार चाँद तक पहुंच कर वापस आते हैं

पूरे विश्व में हर साल लगभग 4,500 अरब सिगरेट के शेषों को जमीन पर फेंका जाता है! यदि तुम इन सभी सिगरेट के शेषों को एक रेखा में लगाते हो, तो वह रेखा 90,000,000 किलोमीटर लंबी होगी। वह 117 बार चन्द्रमा तक जाकर वापस यात्रा करने के बराबर लंबी होगी। एक सिगरेट के शेष के छोटे टुकड़े का प्रकृति द्वारा छोटे–छोटे अदृश्य अंशों में विघटन होने में लगभग तीन साल लग जाते हैं । लेकिन यह छोटे अंश भी हानि पहुंचा सकते हैं। सिगरेट के शेषों में प्लास्टिक एवं कैडमियम होता है।

से उनको चोट पहुंच सकती है, वे उसमें फंस सकते हैं अथवा उसे खा सकते हैं। जो पशु प्लास्टिक के छोटे–छोटे टुकड़े निगल लेते हैं वे भूखे मर सकते हैं या धीरे–धीरे कमजोर हो सकते हैं क्योंकि उनके पेट में भोजन के बजाय प्लास्टिक भर जाता है। कूड़े से दोनो बड़े और छोटे जानवर घायल हो सकते हैं, उदाहरण के लिए, व्हेल, कछुए, मछलियां, पक्षी, क्लैम एवं गाय।

प्लास्टिक समाप्त नहीं होता

धरती पर या समुद्र में पहुँचने वाली प्लास्टिक, बहुत धीरे–धीरे, छोटे–छोटे टुकड़ों में विघटित हो जाती है। यह सैकड़ों या हजारों वर्ष ले सकता है। प्लास्टिक के अति छोटे टुकड़े (माइक्रो प्लास्टिक) तक हानि पहुँचा सकते है। माइक्रो प्लास्टिक छोटे जीवों द्वारा खाया जा सकता है जैसे पशु प्लैंकटन एवं क्लैम। जब ये जीव बड़े पशुओं द्वारा खाए जाते हैं, तो प्लास्टिक खाद्य श्रृंखला में और आगे चली जाती है। अंत में, वह प्लास्टिक उस मछली में पहुँच सकती है जिसे तुम अपने रात के खाने में खाते हो। शोधकर्ता इस पर अध्ययन कर रहे हैं कि पशु एवं लोग माइक्रो प्लास्टिक खाने से कैसे प्रभावित होते हैं।

परिवर्तन के लिए कार्य करना

विश्व भर में अनेकों बच्चे एवं वयस्क कूड़े को कम करने के लिए अभियान चला रहे हैं।

- अधिक्तर देशों ने प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया है अथवा उनकी कीमत बढ़ा दी है, क्योंकि वह हानि पहुँचाती हैं। अफ्रीका में रवांडा प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाने वाला विश्व का पहला देश था।
- अनेकों देश सही काम करना आसान बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं, उदाहरण के लिए, ढक्कन के साथ अधिक कचरे वाले डिब्बे डाल कर जिससे अपशिष्ट उड़ न जाए, और रीसाइक्लिंग प्रणाली में सुधार करना।
- प्रोड्यूसर्स – प्लास्टिक की पैकेजिंग करने वाली कंपनियां, को बेहतर पैकेजिंग विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जो कूड़े के रूप में समाप्त न हो।
- कई देशों में वार्षिक कूड़ा पिकिंग अभियान हैं, जैसे कूड़ा रहित दिवस, जब दोनों वयस्क और बच्चे कूड़े उठाते हैं और कूड़े के परिणामों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करत हैं।
- विश्व भर में देश कूड़ेदान की समस्या को हल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। 2015 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी देशों ने आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से स्थायी विकास के लिए 17 वैश्विक लक्ष्यों को अपनाया। लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त किया जाना है, जो केवल तब ही संभव हो सकता है जब हर कोई अपना योगदान देता है। रीसाइक्लिंग, कचरा से निपटना और कूड़ा नहीं फेंकने से लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

कूड़ा रहित दिवस ('नो लिटर डे')

16 मई अथवा उसी सप्ताह के कोई अन्य दिन, अनेकों भिन्न देशों में बच्चे अपने स्कूल में या जहां वे रहते हैं अथवा अपने गांव में, एक साथ कूड़ा उठाने आएंगे। ये बच्चे कूड़ा रहित पीढ़ी के हैं। वे एक बेहतर विश्व के लिए सब कुछ बदल रहे हैं, और इस दिन विशेष रूप से, एक अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ संसार के लिए। वे कूड़ा रहित दिवस पर इकट्ठा होने वाले कूड़े को छाँटेंगे और उसका भार लेंगे। फिर जो कूढ़ा एकत्र किया गया है वे उसका कुल भार अपने देश में किसी संपर्क व्यक्ति के पास या worldschildrensprize.org/nolitter-scales पर रिपोर्ट करेंगे।

एक्करा में 'सेंट के. माइकेल स्कूल' में कचरे की छंटाई, जो 'ईको–स्कूल्स घाना' का भाग है।

हम कूड़े से क्या बना सकते हैं?

पुनः चक्रित काँच को अक्सर बोतलों या पीने के गिलासों में परिवर्तित किया जाता हैं, लेकिन इसका उपयोग सड़कों के लिए एक विशेष प्रकार का डामर बनाने में भी किया जाता है। कागज़ एवं कार्डबोर्ड से समाचार पत्रों, ऊतकों, लेखन पत्र और अंडा बक्से बनाये जाते हैं। स्टील और टिन को स्टील के तार एवं निर्माण सामग्री, टिन की चादरें, कला के कार्य, कुर्सियों और मेंजों में बदला जा सकता है। पुनः चक्रित लकड़ी को डिब्बे, खिलौने, खेल उपकरण और फर्नीचर में बदला जा सकता है। प्लास्टिक पी.ई.टी. बोतलों को पिघलाया जा सकता है तथा कंबल, गद्दे, फाइबर से भरे खिलौने एवं 'इन्सुलेशन' सामग्री के रूप में गर्म कोट एवं सोने वाले बैगों में प्रयोग किया जा सकता है। एक टी–शर्ट बनाने के लिए पर्याप्त फाइबर का उत्पादन करने में 10 बोतलें लगती हैं, तथा एक फाइबर से भरे खिलौने को बनाने में 63 बोतलें लगती हैं। क्या तुम्हारे पास कूड़े का उपयोग करने के लिए कोई अन्य सुझाव हैं?

इस प्रकार तुम और तुम्हारे मित्र कूड़ा रहित पीढ़ी में शामिल हो सकते हैं:

1. इस कूड़ा रहित पत्रिका के मूल का अध्ययन करो और उस पर चर्चा करो।
2. इस बारे में बात करें कि तुम जिस जगह रहते हो, वह कैसे कूड़े से मुक्त हो सकती है।
3. अपने परिवार, दोस्तों एवं पड़ोसियों के लिए कूड़ा रहित पत्रिका घर ले जाओ। तुमने जो भी सीखा है उसे साझा करो और उनसे यह बात करो कि वे तुम्हारी सड़क या गांव की कूड़े से मुक्त रखने में कैसे सहायक हो सकते हैं।
4. अपना स्वयं का कूड़ा रहित दिवस आयोजित करो एवं स्वयं एकत्रित किये गए कूड़े को उठाओ, छाँटो और तौलो। सावधान रहो कि कूड़े पर स्वयं को चोट न लगे और किसी वयस्क से सहायता लो यदि तुमको कोई वस्तु तेज़ धार वाली या खतरनाक लगे।
5. रिपोर्ट करो कि तुमने क्या एकत्रित किया है और कूड़े का कुल भार बताओ।
6. सुनिश्चित करो कि सभी कूड़ा पुनः चक्रित कर दिया जाए अथवा उसे किसी जगह सुरक्षित रूप से संचित कर दिया जाए।
7. अपने प्रयासों का जश्न मनाओ!

अपशिष्ट के बारे में सबसे अच्छी बात और सबसे बुरी बात

सबसे अच्छी बात यह होती यदि कोई अपशिष्ट होता ही नहीं। शायद हम कम पैकेजिंग का उपयोग कर सकते होते?

- कोई भी अपशिष्ट जो अभी भी तैयार होता हो, उसे पुनः उपयोग करना चाहिए अथवा उसको पुनः चक्रित करके उपयोग किया जाना चाहिए। फिर हमारे सामान एवं सामग्री फिर से उपयोगी हो सकती है और इससे पृथ्वी के संसाधनों को बचाने में मदद मिलेगी।
- अगर यह संभव नहीं है, तो अपशिष्ट को जला देना चाहिए या कचरेदान में डाल देना जाना चाहिए। लेकिन हमें इसे इस प्रकार करना चाहिए कि वायु, धरती अथवा जल दूषित न हो।
- सबसे बुरी बात तब होती है जब कचरा भूमि पर या नदियों, झीलों और समुद्र में अपशिष्ट के रूप में पहुँच जाता है।

कूड़ा रहित पीढ़ी में तुम और तुम्हारे दोस्तों के लिए काम करने वाली बातें

तुम जहाँ रहते हो, वहाँ देखो:

क्या तुम्हारे पास कचरे से निपटने के लिए अच्छी प्रणालियाँ हैं?

जब अपशिष्ट और कूड़े की बात आती है तब क्या समस्याएं होती हैं?

सुझाव दो और परिवर्तन करो:

कूड़े से निपटने के लिए तुम्हारे क्या सुझाव हैं?

अपशिष्ट और कूड़े से निपटने के समाधान के लिए तुम्हारे क्या सुझाव हैं?

जहाँ तुम रहते हो, वहाँ कचरा प्रणाली के बारे में निर्णय कौन लेता है ? उन लोगों से मिलो जो प्रभार में हैं और उनसे अपने सुझाव साझा करो।

जहाँ तुम रहते हो, वहाँ सबको बताओ कि कचरा फेंकना क्यों गलत है। उन्हें विद्यालय, सड़क एवं गांव को कूड़ा रहित बनाने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करो, और कैसे करें, इस पर सुझाव दो।

योजना बनाओ कि कूड़ा रहित पीढ़ी कूड़े को कम करने के लिए कैसे काम कर सकती है, यद्यपि उस दिन कोई कूड़ा रहित दिवस न हो।

इस पर विचारों को एकत्रित करो कि कूड़े का पुनः उपयोग कैसे किया जा सकता है।

और निश्चित रूप से, तुम स्वयं कोई कूड़ा नहीं गिराओ!

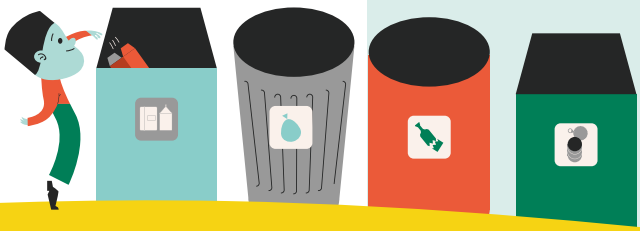

worldschildrensprize.org/nolitter
पर 'कूड़ा रहित पीढ़ी' की फिल्म देखें।

TEXT: KEEP SWEDEN TIDY ILLUSTRATIONS: LINUS NYSTRÖM PHOTO: JENNY BRANDT

पाकिस्तान में ईंट के भट्ठे पर जो बच्चे हैं वह 'कूड़ा रहित पीढ़ी' का भाग हैं, जैसा कि दाहिनी तरफ उर्दू में लिखा है।

PHOTO: ALI HAIDER

कूड़ा हर किसी की जिम्मेदारी है

मानव इतिहास के अधिकांश समय तक, कूड़ा एक बड़ी समस्या नहीं रही है। इनमें से अधिक्तर कार्बनिक, भोजन एवं रसोई का कचरा था, जो विघटित हुआ और पृथ्वी में वापस लौट गया।

समस्याओं तब शुरू हुईं जब शहरों के आकार में वृद्धि हुई और उनमें नई प्रयोगात्मक सामग्री जैसे प्लास्टिक की मात्रा बढ़ गई। सुरक्षित पात्रों में भोजन एवं अन्य सामान को संचित करना सरल था। लेकिन इसने इस ग्रह पर बहुत अधिक कचरा पैदा कर दिया है जो स्वयं विघटित नहीं होता। अतः कई देशों ने कूड़े को संभालने के लिए प्रणालियां बनाई हैं। अनेकों गरीब देशों ने अन्य कार्यों में भी धन का निवेश किया है। इसके अतिरिक्त, कई धनवान देशों ने, कभी–कभी अवैध तरीके से, अपने सबसे अधिक हानिकारक कचरे की काफी अधिक मात्रा, गरीब देशों की ओर पहुँचा दी है। इसमें विषैले रबर से बने कार के टायर तथा मोबाइल फोन एवं कंप्यूटरों के रूप में बिजली का अपशिष्ट शामिल हैं। लेकिन अब यह कोई विकल्प नहीं है। अपशिष्ट के पहाड़ बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं।

अधिक धन, अधिक अपशिष्ट

तुम जितने धनी हो, खासकर यदि तुम किसी शहर में रहते हो, तो तुम अधिक कचरा एवं कूड़ा बनाते हो। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान उन देशों में से हैं जो सबसे अधिक अपशिष्ट बनाते हैं, लेकिन वे इसे निपटाने में सक्षम हैं, अतः यह गरीब देशों की तुलना में सड़कों पर कम दिखाई देता है, जबकि गरीब देश बहुत कम अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। अपशिष्ट संग्रह प्रणालियां वहां दुर्लभ होती हैं और लोग अपने कचरे को सड़कों पर बाहर फेंक देते हैं। रोग एक आम समस्या है। लेकिन यह हालात और भी बदतर हो सकते थे, यदि हर दिन, लाखों टन कचरे और कूड़े की एक चौथाई मात्रा, गरीबों द्वारा इकट्ठा नहीं की जाती।

कचरा बीनने वाले आवश्यक

पाकिस्तान में सिडरा दुनिया भर के लगभग 15 मिलियन लोगों में से एक है जो जीवित रहने के लिए कचरा उठाती हैं। वह और निशा, जो ईंट–श्रमिक परिवार से आती हैं, दोनों कूड़ा रहित पीड़ी का भाग बनने और कूड़ा रहित दिवस में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। वे एसे देश में रहते हैं, जिसमें कोई ठीक से काम कर रही अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली नहीं है। धनी लोग सामग्री फेंक देते हैं और बहुत गरीब लोग इसे इकट्ठा करते हैं, छाँटते हैं और बेचते हैं अथवा उन वस्तुओं के लिए विनिमय कर देते हैं जिनकी उन्हें जरूरत होती है। सिदरा का परिवार पीढ़ियों से कूड़ा उठा रहा है और वे उसकी रीसाइक्लिंग एवं पुनः उपयोग करने में निपुण हैं। लेकिन यह एक कठिन और खतरनाक काम है जो बहुत कम पैसा देता है।

सफल प्रदर्शन

यह अनुचित है कि कुछ लोग कूड़े का सृजन करते रहते हैं, जबकि अन्य को कूड़े को उठाना चाहिए क्योंकि वे गरीब हैं। वस्तुओं को साफ रखना और कूड़े की देखभाल करना एक महत्वपूर्ण काम है। बच्चों को बिल्कुल भी काम नहीं करना चाहिए, उन्हें स्कूल जाना चाहिए। पूरे विश्व में कचरा बीनने वालों ने अब विरोध करना शुरू कर दिया है, जैसा कि भारत के पुणे शहर में हो रहा है। और राजनेताओं ने वास्तव में सुना है! उन्होंने कचरा बीनने वालों, ज्यादातर महिलाओं को उनके काम के लिए भुगतान करने का वादा किया है। महिलाओं ने एक सफाई कंपनी की शुरुआत की और अब उनके पास वेतन, अच्छा काम करने की स्थिति और सुरक्षात्मक कपड़े हैं। वे कम घण्टे काम करती हैं, लेकिन उनको अधिक भुगतान किया जाता है। लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि उनके बच्चों ने कूड़ा बीनना बंद कर दिया है और उसके बजाय स्कूल जाते हैं।

एक दूसरे की मदद करना

यह हर किसी की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि हर जगह लोग, खासकर बच्चों को रहने के लिए एक सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण मिले। हम कूड़ा लेने एवं पर्यावरण के बारे में ज्ञान का प्रसार करने के लिए एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। लेकिन विश्व के नेताओं को भी अपना वादा रखना चाहिएः 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक सतत् विकास लक्ष्य प्राप्त करने और चरम गरीबी उन्मूलन, असमानता एवं अन्याय को कम करने तथा जलवायु संकट का समाधान करने के लिए लड़ने का वचन। फिर निशा और सिद्रा जैसे बच्चे स्वयं यह चयन में सक्षम होंगे कि वे बड़े होकर क्या करना चाहते हैं।

निशा, 12 कक्षा 5,
ब्रिक स्कूल

निशा और सिदरा कूड़ा रहित

हर दोपहर जब निशा स्कूल से घर लौटती है तब वह ईंटें बनाती है। उसका परिवार ऋण दास है और निशा को उनके कर्ज का भुगतान करने में मदद करनी पड़ेगी।
जब सिदरा स्कूल में नहीं होती तब वह कूड़ा इकट्ठा करती है और इसे विभिन्न खरीदारों को बेच देती है। पाकिस्तान में दोनों लड़कियों ने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम के माध्यम से बाल अधिकारों को जाना है। अब वे कूड़ा रहित पीढ़ी का भाग बनना चाहती हैं तथा 16 मई को आयोजित किये जा रहे कूड़ा रहित दिवस पर कूड़ा इकट्ठा करना चाहती हैं और अन्य लोगों को सिखाना चाहती हैं कि उन्हें कूड़ा फेंकना क्यों बंद करना चाहिए!

"मैं हर दिन दो सौ ईंटे बनाती हूं।"

"जीवन को बेहतर बनाने का एकमात्र तरीका है शिक्षा।"

"मेरी बहन और माँ हर सुबह चार बजे उठती हैं जिसके बाद वे देर संध्या तक ईंटे बनाती हैं। मेरे मां ने मेरे पिता के इलाज के लिए ईंट भट्ठा मालिक से एक बड़ी राशि उधार ले ली। तब से हम भट्ठा स्वामी के दास की तरह हैं।"

"स्कूल के बाद मैं दोपहर का भोजन पकाती हूं। फिर मैं उसे अपनी मां और बहन को लाकर देती हूं। मैं उनके साथ रहती हूं और हम शाम तक काम करते हैं। मैं हर दिन दो सौ ईंटें बनाती हूं।"

"मालिक और मुंशी (पर्यवेक्षक) भट्ठे पर काम कर रहे बच्चों से अच्छा व्यवहार नहीं करते। वे हम पर चिल्लाते हैं और अक्सर हम को निर्दयता से पीटते हैं। मैं उदास हो जाती हूँ और अपने काम को तेज़ी से करने लगती हूं। मुझे लगता है कि यदि मैं अधिक ईंट बनाऊंगी तो हम अपने कर्ज का भुगतान कर सकेंगे और तब इस काम से मुक्त हों जाएंगे।"

"बाकी शाम को मैं अपने स्कूल से मिला 'होमवर्क' करती हूं। हम केवल क्रिसमस पर कपड़े या जूते खरीद सकते हैं, लेकिन ईश्वर को धन्यवाद देती हूं कि हमें स्कूल जाने का अवसर मिला। मैं अपनी शिक्षा में कड़ी मेहनत करती हूं। मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूं और अस्पताल खोलना चाहती हूं। तब मैं अपनी मां और बहन के लिए कपड़े और जूते खरीदूंगी और उन्हें ईंट भट्ठे पर कोई काम नहीं करना पड़ेगा। मैं कभी स्कूल जाना नहीं छोड़ूँगी क्योंकि मुझे पता है कि शिक्षा ही जीवन को बेहतर बनाने का एक–मात्र तरीका है।"

"मैंने जान लिया है कि मेरे भी अधिकार हैं, यह कि सभी बच्चे महत्वपूर्ण होते हैं और सब लागों को हमारे अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। यहाँ सब लोग सोचते हैं कि लड़के हम लड़कियों से बेहतर हैं। इस सोच को बदलना होगा और लड़कियों का सम्मान किया जाना चाहिए!"

"मुझे यह विचार अच्छा लगता है कि हमको 'कूड़ा रहित पीड़ी' समझा जाए। कूड़ा सबके लिए बुरा हो सकता है, दोनों लोगों एवं जानवरों के लिए। हमें हर जगह कूड़ा फेंकना रोकना होगा और वयस्कों को भी समझाना होगा कि वे ऐसा करना बंद करें। हमको अन्य देशों के बच्चों के साथ कूड़ा रहित दिवस में भाग लेना बहुत अच्छा लगेगा।"

"हम अपना प्रथम 'विश्व मतदान दिवस' पहले ही मना चुके हैं।"

"मैंने सभी उठाए गए कूड़े को तौला और हमने हर बार के भार को नोट किया।"

पीड़ी का भाग हैं

सिदरा, 12 कक्षा 3, ब्रिक स्कूल

''हम इन तंबूओं में पैदा हुए हैं और हमारी जीवन यात्रा इन तंबूओं में ही समाप्त होगी। मेरे परिवार के सभी सदस्य सप्ताह में सात दिन कचरा बटोरते हैं। हम इसे विक्रेताओं को बेचते हैं और उस पैसे से भोजन खरीदते हैं।''

''मैं सदैव से आश्चर्य करती हूँ कि लोग इतना सारा भोजन क्यों बर्बाद करते हैं? लेकिन इस तरह हम हमेशा भोजन मिलता रहता है, जो हम कभी बाज़ार से नहीं खरीद पाते। कभी–कभी हम खिलौने पा जाते हैं। अधिकांश खिलौने क्षतिग्रस्त होते हैं, लेकिन हमारे खेलने के लिए एकदम सही। हम कभी नए वस्त्र नहीं खरीदते, हम केवल वही वस्त्र पहनते हैं जो हमें कचरा में मिलते हैं।''

मेरा चमत्कार!

''एक दिन जब मैं उठी तो मेरे पिता ने मुझसे कहाः ''तुम आज कूड़े उठाने नहीं जा रही हो, पर स्कूल जा रही हो।'' यह एक चमत्कार था! मैंने अपने सपनों में भी स्कूल जाने के बारे में नहीं सोचा था। मैं बहुत खुश थी। एसा पहले मेरे परिवार में कभी नहीं हुआ था।''

''एक बात मुझे बुरी लगी। अन्य छात्रों ने मेरा मज़ाक बनाया क्योंकि मैं वही थी जिसे लोग 'खान बादोश' लड़की (बंजारन) कहते हैं। मुझे नहीं पता था कि लोग हमसे नफरत क्यों करते हैं। हम उन्हीं के जैसे हैं! लेकिन मेरे शिक्षा के लिए जुनून ने मुझे इसे सहन करने में मदद की और बाद में मैंने स्कूल में मित्र बनाये!''

''जब मैंने स्कूल जाना शुरू कर दिया तो अन्य लागों ने भी अपने बच्चों को स्कूल भेजना शुरू कर दिया। शिक्षा के माध्यम से मैं समाज में सम्मान पा सकती हूं। मैं शिक्षा पाने और एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं, जिससे मैं अपने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ सकूं।''

''मुझे पता चला कि सभी बच्चों के अधिकार हैं। यह एक अद्भुत अनुभव था। लेकिन यहां वयस्कों को शिक्षित करने की आवश्यकता है जिससे वे लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना शुरू करें।''

''स्कूल के बाद मैं सदैव कूड़ा एवं कचरा उठाती हूं। जब हम कचरा इकट्ठा करती हूँ तो अन्य लोग हमारे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे मानो हम इंसान नहीं हैं। और विक्रेता हमारे कूड़े का भार करते समय अक्सर हमको धोखा दे देते हैं।''

''हम हमेशा कूड़े से घिरे रहे हैं। कूड़े के बिना और भी अच्छा रहा होता। लेकिन फिर हम पैसे कैसे कमाते? मैं अब भी कूड़ा रति पीढ़ी से जुड़े हुए खुश हूं। हमें कूड़े के बारे में लोगों को सिखाने, पर्यावरण के प्रति जागरूक होने और उनकी आदतों को बदलने की जरूरत है। यह सुंदर होगा जब हम कूड़ा रहित दिवस पर कूड़ा उठाएंगे।''

''स्कूल जाना एक चमत्कार था।''

कूड़ा रहित दिवस स्कूल के लिए भुगतान करता है

निशा और उसके मित्र 'कूड़ा रहित दिवस' के दौरान उठाये गये कूड़े को विक्रेताओं को बेचेंगे। जो पैसा उनको मिलेगा वह उनके स्कूल के खर्चों में उपयोग किया जाएगा। सिदरा और उसके मित्र भी उस दिन उठाए गए कूड़े से जो पैसा पाएंगे वह उनकी स्कूली शिक्षा में इस्तेमाल हो जाएगा।

PHOTO: ALI HAIDER

'कूड़ा रहित पीढ़ी' कूड़ा बटोरते

निशा और उसके दोस्त पहले से ही 'कूड़ा रहित पीढ़ी' का भाग बन चुके हैं, और यहां निशा उस कूड़े का भार लेती है जो उन्होंने वहां से बटोरा है जहां वो रहते हैं और ईंट के भट्ठा से।

جیلٌ بلا مُهمَلات

JIIL QASHIN LA'AAN AH

स्वच्छ पीढ़ी

کچرے سے پاک نسل

SKRÄPFRI GENERATION

NO LITTER GENERATION

NO LITTER *generation*

نسل بدون زباله

GÉNÉRATION SANS DÉCHETS

GENERACIÓN SIN RESIDUOS

نسل بدون كثافات

GERAÇÃO SEM SUJEIRA

फोहोर नफाल्ने दिन

WITH SUPPORT FROM SVENSKA POSTKOD LOTTERIET

KEEP SWEDEN TIDY

THE WORLD'S CHILDREN'S PRIZE FOR THE RIGHTS OF THE CHILD

WITH SUPPORT FROM UNITED POSTCODE LOTTERIES